THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com
Vaartha Hindi
@Vaartha_Hindi
Vaartha official
www.hindi.vaartha.com

वर्ष-30 अंक : 135 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) भाद्रपद कृ.1 2082 रविवार, 10 अगस्त-2025

प्रधान संपादक – डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर ※ पृष्ठ : 16+32 मूल्य : 8 रुपये

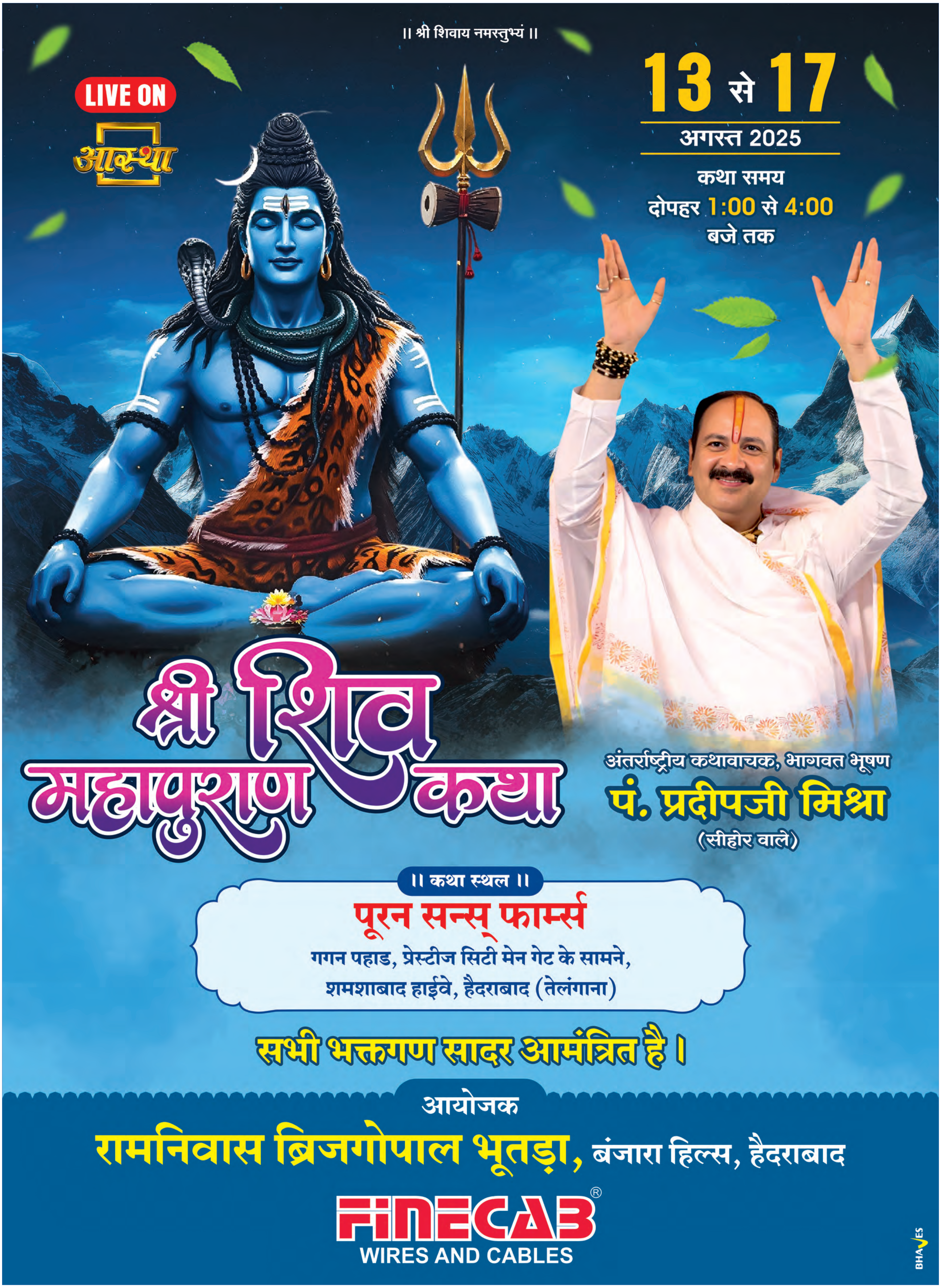

पति ने किया पत्नी और दो बेटियों का कत्ल, वारदात के बाद आरोपी फरार

नई दिल्ली, 9 अगस्त (एजेंसियां)। देश की राजधानी दिल्ली तीन हत्याओं से दहल उठी। एक शख्स ने अपनी पत्नी और दो बेटियों को मार डाला। रक्षाबंधन के दिन हुई सनसनीखेज वारदात से इलाके में सनसनी फैल गई। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने शवों को कब्जे में लेकर फरार आरोपी की तलाश शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार, दिल्ली के करावल नगर इलाके में प्रदीप नाम के एक व्यक्ति ने अपनी पत्नी और पांच और सात साल की दो बेटियों की हत्या कर दी। वारदात को अंजाम देकर आरोपी फरार है।पुलिस ने हत्या का मामला दर्ज कर लिया है। साथ ही आरोपी की तलाश शुरू कर दी है।

देश विरोधी नारे लिखने के मामले में दो गिरफ्तार

अमृतसर, 9 अगस्त (एजेंसियां)। अमृतसर में तीन सार्वजनिक स्थलों पर देश विरोधी नारे लिखने के सनसनीखेज मामले में पंजाब पुलिस ने 24 घंटे के भीतर दो आरोपियों को धर दबोचा। गिरफ्तार किए गए आरोपियो की पहचान बटाला के गांव दरगाबाद निवासी जशनप्रीत सिंह और एक 17 साल की नाबालिग के रूप में हुई है। यह खुलासा पंजाब के डीजीपी गौरव यादव ने किया। पुलिस जांच में सामने आया कि दोनों आरोपी विदेश में रहने वाले शमशेर सिंह उर्फ शेरा मान के संपर्क में थे। शेरा मान ने कुख्यात संगठन सिख्स फॉर जस्टिस के प्रमुख गुरपतवंत सिंह पन्नू के निर्देश पर इन्हें यह काम सौंपा था। आरोपियों को रुपयों का लालच दिया गया, लेकिन घटना के बाद उन्हें कोई भुगतान नहीं मिला। डीजीपी के अनुसार, दोनों ने बटाला से स्प्रे पेंट खरीदा और स्नैपचैट के जरिए डिजाइन चुनने के बाद नारे लिखे। इसके बाद उन्होंने तस्वीरें खींचकर शेरा मान के साथ साझा कीं। पुलिस ने दोनों को हिरासत में लेकर गहन पूछताछ शुरू कर दी है।

नाबालिग से दुष्कर्म के प्रयास के आरोप में युवक गिरफ्तार

भुवनेश्वर, 9 अगस्त (एजेंसियां)। ओडिशा के मयूरभंज जिले में एक युवक को अपने दोस्तों के साथ मिलकर अपनी नाबालिग प्रेमिका से दुष्कर्म का प्रयास किया। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि आरोपी के दोस्त घटना के बाद से फरार हैं। शिकायतकर्ता 17 वर्षीय लड़की है। वह 2 अगस्त को ट्यूशन से घर जा रही थी, तभी युवक उसे किसी बहाने से पास के जंगल में ले गया। आरोपी के दो-चार दोस्त भी उसके साथ हो लिए। उन्होंने कथित तौर पर लड़की के साथ दुष्कर्म का प्रयास किया, लेकिन लड़की किसी तरह भाग निकली और घर पहुंच गई। उदाला थाने के प्रभारी निरीक्षक बनमाली बारिक ने बताया कि पीड़िता के परिवार की ओर से 4 अगस्त को दर्ज कराई गई शिकायत के आधार पर उदाला थाने में मामला दर्ज किया गया और मुख्य आरोपी को शुक्रवार को गिरफ्तार कर लिया गया। निरीक्षक ने कहा, 'हम मुख्य आरोपी के दोस्तों की तलाश कर रहे हैं। इस मामले में दो से चार अन्य लोगों के शामिल होने का संदेह है।'

एक-दूसरे को बचाने में नदी में डूबे 4 दोस्त

सागर, 9 अगस्त (एजेंसियां)। जिले के सानौधा स्थित बेबस नदी में रक्षाबंधन से एक दिन पहले नहाने गए पांच युवकों में से चार की डूबने से मौत हो गई। चारों दोस्त एक-दूसरे को बचाने के प्रयास में खुद भी पानी में समा गए। इस हादसे के बाद से खुशीपुरा मोहल्ले में मातम पसरा है, वहीं परिजन का रो-रोकर बुरा हाल है। सूचना मिलने के बाद पुलिस और एसडीआरएफ की टीम देर रात तक सर्च ऑपरेशन चलाती रही, लेकिन अंधेरा और मुश्किल हालात के चलते रात में तलाशी अभियान रोकना पड़ा। शनिवार को टीम ने तीन शव बाहर निकाल लिए हैं। ये शव सुमित पिता फूल चंद्र अहिरवार (22), निखिल पिता महेंद्र अहिरवार और राज पिता साहब सिंह अहिरवार के हैं।

बच्चों को पढ़ाई जा रही क से काबा, म से मस्जिद न से नमाज, स्कूल में हंगामा

रायसेन, 9 अगस्त (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश में रायसेन के जिले में एक प्राइवेट स्कूल में मासूम बच्चों को क से काबा, म से मस्जिद, न से नमाज और औ से औरत हिजाब में पढ़ाया जा रहा है। ये सारी चीजें नर्सरी की किताब में छपाई गई हैं। शहर के एक निजी स्कूल में नर्सरी के बच्चों को पढ़ाए जा रहे शब्दों पर बच्चों के अभिभावकों और अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के कार्यकर्ताओं ने कड़ी आपत्ति जताई है। लोगों ने स्कूल प्रबंधन के खिलाफ प्रदर्शन करते हुए जमकर नारेबाजी की और स्कूल की मान्यता रद्द किए जाने की मांग जिला शिक्षा अधिकारी से की है। दअरसल शहर के एक कॉन्वेंट स्कूल में नर्सरी के बच्चों को 'क से काबा', 'म से मस्जिद', 'न से नमाज' और 'औ से औरत हिजाब में थी' जैसे शब्द पढ़ाए जा रहे थे। इस बात को लेकर परिजन और अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) के कार्यकर्ताओं का गुस्सा फूट पड़ा और उन्होंने स्कूल में हंगामा कर दिया। बच्चों के अभिभावकों और एबीवीपी के कार्यकर्ताओं ने इस सामग्री को सनातन संस्कृति के खिलाफ बताया। वहीं स्कूल की प्राचार्य ने कहा कि म से मस्जिद के साथ म से मंदिर भी पढ़ाया जा सकता है। यह सुनकर एबीवीपी कार्यकर्ता भड़क गए। कार्यकर्ताओं ने स्कूल की मान्यता रद्द करने की मांग करते हुए जिला शिक्षा अधिकारी को फोन पर शिकायत दर्ज कराई।

100 फुट लंबी दीवार गिरने से बड़ा हादसा दो बच्चियों समेत 7 लोगों की मौत

नई दिल्ली, 9 अगस्त (एजेंसियां)। साउथ ईस्ट दिल्ली के जैतपुर थाना इलाके में आज (शनिवार, 9 अगस्त) एक हादसा हो गया। एक इमारत की लगभग 100 फुट लंबी दीवार अचानक गिर गई जिसकी, चपेट में पास की कई झुग्गियां आ गई हैं। वहां से 8 लोगों को रेस्क्यू करके एम्स ट्रामा सेंटर और सफदरजंग हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया, जिनमें से 7 की मौत हो गई। मौके पर दिल्ली पुलिस, फायर ब्रिगेड, एनडीआरएफ की टीम तैनात हैं। झुग्गियों और दीवार के नीचे सर्च किया जा रहा है कि कोई और तो नहीं दबा हुआ है। मृतकों में तीन पुरुष, दो महिल और दो लड़कियां शामिल हैं। सभी की पहचान कर ली गई है। मृतकों के नाम रुबीना (25 वर्ष), डॉली (25 वर्ष), रुखसाना (6 वर्ष) और हसीना (7 वर्ष) शामिल हैं। वहीं, एक घायल हिशबुल है जिसका अस्पताल में इलाज चल रहा है। शनिवार (9 अगस्त) की सुबह करीब 9:30 बजे हरी नगर गांव के पीछे बने झुग्गियों के ऊपर समाधि की दीवार गिरने से हादसा हो गया। मौके पर पहुंचे डीसीपी साउथ ईस्ट हेमंत तिवारी ने बताया कि जैसे ही मामले की सूचना मिली, 5 से 7 मिनट में लोकल पुलिस मौके पर पहुंच गई। लोगों की मदद से और जेसीबी बुलाकर वहां से लोगों को निकाला गया। दो अलग-अलग हॉस्पिटल में इन्हें भेजा गया। मौके पर और विभागों की टीम भी पहुंची। मौके पर पहुंचे फायर ब्रिगेड की टीम के इंचार्ज सफदरजंग स्टेशन के ऑफिसर मनोज महलावत ने बताया कि लगभग 100 फुट लंबी दीवार है, जो समाधि स्थल पर बनी थी। इसकी चपेट में कई झुग्गियां आई हैं और यहां से लोगों को निकाल करके हॉस्पिटल में भेजा गया है।

संघ और भारत तिब्बत सहयोग मंच की

बहनों ने संघ प्रमुख मोहन भागवत को बांधी राखी, दी शुभकामनाएं

नई दिल्ली, 9 अगस्त (एजेंसियां)। देशभर रक्षाबंधन का त्योहार बड़े ही धूमधाम के साथ मनाया जा रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से लेकर हर कोई रक्षाबंधन का पर्व मना रहा है। संघ प्रमुख मोहन भागवत ने भी नागपुर में राखी का त्योहार मनाया है। यहां उन्होंने रक्षा बंधन के अवसर पर क्षेत्रीय तिब्बतियन महिला संघ और भारत तिब्बत सहयोग मंच की बहनों ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक डॉ। मोहन भागवत को राखी बांधी है। भारत तिब्बत सहयोग मुवमेन्ट की महिला कार्यकर्ताओं ने रक्षाबंधन के मौके पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) मुख्यालय नागपुर में सरसंघचालक डॉ। मोहन भागवत को राखी बांधी। इस दौरान 30 से ज्यादा बहनों ने संघ प्रमुख को राखी बांधी है। आपको बता दें कि पिछले कई सालों से संघ प्रमुख और संघ के कई पदाधिकारी भारत तिब्बत सहयोग मुवमेन्ट की महिला कार्यकर्ताओं से राखी बंधवाते आ रहे हैं। इस दौरान मोहन भागवत ने महिलाओं को मिठाई भेंट की।

कर्नाटक में महिला का कटा हुआ सिर मिला

10 अलग-अलग जगहों से शव के टुकड़े बरामद, 4 दिन से लापता थी महिला

बेंगलुरु, 9 अगस्त (एजेंसियां)। कर्नाटक के टुमकुरु जिले में 42 साल की एक महिला के शरीर के टुकड़े जिले की 10 अलग-अलग जगहों पर मिले। शुक्रवार को सिद्धरबेट्टा के पास महिला का सिर मिला था।

7 अगस्त को लिंगपुरा गांव में एक कुत्ता सड़क पर एक कटा हुआ हाथ खींचते हुए देखा गया। स्थानीय लोगों ने पुलिस को सूचना दी। कुछ ही दूरी पर एक और हाथ प्लास्टिक की थैली में लिपटा मिला।

इसके बाद पुलिस ने तलाशी अभियान चलाया, जिसमें पुलिस को कई जगहों से महिला के शरीर के अन्य हिस्से बरामद हुए। इसमें आंतें, पेट के अंग, एक पैर और खून से सनी थैलियां शामिल थीं। शरीर के ये टुकड़े कोराटगेरे और कोलाला थाने के अंतर्गत आने वाले कई स्थानों से मिले।

4 अगस्त से लापता थी महिला

हाथों पर बने टैटू और चेहरे के आधार पर मृतका की पहचान लक्ष्मीदेवम्मा के रूप में हुई, जो टुमकुरु तालुक के बेल्लावी गांव की रहने वाली थी। वह 4 अगस्त से लापता थी। उनके पति बसवराजु ने शिकायत दर्ज कराई थी कि 3 अगस्त को वह अपनी बेटी से मिलने उरदिगेरे गई थी लेकिन रात तक घर नहीं लौटी। पुलिस का मानना है कि हत्या 5 अगस्त को की गई और शव की पहचान छिपाने के लिए अलग-अलग जगहों पर फेंका गया। हत्या का मकसद और आरोपी अब तक सामने नहीं आए हैं। पुलिस मामले की गंभीरता से जांच कर रही है।

उपराष्ट्रपति चुनाव में इंडिया गठबंधन भी उतार सकता है उम्मीदवार, शरद पवार ने दिया बड़ा संकेत

मुंबई, 9 अगस्त (एजेंसियां)। उपराष्ट्रपति चुनाव में इंडिया गठबंधन भी अपना उम्मीदवार उतार सकता है। इंडिया गठबंधन इस पर विचार कर रहा है। एनसीपी (शरद) गुट के नेता शरद पवार ने शनिवार को कहा कि उपराष्ट्रपति चुनाव में इंडिया गठबंधन का उम्मीदवार कौन होगा, इसके लिए हम इस हफ्ते मीटिंग करेंगे और हम अपना नाम देंगे।

एक सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि हम लोग इस संबंध में मीटिंग करेंगे। जिसमें संभावित नाम पर विचार किया जाएगा। उन्होंने कहा कि इससे ज्यादा जानकारी मैं नहीं दे सकता। बता दें कि उपराष्ट्रपति पद के लिए चुनाव की प्रक्रिया जारी है। नामांकन की आखिरी तारीख 21 अगस्त है। जरुरी होने वाला है 9 सितंबर को चुनाव होगा।

शरद पवार ने कई सवालों का दिया जवाब

शरद पवार ने प्रेस कांफ्रेंस में कहा कि बिहार में एसआईआर के लेकर हमारे मन में कुछ शंका है। पिछले 15 दिन से इस इशू पर पार्लियामेंट मे हंगामा हो रहा है। पार्लियामेंट चल नहीं रही है। डोनाल्ड ट्रंप के टैरिफ पर प्रतिक्रिया देते हुए शरद पवार ने कहा कि उन्हें लगता है कि अमेरिका भारत पर प्रेशर बना रहा है। हमें लगता है कि ऐसे इशू पर हम सब देशवासियो को मिलकर देश के हितों की रक्षा करने के लिये सरकार को सहयोग देना चाहिये। क्या सरकार की डिप्लोमसी फेल हो गई? इस पर प्रतिक्रिया देते हुए शरद पवार ने कहा कि ऐसा मैं नहीं कहना चाहता। ट्रंप का एप्रोच हमने पहले भी देखा है और अभी भी देख रहे है। मुझे लगता है कि उनके उपर किसी का कंट्रोल नहीं है, जो उनके मन में आता है, वैसा वो करते हैं। इसलिये मुझे लगता है कि उस पर ज्यादा ध्यान नहीं देना चाहिये।

मराठी लोगों और राज ठाकरे के खिलाफ अपमानजनक टिप्पणी

मनसे कार्यकर्ताओं ने फूड स्टॉल संचालक को पीटा

मुंबई, 9 अगस्त (एजेंसियां)। महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना के कार्यकर्ताओं ने ठाणे जिले के कल्याण इलाके में एक फूड स्टॉल संचालक की पिटाई कर दी। बताया गया कि मनसे कार्यकर्ताओं ने फूड स्टॉल संचालक पर मराठी लोगों और राज ठाकरे के खिलाफ अपमानजनक टिप्पणी करने का आरोप लगाते हुए कथित तौर पर हमला कर दिया। इसका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है।

वीडियो का संज्ञान लेते हुए एक पुलिस अधिकारी ने कहा कि कानून को कोई भी अपने हाथ में नहीं ले सकता है। हमने निगरानी बढ़ा दी है घटना दुर्गामाता मंदिर चौक इलाके के एक होटल में हुई। वीडियो क्लिप में मनसे के कल्याण (पूर्व) पदाधिकारी कुश राजपूत और अन्य कार्यकर्ता एक दक्षिण भारतीय फूड आउटलेट के संचालक से भिड़ते और उसकी पिटाई करते हुए दिखाई दे रहे हैं। वीडियो में देखा गया कि उसे माफी मांगने और भविष्य में ऐसी टिप्पणी न करने का वादा करने के लिए मजबूर किया गया। घटना ठाणे जिले के मीरा भयंदर इलाके में मनसे कार्यकर्ताओं की ओर से एक उत्तर भारतीय मिठाई की दुकान के मालिक की मराठी न बोल पाने के कारण पिटाई की घटना के बाद हुई।

15 अगस्त से पहले दिल्ली में एसटीएफ का बड़ा एक्शन 10 सेमी-ऑटोमैटिक पिस्टल और मैगजीन जब्त

नई दिल्ली, 9 अगस्त (एजेंसियां)। स्वतंत्रता दिवस से पहले दिल्ली में सुरक्षा कड़ी कर दी गई है। इस दौरान, सरिता विहार में एसटीएफ ने छापेमारी की, जिसमें हथियारों का जखीरा बरामद हुआ है। 15 अगस्त से पहले एसटीएफ को बड़ी कामयाबी मिली है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, जो हथियार बरामद किए गए हैं, उनमें 10 सेमी-ऑटोमैटिक पिस्टल और मैगजीन भी शामिल हैं। यह सभी हथियार अत्याधुनिक श्रेणी के हैं। इस मामले में एक शख्स को भी गिरफ्तार किया गया है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, दिल्ली पुलिस ने हथियार मिलने के मामले में अमित नाम के एक शख्स को गिरफ्तार किया है। उससे अभी पूछताछ चल रही है। बताया जा रहा है कि बरामद किए गए हथियार मध्य प्रदेश से दिल्ली लाए गए थे। बाकी की जानकारी पुलिस की पूछताछ के बाद सामने आएगी। बता दें कि देश में 5 दिन बाद ही स्वतंत्रता दिवस मनाया जाना है, ऐसे में इस तरह की गतिविधियों से भय का माहौल बन सकता है। इसलिए कहा जा रहा है कि एसटीएफ के इस एक्शन से एक बड़ा हादसा टल गया है। इसके पहले दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच को भी बड़ी सफलता मिली थी। दरअसल, कुछ दिन पहले ही क्राइम ब्रांच ने अवैध हथियार बनाने और सप्लाई करने वाले गैंग को पकड़ा था। इसमें गैंग मास्टरमाइंड बिलाल खान उर्फ बिल्ला समेत 6 लोगों की गिरफ्तारी हुई थी।

रक्षाबंधन के दिन पंजाब के दो जवान शहीद

जम्मू-कश्मीर में आतंकी मुठभेड़, 11 माह पहले हुई थी हरमिंदर की शादी

फतेहगढ़, 9 अगस्त (एजेंसियां)। साहिब रक्षाबंधन के दिन पंजाब के दो जवान देश के लिए शहीद हो गए हैं। जम्मू-कश्मीर के कुलगाम के अखल इलाके में आतंकियों और जवानों के बीच मुठभेड़ चल रही है। मुठभेड़ में दो जवान बलिदान हो गए। दोनों जवान पंजाब के अलग-अलग जिलों के हैं। इनमें एक फतेहगढ़ साहिब के मंडी गोबिंदगढ़ का हरमिंदर सिंह और दूसरा खन्ना के समराला का लांस नायक प्रीतपाल सिंह है। रक्षाबंधन के दिन यह पंजाब के लिए दुखद खबर है। फतेहगढ़ जिले के औद्योगिक शहर मंडी गोबिंदगढ़ से सटे गांव बदीनपुर का हरमिंदर सिंह पुत्र जसवंत सिंह सिख फोर्स ट्रेनिंग रेजिमेंट में तैनात था। इसके अलावा एक खन्ना जिले के समराला हलके के गांव मानुपुर का लांस नायक प्रीतपाल सिंह पुत्र हरबंस सिंह भी देश के लिए कुर्बान हुआ है।

जानकारी के अनुसार दोनों जवान जम्मू-कश्मीर के कुलगाम जिले के अलख इलाके जंगल में आतंकियों से मुठभेड़ के दौरान शहीद हो गए। दोनों ही लोकसभा क्षेत्र फतेहगढ़ साहिब से संबंध रखते हैं। रक्षाबंधन के दिन आई इस दुखद खबर से दोनों परिवारों में मातम का माहौल है। प्रीतपाल सिंह की शादी को अभी 11 महीने ही हुए थे। उनकी पत्नी रक्षाबंधन पर घर में त्योहार मनाने की उम्मीद कर रही थी। हरमिंदर सिंह की मां और बहनें उनकी सकुशल वापसी का इंतजार कर रही थीं। लेकिन कुदरत को कुछ और ही मंजूर था।

तिहाड़ जेल में दो कैदियों की नाले में डूबकर मौत, 3 अधिकारी सस्पेंड

नई दिल्ली, 9 अगस्त (एजेंसियां)। दिल्ली की तिहाड़ जेल में सुबह एक चौंकाने वाली घटना सामने आई। जेल नंबर 8 में हत्या के दो दोषी कैदी, अमित और विनय कुमार, बरसाती नाला साफ करते वक्त डूब गए। आधिकारिक सूत्रों के मुताबिक, यह हादसा सुबह करीब साढ़े 8 बजे हुआ। सूत्रों ने बताया कि शुरुआत में खबर मिली थी कि इन दोनों कैदियों को सफाई का काम दिया गया था, लेकिन रिकॉर्ड में ऐसा कोई आदेश दर्ज नहीं है। अब जांच इस बात की भी हो रही है कि क्या वे खुद ही वहां चले गए थे और गलती से फिसल गए। कहा जा रहा है कि एक कैदी पहले नाले में गिरा और दूसरा उसे बचाने के लिए कूदा, लेकिन दोनों ही बाहर नहीं निकल पाए।

दोनों को नाले से बेहोशी की हालत में बाहर निकाला गया और तुरंत अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। दोनों कैदी हत्या के मामले में दोषी ठहराए गए थे और सजा काट रहे थे। हादसे के बाद जेल प्रशासन ने तुरंत न्यायिक और पुलिस जांच शुरू कर दी है। साथ ही, किसी तरह की लापरवाही या चूक की संभावना को देखते हुए विभागीय जांच के भी आदेश दिए गए हैं। इस मामले में तीन अधिकारियों, एक उप अधीक्षक, एक सहायक अधीक्षक और एक हवलदार को निलंबित कर दिया गया है।

जबरन वसूली के आरोप में छह लोग गिरफ्तार

इंफाल, 9 अगस्त (एजेंसियां)। सुरक्षा बलों ने इंफाल पूर्वी और पश्चिमी जिलों से जबरन वसूली की गतिविधियों में शामिल होने के आरोप में दो उग्रवादियों सहित छह लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने बताया कि इंफाल पूर्वी जिले के तेलीपती क्षेत्र में दुकानों और स्थानीय जनता से जबरन वसूली करने वाले चार लोगों को गिरफ्तार किया गया। प्रतिबंधित पीपुल्स लिबरेशन आर्मी के एक सक्रिय कैडर को इंफाल पूर्वी जिले के हुइकाप माखा लेइकाई से गिरफ्तार किया गया। प्रतिबंधित कांगलीपाक कम्युनिस्ट पार्टी (पीडब्ल्यूजी) के एक उग्रवादी को मोइदांगपोक मानिंग से गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने बताया कि वह आम जनता से जबरन वसूली और महिलाओं के खिलाफ अपराधों से जुड़े मामलों को डरा-धमकाकर निपटाने में शामिल था। वहीं सुरक्षा बलों ने काकचिंग जिले के लूसी पाट चिंगखोक क्षेत्र से एक इंसास राइफल, एक सिंगल बैरल राइफल और एक स्थानीय रूप से निर्मित पिस्तौल सहित तीन हथियार बरामद किए।

हिमंत बिस्व सरमा ने दी रक्षाबंधन की बधाई

गुवाहाटी, 9 अगस्त (एजेंसियां)। असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने शनिवार को राज्य की महिलाओं को सशक्त बनाने की अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि करते हुए सभी को रक्षाबंधन की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि यह अवसर विश्वास और सुरक्षा के बंधन की याद दिलाता है जो रिश्तों को परिभाषित करता है। सरमा ने एक्स पर लिखा कि रक्षाबंधन के शुभ अवसर पर मैं सभी भाइयों और बहनों को हार्दिक शुभकामनाएं देता हूं। यह पवित्र त्योहार हमें प्रेम, विश्वास और सुरक्षा के अटूट बंधन की याद दिलाता है जो हमारे रिश्तों को परिभाषित करता है। असम की मेरी बहनों, मैं हमेशा आपके साथ खड़ा रहूंगा और हर कदम पर आपकी रक्षा और सशक्तीकरण करूंगा।

एमडी ड्रग्स मामले में फरार तस्कर का भाई शाकिर गिरफ्तार

भोपाल, 9 अगस्त (एजेंसियां)। भोपाल में एमडी ड्रग्स तस्करों के खिलाफ की जा रही भोपाल पुलिस की कार्रवाई में शुक्रवार को एक और तस्कर गिरफ्तार किया गया है। आरोपी अपने बड़े भाई और एमडी ड्रग्स तस्कर सनव्बर को छिपाने, उसे फरार कराने और आपराधिक षड्यंत्र में शामिल होने का आरोप है। पुलिस सनव्बर की तलाश कर ही रही थी कि शाकिर मिल गया। शकीर भी एनडीपीएस एक्ट में अरेस्ट हुआ है। भोपाल क्राइम ब्रांच से मिली जानकारी के अनुसार एमडी ड्रग्स तस्कर सनव्बर सोनिया कॉलोनी ऐशबाग का रहने वाला है। यासीन मछली गिरोह से जुड़ा हुआ है। यासीन मछली और अन्य तस्करों के खिलाफ जब कार्रवाई की गई तो सनव्वर फरार हो गया। सनव्बर को भोपाल से फरार कराने में उसके छोटे भाई शाकिर ने मुख्य भूमिका निभाई थी। शाकिर भी तस्कर गिरोहस से जुड़ा हुआ है। सनव्बर को भोपाल में छिपाने, भागने में मदद करने में शामिल शाकिर को एनडीपीएस एक्ट में गिरफ्तार कर भोपाल जिला अदालत में पेश किया गया, जहां से उसे जेल भेज दिया गया है।

ट्रेन में सवार युवक के हाथ से छीना 40 हजार का मोबाइल

भोपाल, 9 अगस्त (एजेंसियां)। ओवर नाईट एक्सप्रेस में सवार एक युवक के हाथ से बदमाश 40 हजार का मोबाइल फोन छीनकर भाग निकला। कई अन्य यात्रियों के मोबाइल समेत हजारों का सामान चोरी हो गया। जीआरपी ने सभी मामलों में केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार जबलपुर निवासी सौरभ लोधी ओवर नाईट एक्सप्रेस के जनरल कोच में जबलपुर से इंदौर की यात्रा कर रहा था। वह कोच के गेट पर बैठा हुआ था। भोपाल स्टेशन आने से पहले आउटर पर ट्रेन की रफ्तारी काफी कम हो गई, तभी अचानक एक बदमाश ने सौरभ के हाथ पर झपट्टा मारकर आईफोन छीन लिया और भाग निकला। लूटे गए मोबाइल की कीमत चालीस हजार रुपए बताई गई है।

लुटेरों ने महिला से सोने की चेन और झुमके छीने

नई दिल्ली, 9 अगस्त (एजेंसियां)। दिल्ली में अपराधियों ने फिर से एक बार खौफनाक वारदात को अंजाम दिया है और इस घटना का हैरान कर देने वाला वीडियो सामने आया है। दिल्ली के शकरपुर के डी ब्लॉक में कुछ अपराधियों ने एक महिला का गला पकड़ लिया और उसकी गले से सोने की चैन और कानों से झुमके छीन लिए। बदमाशों ने महिला की गर्दन इतनी जोर से दबाई कि महिला मौके पर ही गिरकर बेहोश हो गई। आसपा से लोगों ने जब महिला को बेहोश देखा तो उसे प्राथमिक उपचार दिया, इससे महिला की जान तो बच गई लेकिन अगर किसी की नजर नहीं पड़ती, उपचार में देर हो जाती तो उसकी जान जा सकती थी। घटना का पता चलने के बाद दिल्ली पुलिस मामले की जांच में जुट गई है और लुटेरों की तलाश के लिए छापेमारी कर रही है।

7 कैदियों को मेडिकल के लिए ले जाते समय लापरवाही, 9 पुलिसकर्मी निलंबित

ठाणे, 9 अगस्त (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के ठाणे शहर में 7 विचाराधीन कैदियों को मेडिकल जांच के लिए ले जाते समय कथित लापरवाही और ड्यूटी में कोताही बरतने के आरोप में 9 पुलिसकर्मियों को निलंबित कर दिया गया है। एक वरिष्ठ अधिकारी ने यह जानकारी दी। अधिकारी ने बताया कि जांच में पाया गया कि 4 अगस्त को जब 7 विचाराधीन कैदियों को कलवा सिविक अस्पताल ले जाया गया तो कई गड़बड़ियां हुईं। उन्होंने बताया कि इसके आधार पर पुलिस उपायुक्त (मुख्यालय-दो) डॉ। पवन बन्सोड ने निलंबन आदेश जारी किया। अधिकारी ने कहा कि पुलिस टीम कैदियों की ठीक से निगरानी करने में नाकाम रही, जिससे कदाचार का संदेह पैदा हुआ।

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com
Vaartha Hindi
@Vaartha_Hindi
Vaartha official
www.hindi.vaartha.com

वर्ष-30 अंक : 135 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) भाद्रपद कृ.1 2082 रविवार, 10 अगस्त-2025

प्रधान संपादक – डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर ✻ पृष्ठ : 16+32 मूल्य : 8 रुपये

छड़ी मुबारक अमरनाथ गुफा पहुंची, यात्रा का समापन

नई दिल्ली, 9 अगस्त (एजेंसियां)। अमरनाथ यात्रा का समापन शनिवार को छड़ी मुबारक के पवित्र गुफा मंदिर पहुंचने के साथ हुआ। पारंपरिक तरीके से महंत दीपेंद्र गिरि की अगुआई में सैकड़ों साधुओं के साथ विशेष पूजा की गई, इसके बाद भक्तों को साल के अंतिम दर्शन कराए गए।

अमरनाथ यात्रा 3 जुलाई से शुरू हुई थी और भारी बारिश के कारण रास्ते खराब होने की वजह से 3 अगस्त से ही रोक दी गई थी। इस साल 4.10 लाख श्रद्धालु अमरनाथ गुफा में दर्शन किए, जबकि पिछले साल 5.10 लाख से ज्यादा श्रद्धालु पहुंचे थे।

प्रधानमंत्री मोदी का स्वागत है : चीन

भारतीय पीएम गलवान झड़प के बाद पहली बार चीन जाएंगे, एससीओ समिट में शामिल होंगे

बीजिंग, 9 अगस्त (एजेंसियां)। चीन ने कहा है कि वह भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का तियानजिन में होने वाले शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) शिखर सम्मेलन के लिए स्वागत करता है। यह पहला मौका होगा जब पीएम मोदी गलवान घाटी में 2020 की झड़प के बाद चीन की यात्रा करेंगे। चीन से पहले पीएम मोदी 30 अगस्त को जापान पहुंचेंगे। यहां वो भारत-जापान शिखर सम्मेलन में हिस्सा लेंगे।

मोदी इससे पहले 2018 में वहां गए थे। बतौर प्रधानमंत्री पीएम मोदी का यह छठा चीन दौरा होगा, जो 70 सालों में किसी भी भारतीय पीएम की सबसे ज्यादा चीन यात्रा है। चीन के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता लिन जियान ने एक्स पर पोस्ट कर बताया कि, 31 अगस्त से 1 सितंबर तक होने वाले इस शिखर सम्मेलन में 20 से अधिक देशों के नेता और 10 अंतर्राष्ट्रीय संगठनों के प्रमुख शामिल होंगे।

पिछले महीने जयशंकर ने चीन का दौरा किया :

पिछले महीने विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने चीन का दौरा किया था, जहां उन्होंने राष्ट्रपति शी जिनपिंग और विदेश मंत्री वांग यी से मुलाकात की। जयशंकर ने जल संसाधन डेटा शेयर करने, व्यापार प्रतिबंधों, एलएसी पर तनाव कम करने और आतंकवाद और उग्रवाद के खिलाफ कड़ा रुख अपनाने जैसे मुद्दों पर बात की थी। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, इस मुलाकात ने मोदी की चीन यात्रा का रोडमैप तैयार किया था।

आखिरी बार रूस में मिले थे मोदी और जिनपिंग :

मोदी और जिनपिंग ने आखिरी बार अक्टूबर 2024 में रूस के कजान में ब्रिक्स समिट के दौरान मुलाकात की थी। इस दौरान दोनों के बीच द्विपक्षीय बातचीत भी हुई थी। 50 मिनट की बातचीत में पीएम मोदी ने कहा था कि सीमा पर शांति और स्थिरता बनाए रखना हमारी प्राथमिकता होनी चाहिए। आपसी विश्वास, आपसी सम्मान और आपसी संवेदनशीलता हमारे संबंधों की नींव बनी रहनी चाहिए।

पीएम मोदी की यह चीन यात्रा ऐसे समय पर हो रही है, जब सारी दुनिया अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प की टैरिफ नीतियों से जूझ रही है।

'ऑपरेशन सिंदूर में पाक के पांच जेट मार गिराया' : आईएएफ प्रमुख

बेंगलूरू, 9 अगस्त (एजेंसियां)। वायुसेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल एपी सिंह ने ऑपरेशन सिंदूर में सेना की कार्रवाई के बारे में जानकारी दी। बेंगलूरू में वायुसेना प्रमुख ने कहा कि भारत की वायु रक्षा प्रणाली एस-400 ने पाकिस्तान के पांच लड़ाकू और एक बड़ा विमान मार गिराया। हमारी वायु रक्षा प्रणालियों ने शानदार काम किया है। इसमें एस-400 एक गेम-चेंजर साबित हुआ। उस प्रणाली की रेंज ने वास्तव में पाकिस्तान के विमानों को दूर रखा। पाकिस्तान के विमान हमारी वायुरक्षा प्रणाली को भेदने में सक्षम नहीं थे।

ऑपरेशन सिंदूर के दौरान मुरीदके और बहावलपुर के लश्कर मुख्यालय पर हमले के पहले और बाद की तस्वीरें दिखाते हुए उन्होंने कहा कि यह उनके वरिष्ठ नेतृत्व का आवासीय क्षेत्र है। यह उनका कार्यालय भवन था, जहां वे बैठक करते थे। हम हथियारों से वीडियो प्राप्त कर सकते थे क्योंकि स्थान सीमा के भीतर था।

ये वायुसेना द्वारा बहावलपुर के जैश मुख्यालय में पहुंचाए गए नुकसान की पहले और बाद की तस्वीरें हैं। यहां लगभग कुछ भी बचा नहीं है। आस-पास की इमारतें पूरी तरह सुरक्षित हैं। हमारे पास न केवल सैटेलाइट इमेज थी, बल्कि स्थानीय मीडिया से मिली तस्वीरें भी थीं। इसके जरिये हम अंदर की तस्वीरें प्राप्त कर सके।

300 किमी दूर से मार गिराए पाकिस्तान के लड़ाकू विमान :

वायुसेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल

एपी सिंह ने कहा कि हमें पता लगा है कि पाकिस्तान के पांच लड़ाकू विमानों को हमने मार गिराया। साथ ही एक बड़ा विमान भी था, जो या तो एक एलिंट विमान या एईडब्ल्यू सी विमान हो सकता है। इसे लगभग 300 किलोमीटर की दूरी से मार गिराया गया। यह वास्तव में अब तक का सबसे बड़ा सतह से हवा में मार करने वाला हमला था।

उन्होंने कहा कि इसके अलावा शाहबाज जैकबाबाद हवाई अड्डे पर भी हमला किया गया। यहां एक एफ-16 हैंगर का आधा हिस्सा नष्ट हो गया। मुझे लगता है कि हैंगर के अंदर भी कुछ विमान थे जो क्षतिग्रस्त हो गए हैं। हमने मुरीदके और चकलाला जैसे कम से कम दो कमांड और कंट्रोल सेंटर पर भी हमला किया। इसमें छह रडार नष्ट कर दिए गए। इसके अलावा हमें एईडब्ल्यू सी हैंगर में कम से कम एक एईडब्ल्यू सी और कुछ एफ-16 विमानों के होने के संकेत मिले हैं, जिनका वहां रखरखाव चल रहा था। उनको भी नष्ट कर दिया गया।

वायुसेना प्रमुख ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर में हमारी सफलता का प्रमुख कारण राजनीतिक इच्छाशक्ति का होना था। हमें बहुत स्पष्ट निर्देश दिए गए थे। हम पर कोई प्रतिबंध नहीं लगाए गए थे। अगर कोई बाधा थी तो वह स्व-निर्मित थी। हमने तय किया कि कितना आगे बढ़ना है। हमें योजना बनाने और उसे लागू करने की पूरी आजादी थी। हमने सोच-समझकर हमले किए थे क्योंकि हम इसे लेकर आश्वस्त होना चाहते थे। तीनों सेनाओं के बीच समन्वय था... सीडीएस के पद ने वास्तव में अंतर पैदा किया। वह हमें एक साथ लाने के लिए मौजूद थे। एनएसए ने भी सभी एजेंसियों को एक साथ लाने में बड़ी भूमिका निभाई।

ऑपरेशन सिंदूर से पाकिस्तान को बड़ा नुकसान पहुंचा :

वायुसेना प्रमुख ने कहा कि यह एक उच्च तकनीक वाला युद्ध था। 80 से 90 घंटों के युद्ध में हमने पाकिस्तान को इतना नुकसान पहुंचाया कि उनको लग गया कि अगर युद्ध जारी रहा तो उन्हें भारी कीमत चुकानी पड़ेगी। इसलिए पाकिस्तान आगे आया और हमारे डीजीएमओ को संदेश भेजा कि हम बात करना चाहते हैं।

कुलगाम में 2 जवान शहीद

1 अगस्त से जारी ऑपरेशन अखल का आज नौवां दिन

कुलगाम, 9 अगस्त (एजेंसियां)। जम्मू-कश्मीर में कुलगाम के अखल जंगल में जारी एनकाउंटर में दो जवान शहीद हो गए। शुक्रवार को कुल चार जवान घायल हुए थे। इलाज के दौरान लांस नायक प्रितपाल सिंह और सिपाही हरमिंदर सिंह की मौत हुई। शनिवार सुबह यह जानकारी आई।

ऑपरेशन अखल 1 अगस्त से जारी है। आज इसका नौवां दिन है। इसमें 2 अगस्त को 2 आतंकियों के मारे जाने की खबर आई थी। जबकि अब तक 9 जवान घायल हो चुके हैं। इनमें से ही दो की मौत हुई है।

2 अगस्त की सुबह मारे गए आतंकियों में से एक की पहचान पुलवामा के हारिस नजीर डार के रूप में हुई थी, जो सी-कैटेगरी का आतंकी था। हारिस उन 14 लोकल आतंकियों की लिस्ट में था, जिनके नाम खुफिया एजेंसियों ने पहलगाम हमले के बाद 26 अप्रैल को जारी किए थे। उसके पास से एके-47 राइफल, मैगजीन और गोला-बारूद बरामद हुआ था।

चुनाव आयोग की बड़ी कार्रवाई

334 गैर-मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों को पंजीकरण सूची से हटाया

नई दिल्ली, 9 अगस्त (एजेंसियां)। भारतीय निर्वाचन आयोग ने शनिवार को 334 गैर-मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों को पंजीकृत सूची से बाहर कर दिया। चुनाव आयोग के फैसले के बाद वर्तमान में सिर्फ 6 राष्ट्रीय दल और 67 क्षेत्रीय पार्टियां हैं, जबकि 2,520 पंजीकृत गैर-मान्यता प्राप्त राजनीतिक दल बचे हैं।

6 राष्ट्रीय पार्टियों में भाजपा और कांग्रेस के अलावा आम आदमी पार्टी, बसपा, सीपीएमआई और एनपीपी शामिल हैं। समाजवादी पार्टी, तृणमूल कांग्रेस और राष्ट्रीय जनता दल जैसे 67 प्रमुख दल चुनाव आयोग की सूची में क्षेत्रीय दलों के तौर पर पंजीकृत हैं।

आयोग ने प्रेस विज्ञप्ति में कहा कि सूची से बाहर किए गए राजनीतिक दल आयकर अधिनियम-1961 और चुनाव चिह्न (आरक्षण एवं आवंटन) आदेश-1968 के प्रासंगिक प्रावधानों के साथ जन प्रतिनिधित्व अधिनियम- 1951 की धारा 29बी और धारा 29सी के प्रावधानों के तहत कोई भी लाभ प्राप्त करने के पात्र नहीं होंगे। हालांकि, चुनाव आयोग ने सूची से बाहर किए गए राजनीतिक दलों को अपील के लिए 30 दिन का समय दिया है।

प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, जून 2025 में ईसीआई ने राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के मुख्य निर्वाचन अधिकारियों को 345 गैर-मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के सत्यापन की प्रक्रिया शुरू करने का निर्देश दिया था। इस प्रक्रिया के अंतर्गत अधिकारियों ने इन दलों की जांच की, उन्हें शोकॉज नोटिस जारी किए और व्यक्तिगत सुनवाई के माध्यम से अपनी बात रखने का अवसर दिया।

अधिकारियों की रिपोर्ट के आधार पर, 345 में से 334 दलों ने शर्तों का पालन नहीं किया। आयोग ने सभी तथ्यों और अधिकारियों की सिफारिशों पर विचार करने के बाद इन 334 गैर-मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों को सूची से हटा दिया है। चुनाव आयोग ने बताया कि अब कुल 2,854 गैर-मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों में से 2,520 दल शेष रह गए हैं।

निर्वाचन आयोग ने प्रेस विज्ञप्ति में कहा, राष्ट्रीय, क्षेत्रीय और गैर-मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों का पंजीकरण भारत निर्वाचन आयोग के जनप्रतिनिधित्व अधिनियम-1951 की धारा 29ए के अंतर्गत किया जाता है।

राजनीतिक दलों के पंजीकरण को लेकर यह नियम है कि यदि कोई पार्टी लगातार 6 साल तक चुनाव नहीं लड़ती, तो उसका नाम रजिस्ट्रेशन सूची से हटा दिया जाता है। इसके अतिरिक्त, धारा 29ए के तहत रजिस्ट्रेशन के समय राजनीतिक दलों को अपना नाम, पता, पदाधिकारियों की सूची आदि जैसी जानकारी देनी होती है और इसमें किसी भी प्रकार का परिवर्तन होने पर तत्काल आयोग को सूचित करना होता है।

आदिवासी भारत के पहले मालिक, उनके अधिकार की लड़ाई लड़ेगी कांग्रेस : राहुल गांधी

नई दिल्ली, 9 अगस्त (एजेंसियां)। कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और लोकसभा के नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी समेत तमाम कांग्रेस नेताओं ने आदिवासी समाज को विश्व आदिवासी दिवस की शुभकामनाएं दी हैं।

लोकसभा के नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पोस्ट करते हुए आदिवासी समाज के अधिकार और न्याय की लड़ाई लड़ने की बात दोहराई। उन्होंने लिखा, 'विश्व आदिवासी दिवस पर सभी आदिवासी भाई-बहनों को हार्दिक शुभकामनाएं। आपकी परंपराओं और जीवन मूल्यों ने भारत की पहचान को समृद्ध किया है। आप भारत के पहले मालिक हैं और आपके अधिकार, अस्मिता और न्याय की लड़ाई में हम आपके साथ हैं। कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने भी विश्व आदिवासी दिवस पर शुभकामनाएं दी।

खड़गे ने 'एक्स' पर पोस्ट में लिखा, विश्व आदिवासी दिवस पर हमारे आदिवासी समाज के सभी नागरिकों को बहुत-बहुत शुभकामनाएं एवं बधाई। जल-जंगल-जमीन और आदिवासी सभ्यता एवं परंपराओं का संरक्षण हमारा ध्येय है और कांग्रेस पार्टी आपके हितों की सुरक्षा के लिए पूर्णतः समर्पित है। जय जोहार, जय हिंद।

छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने भी आदिवासी दिवस की शुभकामनाएं दी। उन्होंने आदिवासी समाज के साथ हो रहे शोषण और अत्याचार के खिलाफ एकजुटता से खड़े होने की बात कही।

उन्होंने 'एक्स' पर लिखा, जल, जंगल और जमीन के निस्वार्थ सेवक एवं संरक्षक हमारे समस्त आदिवासी भाइयों-बहनों को विश्व आदिवासी दिवस पर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं। हम सदैव आदिवासियों पर हो रहे शोषण व अत्याचार के विरूद्ध आदिवासी समाज के साथ पूरी एकजुटता के साथ खड़े हैं।

राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री एवं वरिष्ठ कांग्रेस नेता अशोक गहलोत ने लिखा, विश्व आदिवासी दिवस की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं। प्रकृति पूजक आदिवासी समुदाय सदैव ही पर्यावरण संरक्षण तथा संस्कृति का रक्षक रहा है। हम सभी का प्रयास होना चाहिए कि आदिवासी समुदाय की भाषा, उनकी संस्कृति का संरक्षण हो तथा समावेशी विकास के जरिए उन्हें सशक्त तथा स्वावलंबी बनाया जाए एवं स्वास्थ्य तथा शिक्षा की सुविधाएं उन्हें प्राप्त हों।

चुनाव आयोग पर आरोप लगाने पर राहुल गांधी को भाजपा ने घेरा

कहा- वे हारते हैं तो ऐसे ही दोष मढ़ते हैं

नई दिल्ली, 9 अगस्त (एजेंसियां)। कांग्रेस नेता राहुल गांधी के चुनाव आयोग पर लगाए गए वोट चोरी के आरोप पर सियासत तेज हो गई है। राहुल गांधी के आरोपों पर भाजपा ने जवाब दिया है। भाजपा प्रवक्ता गौरव भाटिया ने कहा कि कांग्रेस पार्टी घोटालों में शामिल है। वे जब चुनाव हारते हैं, तो ऐसे ही दोष मढ़ते हैं।

भाजपा प्रवक्ता गौरव भाटिया ने कहा कि राहुल गांधी कभी ईवीएम को दोष देते हैं तो कभी वीवीपैट को। कभी वे भारत के चुनाव आयोग को। कभी वे जनता को गाली देते हैं और बिना तथ्यों के झूठे आरोप लगाते हैं। वे कभी औपचारिक शिकायत नहीं करते।

यदि वे कानून में उपाय चाहते हैं तो मुझे उनको याद दिलाना चाहिए कि हमारा देश, भारत, कानून के शासन, भारत के संविधान द्वारा शासित है और शिकायत दर्ज कराने की कुछ प्रक्रियाएं हैं। राहुल गांधी को औपचारिक शिकायत करनी होगी। वे मीडिया में निराधार आरोप लगाते हैं और उसके बाद कोई सांविधानिक संस्था सबूत मांगती है तो सबूत देने से इनकार कर देते हैं।

राहुल के आरोप :

विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने आरोप लगाया था कि भारत के चुनाव आयोग और भाजपा के बीच मिलीभगत हुई थी, जिसके परिणामस्वरूप प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को अपना तीसरा कार्यकाल मिला। उन्होंने कर्नाटक की बेंगलूरू सेंट्रल लोकसभा सीट के अंतर्गत आने वाले महादेवपुरा विधानसभा क्षेत्र का उदाहरण देते हुए कहा कि वहां 1,00,250 वोट चोरी हुए। उन्होंने बताया कि यह चोरी 5 अलग-अलग तरीकों से की गई, जिसमें डुप्लीकेट वोटर के 11,965, फर्जी या गलत पते वाले वोटर के 40,009, एक ही पते पर दर्ज सैकड़ों वोटर के 10,452, गलत फोटो वाले वोटर के 4,132 इसके साथ ही फॉर्म-6 का गलत इस्तेमाल के 33,692 मामले हैं।

पीएम मोदी ने ब्रह्माकुमारी दीदी और छोटी-छोटी बहनों से बंधवाई राखी

नई दिल्ली, 9 अगस्त (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को अपने आवास पर रक्षाबंधन मनाया। स्कूली बच्चों और आध्यात्मिक संस्था ब्रह्माकुमारी की सदस्यों ने उनकी कलाई पर राखी बांधी। यह त्यौहार भाई-बहन के पारंपरिक बंधन का उत्सव है। इससे पहले पीएम मोदी ने इस पावन अवसर पर लोगों को शुभकामनाएं देते हुए सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर एक संदेश भी पोस्ट किया।

प्रधानमंत्री मोदी ने दिल्ली में प्रधानमंत्री आवास 7 लोक कल्याण मार्ग पर रक्षाबंधन मनाया। इस दौरान पीएम मोदी को ब्रह्माकुमारी दीदी ने राखी बांधी। इसके अलावा छोटी-छोटी बच्चियों ने भी पीएम मोदी को राखी बांधी। स्कूल यूनिफॉर्म में स्कूली छात्राओं के साथ पीएम मोदी ने दिल छू लेने वाली तस्वीरें खिंचवाईं।

इससे पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रक्षाबंधन के अवसर पर देशवासियों को शुभकामनाएं दीं। अपने संदेश में उन्होंने भाई-बहन के बीच के बंधन को मजबूत करने में इस त्योहार के महत्व पर जिक्र किया। प्रधानमंत्री मोदी ने 'एक्स' पर लिखा, रक्षा बंधन के विशेष अवसर पर हार्दिक शुभकामनाएं।

प्रधानमंत्री मोदी को बच्चियों के साथ हंसी ठिठोली करते देखा गया। वे उनके साथ बात करते, उन्हें दुलार करते नजर आए। पीएम मोदी ने उनके साथ दिल छू लेने वाली तस्वीरें खिंचवाईं। मासूम बच्चियों में पीएम मोदी को राखी बांधने की होड़ दिखाई दी। पीएम मोदी ने भी किसी को निराश नहीं किया और सभी से बहुत ही प्यार से राखी बंधवाई।

एलएसी पर भी चीन-भारत की बात बढ़ेगी आगे

डोभाल-वांग की बैठक से निकलेगा फॉर्म्युला

नई दिल्ली, 9 अगस्त (एजेंसियां)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के टैरिफ वॉर के सामने भारत डटकर खड़ा है। ट्रंप के टैरिफ बम के बीच भारत और चीन अपने रिश्तों को बेहतर करने की पहल कर रहे हैं। उसी क्रम में अगस्त के आखिर में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की चीन यात्रा की संभावना है। इससे पहले चीन के विदेश मंत्री वांग यी और एनएसए अजित डोभाल 18 अगस्त को मिलेंगे। वे सीमा मामलों (एलएसी) और अन्य मुद्दों पर बात करेंगे।

एससीओ शिखर सम्मेलन में मोदी की भागीदारी से पहले यह मुलाकात महत्वपूर्ण है। भारत और अमेरिका के रिश्ते कुछ समय से ठीक नहीं चल रहे हैं। अमेरिका के राष्ट्रपति ने टैरिफ को लेकर कुछ फैसले लिए हैं, जिससे दोनों देशों के बीच तनाव है। ऐसे में, वांग यी की यह यात्रा और भी महत्वपूर्ण हो जाती है।

चीन ने प्रधानमंत्री मोदी की संभावित यात्रा का स्वागत किया है। चीन को उम्मीद है कि यह कार्यक्रम एकता, दोस्ती और फलदायी परिणाम देगी। चीन के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता गुओ जियाकुन ने कहा कि चीन, प्रधानमंत्री मोदी का एससीओ तियानजिन शिखर सम्मेलन के लिए स्वागत करता है।

भारत के पास एक अच्छा मौका :

भारत और चीन के बीच बातचीत से कई मुद्दों पर सहमति बनने की उम्मीद है। दोनों देश सीमा विवाद को सुलझाने और व्यापार को बढ़ावा देने पर ध्यान दे सकते हैं। इसके अलावा, वे अंतर्राष्ट्रीय मंचों पर भी सहयोग कर सकते हैं। अमेरिका और चीन के बीच ट्रेड वॉर चल रहा है। इसका असर पूरी दुनिया पर पड़ रहा है। भारत इस स्थिति का फायदा उठाकर अपनी अर्थव्यवस्था को मजबूत कर सकता है।

'स्टेट बार काउंसिल व बीसीआई नामांकन के लिए वैकल्पिक शुल्क नहीं ले सकते' : सुप्रीम कोर्ट का निर्देश

नई दिल्ली, 9 अगस्त (एजेंसियां)। राज्यों के बार काउंसिल या बार काउंसिल ऑफ इंडिया वकील के रूप में नामांकन लेने वाले विधि स्नातकों से वैधानिक शुल्क के अलावा कोई अन्य "वैकल्पिक" शुल्क नहीं वसूल सकते। सुप्रीम कोर्ट ने यह निर्देश दिया है। न्यायालय ने कर्नाटक राज्य बार काउंसिल से ऐसी कोई भी राशि वसूलना बंद करने को कहा है।

न्यायमूर्ति जेबी पारदीवाला और न्यायमूर्ति आर महादेवन की पीठ ने केएलजेए किरण बाबू की ओर से दायर अवमानना याचिका पर यह निर्देश पारित किया। याचिका में आरोप लगाया गया था कि राज्य बार काउंसिलों, विशेषकर कर्नाटक राज्य बार काउंसिल की ओर से विधि स्नातकों के नामांकन से अत्यधिक शुल्क नहीं लेने के संबंध में पिछले वर्ष जुलाई में इस न्यायालय की ओर से जारी निर्देशों का अक्षरशः पालन नहीं किया जा रहा है। बार काउंसिल ऑफ इंडिया ने अपने हलफनामे में कहा कि सभी राज्य बार काउंसिल न्यायालय के निर्देशों का पालन कर रही हैं और कर्नाटक राज्य बार काउंसिल की ओर से पहचान पत्र, प्रमाण पत्र, कल्याण निधि और प्रशिक्षण आदि के लिए ली जाने वाली 6,800 रुपये की फीस और वैधानिक शुल्क के अतिरिक्त 25,000 रुपये लिया जाना वैकल्पिक हैं, अनिवार्य नहीं।

पीठ ने 4 अगस्त को पारित अपने आदेश में कहा, हम यह स्पष्ट करते हैं कि वैकल्पिक जैसा कुछ नहीं है। कोई भी राज्य बार काउंसिल या बार काउंसिल ऑफ इंडिया वैकल्पिक रूप से किसी भी राशि की फीस नहीं वसूलेगी। उन्हें मुख्य फैसले में इस अदालत की ओर से जारी निर्देशों के अनुसार ही फीस वसूलनी होगी।

इसमें आगे कहा गया कि यदि कर्नाटक राज्य बार काउंसिल वैकल्पिक रूप से कोई राशि वसूल रही है, हालांकि यह अनिवार्य नहीं है, तो इसे रोका जाना चाहिए। सुनवाई के दौरान, बार काउंसिल ऑफ इंडिया के अध्यक्ष और वरिष्ठ अधिवक्ता मनन कुमार मिश्रा ने कहा कि शीर्ष अदालत के जुलाई 2024 के फैसले के अनुसरण में, एक वैधानिक निकाय होने के नाते, काउंसिल ने 6 अगस्त को सभी राज्य बार काउंसिलों को पत्र लिखा है और उन्हें इस अदालत की आरे से पारित फैसले के आलोक में उम्मीदवारों के नामांकन के साथ सख्ती से आगे बढ़ने का निर्देश दिया है।

बीसीआई ने कहा, पत्र जारी होने के बाद, बीसीआई का दृढ़ विश्वास है कि सभी राज्य बार काउंसिल इस मामले में इस न्यायालय द्वारा पारित निर्णय का पालन कर रहे हैं। बीसीआई ने विभिन्न राज्यों के विभिन्न बार निकायों द्वारा ली जाने वाली फीस का विस्तृत चार्ट भी दिया।

पिछले साल 30 जुलाई को शीर्ष अदालत ने फैसला सुनाया था कि राज्य बार काउंसिल विधि स्नातकों को वकील के रूप में नामांकित करने के लिए अत्यधिक शुल्क नहीं ले सकते, क्योंकि यह हाशिए पर पड़े और आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों के खिलाफ प्रणालीगत भेदभाव को बढ़ावा देता है।

'ट्रंप के दबाव में नहीं झुकना चाहिए मोदी सरकार को समर्थन दें'

अमेरिकी टैरिफ पर बोले शरद पवार

मुंबई, 9 अगस्त (एजेंसियां)। एनसीपी प्रमुख शरद पवार ने शनिवार को कहा कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की दबाव डालने वाली नीति का सामना करने के लिए देश के हित में मोदी सरकार का समर्थन किया जाना चाहिए।

नागपुर में प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान पवार ने कहा कि भारतीय सामान पर 50 प्रतिशत टैरिफ लगाना ट्रंप की दबाव बनाने की रणनीति है और ऐसे समय में सभी को सरकार के साथ खड़ा होना चाहिए।

पवार ने कहा कि अमेरिका द्वारा भारतीय वस्तुओं पर 50 प्रतिशत आयात शुल्क लगाना एक सोची-समझी दबाव की नीति है। उन्होंने स्पष्ट किया कि इस फैसले से भारत के व्यापार और अर्थव्यवस्था पर नकारात्मक असर पड़ सकता है। पवार का मानना है कि ऐसे समय में राजनीतिक मतभेदों से ऊपर उठकर देश के हित में केंद्र सरकार का समर्थन जरूरी है।

ट्रंप की कार्यशैली पर टिप्पणी :

पूर्व केंद्रीय मंत्री ने ट्रंप के कार्यकाल और उनके निर्णय लेने के तरीकों पर भी टिप्पणी की। पवार ने कहा कि ट्रंप अपने पहले कार्यकाल में भी बिना सोचे-समझे बयान देते थे और उनके फैसलों पर किसी का नियंत्रण नहीं होता।

सुविचार
आपका कार्य जितना अच्छा होगा उतना पहले असंभव ही नजर आएगा

23 अगस्त के बाद तेलंगाना में फिर से जनहित पदयात्रा शुरू होगी : टीपीसीसी प्रमुख

पदयात्रा का नेतृत्व करने की पूरी जिम्मेदारी मेरी : महेश गौड

हैदराबाद, 9 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। टीपीसीसी अध्यक्ष और विधान पार्षद महेश कुमार गौड़ ने घोषणा की कि 23 अगस्त के बाद तेलंगाना में जनहित पदयात्रा फिर से शुरू की जाएगी। शनिवार को गांधी भवन में पत्रकारों के साथ एक अनौपचारिक बातचीत के दौरान, उन्होंने कहा कि पदयात्रा को जनता का सकारात्मक स्वागत मिला है, जिससे पार्टी के जमीनी स्तर के कार्यकर्ताओं में काफ़ी उत्साह है। महेश कुमार गौड़ ने कहा, पदयात्रा मेरी पहल है।

हालांकि, कुछ लोग जानबूझकर इसे अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी की तेलंगाना प्रभारी मीनाक्षी नटराजन के नेतृत्व में प्रचारित कर रहे हैं। उन्होंने पदयात्रा में भाग लिया, साथ ही कई मंत्रियों, विधायकों और पार्टी के वरिष्ठ नेताओं ने भी इसमें भाग लिया। शुरूआत में, हमने एक बस यात्रा की योजना बनाई थी, लेकिन इसे पदयात्रा में बदल दिया गया। जिस तरह से यह पदयात्रा आयोजित की जा रही है, वह मुझे कांग्रेस नेता राहुल गांधी के नेतृत्व में कन्याकुमारी से कश्मीर तक की भारत जोड़ो यात्रा की याद दिलाती है। इस पदयात्रा का नेतृत्व करने की पूरी ज़िम्मेदारी मेरी है। उन्होंने आगे बताया कि मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी, उपमुख्यमंत्री भट्टी विक्रमार्क, विभिन्न मंत्रियों और अन्य नेताओं के साथ, आगामी पदयात्रा में भाग लेंगे, जिसका उद्देश्य सभी क्षेत्रों की जनता से जुड़ना है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि कांग्रेस पार्टी का एक पिछड़ा वर्ग उम्मीदवार अंततः तेलंगाना का मुख्यमंत्री बनेगा। उन्होंने अपने और मुख्यमंत्री के बीच अनबन की अफवाहों का जवाब देते हुए अपने मजबूत संबंधों की पुष्टि की। महेश कुमार गौड़ ने बताया कि जुबली हिल्स उपचुनाव के लिए पार्टी उम्मीदवार चुनने के लिए सर्वेक्षण चल रहा है। अधिसूचना प्राप्त होते ही उम्मीदवार का चयन कर लिया जाएगा। उन्होंने यह भी बताया कि बीआरएस अध्यक्ष के. चंद्रशेखर राव ने किसी मौजूदा विधायक के निधन के बाद चुनाव न लड़ने की परंपरा को तोड़ दिया है।

मुख्यमंत्री रेवंत ने राखी पूर्णिमा पर शुभकामनाएं दीं

हैदराबाद, 9 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। राखी पूर्णिमा के अवसर पर, मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने आज राज्य की महिलाओं को राखी पर्व की शुभकामनाएं दीं। बाद में, उन्होंने मंत्री सीतक्का के साथ अपने संबंधों को याद किया।

अपनी बहन सीतक्का के प्रति अपने स्नेह को दर्शाते हुए, मुख्यमंत्री ने अपने ट्विटर हैंडल पर एक भावुक पोस्ट किया। मुख्यमंत्री रेवंत ट्विटर पर भावुक हो गए और कहा कि सीतक्का के साथ उनके रिश्ते को शब्दों में बयां नहीं किया जा सकता और उन्होंने कहा कि हर राखी पूर्णिमा पर यह रिश्ता और भी मजबूत होता जाता है। मुख्यमंत्री ने मंत्री कोंडा सुरेखा, वरिष्ठ नेता गीता रेड्डी, राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष नेरेल्ला सारदा और राज्य आर्य वैश्य निगम की अध्यक्ष सुजातला को राखी बांधने के लिए धन्यवाद दिया।

दूसरी ओर, पूर्व मुख्यमंत्री केसीआर के एरावली स्थित फार्म पर रक्षा बंधन समारोह भव्य तरीके से मनाया गया। बीआरएस प्रमुख और राज्य के पहले मुख्यमंत्री केसीआर को उनकी बहनों ने राखी बांधी। इस अवसर पर बहनों ने आरती उतारी, राखी बांधी, मिठाई खिलाई और केसीआर को आशीर्वाद दिया। केसीआर की पत्नी शोभा, बहनें लक्ष्मीबाई, जयम्मा और छोटी बहन विनोदम्मा भी राखी के इस उत्सव में शामिल हुईं।

तेलंगाना सरकार की मंत्री सीतक्का और मंत्री कोंडा सुरेखा ने राखी के अवसर पर मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी को उनके जुबली हिल्स आवास पर राखी बांधी।

जितेंद्र सिंह ने पशु स्टेम सेल बायोबैंक का उद्घाटन किया

हैदराबाद, 9 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। केंद्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी राज्य मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह ने शनिवार को जैव प्रौद्योगिकी विभाग के जैव प्रौद्योगिकी अनुसंधान नवाचार परिषद (ब्रिक) के अंतर्गत एक प्रमुख संस्थान, राष्ट्रीय पशु जैव प्रौद्योगिकी संस्थान (एनआईएबी), हैदराबाद द्वारा विकसित कई महत्वपूर्ण तकनीकों का अनावरण किया।

इस अवसर पर, केंद्रीय मंत्री ने देश के पहले पशु स्टेम सेल बायोबैंक का भी उद्घाटन किया, जो एक अत्याधुनिक सुविधा है जो विभिन्न पशु प्रजातियों से प्राप्त उच्च गुणवत्ता वाली स्टेम कोशिकाओं का भंडारण और संरक्षण करेगी। उन्होंने संस्थान के बढ़ते वैज्ञानिक समुदाय के समर्थन हेतु परिसर में एक नए छात्रावास और आवासीय ब्लॉक की आधारशिला भी रखी। एनआईएबी अनुसंधान टीम की प्रशंसा करते हुए, मंत्री ने कहा कि ये क्षेत्र-तैयार और किफायती नवाचार पशु स्वास्थ्य में सुधार, पशुधन उत्पादकता बढ़ाने और किसानों की आजीविका सुरक्षित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। उन्होंने इस बात पर ज़ोर दिया कि इस तरह की प्रगति जूनोटिक बीमारियों से निपटने की भारत की क्षमता को भी मज़बूत करती है- ये बीमारियां जानवरों से इंसानों में फैलती हैं और दुनिया भर में कोविड-19 सहित लगभग दो-तिहाई नई और उभरती बीमारियों के लिए ज़िम्मेदार हैं।

इस कार्यक्रम में पशुपालकों के साथ बातचीत करते हुए, डॉ. सिंह ने इस बात पर प्रकाश डाला कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में, भारत सरकार ने पशु-आधारित कृषि को बढ़ावा देने, ग्रामीण आय में सुधार लाने और "विकसित भारत 2047" के विजन की ओर बढ़ने के लिए कई परिवर्तनकारी योजनाएं शुरू की हैं। उन्होंने सरकार के "सबका साथ, सबका विकास" के मार्गदर्शक सिद्धांत को दोहराया, जो हर गांव और समुदाय की समृद्धि सुनिश्चित करता है। जैव प्रौद्योगिकी विभाग के सचिव और ब्रिक के महानिदेशक, डॉ. राजेश एस. गोखले ने अनुसंधान को वास्तविक दुनिया के समाधानों में सफलतापूर्वक बदलने के लिए एनआईएबी के वैज्ञानिकों को बधाई दी। उन्होंने कहा कि ये नवाचार किसानों को न केवल अन्नदाता बल्कि ऊर्जादाता बनाने के प्रधानमंत्री के दृष्टिकोण को मूर्त रूप देते हैं। ये कार्यक्रम भारत के पशुधन को मज़बूत करेंगे, किसानों की आय बढ़ाएंगे, खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करेंगे और राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था को ऊर्जा प्रदान करेंगे, जिससे आत्मनिर्भर भारत के लक्ष्य में प्रत्यक्ष योगदान मिलेगा। उन्होंने एनआईएबी की निदेशक डॉ.जी. तरु शर्मा की किसान-केंद्रित नवाचारों को आगे बढ़ाने में उनकी दूरदर्शिता और नेतृत्व के लिए भी सराहना की, जो अत्याधुनिक विज्ञान को क्षेत्रीय प्रभाव से जोड़ते हैं। उनके मार्गदर्शन में, एनआईएबी ने उद्योग-अकादमिक साझेदारी को मज़बूत किया है और पशु स्वास्थ्य एवं उत्पादकता की चुनौतियों का समाधान करने वाले उन्नत स्वदेशी समाधान विकसित किए हैं।

दो दिवसीय वनस्पति, जीव-जंतुओं का दस्तावेजीकरण शुरू

मंचेरियल, 9 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। हाजीपुर मंडल के गदपुर गांव स्थित एमसीसी खदान के जंगलों में शनिवार को ज़िले के वनस्पतियों और जीवों का दस्तावेजीकरण करने का दो दिवसीय अभ्यास शुरू हुआ। वन अधिकारियों ने बताया कि विभाग द्वारा शुरू की गई यह पहली ऐसी पहल है।

जिला वन अधिकारी शिव आशीष सिंह ने बताया कि जिले के वनस्पतियों और जीवों के दस्तावेजीकरण के लिए राज्य के दस शीर्ष पर्यवेक्षकों को आमंत्रित किया गया था। उन्होंने बताया कि पर्यवेक्षकों और वन अधिकारियों की तीन टीमों को दो दिनों में गांधारी खिल्ला, तीन सफारी ट्रैक और आसपास के क्षेत्रों में रहने वाले जंगली और वन्य जीवों के दस्तावेजीकरण के लिए लगाया गया था।

अधिकारियों ने बताया कि ज़िले में कुछ खास पेड़ों और जानवरों की प्रजातियों वाला एक अनोखा आवास है। उदाहरण के लिए, इस क्षेत्र में अंडुगा (बोसवेलिया सेराटा) और तापसी (होलोप्टेलिया इंटीग्रिफोलिया) के पेड़ों की एक बड़ी आबादी है, जबकि जंगल में भारतीय गौर या बाइसन भी रहते हैं। सिंह ने कहा कि आवास के बारे में हमारी समझ को बेहतर बनाने के लिए ज़िले की विशिष्ट वनस्पतियों और जीवों का अध्ययन और दस्तावेज़ीकरण जरूरी है। इसी तरह, लक्सेटीपेट रेंज के जंगलों में रात में स्क्रीन लगाकर पतंगों का सर्वेक्षण किया जाएगा। यह गतिविधि इसलिए महत्वपूर्ण हो गई क्योंकि जुलाई में कवाल परिदृश्य के चेन्नूर क्षेत्र में पहली बार किए गए एक तितली सर्वेक्षण के दौरान एक मंकी पज़ल तितली (रथिंडामोर) देखी गई थी। 1 और 2 मार्च को वन विभाग ने विश्व वन्यजीव कोष (डब्ल्यूडब्ल्यूएफ) के सहयोग से मंचेरियल शहर में एकीकृत जिला अधिकारी परिसर में कवाल पक्षी महोत्सव नामक अपनी तरह का पहला राष्ट्रीय स्तर का कार्यक्रम आयोजित किया, जिसमें कवाल टाइगर रिजर्व और गोदावरी परिदृश्य की पक्षी विविधता का जश्न मनाया गया।

मोबाइल कोर्ट में स्थायी न्यायाधीश की नियुक्ति की मांग

कोत्तागुडेम, 9 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। भद्राचलम बार एसोसिएशन के अध्यक्ष कोटा देवदानम ने संबंधित अधिकारियों से भद्राचलम उप-विभागीय मजिस्ट्रेट अदालत के लिए एक स्थायी न्यायाधीश की नियुक्ति के लिए कदम उठाने का आग्रह किया है। उन्होंने बताया कि पिछले दो वर्षों से प्रभारी न्यायाधीश इस पद की देखभाल कर रहे थे। देवदानम ने बार एसोसिएशन के सदस्यों के साथ विधायक डॉ. तेलम वेंकट राव को एक ज्ञापन सौंपा, जिसमें एजेंसी क्षेत्र के 28 मंडलों में जनता के लिए शीघ्र नागरिक न्याय सुनिश्चित करने हेतु इस मुद्दे का समाधान करने का आग्रह किया गया।

पिछले एक साल से रिक्त पड़े सहायक सरकारी वकील के पद को भरा जाना चाहिए। भद्राचलम में भूमि हस्तांतरण विनियमन (एलटीआर) मामलों के निपटारे के लिए सृजित विशेष उप-कलेक्टर का पद भी रिक्त है। इसके परिणामस्वरूप एजेंसी क्षेत्र के लिए महत्वपूर्ण एलटीआर मामलों का निपटारा मुश्किल हो गया है। इसलिए इस पद को तुरंत भरा जाना चाहिए। 1924 के एजेंसी अधिनियम के अनुसार, भद्राचलम मोबाइल कोर्ट का आर्थिक क्षेत्राधिकार पिछले 100 वर्षों से 5,000 रुपये तक सीमित रहा है। देवदानम ने कहा कि इसे मैदानी क्षेत्रों के कनिष्ठ सिविल न्यायाधीश के आर्थिक क्षेत्राधिकार के समान बढ़ाकर 10 लाख रुपये किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि विधायक वेंकट राव ने बार एसोसिएशन के अनुरोध पर सकारात्मक प्रतिक्रिया दी तथा राज्य सरकार और संबंधित प्राधिकारियों के ध्यान में लाकर मुद्दों का समाधान करने का आश्वासन दिया।

कांग्रेस और बीआरएस पार्टियां एक-दूसरे को बचा रही हैं : बंडी संजय कुमार

करीमनगर, 9 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। केंद्रीय गृह राज्य मंत्री बंडी संजय कुमार ने आज कहा कि राज्य में अजीबोगरीब हालात पैदा हो गए हैं और आरोप लगाया कि सत्तारूढ़ कांग्रेस पार्टी और विपक्षी बीआरएस पार्टी दोनों एक-दूसरे का समर्थन कर रही हैं।

उन्होंने आगे कहा कि कांग्रेस और बीआरएस पार्टियां एक-दूसरे के भ्रष्टाचार और शोषण को संरक्षण देकर जनता को धोखा दे रही हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि दोनों पार्टियों के बीच 'संरक्षण' का यही रिश्ता है जिसकी वजह से कांग्रेस पार्टी ने पूर्व मुख्यमंत्री केसीआर के परिवार के खिलाफ कार्रवाई नहीं की, जबकि यह पाया गया था कि 10 साल के बीआरएस शासन के दौरान बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार हुआ था। उन्होंने कहा कि केटीआर कानूनी नोटिस के नाम पर उन्हें डराने की कोशिश कर रहे हैं ताकि वे सीधे तौर पर उनसे भिड़ने के लिए की गई गलतियों और पापों से बच सकें। उन्होंने केटीआर को चुनौती दी कि वे इस मामले में अपने परिवार के सदस्यों के साथ किसी भी मंदिर में आएं और उनके साथ शपथ लें कि उन्होंने अपने राजनीतिक प्रतिद्वंद्वियों की फ़ोन टैपिंग में शामिल नहीं हुए हैं। उन्होंने कहा कि अगर केटीआर में हिम्मत है तो उन्हें उनकी चुनौती का जवाब देना चाहिए। राखी पूर्णिमा के अवसर पर, बंडी संजय ने आज करीमनगर स्थित अपने आवास पर अपने परिवार, पार्टी कार्यकर्ताओं के साथ राखी मनाई। बड़ी संख्या में महिलाएं एकत्रित हुईं, राखी बांधी और मिठाइयां खाईं। इस अवसर पर मीडिया से बात करते हुए, उन्होंने राखी पूर्णिमा की शुभकामनाएं दीं। बाद में, उन्होंने मीडिया द्वारा पूछे गए कई सवालों के जवाब दिए। उन्होंने आरोप लगाया कि जब कांग्रेस पार्टी ने चुनावों में किए गए वादों को पूरा न करके लोगों को धोखा दिया, तो बीआरएस पार्टी सत्ताधारी पार्टी के खिलाफ खड़े हुए बिना एक सुरक्षा कवच के रूप में खड़ी रही और कहा कि लोगों को इन पार्टियों को समझना चाहिए। केटीआर द्वारा कानूनी नोटिस की धमकी पर प्रतिक्रिया देते हुए, संजय ने उनसे पूछा कि क्या वह अपनी छोटी बहन कविता को कानूनी नोटिस भेजेंगे, जिन्होंने भी कहा था कि उनका फोन टैप किया गया था? उन्होंने कहा कि केटीआर द्वारा की गई गलतियों को छिपाने के लिए किसी राजनेता को कानूनी नोटिस की धमकी देना, सीधे तौर पर उनका सामना करने के बजाय, अधिक मूर्खतापूर्ण है।

विशेष बसों में टिकट की कीमतें बढ़ाई गईं : टीजीएसआरटीसी

हैदराबाद, 9 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना राज्य सड़क परिवहन निगम (टीजीएसआरटीसी) ने आज कहा कि उसने राखी पूर्णिमा के अवसर पर भाई-बहन के प्रेम और बंधन का जश्न मनाने के लिए राज्य के लोगों के लिए विशेष व्यवस्था की है। टीजीएसआरटीसी ने यह सुनिश्चित करने के लिए व्यवस्था की है कि राखी पूर्णिमा के अवसर पर यात्रियों को परिवहन में कोई असुविधा न हो। हर साल की तरह, यात्रियों की भीड़ को देखते हुए विशेष बसें उपलब्ध कराई गई हैं। राज्य सरकार के आदेश के अनुसार, निगम ने राखी के त्योहार के लिए चलने वाली विशेष बसों के टिकट की कीमतों में संशोधन किया है। टिकट की कीमतों में केवल विशेष बसों में 1.50 रुपये तक की वृद्धि की गई है। विशेष बसों को छोड़कर, नियमित बसों में सामान्य शुल्क लागू होंगे। ये संशोधित शुल्क केवल इस महीने की 11 तारीख तक चलने वाली विशेष बसों में लागू होंगे। निगम ने यात्रियों को सूचित करने के लिए बस के आगे विशेष सेवाओं के लिए डिस्प्ले बोर्ड लगाए हैं। इसमें आगे कहा गया है कि प्रमुख त्योहारों और विशेष अवसरों पर, आरटीसी विशेष सेवाएं संचालित कर रहा है ताकि लोग बिना किसी परिवहन समस्या के सुरक्षित रूप से अपने गंतव्य तक पहुंच सकें। इसमें कहा गया है कि हालांकि वापसी यात्रा में विशेष बसों में यात्रियों की भीड़ नहीं होती है, फिर भी निगम भीड़भाड़ वाले मार्गों पर यात्रियों को असुविधा से बचाने के लिए जल्दी से खाली बसों को वापस ले आता है। इसमें कहा गया है कि राज्य सरकार ने विशेष बसों के न्यूनतम डीज़ल खर्च और रखरखाव के अनुसार टिकट की कीमतों में संशोधन करने के लिए 2003 में सरकारी आदेश संख्या 16 जारी किया था। इस सरकारी आदेश के अनुसार, निगम ने राखी के त्योहार के अवसर पर विशेष बसों के न्यूनतम डीज़ल खर्च और रखरखाव लागत को ध्यान में रखते हुए टिकट की कीमतों में संशोधन किया है। टीजीएसआरटीसी प्रबंधन ने जनता को राखी की पूर्णिमा के दिन निजी वाहनों में जोखिम भरी यात्रा न करने की सलाह दी है। इसमें कहा गया है कि आरटीसी कर्मचारी बहुत अनुभवी हैं और अपने गृहनगर जाने वाले लोग अपनी बसों से सुरक्षित रूप से अपने गंतव्य तक पहुंचें।

राखी पूर्णिमा के अवसर पर बस अड्डों पर यात्रियों की भीड़

हैदराबाद, 9 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। राखी पूर्णिमा के अवसर पर आज एमजीबीएस और सिकंदराबाद जुबली बस अड्डों पर यात्रियों की भारी भीड़ रही। त्योहार मनाने के लिए अपने गृहनगर जाने वाले यात्रियों से बस अड्डे खचाखच भरे रहे। शहर के कई इलाकों से महिला यात्री अपने भाइयों को राखी बांधने और परिवार के साथ त्योहार मनाने के लिए बड़ी संख्या में बस अड्डों पर उमड़ पड़ीं। शनिवार सुबह से ही यात्री टिकट काउंटरों पर कतार में खड़े दिखाई दिए। हैदराबाद-विजयवाड़ा राजमार्ग पर वाहन धीमी गति से चलते देखे गए। वनस्थलीपुरम, भाग्यलता, आरटीसी कॉलोनी और हयातनगर इलाकों में भारी जाम लगा रहा। हयातनगर बस अड्डे पर सड़क थोड़ी संकरी होने के कारण वाहनों की गति धीमी रही। मुख्य सड़क के साथ-साथ सर्विस रोड पर भी बड़ी संख्या में वाहन आ गए। इससे वाहन चालकों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। यातायात पुलिस ने यातायात को नियंत्रित किया। उधर, त्योहारी भीड़ के कारण उप्पल रिंग रोड पर जाम लग गया। उप्पल से वारंगल राष्ट्रीय राजमार्ग पर आने वाले वाहन फंस गए। उप्पल, अन्नोजीगुड़ा और घटकेसर इलाकों में जाम लगा रहा। अन्नोजीगुड़ा से घटकेसर जाने में करीब 50 मिनट का समय लगा। सिकंदराबाद-बोल्लारम रोड पर करीब पांच किलोमीटर तक जाम लगा रहा। जेबीएस बस स्टेशन से ओआरआर जाने में दो घंटे लग गए। आरटीसी बसों में यात्रियों की भीड़ रही। घंटों तक आरटीसी बसों की धीमी गति से चलने के कारण लोगों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ा।

सड़क दुर्घटना में फूल विक्रेता की मौत

हैदराबाद, 9 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। शहर के बाहरी इलाके शमशाबाद में शनिवार सुबह एक सड़क दुर्घटना में एक फूल विक्रेता की मौत हो गई। शमशाबाद के पशेट्टीगुडा गांव निवासी मनचेरला सिद्दुलु (45) अपनी मोटरसाइकिल पर सवार थे, तभी एक डीसीएम वैन ने उन्हें टक्कर मार दी। शमशाबाद इंस्पेक्टर के. नरेंद्र रेड्डी ने बताया कि सिद्दुलु सड़क पर गिरने से गंभीर रूप से घायल हो गए और उनकी मौके पर ही मौत हो गई। डीसीएम वैन के चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया गया है और जांच जारी है।

संदिग्ध अपहरणकर्ता गिरफ्तार

करीमनगर, 9 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। गुजरात पुलिस ने शुक्रवार रात करीमनगर में एक कथित अपहरणकर्ता को गिरफ्तार कर लिया। हैदराबाद निवासी श्रीधर नामक आरोपी को हिरासत में ले लिया गया और उसके साथ एक लड़का भी मिला। जब श्रीधर से लड़के के बारे में पूछताछ की गई, तो उसने कथित तौर पर दावा किया कि वह उसे मुंबई से लाया था। पुलिस ने आरोपी को गुजरात भेज दिया, जबकि बच्चे को बाल गृह भेज दिया गया।

दलबदलू एमएलसी की अयोग्यता के मुद्दे पर सुप्रीम कोर्ट जाएगी बीआरएस

हैदराबाद, 9 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस दलबदल के खिलाफ अपनी लड़ाई तेज कर रही है, इस बार उसने विधान परिषद के अपने उन सदस्यों को निशाना बनाया है, जिन्होंने औपचारिक रूप से इस्तीफा दिए बिना सत्तारूढ़ कांग्रेस के प्रति निष्ठा बदल ली है। सुप्रीम कोर्ट द्वारा विधानसभा अध्यक्ष को तीन महीने के भीतर 10 दलबदलू विधायकों की अयोग्यता पर फैसला लेने के निर्देश से उत्साहित बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामाराव शनिवार को पार्टी के कानूनी प्रकोष्ठ के सदस्यों के साथ दिल्ली पहुंचे। वह सोमवार को सुप्रीम कोर्ट में एक याचिका दायर करेंगे, जिसमें बीआरएस के टिकट पर जीते लेकिन पाला बदल चुके एमएलसी को अयोग्य ठहराने की मांग की जाएगी।

यह कदम सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों के बाद बीआरएस प्रमुख के चंद्रशेखर राव की अगुवाई में आंतरिक चर्चा के बाद उठाया गया है । पार्टी नेता खास तौर पर इस बात से नाराज़ हैं कि एमएलसी दांडे विट्ठल, टी भानु प्रसाद राव, के दामोदर रेड्डी और पटनम महेंद्र रेड्डी कांग्रेस पार्टी के कार्यक्रमों और सरकारी कार्यक्रमों में शामिल हो रहे हैं और बीआरएस की गतिविधियों से दूर रह रहे हैं। आधिकारिक तौर पर, बीआरएस के पास कुल 21 एमएलसी हैं जिनमें एक स्नातक निर्वाचन क्षेत्र, 12 स्थानीय निकाय निर्वाचन क्षेत्र, सात एमएलए कोटा और विधान परिषद में दो राज्यपाल द्वारा नामित सदस्य शामिल हैं।

मेदक मिल में दीवार गिरने से एक मजदूर की मौत, एक अन्य घायल

मेदक, 9 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। मनोहराबाद के कल्लकल गांव में शनिवार को श्रीराम स्पिनिंग मिल की दीवार गिरने से एक व्यक्ति की मौत हो गई और एक अन्य घायल हो गया। पीड़ित, जिसकी पहचान तम्मिरेड्डी बाल रेड्डी (45) के रूप में हुई है, और एक अन्य मज़दूर दीवार के पास थे, तभी अचानक दीवार ढह गई और उन पर गिर गई। रेड्डी की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दूसरा व्यक्ति घायल हो गया और उसे अस्पताल ले जाया गया। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

अमोनिया गैस लीक से हड़कंप, आइस फैक्टरी में फिर हुई घटना

जालंधर, 9 अगस्त (एजेंसियां)। पंजाब के जालंधर के मकसूदां एरिया के आनंद नगर में गली नंबर-1 में आइस फैक्टरी (बर्फ फैक्टरी) में एक बार फिर से गैस लीक होने का मामला सामने आया है। गैस लीक होने से वहां हड़कंप मच गया। इससे पहले मार्च महीने में इसी आइस फैक्टरी में अमोनिया गैस लीक हुई थी और उसके बाद मामला तूल पकड़ गया था। इसके बाद फैक्टरी को बंद करने आदेश जारी हुए थे, लेकिन फैक्टरी मालिक ने दोबारा अमोनिया गैस भरकर फैक्टरी में रखी थी। शनिवार को फैक्टरी बंद होने के दौरान एक बार फिर से गैस लीक हुई और इलाके को खाली करवाया गया। डिप्टी डायरेक्टर ऑफ सेक्रेटरी गुरजंट सिंह खुद मौके पर पहुंचे, साथ सिविल प्रशासन और पुलिस प्रशासन ने दोबारा फैक्टरी बंद करवा दी है।

एक उम्मीदवार वाले चुनाव में नोटा का विकल्प क्यों नहीं

सुप्रीम कोर्ट के सवाल पर क्या बोली केंद्र सरकार?

नई दिल्ली, 9 अगस्त (एजेंसियां)। चुनाव के दौरान अगर किसी सीट पर सिर्फ एक ही उम्मीदवार खड़ा है, तो चुनाव आयोग उसे निर्विरोध विजेता घोषित कर देता है और फिर उस सीट पर चुनाव नहीं होते हैं। हालांकि, अब सुप्रीम कोर्ट ने चुनाव आयोग की इस प्रक्रिया पर सवाल खड़े किए हैं। सुप्रीम कोर्ट में 3 जजों की बेंच जस्टिस सूर्यकांत, जस्टिस उज्जल भुइयां और जस्टिस एन कोटेश्वर सिंह की बेंच ने मामले पर सुनवाई करते हुए कहा कि निर्विरोध चुनावों में मतदाताओं को नोटा (इनमें से कोई नहीं) का विकल्प क्यों नहीं दिया जाता? इस पर सरकार का कहना है कि नोटा को उम्मीदवार का दर्जा नहीं दिया जा सकता है। दरअसल इसे लेकर सुप्रीम कोर्ट में एक याचिका दायर की गई थी। याचिका में जनप्रतिनिधि अधिनियम, 1961 की धारा 53(2) को चुनौती दी गई थी। इसके तहत अगर किसी सीट पर सिर्फ एक ही उम्मीदवार खड़ा है, तो उसे बिना मतदान के निर्विरोध विजेत घोषित किया जा सकता है।

एससी ने पूछा सवाल

याचिका पर सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने कहा, नोटा पर वोट देने से पहले किसी उम्मीदवार के प्रति गंभीर आक्रोश होना चाहिए। इसके जवाब में चुनाव आयोग का कहना है कि अगर उम्मीदवार के प्रति गहरा आक्रोश है तो लोग स्वतंत्र उम्मीदवार भी खड़ा कर सकते हैं। नोटा को किसी उम्मीदवार के बराबरी का दर्जा नहीं दिया जा सकता है और न ही वो जनप्रतिनिधि अधिनियम, 1951 के तहत माना जाता है। नोटा महज एक विकल्प है, जो उम्मीदवार की परिभाषा में फिट नहीं बैठता है।

केंद्र सरकार ने दिया जवाब

कानून एंव न्याय मंत्रालय के अनुसार, वोट देने का अधिकार एक सांविधिक अधिकार है, न कि मौलिक अधिकार। वहीं, एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स (एडीआर) का पक्ष रखते हुए एडवोकेट प्रशांत भूषण ने कहा, राज्यों ने एक कानून अपनाया है, जिसके अनुसार स्थानीय चुनावों में नोटा को किसी उम्मीदवार से अधिक वोट मिलने पर दोबारा चुनाव करवाया जाता है। मगर, लोकसभा चुनाव में यह नियम लागू नहीं होता है।

विदेशी कंपनियां भारत छोड़ो

आरएसएस से जुड़े संगठन की मुहिम कल से पूरे देश में विरोध

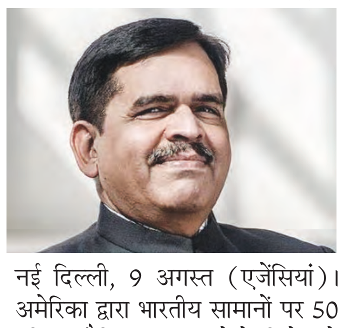

नई दिल्ली, 9 अगस्त (एजेंसियां)। अमेरिका द्वारा भारतीय सामानों पर 50 प्रतिशत टैरिफ लगाए जाने के विरोध में आरएसएस से जुड़ा संगठन स्वदेशी जागरण मंच (एसजेएम) मैदान में कूद गया है। स्वदेशी जागरण मंच अमेरिकी वस्तुओं का बायकॉट करने का आह्वान करेगा। संघ की इस इकाई ने देशभर में 'विदेशी कंपनियां भारत छोड़ो' का नारा दिया। स्वदेशी जागरण मंच द्वारा 9 अगस्त को पूरे देश में 'स्वदेशी सुरक्षा स्वावलंबन अभियान' शुरू किया है। एसजेएम यह मुहिम 9 अगस्त 1942 को शुरू हुए अंग्रेजों भारत छोड़ो आंदोलन के तर्ज पर कर रहा है। आरएसएस से जुड़े एसजेएम कल से पूरे देश में विदेशी कंपनियों और उनके सामानों को बॉयकॉट करने की मुहिम छेड़ेगा। एसजेएम दिल्ली के कनॉट प्लेस के इनर सर्किल में 10 अगस्त को शाम पांच बजे सांकेतिक प्रोटेस्ट करेगा। यह अमेजन, कोका कोला, पेप्सी, केएफसी सरीखे अमेरिकी कंपनियों और प्रोडक्ट का बहिष्कार करने की मुहिम छेड़ेगा। एसजेएम के राष्ट्रीय सह-समन्वयक अश्विनी महाजन ने कहा ने कहा कि हमने लोगों से अपील की है कि अमेज़न, फ्लिपकार्ट और वॉलमार्ट जैसी कंपनियों से सामान न खरीदें। यह स्वदेशी अपनाने का सही वक्त है। महाजन ने लोगों से विदेशी सामान का बहिष्कार करने की अपील की है। उन्होंने कहा कि 10 करोड़ से भी अधिक किसान डेयरी सेक्टर से जुड़े हैं। अगर हम सस्ते विदेशी डेयरी प्रोडक्ट्स को नहीं रोकेंगे तो हमारे किसानों का क्या होगा? उन्होंने कहा कि अमेरिका में गायों को मांसाहारी चारा खिलाया जाता है, जिससे उनका दूध भी मांसाहारी हो जाता है। यही दूध हम भगवान को भी चढ़ाते हैं। उन्होंने कहा कि सरकार का फैसला सही है और हमें इस फैसले पर सरकार का साथ देना चाहिए उन्होंने कहा कि अमेरिका टैरिफ को लेकर कहा कि टैरिफ जैसी जबरन चालों से भारत पर कोई असर नहीं पड़ेगा। भारत आज वैश्विक ताकत बन रहा है और अमेरिका को समझना होगा कि यह वही भारत नहीं है जो 10 साल पहले था।

उज्जैन में लव जिहाद के खिलाफ हिंदुओं का प्रदर्शन, हजारों लोग सड़कों पर उतरे

उज्जैन, 9 अगस्त (एजेंसियां)। जिले के खाचरोद थाना क्षेत्र में पिछले कुछ दिनों में लव जिहाद की घटनाओं को लेकर बड़ी आग फैल गई है। इसी के विरोध में पूरे मध्य प्रदेश में हिन्दू संगठनों ने एकजुट होकर पहली बार एक विशाल हिंदू महापंचायत का आयोजन किया। इस महापंचायत में प्रदेश भर के हिंदू जागरण मंच और अन्य हिन्दू संगठनों के पदाधिकारी और कार्यकर्ता पहुंचे। मध्य प्रदेश की पहली हिंदू महापंचायत खाचरोद में बुलाई गई, जिसमें करीब 15 हजार से अधिक लोगों ने हिस्सा लिया। इस आक्रोश रैली में संत आनंद गिरि महाराज, संत नरेंद्र गिरी महाराज, हिंदू जागरण संगठन के प्रचारक मोहित सेंगर, प्रवक्ता नेपाल सिंह सहित कई प्रमुख लोग मंच साझा करते नजर आए। महापंचायत का मुख्य उद्देश्य लव जिहाद के खिलाफ एकजुटता दिखाना था। यहां से बड़ी संख्या में लोग भगवा ध्वज लेकर, लव जिहाद विरोधी नारे लगाते हुए खाचरोद के उज्जैन दरवाजा से शुरू होकर विक्रम मार्ग, गणेश देवली, चबुतरा चौराहा होते हुए शुक्ररवारीया बाजार तक एक लंबी रैली निकाली गई। उज्जैन जिले के खाचरोद में करीब पांच दिन पहले एक 20 साल की हिंदू युवती को एक मुस्लिम युवक सादिक ने बहला-फुसलाकर भगा ले जाने का मामला सामने आया था। इस घटना ने हिंदू समाज में भारी गुस्सा और आक्रोश पैदा कर दिया। युवती के अपहरण और धर्म परिवर्तन की कोशिश को लेकर लोगों में भारी नाराजगी देखी गई। इस घटना के विरोध में हिंदू संगठनों ने महापंचायत का आयोजन कर प्रदेशभर के हिंदुओं को एकजुट होने का संदेश दिया।

'शाह के दौरे से 2026 के चुनावों के लिए भाजपा के राजनीतिक अभियान की होगी शुरुआत' : सीएम हिमंत सरमा

नई दिल्ली, 9 अगस्त (एजेंसियां)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह 29 अगस्त को राज्य के दौरे पर आएंगे और अगले साल होने वाले असम विधानसभा चुनाव के लिए भाजपा की ओर से राजनीतिक विमर्श तैयार करने की प्रक्रिया शुरू करेंगे। असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्व सरमा ने यह बात कही है। असम के मुख्यमंत्री ने कहा कि शाह के दौरे के 10 दिनों के भीतर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी राज्य का दौरा करने वाले है और भाजपा की असम इकाई दोनों यात्राओं की सफलता सुनिश्चित करने के लिए काम कर रही है। सरमा ने शुक्रवार को भाजपा के राज्य मुख्यालय में दो हाई-प्रोफाइल यात्राओं के लिए एक तैयारी बैठक में भाग लेने के बाद संवाददाताओं से कहा, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह 29 अगस्त को आएंगे और गुवाहाटी में नवनिर्मित राजभवन का उद्घाटन करेंगे।

सरमा ने बताया कि दिन के दूसरे कार्यक्रम में शाह एनडीए के हाल ही में निर्वाचित पंचायत प्रतिनिधियों के सम्मेलन में शामिल होंगे। शाह शाम को राज्य के पहले गैर-कांग्रेसी मुख्यमंत्री गोलाप बोरबोरा के जन्म शताब्दी समारोह में मुख्य अतिथि के तौर पर मौजूद रहेंगे। असम के मुख्यमंत्री ने बताया किशाह का दौरा महत्वपूर्ण है क्योंकि राज्य में चुनाव छह से सात महीने बाद होने वाले हैं। सरमा ने कहा, चुनावों से पहले अमित शाह जी का पंचायत प्रतिनिधियों को दिया जाने वाला भाषण महत्वपूर्ण होगा। उस दिन से राजनीतिक विमर्श निर्माण की प्रक्रिया निश्चित रूप से शुरू हो जाएगी। भाजपा और उसके सहयोगी दल अगले वर्ष होने वाले विधानसभा चुनावों में राज्य में लगातार तीसरी बार सरकार बनाने की कोशिश करेंगे।

सरमा ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी 8 सितंबर को गोलाघाट जिले से राज्य की अपनी यात्रा शुरू करेंगे। यहां वह नुमालीगढ़ में 4,000 करोड़ रुपये से अधिक की लागत से स्थापित पहली बायो-एथेनॉल रिफाइनरी राष्ट्र को समर्पित करेंगे। इसके बाद वह मंगलदाई जाएंगे और तीन परियोजनाओं की आधारशिला रखेंगे - गुवाहाटी रिंग रोड, नारेंगी और कुरुवा के बीच ब्रह्मपुत्र नदी पर पुल तथा मंगलदाई मेडिकल कॉलेज और अस्पताल। सरमा ने बताया कि प्रधानमंत्री शाम को गुवाहाटी में एक कार्यक्रम में भारत रत्न भूपेन हजारिका की जन्म शताब्दी समारोह का उद्घाटन करेंगे

प्रसिद्ध खजराना गणेश को शुभ मुहूर्त में बंधी 196 वर्गफीट की राखी

इंदौर, 9 अगस्त (एजेंसियां)। इंदौर के खजराना गणेश मंदिर में 196 वर्गफीट की सबसे बड़ी राखी बंधी। इस राखी को कोलकता के कारिगरों ने तैयार किया है। भक्त जनमाष्टमी तक इस राखी को देख सकेंगे। शुभ मुर्हत में वैदिक मंत्रोच्चार के बीच इस राखी को खजराना गणेश को बांधा गया। इस राखी को अलग-अलग शहरों से मंगाए फूलों से कलाकारों ने रात भर जागकर तैयार किया। इसके अलावा पालरेचा परिवार ने भी रुद्राक्ष, सुपारी,लौंग,इलाइची,चांदी सोना वर्क सहित स्वदेशी वस्तुओं का इस्तेमाल कर एक राखी बनाई। उसे भी खजराना गणेश को अर्पित किया गया। इस राखी का निर्माण गणेश भक्त समिति ने बनाया। संस्थापक राजेश बिड़कर ने बताया कि लगातार 9 वर्षों से इस राखी को खजराना गणेश को बांधा जा रहा है। सबसे पहले 36 वर्गफीट की राखी बांधी गई थी। धीरे-धीरे इसका आकार बढ़ता गया। इस बार 196 वर्गफीट की राखी बांधी गई है।

हर्षिल में जान बचाने की जंग

सारा-राही और हेजल सेना के ऑपरेशन को ऐसे बना रहे सफल

उत्तरकाशी, 9 अगस्त (एजेंसियां)। उत्तराखंड के उत्तरकाशी जिले के धराली और हर्षिल में मंगलवार को बादल फटने से हर तरफ तबाही मच गई। मुश्किल हालातों में भी भारतीय सेना लोगों का सहारा बनी। सेना द्वारा चलाया जा रहा मानवीय सहायता और आपदा राहत मिशन (एचएडीआर) पूरे जोर पर है। इस मिशन के तहत सेना आपदा प्रभावित लोगों की हर संभव मदद कर रही है। इस आपदा में भारतीय सेना एक बार फिर साबित कर रही है कि चाहे राहत हो, बचाव या बहाली, वो हर मोर्चे पर लोगों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़ी है। धराली से हर्षिल तक सेना की जान बचाने की जंग जारी है। सेना की इंजीनियर रेजिमेंट ने कल एक अस्थायी फुटब्रिज तैयार किया। इसी रास्ते से लोग घर लौट रहे हैं। बचाव टीमें पहुंच जरूरी सामान भी इसी रास्ते से पहुंच रहा है। बताया जा रहा है कि सड़क बहाल होने में अभी 10 दिन और लगेंगे। तब तक इसी पुल के जरिए लोगों और सेनाओं का आना-जाना रहेगा।

सीएम को दी गई पूरी जानकारी

सेना द्वारा 50 पर्यटकों को एएलएस वाहनों से गंगोत्री से धराली लाया गया। वहीं 60 से ज्यादा बुजुर्ग और बच्चों को कीचड़ धंसाव पार कराकर हर्षिल पहुंचाया गया। कैप्टन गुरप्रीत सिंह ने मौके पर पहुंचे उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी को राहत कार्यों की पूरी जानकारी दी। हर्षिल में लोगों की तलाश और मलबा हटाने का मिशन जारी है।

14 राज आरआईएफ के लापता जवानों की सर्च ऑपरेशन जारी है। वहीं सुक्की टॉप से लाया गया जेसीबी मलबा हटाने में लगातार जुटा है। इतना ही नहीं संचार सेवाओं को भी सेना बहाल कर रही है। 7 अगस्त को सेना ने हर्षिल में सैटेलाइट और रेडियो रिले सिस्टम चालू किए। इसके जरिए फंसे लोगों ने इंटरनेट कॉल के जरिए अपने परिवारों को से बात की। कई लोग अपने परिवार की आवाज सुनकर भावुक हो गए थे। लोगों ने सेना के इस कदम की खुलकर सराहना की।

रेल यात्रियों के लिए खुशखबरी: आने-जाने का टिकट एक साथ लेने पर मिलेगी 20 परसेंट की छूट

नई दिल्ली, 9 अगस्त (एजेंसियां)। देशभर में जब-जब त्योहार आते हैं लगभग हर रेलवे स्टेशन पर भारी भीड़ देखने को मिलती है। लोगों को हजारों किलोमीटर का सफर खड़े होकर करना पड़ता है। इस भीड़ और सुरक्षित यात्रा के लिए रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बड़ी सौगात दी है। इसके मुताबिक अगर आप आने और जाने दोनों का एक साथ टिकट करते हैं तो आपको 20 प्रतिशत की छूट दी जाएगी। इसको लेकर रेल मंत्रालय ने "राउंड ट्रिप पैकेज" की शुरुआत की है। त्योहारों के मौसम में ट्रेनों में भारी भीड़ और टिकट की मारामारी से बचाने के लिए भारतीय रेलवे ने एक नई स्कीम शुरू की है। इसका नाम है राउंड ट्रिप पैकेज फॉर फेस्टिवल रश, इस स्कीम का मकसद है यात्रियों को सस्ती दर पर आने-जाने का टिकट देकर भीड़ को अलग-अलग दिनों में बांटना ताकि यात्रा आरामदायक और सुविधाजनक हो सके।

किसे मिलेगी इस स्कीम की छूट?

रेलवे के मुताबिक, इस स्कीम के तहत अगर कोई यात्री आने और जाने दोनों तरफ का टिकट एक साथ बुक करता है तो वापसी के सफर के बेस किराए पर 20% की छूट दी जाएगी। छूट सिर्फ उन्हीं यात्रियों को मिलेगी जो आने और जाने का टिकट एक ही नाम और डिटेल्स के साथ बुक करेंगे। दोनों टिकट एक ही क्लास और एक ही स्टेशन जोड़ी (ओ-डी जोड़ा) के होने चाहिए। आने का टिकटः 13 अक्टूबर से 26 अक्टूबर 2025 के बीच की यात्रा के लिए होना चाहिए। जबकि वापसी का टिकट 17 नवंबर से 1 दिसंबर 2025 के बीच की यात्रा के लिए हो।

किन-किन बातों का रखना होगा ध्यान?

इस नई स्कीम के मुताबिक आने का टिकट पहले बुक करना होगा और उसके बाद कनेक्टिंग जर्नी फीचर से वापसी का टिकट बुक होगा। वापसी का टिकट बुक करते समय एडवांस रिजर्वेशन पीरियड (एआरपी) का नियम लागू नहीं होगा। शर्त ये हैं कि दोनों तरफ के टिकट सिर्फ कन्फर्म होने चाहिए। टिकट में कोई बदलाव नहीं किया जा सकेगा। रिफंड की कोई सुविधा नहीं होगी। रिटर्न टिकट बुक करते समय कोई और छूट, वाउचर, पास, पीटीओ या रेल ट्रैवल कूपन लागू नहीं होगा। ये स्कीम सभी क्लास और सभी ट्रेनों में लागू है, जिसमें स्पेशल ट्रेनें भी शामिल हैं। फ्लेक्सी किराया वाली ट्रेनों में यह सुविधा नहीं होगी। दोनों टिकट एक ही माध्यम से बुक करने होंगे-या तो ऑनलाइन (इंटरनेट) से या फिर रिजर्वेशन काउंटर से कराना होगा। चार्ट बनने के समय अगर किराए में कोई अंतर आता है तो यात्रियों से कोई अतिरिक्त पैसा नहीं लिया जाएगा।

क्या है इस स्कीम के पीछे की वजह

रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव का मानना है कि इस ऑफर से त्योहारों के समय यात्रियों की भीड़ अलग-अलग तारीखों में बंट जाएगी। खास ट्रेनों का दोनों तरफ से सही उपयोग होगा और यात्रियों को टिकट आसानी से मिल सकेगा। रेलवे ने इसके लिए प्रेस, मीडिया और स्टेशनों पर घोषणाओं के जरिए विस्तृत प्रचार करने के निर्देश दिए हैं।

आरजी कर कांड को लेकर प्रदर्शन के दौरान बवाल; बैरिकेड तोड़े गए, पुलिस ने भांजीं लाठियां

नई दिल्ली, 9 अगस्त (एजेंसियां)। कोलकाता पुलिस ने पश्चिम बंगाल सचिवालय नबान्न तक मार्च के दौरान मध्य कोलकाता में पार्क स्ट्रीट क्रॉसिंग पर प्रदर्शनकारियों पर लाठियां भांजीं है। यह मार्च सरकारी आरजी कर अस्पताल के अंदर एक ऑन ड्यूटी डॉक्टर के साथ क्रूर दुष्कर्म और हत्या के एक साल पूरे होने के मौके पर शनिवार को निकाली गई। रानी रश्मोनी रोड सभा स्थल से आगे न बढ़ने की पुलिस की चेतावनी को नजरअंदाज करते हुए प्रदर्शनकारियों ने विद्यासागर सेतु की ओर बढ़ने के लिए बैरिकेड्स तोड़ने की कोशिश की। इससे माहौल तनावपूर्ण हो गया। इस दौरान विपक्ष के नेता सुवेंदु अधिकारी, भाजपा नेता अग्निमित्रा पॉल और अन्य भाजपा विधायकों के साथ पार्क स्ट्रीट-जेएल नेहरू रोड क्रॉसिंग पर धरने पर बैठ गए।

आरोप लगाया कि पुलिस कार्रवाई में भाजपा नेताओं सहित 100 से अधिक प्रदर्शनकारी घायल हो गए। अधिकारी ने यह भी दावा किया कि लाठीचार्ज के दौरान आरजी कार पीड़िता के माता-पिता घायल हो गए। अधिकारी ने चेतावनी दी, ममता बनर्जी को इसकी भारी कीमत चुकानी पड़ेगी। यह विरोध प्रदर्शन आगे और भी बड़ा होने वाला है। नेता प्रतिपक्ष सुवेंदु अधिकारी ने दावा किया है कि बंगाल सचिवालय तक मार्च के दौरान पुलिस कार्रवाई में भाजपा विधायकों पर लाठीचार्ज कर गई। इस बवाल के दौरान आरजी कर पीड़िता के माता-पिता भी घायल हो गए हैं। खबर है कि भाजपा नेता अधिकारी और अग्निमित्रा पॉल पुलिस कार्रवाई के विरोध में वहीं धरने पर बैठ गए हैं। दूसरी ओर, पीड़िता के पिता ने आरोप लगाया, उच्च न्यायालय की ओर से हमें शांतिपूर्ण विरोध रैली आयोजित करने की अनुमति दिए जाने के बावजूद पुलिस हमारे साथ सहयोग नहीं कर रही है। उन्होंने कहा, पुलिस ने रास्ते में विभिन्न स्थानों पर लोगों के वाहनों को रोककर उन्हें सभा स्थल तक पहुंचने से रोकने की कोशिश की।

लाठीचार्ज के बाद आरजी कर पीड़िता की माँ ने कहा, वे हमें क्यों रोक रहे हैं? हम बस सचिवालय पहुँचना चाहते हैं और अपनी बेटी के लिए न्याय माँगना चाहते हैं। इससे पहले 'नबन्ना चलो अभियान' के तहत प्रदर्शनकारियों ने आरजी कार पीड़िता के लिए न्याय की मांग करते हुए नारे लगाए और पुलिस की ओर से लगाए गए बैरिकेड्स की परवाह किए बिना राज्य सचिवालय तक पहुंचने का संकल्प जताया।

पिता को राखी बांध फूट-फूटकर रोई ज्योति मल्होत्रा

हिसार जेल में मिले पिता, बोले- मेरे गले लगी पाक के लिए जासूसी की आरोपी यूट्यूबर

हिसार, 9 अगस्त (एजेंसियां)। पाकिस्तान के लिए जासूसी के आरोप में पकड़ी गई हिसार की यूट्यूबर ज्योति मल्होत्रा के पिता हरीश मल्होत्रा शनिवार को जेल में ज्योति से राखी बंधवाने पहुंचे। जेल में पिता को राखी बांधते हुए ज्योति के आंसू निकल आए। पिता ने ढांढस बंधाया तो वह पिता के गले लगकर फूट-फूटकर रोई। पिता ने ज्योति को कहा कि तुम जल्दी जेल से बाहर आ जाओगी। ज्योति के पिता ने जेल से बाहर आकर बताया- ज्योति का कोई भाई नहीं है। इसलिए, मैं बेटी से मिलने गया था और राखी बंधवाई। मेरी सगी बुआ की राखी आती है। मैं ज्योति से वही राखी बंधवाने गया था। ज्योति थोड़ी देर तक रोई। मैंने फिर आशीर्वाद दिया कि कोई बात नहीं, जो हो गया सो हो गया।

ज्योति मल्होत्रा मामले में चार्जशीट पेश करेगी पुलिस

पाकिस्तान के लिए जासूसी के आरोप में पकड़ी गई यूट्यूबर ज्योति मल्होत्रा मामले में पुलिस की जांच पूरी हो चुकी है। इस मामले में पुलिस के पास 90 दिन का जांच का समय था। 90 दिन में जांच पूरी हो चुकी है और इस मामले में शुक्रवार 15 अगस्त या इससे पहले चार्जशीट जमा करवा सकती है। वहीं, ज्योति के वकील कुमार का कहना है कि अगर पुलिस ने चार्जशीट जमा नहीं करवाई तो वह डिफॉल्ट बेल के लिए अप्लाई करेंगे। इस मामले में अगली कोर्ट की तारीख 18 अगस्त तय की गई है। ज्योति मल्होत्रा के पिता हरीश मल्होत्रा ने 5 दिन पहले ज्योति की पेशी के दौरान राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृह मंत्री अमित शाह, मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी और राज्यपाल असीम घोष को चिट्ठी लिखी थी। ज्योति के पिता ने हिसार पुलिस की कार्रवाई पर सवाल उठाते हुए कहा था, पुलिस ने कोरे कागज पर साइन कराकर खुद ही बेटी की स्टेटमेंट लिखी है। पुलिस ने देशद्रोह की जो धारा लगाई है, उससे संबंधित एक भी सबूत पुलिस नहीं जुटा पाई है। पुलिस की एफआईआर ने मेरी बेटी की पूरी जिंदगी खराब कर दी है। उन्होंने हिसार एसपी के बयान का हवाला देते हुए एफआईआर रद्द करने की मांग की और कहा, बेटी अब कभी भी पाकिस्तान नहीं जाएगी, मैं इसकी गारंटी लेता हूं। बता दें कि हिसार पुलिस ने ज्योति मल्होत्रा को पाकिस्तान के लिए जासूसी के शक में 16 मई को गिरफ्तार किया था। उस पर भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 152 और आधिकारिक गोपनीयता अधिनियम, 1923 की धारा 3, 4 और 5 के तहत जासूसी, राष्ट्रीय सुरक्षा को खतरे में डालने और गोपनीय जानकारी साझा करने जैसे गंभीर आरोप हैं।

फरीदाबाद और गुरुग्राम में बुलडोजर एक्शन, 3 अवैध कॉलोनियों को किया ध्वस्त

फरीदाबाद/गुरुग्राम, 9 अगस्त (एजेंसियां)। हरियाणा के फरीदाबाद और गुरुग्राम में अवैध कॉलोनियों पर प्रशासन का बुलडोजर एक्शन हो रहा है। फरीदाबाद के कंट्रोल एरिया में विकसित हो रही अवैध कॉलोनियों को तोड़ने की कार्रवाई जारी है। डिस्ट्रिक्ट टाउन प्लानर इंफोर्समेंट ने ग्रेटर फरीदाबाद के रिवाजपुर और टिकावली में तीन अवैध कॉलोनियों में बुलडोजर एक्शन लेते हुए तोड़फोड़ की कार्रवाई की है। डिस्ट्रिक्ट टाउन प्लानर इंफोर्समेंट के एक अधिकारी ने बताया कि गांव रिवाजपुर व टिकावली की में तीन अवैध कॉलोनियां विकसित की जा रही थीं।

इनमें से एक कॉलोनी 4 एकड़ जमीन, एक कॉलोनी डेढ़ एकड़ और एक कॉलोनी करीब 15 एकड़ जमीन पर विकसित की जा रही थी। उन्होंने बताया कि जिला प्रशासन की मदद से इन कॉलोनियों में बुलडोजर एक्शन लेते हुए तोड़फोड़ की कार्रवाई की गई। इस कार्रवाई के दौरान चार निर्माणाधीन स्ट्रक्चर के साथ करीब 10 बाउंड्री वॉल तोड़ दी गई। इसके साथ ही कॉलोनी में विकसित किए गए सड़क नेटवर्क और बिजली सप्लाई के लिए लगाए गए खंभों को भी उखाड़ दिया गया। इस एक्शन के दौरान करीब 70 डीपीसी लेवल के निर्माण भी तोड़े गए। इसके साथ ही मौके पर लोगों को यह चेतावनी दी गई कि वे फिर से यहां कोई निर्माण नहीं करें। अधिकारी ने बताया कि फरीदाबाद शहर कंट्रोल एरिया में है और इस तरह की अवैध कॉलोनियां भविष्य के विकास को प्रभावित करती हैं। इसलिए शहर में अवैध कॉलोनियों को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने लोगों से अपील की अवैध कॉलोनियों में प्लॉट खरीदकर मकान न बनाएं।

अपना पैसा इन्वेस्ट करने से पहले कॉलोनी की वैधता के बारे में डीटीपीई कार्यालय से पता कर लें। वहीं गुरुग्राम में भी प्रशासन ने अवैध कॉलोनियों पर एक्शन लिया। शहरी एरिया में बसी अवैध कॉलोनी और लाइसेंस कॉलोनियों में हुए अवैध निर्माण पर डीपीटी इंफोर्समेंट ने कार्रवाई की। इस दौरान राजेंद्रा पार्क पुलिस स्टेशन से पुलिस बल भी मौजूद रहा। गांव धनकोट में करीब 9.5 एकड़ में तोड़फोड़ की कार्रवाई की गई। यहां पर 18 बाउंड्री वॉल और एक निर्माणाधीन स्ट्रक्चर को तोड़ा गया है।

स्वतंत्रता और साहित्य के धुनी मन्मथ नाथ गुप्त

अतुल कुमार

भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के शूर वीर स्वतंत्रता सेनानियों में हिंदी के प्रसिद्ध लेखक मन्मथ नाथ गुप्त एक थे .जिन्होंने स्वतंत्रता की लडाई में अपना जीवन झोंक अप्रतिम योगदान दिया .ऐसी महान विभूतियों को आज न कोई याद करता है न कोई उल्लेख ही करता है . इस दिशा में पसरी उदासी और अपरिचय की स्थिति से लोग अपने इतिहास से अंजान बन रहे हैं . ऐसा क्यों है ? स्वर्णिम इतिहास और अतीत को भूल कोई समाज कैसे आगे बड सकता है ! सोचिये ! स्वतंत्रता सेनानी अपनी इच्छा शक्ति . दृढ संकल्प ,साहस और बलिदान के लिये याद किये जाते हैं . अंग्रेज़ शासकों के अन्याय ,असमानता और उत्पीडन के विरुद्ध उन्होंने बिगुल फूंका .अदम्य साहस और संकल्प के प्रतीक थे जिन्होंने आदर्श मूल्यों और सिद्धांतों की शिक्षा दी याद दिलाया कि एक व्यक्ति के कर्म भी बडे बदलाव ला सकते हैं . देश की भाषा ,भूषा और संस्कृति को पुनर्स्थापित करने की वकालत की और अंग्रेज़ी हुकूमत को उखाड फेंकने की प्रतिज्ञा ली .बेबाक खयालों और जोशीले साहित्य से जो लिखा वह ऐतिहासिक धरोहर बना . किसी ने खूब कहा " फलक को ज़िद है बिजलियां गिराने की / हमें भी धुन है आज़ादी की हवा बहाने की // . मन्मथ नाथ गुप्त ने अपने कर्म वचन और लेखन से यही किया .

इस 15 अगस्त को 78 वे स्वतंत्रता दिवस के पावन मौके पर महान योद्धा स्वतंत्रता सेनानियों मे मन्मथ नाथ गुप्त के शौर्य और पराक्रम का स्मरण देश की आज़ादी की लडाई के जज़्बे की अनूठी मिसाल प्रस्तुत करता है . खेलने कूदने की 13 वर्ष की उम्र में स्वतंत्रता आंदोलन में कूद गये और अंग्रेज़ शासकों को ललकारा .सन 1921 में ब्रिटिश राजकुमार के बनारस आगमन पर बहिष्कार की नोटिस और ;पोस्टर को बांटते हुए उनको गिरफ्तार कर लिया गया जिससे तीन महीने की सज़ा हुई . फिर भी स्वराज की भावना कम नहीं हुई . छोटी उम्र में उनके तेवर देख ब्रिटिश शासन हैरान हुआ . बाहर आ काशी विद्यापीठ से विशारद की परीक्षा पास की . तभी उनका संपर्क क्रांतिकारियों से हुआ और पूरी तरह से स्वतंत्रता सेनानी बन गये .

ऐतिहासिक तथ्यों के अनुसार जेल में रहते हुए उन्होंने कलम और शब्दों को अपना मित्र बनाया और हिंदी ,अंग्रेज़ी और बांग्ला भाषा में अंग्रेज़ शासकों के अनाचार और यातनाओं पर लिखने लगे . अखबारों में छपे उनके लेख पढ जनता में आज़ादी के प्रति जागरूकता बडी और हर ओर उनकी चर्चा होने लगी जिससे अंग्रेज़ों में बेचैनी फैल गयी कम उम्र होने के कारण फांसी की सज़ा नहीं दी जा सकती थी इसलिये उसे कठोर कारावास में बदल दिया गया .जेल में मानवतावादी मूल्यों की स्थापना के लिये संघर्ष किया सन 1939 से 1946 तक जेल में रहे .स्वतंत्रता के पूर्व अधिकतर जेल में ही रहे जहां ब्रिटिश सरकार उन पर कडी नज़र रखती .उनके भाषायी ज्ञान से अंग्रेज़ प्रभावित रहते और उनके लिखे को ध्यान से पढते .

अच्छे वक्ता थे जिसे सुन लोग प्रभावित हो स्वतंत्रता आंदोलन को समर्थन देने लगे . एक हाथ में कलम ,दूसरे में पिस्तौल और ज़बान पर ओजस्वी विचार रखने वाले निडर क्रांतिकारी के रूप में उनकी पहचान बनी . अंग्रेज़ों के पिट्ठुओं व चापलूसों ने उनके विरोध में शासकों के कान भरे और उनकी बडती लोकप्रियता को देख उनको काले पानी की सज़ा दी . स्वतंत्रता आंदोलन को गति देने के उद्देश्य से हुई काकोरी रेल डकैती उनके जीवन का महत्वपूर्ण मोड साबित हुई . जिसमें काकोरी के पास रेल को रोक कर सरकारी खज़ाने को लूट लिया गया जिसमें शामिल 10 क्रांतिकारियों में मन्मथ नाथ गुप्त एक थे . इस योजना में शामिल क्रांतिकारियों को अंग्रेज़ हुक्मरानों ने मृत्युदंड की सज़ा सुनायी लेकिन किशोर होने के कारण मन्मथ को 14 वर्ष का कारावास हुआ . मूर्धन्य कवि माखनलाल चतुर्वेदी ने यूं ही नहीं लिखा " मुझे तोड लेना वनमाली / उस पथ पर देना तुम फेंक / मातृभूमि पर शीश चढाने जिस पथ पर जावें वीर अनेक //

गुप्त ने जो भी लिखा वह केवल आज़ादी के लिये था आज़ादी का मतवालापन कूट कूट कर भरा था जो उनके साहित्य में मुख्र रूप में प्रकट हुआ . उनका सबसे बडा योगदान क्रांतिकारी साहित्य में है उन्होंने " भगत सिंह और उनका युग" " भारत के क्रांतिकारी आंदोलन का वैचारिक विकास" तथा ऐतिहासिक विषयों पर अधिक लिखा . उनका साहित्य न केवल साहित्यिक महत्व रखता है बल्कि उसको पढ स्वतंत्रता के महत्व को जानने में मदद मिलती है .अन्य साहित्यिक विधाओं में भी लिखा जैसे कहानियां और उपन्यास आदि . बांगला के प्रसिद्ध साहित्यकार विभूति भूषण बंदोपाध्याय की लोकप्रिय कृति " पाथेर पांचाली " का हिंदी अनुवाद किया . उनकी प्रकाशित पुस्तकों की संख्या 120 के ऊपर है . जिनमें चर्चित पुस्तकें हैं " क्रांति युग के अनुभव "" चंद्रशेखर आज़ाद ' " " प्रगतिवाद की रूप रेखा " " समीक्षा विषयक पुस्तकें " " कथाकार प्रेमचंद " और " भारतीय क्रांतिकारी आंदोलन का इतिहास " इत्यादि . 7 फरवरी 1908 को बनारस में उनका जन्म हुआ था . जीवन के 20 वर्ष जेलों में काटे लेकिन अंग्रेज़ी शासकों के सामने कभी सिर नहीं झुकाया .

मन्मथ नाथ गुप्त ने स्वतंत्रता आंदोलन को जो धार दी उससे पूरे देश में आज़ादी का स्वर बुलंद हुआ जिससे ब्रिटिश शासकों में घबराहट फैल गयी . आज़ादी के एक वर्ष पूर्व जेल से रिहा हो अखबारों में तत्कालीन सरकार के विरुद्ध कई आलेख लिखे . स्वतंत्रता मिलने के बाद वह प्रकाशन विभाग से जुडे और " योजना " तथा " बाल भारती " जैसी रुचिकर पत्रिकाओं का सम्पादन किया . ,

राष्ट्रीय चेतना को प्रभावी बनाने व राष्ट्र के प्रति जन सामान्य की भूमिका पर जागरूकता को बढावा देने के प्रति हमेशा सकृय रहे . जीवन की अंतिम सांस तक इस अथक सेनानी ने साहित्य की सेवा में अपने को समर्पित किया .

26 अक्तूबर 2000 को वह लौ बुझ गयी जिसने तमस को विदा कर देश में स्वतंत्रता के नये प्रभात को अवतरित किया. उनके जुनून पर किसी शायर खूब कहा " सीने में जुनून और आंखों में , देश भक्ति की चमक रखता हूं / दुश्मन की सांसे थम जाये आवाज़ में वो धमक रखता हूं // मन्मथ नाथ गुप्त ने यही किया .

काव्य कुंज

रक्षाबंधन पवित्र पर्व

संजीव ठाकुर,
रायपुर

यह पवित्र रेशमी बंधन।
भेज रही हूं तुम्हें सीमा पर
यह पवित्र रेशमी बंधन
और मांग रही हूं एक
अटूट और साहसिक वचन,
इसे केवल रेशमी धागा
ना समझना मेरे भैया
यह हर बहन की, हर मां
की ,हर पत्नी की
अपने भाई से है आशा,
अपने बाहुबल और शक्ति से
जिस तरह तुम करते हो
स्त्रियों की बहनों की रक्षा
ठीक उसी तरह मेरे भैया।
सीमा पर देश की तुम
कठिन परिस्थितियों में
करना सर्वस्व सुरक्षा,
इस धरती भारत मां की
देश के मुकुट हिमालय की
तुम एक सच्चे प्रहरी की तरह
करते हो सुरक्षा और रक्षा,
एक वचन दो हम सब
बहनों के लिए
संपूर्ण देश की स्त्रियों के लिए
उसी तरह करना सुरक्षा।
प्रदेश की सीमा की करते हो रक्षा
इस पवित्र रेशमी बंधन को
बांध लेना तुम कलाई पर,
इसी कलाई से
मजबूती से करना देश की
संपूर्ण सुरक्षा ।
मेरे प्यारे भैया,
इन रेशमी धागों की आन रख लेना
देश के बाहुबल की शान रख लेना।
हम तो तुमसे सुरक्षित हैं मेरे भैया।
देश सीमा सुरक्षित कर लेना मेरे भैया।

याद करो कुर्बानी

डॉ.प्रतिमा सिंह
हैदराबाद

यह कहानी है सन 57 की
यह कहानी है मंगल पांडे की
यह कहानी है उस दीवाने की
यह कहानी है वीर सिपाही की
जिसने अंगारों को अंगीकार किया
सरकारी बारूदों का बहिष्कार किया ।
आजादी के मतवाले ने हर जुल्म को हिम्मत बना लिया
बंगाल से लेकर मेरठ तक अलख आजादी का जगा दिया
कुछ फिक्र नहीं मिट जाने की,कुछ दर्द नहीं घरवालों की
देश के खातिर मिटना ही मकसद था उस दीवाने की।
पंद्रह अगस्त सन 47 का स्वर्णिम दिन वो याद करें,
कुर्बानी लाखों वीरों की, उन वीर सपूतों को प्रणाम करें
याद करें बिस्मिल की गाथा,उनके हिम्मत और दिलेरी की,
उस वीरप्रसूता माता को, उनके देश-प्रेम और शिक्षा को।
याद करें सच्चे सपूत युवा भगत सिंह के सच्चाई को,
डरे नहीं वह डटे रहे, अटल अडिग, देश पर जान लुटाने को ।
हँसते-हँसते झूल गए वो मातृभूमि की बलिवेदी पर
यह गाथा है सुखदेव राजगुरु सरीखे महान देश भक्तों की
जो मिट गए पर अमर कर गए, गाथा अपनी देश भक्ति की।
15 अगस्त के दिन ही क्यों हम याद करें इन वीरों को
कर्तव्य पथ पर चलें हमेशा, सच्ची श्रद्धांजलि है इन वीरों को ।

मित्र तुम्हारा जैसा होगा

डॉ टी महादेव राव

सारे रिश्तों को जोड़ कर अगर दें हम एक नाम
वही सारे चेहरे समेटकर बनता है दोस्ती का धाम
कृष्ण सुदामा का स्नेह अनोखा रंग दिखाता है
दुर्योधन कर्ण की दोस्ती हम को यह बताता है
दोस्त तुम्हारे जैसे होंगे वैसे ही तुम बन जाओगे
अजातशत्रु होगे या फिर परम शत्रु बन जाओगे
मित्रता पर ही जीवन में मिलते है समुचित परिणाम
सखा बना कृष्ण द्रौपदी का रक्षा की अपमान से
सारथी बना अर्जुन का कृष्ण कुरुक्षेत्र संग्राम में
सच्चा मित्र बना श्याम सभी से जो स्नेह निभाया
अपने सद्व्यवहार से द्वापर का युग पुरुष कहलाया
मधुर बने मित्रवत रहें सभी से तभी तो होगा नाम
पग पग साथी हो सुदृढ़ तो साथ रहे सदा सफलता
साथी हो साहसी जो मिलकर कदम कदम पर चलता
नए क्षितिज चूमें निस दिन मित्रता बंधन मिल जाता
आती न कभी उदासी सदा दिल का कमल खिल जाता
समुचित सही रास्ते ले जाने वाले का सच्चा मित्र है नाम

15 अगस्त

-बलविंदर सिंह,
गुरदासपुर

एक इतिहास क्रांतिकारी
सृजन जब कुर्वानियां।
फिर तिरंगे के रंगों में
शोभित होती निशानियां।
मानवता को चूल्हा-पानी
रोजगार, आजादी मिलती।
शुशियों के सुन्दर गुलशन में फूलों की डाली खिलती,
देश सपूतों के लहू से मिलती हैं फिर मेहरबानियां।
एक इतिहास क्रांतिकारी सृजन जब कुर्वानियां।
पीढ़ी दर पीढ़ी उन्नति के ताज सजाए जाते हैं।
नव सभ्याचार में नव शिष्टाचार बनाए जाते हैं।
धरती को फिर कर देती हैं माला माल जबानियां
एक इतिहास क्रांतिकारी सृजन जब कुर्वानियां।
शक्ति, भक्ति, संयम, पूजा धर्म जब कहलाए।
पर हित भीतर प्यार मुहोब्बत एक सूरज बन जाए।
युगों-युगों तक अक्षरों भीतर जींवत रहे कहानियां।
एक इतिहास क्रांतिकारी सृजन जब कुर्वानियां।
पहले कष्ट तशद्दद सहते फिर देते खुशहाली।
फसलों से फिर कर देते हैं धरती में हिरयाली।
ऊंचे-ऊंचे पर्बत से ही निर्झद देते रवानियां।
एक इतिहास क्रांतिकारी सृजन जब कुर्वानियां।
भारत मां के सिर ऊपर मानवता का ताज सजा कर।
उन्नति विद्या के बल ऊपर एक सुन्दर धरत बना कर
नवयुवकों ने मेहनत भीतर संभाली जिंदगानियां।
एक इतिहास क्रांतिकारी सृजन जब कुर्वानियां।

नव - प्रभात

गजानन पाण्डेय

जीवन के पथ पर
एक नया मोड़
एक नई बात
दस्तक दे रही है ।
ज्ञान का दीप जल उठा
तन - मन प्रकाशित है
नये संबंधों के साथ
जीवन की कहानी लिख रहा हूं
समझ व सोच का दायरा बढ़ा
जीवन में नव - प्रभात आया ।

भारत को भारत रहने दें

जे गंगाधर 'गंध'
हैदराबाद

भारत को भारत रहने दो,
हाँ भारत को भारत ही रहने दो।
भा-रत, भा-रथ सुभासित पथ,
'अग्रसरित' भारत विकास पथ,
जग सिर मौर बने हमारा भारत,
है यही जनमत सभी का अभिमत,
विलायती नजरों से यूं निहारो मत,
भारत को भारतीय नेत्रों से देखो सत,
भारत को भारत ही सा रहने दो।
'इण्डिया' में परतंत्रता की छाया है,
'इण्डिया' में अपनापन सा नहीं है,
बहुत संघर्ष झेला झमेला सहा भी है,
मानसिक दासता से धंसा फंसा भी है,
इण्डिया शब्द इंग्लिशों की देन द्योतक है,
भारत तो स्वाभिमान संरक्षण का संकेत है,
अतः भारत को भारत सा ही पनपने दो ।
मेरा भारत प्रकाश की ओर सदा बढ़ता है,
प्रकाश ज्ञान का विज्ञान का शांति का है,
कांति का, सुक्रांति का,.संक्रांति का है,
ज्योति भी ज्वाला और प्रज्ज्वला है,
भारत तो अपना अच्छा भारत है,
भारत तो भरत का ही गंध है,
भारत को भारत रहने दो ।

मन कबीर न बन पाया मेरा

कुमुद बाला,
हैदराबाद

जीवन की विकट रणनीति से त्रस्त
अब तक उबर न पाया मन मेरा
जहाँ बुननी थी चादर प्रेम की
मनका तक न जुड़ पाया मेरा
मन कबीर न बन पाया मेरा
लगे उलझने जीवन के धागे
बन न पाई सुलझने की बात
खिसकते - खिसकते वर्ष यहाँ आ पहुँचा
कभी खुल न पाई मन की गाँठ
सन्नाटे के शब्दों में घुट - घुट कर
रह गया निरर्थक जीवन मेरा
मन कबीर न बन पाया मेरा
प्रेमभाव के यूँ चरखे चलाकर
तकली पर से फिर सूत कातकर
हर पल बुनी मैंने झीनी चदरिया
निर्मल शुद्धता का ध्यान रखकर
पर फिर भी मैली हो गयी चदरिया
दीप स्नेह का न जल पाया मेरा
मन कबीर न बन पाया मेरा
मैं सब धर्मों का सार सजाऊँ
चल यह अदृश्य दीवार गिराऊँ
मिलजुलकर प्रेम औ भाईचारे का
चल इस जग में एक दीप जलाऊँ
हठी - हठीली दुनिया से उठा भरोसा मेरा
मन कबीर न बन पाया मेरा।।

तुम खुश रहो

रेणुका अग्रवाल
हैदराबाद

मेरे लिए यही काफ़ी है
तुम्हारी ख़ुशी में मेरी खुशी है।
तुम खुश रहो,यही काफ़ी है।
मेरी जान मेरा अरमान हो तुम,
तुम क्या जानो, मेरी जिन्दगी है।
फ़ूल खिलाऊं जिंदगी में ,
बसंत बहार रहे हमेशा।
कभी उदास नहीं देखूं तुझे,
पूरी करूंगी तुम्हारी आशा।
तेरी खुशी ही मेरी मंजिल है।
तू ही तो सच मेरे काबिल है।
इंतजार है के तुम मिलो,
मेरे पहलू में तुम,मुझे हासिल है।
तुम्हे पाया दो जहां मिले मुझे।
अब न मिले परवाह किसे।
तुम ही मेरी कायनात हो पूरी,
बसी रहो अब हयात में मेरी।
हरेक मौसम संग तेरे गुजरे।
जिंदगी में रंग हो भरे भरे।
सावन पिया के संग है तो,
एक दिन भाई संग भी रहे।

वीर गाथा सुनाता तिरंगा

गीता अग्रवाल
हैदराबाद

दुनिया में सबसे अजब,
अलग भारत की पहचान।
वीर गाथा सुनाता तिरंगा,
हमारी आन,बान,शान ह।।
मुख्यत भारत में 21भाषाएँ
हर दिशाओं में बहती,
हर क्षेत्र की अपनी भाषा
नया इतिहास रचती,
मुंह बोली अलग-अलग पर दिल की भाषा एक
भिन्न मातृ भाषाएँ भारत के दिल में नव रंग भरती,
तिरंगे का चक्र आकाश,महासागर सत्यता का ज्ञान।
दुनिया में सबसे अजब, अलग भारत की पहचान ।।
वीर गाथा सुनाता तिरंगा आन,बान और शान ।।
भारत के हर राज्य के अपने अलग अलग पहनावे,
रंग बिरंगे एक दूसरे के पहनावे सभी हमको भावे,
सर्दी,गर्मी, बरसात रूप, सतरंगी प्रकृति के दिखावे
विभिन्नताओं के बीच रहकर हम एक दूजे में समावे,
तिरंगे चक्र की 24 तीली,निरंतर चलते रहना अभिमान।
दुनिया में सबसे अजब, अलग भारत की पहचान ।।
वीर गाथा सुनाता तिरंगा आन,बान और शान ।।
वीर गाथा सुनाता तिरंगा हमारी आन,बान और शान ।।

...कह गयी ज़िन्दगी

सुनिल चौरसिया,
उत्तरप्रदेश

फूलों की ख़ुशबू से महक उठी ज़िन्दगी
चिड़ियों के आने से चहक उठी ज़िन्दगी
ए कलियां, तितलियां, मचलती मछलियां
मौसमी मुस्कान से बहक उठी ज़िन्दगी
गन्ने का रस जस मीठी है ज़िन्दगी
आम के टिकोरा जस खट्टी है ज़िन्दगी
'सावन'! सांसों के सहारे सनेसा सुनाती
छोटी सी, प्यारी सी चिट्ठी है ज़िन्दगी
उनकी यादों की चांदनी में खिल गयी ज़िन्दगी
महासागर में नाव जस हिल गयी ज़िन्दगी
हां! ख्वाबों की दुनिया में खोया था मन
खुद से मिलते ही खोयी हुई मिल गयी ज़िन्दगी
जो कहना न था उनसे कह गयी ज़िन्दगी
वक्त की पाबंदियों को सह गयी ज़िन्दगी
रूह की राहत है रहनुमा की चाहत
शान्त सरिता सी शनै-शनै बह गयी ज़िन्दगी
माफीनामा के सहारे सावन कट रही है ज़िन्दगी
पूर्णिमा के चांद जस घट रही है ज़िन्दगी
पानी-पानी होकर पिघल रही जवानी
सीता-राम, राधेश्याम रट रही है ज़िन्दगी

मेरा आखिरी प्रणाम !!

आत्माराम यादव,
मध्यप्रदेश

प्रणाम प्रणाम प्रणाम, मेरा आखिरी प्रणाम
अंतिम सांसें है, शेष जीवन को प्रणाम
देह में बसी थी, एक अंजान सी आत्मा
तलाशती रही वह, न मिल सका परमात्मा
अधूरे बची है सांसे, जीवन का है खात्मा
आ रही है मृत्यु, यह जीवन मृत्यु के नाम
प्रणाम प्रणाम प्रणाम ,मेरा मृत्यु को प्रणाम।।
बचपन का बालपन, जवानी का नशा
मस्ती में सबको भूला, मनमौजी कहकशा
ठोकर मे थी दुनिया, दिल मेरा शहंशाह
संगी सहचर थे कहाँ, मन बुद्धि ओर प्राण,
प्रणाम प्रणाम प्रणाम ,मेरा स्वभाव को प्रणाम।
जीवन के पथ पर, झुरमुट मिले अवरोध के
सच्चा साथी कौन है, मेरे प्रयोग थे शोध के
कोई समझा न मुझको, न मैं समझा पाया
कुछ दूर तक चले थे, न कोई किनारे आया
टूट कर बिखरते रहे ,मेरे रिश्ते सभी तमाम
प्रणाम प्रणाम प्रणाम, मेरा दुनियावालों को प्रणाम।
मन मेरा मुमुक्षु ,आनंद आल्हाद का निवास
रही देदीप्यमान आत्मा , दिव्यता का प्रकाश
जल अग्नि वायु तरंग से,पूर्ण था धरा आकाश
अकर्ता अभोक्ता असाक्षी, था मैं स्वयं प्रकाश
मैं की गांठ न खोल पाया, भूला सच्चिदानंद का धाम
प्रणाम प्रणाम प्रणाम, मेरा नित्य बुद्ध को प्रणाम ।
स्याही कलाम से जोड़ नाता ,मैं कागज में उकेरता
देश काल परिस्थितियों पर, लिखता ओर सहेजता
सहनशक्ति भरी मुश्किल राहे, निष्पक्ष खबरे छापता
पढ़कर टूटते बिखरते लोग, मिटाने हस्ती मेरी नापता,
प्रणाम प्रणाम प्रणाम, मेरा असंतुष्ट शुद्धो को प्रणाम
प्रणाम प्रणाम प्रणाम , मेरा आप सभी को प्रणाम
ज़िंदगी के आखिरी सफर का, सभी ले लो मेरा प्रणाम
तन से जुदा हो रही आत्मा ,आ गई ज़िंदगी की शाम
अब मर के शमशान जाना है, सभी का यही है मुकाम
पीव अंतिम स्नान कराएंगे, नाते रिश्तेदार मेरे तमाम
प्रणाम प्रणाम प्रणाम ,माफी सभी से सभी को प्रणाम ।।

गुरूकुल

टी तारासिंह
हैदराबाद

गुरूकुल की विद्या बडी कठिन होती
यहाँ कोई बडा न कोई छोटा होता
सब रहते है बराबर , एक समान
सब जल्दी उठकर सब काम करते
कोई न करता अमीरी का दिखावा
ओर कोई न करता गरीबी का मजाक
यहाँ मिलती अच्छी शिक्षा , अच्छा ज्ञान
यहां के गुरुजी का स्थान होता सर्वोपरी
गुरूजी होते है अनुशासित ओर तेजस्वी
सब विधार्थी करते गुरुजी का मान - सम्मान
देते शस्त्र और अस्त्र का ज्ञान
गणित हो या विज्ञान को अच्छा समझाते
संस्कृत के हर शब्द को अच्छे से समझाते
वेद ओर पुराण से भी आवगत कराते
विधार्थी गुरूकुल का ज्ञान पाकर
देश की , राज्य की सेवा करते निस्वार्थ ।।

जा के हर वसिया मन माही..

दर्शन सिंह
हैदराबाद

हालांकि चल तो रहा था नाक की सीध में
ऊघो का लेना न माधो का देना ,
मस्त परिधि में
मैन प्रोपोजेज गॉड डिसपोजेज
तू तू मैं मैं की चक्रव्यूह में
जकड़ा ,गजब की रीति में
डंके को चोट ,कर सच्ची सूची अरदास
आवेगा दुःख सपने में नाही
जा के हर वसिया मन माही
ता को दुःख सपने में नाही
सत्य की राह पर चला, चींटी की तरह रेंगते देखा है
चौबीसों घंटे पथरीली राहों पर चलते देखा है
लगाता तो है एड़ी चोटी की तदबीर
दीप्त उजाले में, ठोकरें खाते देखा है
आकाशवाणी सत्यमेव जयते,
झूठ की जीत नाही
जा के हर वसिया मन माही..
भले ही घोषित कर रखा हो जिल्लेइलाही
आर्गुमेंट करने की सख्त मनाही
दुनिया मुट्ठी में, वींगा वींगा चलता है
नाक पर मक्खी बैठने नहीं देता है
अंततः दुखों का पहाड़ टूट पड़ता है,
लगता पग पग कांटे, फूल नाही
जा के हर वसिया मन माही..

जज़्बातों को जगा दो

डॉ शोभा भंडारी
हैदराबाद

जब सरफरोशी की, गर्मजोशी की,
लहर दिल में उमड़ती है,
जब दिल में छुपे जज़्बात,
जुबां तक नहीं आ पाते,
तब, सहसा ही कुछ अनकहे लफ़्ज़
आंखों की जुबां बन,
अश्रु धारा से बह जाते हैं,
दिल की नर्म परतों को भिगो जाते हैं।
जब-जब आजादी के परवानों की,
कुर्बानी याद आती है,
अमूमन,हर दिल को नम करती हुई,
आंखों के रास्ते गुज़र जाती है।
श्रृद्धा से नतमस्तक हो जाते हैं सिर,
कृतज्ञता के भाव से गद् गद् होकर,
तिरंगे के रंगों से तरंगित होकर,
गर्व और अभिमान से ऊपर उठ जाते हैं सिर।।
हर वर्ष स्वाधीनता दिवस आता है,
हमारे सोये हुए जज़्बातों को,जगा जाता है।
काश ये आलम -ए-जज्बात, पूरे वर्ष यूं ही चलता रहे,
मां भारती के सम्मान का अभियान,
यूं ही निरंतर गतिशील रहे, निर्बाधित चलता रहे।।।

दुनिया

डॉ संजुला सिंह
जमशेदपुर

जब से मैंने जाना है
दुनिया को पहचाना है
बात समझ इतनी ही आई
ये दुनियां पागलखाना है ।
इसमें भिन्न - भिन्न के लोग
जो औरों की खुशियों का कर लेते भोग
खुद तो कुछ ये कर नहीं पाते पर औरों को खूब सताते ।
खुद का किया लगे इन्हें निहाल पर औरों का लगे बबाल
कितने दोहरे रखते सोच कारण इसी पड़े रिश्ते में मोच ।
बोले झूठ और बने महान औरों के कुचले सारे अरमान
इनको लज्जा तनिक ना आती शर्म भी इनको नहीं सताती ।
इस दुनिया के लोग निराले बाहर उजले पर भीतर काले
इन के दिल पे ना लगती चोट
क्योंकि इनके दिल में रहती खोट ।
औरों के गम से न इन्हें मलाल इसीलिए करे सबको बेहाल
दर्द किसी का नहीं समझते औरों के गम पे जम कर हंसते ।
दोहरे इनके होते चरित्र कहते सबको हैं ये मित्र
पर ये मित्र का भाव ना जाने मित्र बना के लगे हटाने ।
बड़ी विचित्र दुनिंया के लोग कैसा विधाता रचा संजोग
मुझको बड़ी हैरानी होती देख बड़ी परेशानी होती ।

स्वतंत्र वार्ता
काव्य कुंज ब्लॉग
AGA. Publications. Ltd.
396, Lower Tankbund,
Hyderabad-500080

अमेरिका से तल्खी : अतीत खुद को दोहरा रहा है

यूएस राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारत और अमेरिका के रिश्तों में काफी उथल-पुथल मचा दी है। हालांकि, ये कोई पहली बार नहीं है जब दोनों देशों में टकराव बढ़ा है। भारत ने पहले भी ऐसे दौर देखे हैं। अमेरिका के साथ रिश्तों में कई बार उतार-चढ़ाव आए हैं। कभी दोस्ती गहरी हुई, तो कभी दूरियां बढ़ गईं। कई बार कुछ अच्छे पल भी आए। अतीत में दोनों देशों के संबंध समय के साथ किस तरह बदलते रहे... एक नजर डालते हैं।

जब भारत आजाद हुआ, तब अमेरिका ने उसे सकारात्मक नजरों से देखा। 1949 में नेहरू ने अमेरिका का दौरा किया और ट्रूमैन से मिले। लेकिन फिर नेहरू ने कोल्ड वॉर यानी शीत युद्ध में आधिकारिक तौर पर तटस्थ रहने का फैसला किया और गुटनिरपेक्ष आंदोलन का नेतृत्व किया। इसके बाद, भारत में प्रभाव बढ़ाने के लिए अमेरिका और सोवियत संघ के बीच पर्दे के पीछे रणनीतिक खींचतान शुरू हो गई।

जेएफके मतलब जॉन एफ कैनेडी, जो उस समय अमेरिका के राष्ट्रपति थे। शीत युद्ध के दौरान भारत-अमेरिका संबंधों में एक सुनहरा दौर भी आया। 1962 के भारत-चीन युद्ध के समय दोनों देशों के रिश्ते मजबूत हुए। नेहरू ने केनेडी को पत्र लिखकर मदद मांगी। केनेडी तुरंत मान गए। उन्होंने मैकमोहन लाइन को भारत और चीन के बीच की सीमा के तौर पर मान्यता दी। साथ ही, भारतीय सैनिकों को हवाई मदद और हथियार भी दिए। वाशिंगटन ने वारसॉ में अपने संपर्कों के जरिए बीजिंग को संदेश भेजा कि वह पूरी तरह से नई दिल्ली के साथ है और उसकी ओर से हस्तक्षेप करने में भी नहीं हिचकिचाएगा। केनेडी के इन कदमों ने उन्हें भारत में बहुत लोकप्रिय बना दिया।

जॉन एफ कैनेडी की हत्या हो गई। 1965 में भारत और पाकिस्तान के बीच युद्ध हुआ, तो अमेरिका ने दोनों देशों को हथियारों की सप्लाई रोक दी। कम्युनिस्ट गुट में चीन और सोवियत संघ अलग हो गए। इन सब वजहों से अमेरिका को चीन के साथ तालमेल बिठाने के लिए पाकिस्तान के साथ काम करने का मौका मिला। नई दिल्ली और वाशिंगटन के बीच दूरियां बढ़ती गईं। 1971 के बांग्लादेश मुक्ति युद्ध के दौरान निक्सन और किसिंजर ने पाकिस्तान का समर्थन किया, जो रिश्तों का सबसे बुरा दौर था। इंदिरा गांधी ने जवाब में सोवियत संघ के साथ मित्रता संधि पर हस्ताक्षर किए।

गेहूं से मिली ऊंचाई

1960 के दशक में नॉर्मन बोरलॉग और एम.एस. स्वामीनाथन के बीच कृषि-विज्ञान क्षेत्र में सहयोग हुआ। इससे भारत में हरित क्रांति आई। एक दशक के भीतर ही भारत खाद्यान्न की कमी से उबरकर आत्मनिर्भर बन गया। लेकिन भू-राजनीति ने दशकों तक तकनीक के क्षेत्र में आगे बढ़ने के मौकों को छीन लिया।

परमाणु परीक्षण से रिश्तों पर असर

1974 में प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने परमाणु परीक्षण का फैसला किया। इससे अमेरिका नाराज हो गया। उसने प्रमुख परमाणु आपूर्तिकर्ताओं को एकजुट करके न्यूक्लीयर सप्लायर्स ग्रुप बनाया। इस ग्रुप ने कई तरह के प्रतिबंध लगाए। इससे भारत के परमाणु कार्यक्रम को काफी नुकसान हुआ। फिर 1998 में तत्कालीन पीएम अटल बिहारी वाजपेयी ने परमाणु परीक्षण किया और भारत को एक पूर्ण परमाणु शक्ति घोषित कर दिया। क्लिंटन ने आर्थिक और रक्षा प्रतिबंधों समेत कई प्रतिबंध लगाए। अमेरिका ने 1990 के दशक में रूस पर क्रायोजेनिक इंजन तकनीक के हस्तांतरण को रोकने के लिए भी दबाव डाला था। पंकज सरन, जो रूस और बांग्लादेश में भारत के राजदूत रह चुके हैं, कहते हैं, कि 'ट्रंप 1.0 में भी, दोनों पक्षों के बीच राजनीतिक तालमेल तो था, लेकिन व्यापार एक मतभेद का मुद्दा था। ऐसा इसलिए था, क्योंकि पहला, अमेरिका अब भारत को रियायत देने को तैयार नहीं था। और दूसरा, लोकतांत्रिक मूल्यों को, जिन्हें द्विपक्षीय साझेदारी का आधार माना जाता था, अब पर्याप्त रूप से महत्वपूर्ण नहीं माना जा रहा था।'

संयुक्त राष्ट्र में भारत के पूर्व स्थायी प्रतिनिधि सैयद अकबरुद्दीन कहते हैं, 'भारत के लिए यह स्थिति सिर्फ एक व्यापार चुनौती से कहीं ज्यादा है। अमेरिका बाजार में पहुंच को चुनौती नहीं दे रहा है। वह रणनीतिक बदलाव चाहता है। भारत इस स्थिति से कैसे निपटता है, यह न केवल उसकी आर्थिक ताकत को तय करेगा, बल्कि एक अस्थिर दुनिया में अपनी राह खुद बनाने वाले एक वैश्विक खिलाड़ी के तौर पर उसकी विश्वसनीयता को भी तय करेगा।'

आगे का रास्ता क्या है?

इटली और रोमानिया में भारत के राजदूत रह चुके राजीव डोगरा का मानना है कि चीजें आसान नहीं होंगी। उन्होंने कहा कि'इस साल ट्रंप की व्हाइट हाउस में वापसी को भारत में अपने किसी व्यक्ति की जीत के तौर पर मनाया गया। इसलिए, यह रहस्य बना हुआ है कि उन्होंने इस अहम रिश्ते को क्यों बिगाड़ दिया है। क्या इसलिए कि पाकिस्तान उन्हें झूठे वादे करके लुभा रहा है? या इसलिए कि भारत ने ऑपरेशन सिंदूर के बाद भारत-पाकिस्तान युद्धविराम कराने में उनकी कथित भूमिका के लिए उन्हें धन्यवाद नहीं दिया? जो भी हो, ट्रंप ने यूएस-इंडिया के रिश्ते को इतनी बुरी तरह से नुकसान पहुंचाया है कि इसे जल्दी ठीक नहीं किया जा सकता।'

कतर और इटली में भारत के राजदूत रह चुके के.पी. फैबियन इस बात पर जोर देते हैं कि भारत को एक रणनीतिक दृष्टिकोण अपनाने की जरूरत है। 'सबसे पहले, हमें यह समझना होगा कि हम अमेरिका से नहीं, बल्कि ट्रंप से निपट रहे हैं। दूसरा, यह स्पष्ट है कि भारत ने भारत-पाकिस्तान युद्धविराम कराने में उनकी कथित मध्यस्थता को स्वीकार नहीं किया, इसलिए उन्हें बुरा लगा। हमें शायद एक अलग रणनीति अपनानी चाहिए थी और पाकिस्तान को युद्धविराम के लिए मनाने के लिए उन्हें धन्यवाद देना चाहिए था, जबकि मध्यस्थता के मुद्दे को छोड़ देना चाहिए था। और तीसरा, ट्रंप को रक्षा सौदों में बहुत दिलचस्पी है। हमें उन्हें यह बताना चाहिए कि अगर घोषित टैरिफ रोक दिए जाते हैं, तो अमेरिकी प्लेटफॉर्म में हमारी दिलचस्पी बढ़ सकती है।'

> फिर मिली परमाणु ऊंचाई

21वीं सदी की शुरुआत में 9/11 अटैक हुआ, जब 11 सितंबर 2001 को अमेरिका पर आतंकी हमला हुआ। अमेरिका ने अफगानिस्तान और इराक में सैन्य हस्तक्षेप किया। चीन विश्व व्यापार संगठन (WTO) में शामिल हो गया। अमेरिका नए दोस्त तलाश रहा था। बुश ने भारत पर दांव लगाया। 2005 में हुआ 123 समझौता द्विपक्षीय संबंधों के लिए बेहद अहम पल था। इसने न केवल भारत का न्यूक्लीयर आइसोलेशन खत्म किया, बल्कि भारत और पाकिस्तान को अलग-अलग करके देखा। अमेरिका ने इस्लामाबाद को ऐसा कोई परमाणु समझौता नहीं दिया। यूएस संग 123 समझौते ने अमेरिका के राजनीतिक हलकों में भारत के लिए द्विदलीय समर्थन की नींव रखी।

ट्रंप के दौर में आई गिरावट

जिस पल यूएस ने ऐसे राष्ट्रपति को चुना जो वैश्वीकरण का विरोधी था, अमेरिका को निर्यात करने वाले हर बड़े देश पर खतरा मंडराने लगा। अब यह बात याद रखना मुश्किल है, लेकिन ट्रंप ने अपने पहले कार्यकाल में ही संकेत दे दिया था कि वह भारत के इस तर्क को नहीं मानते कि एक विकासशील देश होने के नाते उसे कुछ छूट मिलनी चाहिए। ट्रंप 2.0 ने उस रुख को और भी सख्त कर दिया है।

स्कूल छीने तो बेटियों ने लैपटॉप पर बना ली 'यूनिवर्सिटी'

अफगानिस्तान में तालिबान ने लड़कियों के स्कूल जाने पर पाबंदी लगा दी, तो कई लड़कियों की दुनिया जैसे थम सी गई। लेकिन कुछ ने हार नहीं मानी और पढ़ाई जारी रखने के लिए तकनीक का सहारा लिया। इन्हीं में से एक हैं 24 साल की सोदाबा जो फार्माकोलॉजी की स्टूडेंट थीं। 2021 में तालिबान के आने के बाद महिलाओं के पार्क, जिम जाने और ज्यादातर नौकरियां करने पर रोक लगा दी गई, लेकिन सबसे बड़ा झटका था पढ़ाई पर लगी पाबंदी। निराश होने के बजाय सोदाबा ने एक रास्ता खोज निकाला। उन्हें अपनी ही भाषा 'दारी' में एक फ्री ऑनलाइन कंप्यूटर कोडिंग कोर्स के बारे में पता चला। यह कोर्स एक अफगान रिफ्यूजी चला रहा था, जो उस वक्त ग्रीस में था। सोदाबा का मानना है कि हालात के आगे झुकने की बजाय सपनों को पूरा करने का हर संभव प्रयास करना चाहिए। कोडिंग सीखने और वेबसाइट बनाने से उनका खोया हुआ आत्मविश्वास फिर लौट आया। इस कोर्स को 'Afghan Geeks' नाम की एक संस्था चलाती है, जिसे 25 साल के मुर्तजा जाफरी ने शुरू किया है। मुर्तजा खुद कुछ साल पहले तुर्किये से नाव के रास्ते ग्रीस पहुंचे थे। तब उन्हें कंप्यूटर ऑन करना भी नहीं आता था और न ही वह अंग्रेजी जानते थे। एथेंस के एक शेल्टर होम में एक टीचर की मदद से उन्होंने कोडिंग सीखी।

लौटाना चाहते हैं मदद

मुर्तजा बताते हैं कि वह बहुत मुश्किल समय था, मैं एक साथ ग्रीक, अंग्रेजी और कंप्यूटर सीख रहा था।' आज वही मुर्तजा 'Afghan Geeks' के जरिए अफगानी लड़कियों के लिए उम्मीद की किरण बने हैं। उनकी क्लास में 28 लड़कियां पढ़ रही हैं। वह कहते हैं, 'जब मैं एक अनजान देश में अकेला था, तो लोगों ने निस्वार्थ भाव से मेरी मदद की थी। अब मैं वही मदद अपने देश की लड़कियों को लौटाना चाहता हूं।' 20 साल की जुहाल का यूनिवर्सिटी जाने का सपना तालिबान ने छीन लिया, तो उन्होंने एक प्रोफेसर के साथ मिलकर 'Vision Online University ' शुरू कर दी।

आज उनकी 150 लोगों की टीम 4,000 से ज़्यादा लड़कियों को ऑनलाइन पढ़ा रही है। सभी लोग बिना सैलरी के काम करते हैं। धमकियों के बावजूद जुहाल का इरादा मजबूत है, क्योंकि वह इन लड़कियों को दोबारा डिप्रेशन में नहीं जाने देना चाहतीं और हर हाल में उनका साथ देना चाहती हैं।

वनतारा ने हथिनी माधुरी की विशेष पुनर्वास केंद्र बनाने का दिया प्रस्ताव

वनतारा ने हथिनी माधुरी के लिए कोल्हापुर के नंदनी क्षेत्र में सैटेलाइट पुनर्वास केंद्र स्थापित करने का प्रस्ताव दिया है। इसे जैन मठ और महाराष्ट्र वन विभाग के सहयोग से विकसित किया जाएगा। अगर यह प्रस्ताव स्वीकार कर लिया जाता है, तो इसमें आधुनिक व उन्नत मेडिकल देखभाल, खुले आवास और माधुरी की सेहत को ध्यान में रखते हुए उपचार संबंधी सुविधाएं उपलब्ध करवाई जाएंगीं। वनतारा द्वारा यह कदम जैन समुदाय द्वारा जाहिर की गई चिंताओं को देखते हुए उठाया गया है। यह समुदाय माधुरी को अपनी धार्मिक जीवनशैली का अभिन्न हिस्सा मानता है। उनकी चिंताओं को समझते और भावनाओं को सम्मान देते हुए वनतारा ने वचन दिया है कि वह जैन मठ और महाराष्ट्र सरकार द्वारा सुप्रीम कोर्ट में माधुरी को कोल्हापुर वापस लाने के लिए दायर की गई याचिकाओं का समर्थन करेगा।

संस्था ने आधिकारिक बयान जारी करते हुए कहा, 'हम माधुरी के लिए जैन समुदाय के गहरे भावनात्मक और सांस्कृतिक महत्व को समझते हैं और उसका सम्मान करते हैं।' उनकी ओर से यह भी कहा कि उनके द्वारा उठाया गया कदम सिर्फ कोर्ट के आदेश का पालन था। उनकी धार्मिक परंपरा में हस्तक्षेप करने की मंशा बिल्कुल नहीं थी।

वनतारा के प्रस्ताव का महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने स्वागत किया है। उन्होंने X पर साझा किया कि वनतारा ने पूरे सहयोग की गारंटी दी है। 'अच्छी खबर यह है कि वे सुप्रीम कोर्ट में महाराष्ट्र सरकार की याचिका के पक्ष में साथ देने के लिए तैयार हैं, ताकि हथिनी माधुरी की मठ में बिना किसी परेशानी के वापसी हो सके।' उन्होंने यह भी पुष्टि की कि अगर कोर्ट से माधुरी की वापसी की अनुमति मिल जाती है, तो कोल्हापुर में ही वनतारा उसके लिए एक समर्पित केंद्र बनाने के लिए तैयार है।

वनतारा की टीम ने इस बात को दोहराते हुए जोर दिया कि माधुरी को स्थानांतरित करने का फैसला सुप्रीम कोर्ट और बॉम्बे हाई कोर्ट द्वारा लिया गया था और वनतारा की इसमें कोई भूमिका नहीं थी। उनकी जिम्मेदारी सिर्फ उस हथिनी को गुजरात में स्थित वन्यजीव पुनर्वास केंद्र में आश्रय देने और देखभाल करने की थी। उनके द्वारा यह सब कोर्ट के आदेशों का पालन करते हुए किया गया था।

अपने विस्तृत बयान में संस्था ने कहा कि अगर वनतारा द्वारा कानूनी आदेश का पालन करने के चलते जैन समुदाय को कष्ट पहुंचा है, तो इसका उन्हें खेद है। बयान में आगे कहा गया कि अगर कोर्ट माधुरी की कोल्हापुर वापसी की अनुमति देता है, तो वहीं पर प्रस्तावित सैटेलाइट पुनर्वास केंद्र बनेगा, जिसमें हाइड्रोथेरेपी तालाब, लेजर ट्रीटमेंट रूम, खुला व जंजीरों से मुक्त आवास और चौबीसों घंटे पशु चिकित्सा उपलब्ध करवाने जैसी सुविधाएं मौजूद रहेंगीं। वनतारा ने साफ किया कि यह प्रस्ताव कोई श्रेय या फिर मान्यता पाने के लिए नहीं है, बल्कि कोर्ट द्वारा दिए गए किसी भी दिशा-निर्देश का पालन कर, उसके अनुसार काम करने के लिए है। बयान के अंत में कहा गया, 'आइए हम विरोध नहीं बल्कि एकता के साथ आगे बढ़ें, जिसके केंद्र में हो माधुरी के लिए हमारे दिल में बसा प्यार।'

सावधान रहना होगा विभाजनकारी शक्तियों से

मुनीष त्रिपाठी

14 अगस्त 1947 को भारतीय पुण्यभूमि खंडित हुई उस खंडित भूमि का नाम पाकिस्तान पड़ा । पिछले कुछ सालों से 14 अगस्त को भारत सरकार भारत के विभाजन की त्रासदी को लेकर स्मृति दिवस मना रही है । भारत विभाजन की विभीषिका इतनी गहरी थी जिसकी कल्पना भी उन लोगों के आज भी रोंगटे खड़े कर देती है जिन्होंने प्रत्यक्ष तथा अप्रत्यक्ष जिनके परिजनों ने विभाजन की विभीषिका को देखा था, सुना है। कहा जाता है बड़े लोग जब गलती करते है या उनसे महत्वपूर्ण निर्णयों के आकलन में गलती होती है तो उसका दुष्परिणाम भी बहुत व्यापक और लंबे कालखंड के लिये होता है।

विभाजन की भूमिका का बीज सबसे पहले 1909 में मारले मिंटो सुधार के तहत विधान परिषदों में मुसलमानों के लिये पृथक निर्वाचन अधिनियम में पड़ा था । पहले कांग्रेस ने इसका प्रखर विरोध किया लेकिन 1916 में कांग्रेस ने लीग के साथ लखनऊ समझौते में स्वीकार कर लिया । यही से कांग्रेस ने मुस्लिम साम्प्रदायिकता के आगे घुटने टेक कर सैद्धांतिक स्वीकृत दे दी और मुस्लिम साम्प्रदायिकता के आगे भारत के खंडित होने तक लगातार झुकती रही । 1920 में असहयोग आंदोलन में तुर्की के अपदस्थ खलीफा के समर्थन में खिलाफत को भी इस आंदोलन में गांधी जी के प्रभाव में जोड़ दिया गया, जिसका भारतीय भूमि से कोई लेना देना नही था । इंदुलाल याज्ञिक ने अपनी किताब 'गांधी एज आई न्यू हिम' के पेज 129 में लिखा कि ₹हमने गांधी जी यह सौदा कभी नही किया था कि हम उनके साथ किसी धार्मिक या धार्मिक राजनैतिक आंदोलन में शामिल होंगे।₹ आंदोलन की समाप्ति के बाद पूरे देश के छोटे बड़े शहरों में दंगे हुए । मालाबार में तो मुस्लिम मोपलाओं ने हिंदुओ का बड़े पैमाने पर नरसंहार किया। कांग्रेस कार्यसमिति में इस कुकृत्य की खुलकर निंदा तक नही हुईं । आंबेडकर ने अपनी किताब 'पाकिस्तान औऱ भारत विभाजन ' के पेज 148 में लिखा कि महात्मा गांधी ने नरसंहार करने वाले मोपलाओं के बारे में कहा कि₹ मोपला धर्मभीरु वीर लोग है जो उनके विचार से धर्म सम्मत है।

पाकिस्तान के हिंदुओ ने सिंध को तत्कालीन बम्बई प्रान्त से अलग न करने की मांग को लेकर गांधी से कहा ऐसा करने से वे अल्पसंख्यक हो जाएंगे उनके जीवन पर पहले से अधिक खतरा हो जाएगा। इस पर गांधी जी ने 10 फरबरी 1940 के अपने हरिजन समाचार पत्र के द्वारा कहा कि हिंदुओ को अपनी जानमाल की हिफाजत करने का तरीका खुद खोजना होगा। नतीजा सिंध, बंबई प्रान्त से अलग हुआ और हिंदू समुदाय अल्पसंख्यक हो गए । उन पर हमलों की संख्या में जबरदस्त बढोत्तरी हुई। इसमें कोई शक नही कि गांधी ने खेड़ा, चं पा र ण , असहयोग, सविनय अवज्ञा आंदोलन के द्वारा भारतीय जन समुदाय को स्वतंत्रता की चेतना से जोड़ दिया परन्तु साम्प्रदायिकता के आगे वह लगातार घुटना टेकते रहे । जिससे मुस्लिम लीग को ताकत मिलती गयी और वह लगातार मजबूत होती चली गई। जाने माने इतिहासकार विपिन चंद्रा जिन्हें आमतौर पर गांधीवादी इतिहासकार माना जाता है उन्होंने अपनी किताब 'भारत का स्वतंत्रता संघर्ष' में गाँधी युग की कांग्रेस पर साम्प्रदायिकता से लड़ने में असफल बताकर कांग्रेस की खुलकर आलोचना की । उन्होंने अपनी किताब भारत का स्वतंत्रता संग्राम में 353, 387,395 पेज पर लिखा कि ₹ कांग्रेस ने साम्प्रदायिकता से संघर्ष नही किया और उसके मूल कारणों को नही समझा जिससे मुस्लिम लीग और जिन्ना मजबूत होते गए। कांग्रेस स्वतंत्रता की चेतना का प्रसार तो कर सकी परन्तु राष्ट्र से नही जोड़ सकी खासकर मुसलमानों को । यह कांग्रेस की बड़ी कमजोरी थी । भारतीय भूभाग को अलग होने और पाकिस्तान बनने की प्रक्रिया कुछ दिनों में पूरी नही हुई यह लंबे कुटिल ,कुत्सित प्रयासों और राष्ट्रवादी विचारों की दीर्घकालीन असफलताओं के चलते हुआ है।

अविभाजित भारत लाहौर के रहने वाले प्रोफेसर ए एन बाली जिन्होंने खुद अपनी आंखों से बटवारे को देखा था । उन्होंने बंटवारे के पीछे की कुटिलताओं और राष्ट्रीय असफलताओं को भी अपनी आंखों से देखा था। उन्होंने बंटवारे पर 'नाउ इट कैन बी टोल्ड' नामक पुस्तक लिखी है। उन्होंने अपनी इस किताब के पेज 34 में लिखा कि कैसे लाहौर जो कि हिन्दू बाहुल्य 1941 तक था, मुस्लिम लीग ने एक हिन्दू पार्षद के वोट के चलते लाहौर नगर निगम में बहुमत प्राप्त कर नगर निगम द्वारा ग्रामीण मुस्लिम इलाकों को मिलाकर लाहौर को मुस्लिम बाहुल्य बना दिया था । बटवारे तय होने के बाद ब्रिटिश हुकूमत ने अंतिम समय तक यह तय नही किया था कि लाहौर, कलकत्ता और दिल्ली पाकिस्तान में रहेगा या भारत में ।

हिंदुओं के बहुमत के कारण कलकत्ता और दिल्ली तो भारत को मिल गए परन्तु प्रभु श्रीराम के पुत्र लव का बसाया शहर लाहौर, हिंदू अल्पसंख्यक हो जाने के कारण पाकिस्तान में शामिल कर लिया गया। भारत साम्प्रदायिकता से नतमस्तक होने और तुष्टीकरण की नीति के चलते भारत का दुखद विभाजन हुआ और विभाजन की ऐसी विभीषिका जनमानस ने झेली जिसका वर्णन करना मुश्किल है। विभाजन के दौरान ब्रिटिश अधिकारी मोसले जिसने अपनी आंखों से दुखद भारत के विभाजन को देखा था। उसने बताया था कि पाकिस्तान से भारत में आने वाला एक जत्था 73 मील तक का था ।

धरती की साँसों को राहत देता विकल्प : जैव ईंधन

पो. आरके जैन

हर सांस जो हम भरते हैं, हर किरण जो सूरज से झरती है, और हर बूंद जो पृथ्वी को सींचती है-प्रकृति की ये सभी सौगातें हमें अनमोल जीवन देती हैं। लेकिन क्या हम वास्तव में इस जीवनदायिनी प्रकृति के ऋण को समझ पा रहे हैं? आधुनिकता की अंधी दौड़ में हमने जीवाश्म ईंधनों की लत में धरती को इतना प्रदूषित कर दिया है कि अब वह खुद कराहने लगी है।

इन्हीं कराहों को सुनकर, हर वर्ष 10 अगस्त को विश्व जैव ईंधन दिवस मनाया जाता है — एक ऐसा दिन जो हमें यह सोचने पर मजबूर करता है कि हम ऊर्जा के स्रोतों को लेकर किस दिशा में जा रहे हैं, और क्या कोई हरित विकल्प हमारे हाथ में है। यह दिन केवल एक तारीख नहीं, बल्कि एक आह्वान है-एक ऐसी दुनिया की ओर बढ़ने का, जहां ऊर्जा का स्रोत न केवल टिकाऊ हो, बल्कि धरती के प्रति हमारी जिम्मेदारी को भी दर्शाए। जैव ईंधन की शुरुआत 1893 में सर रूडॉल्फ डीज़ल ने मूंगफली के तेल से इंजन चलाकर की, जो आज पर्यावरण संरक्षण, ऊर्जा आत्मनिर्भरता और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देने वाली क्रांति बन चुका है। बायोएथेनॉल और बायोडीज़ल जैसे जैव ईंधन गन्ना, मक्का, शैवाल और कृषि अपशिष्ट से बनते हैं, जो जीवाश्म ईंधनों की तुलना में कम कार्बन उत्सर्जन करते हैं और कार्बन चक्र को संतुलित रखते हैं। विश्व बैंक (2022) के अनुसार, जैव ईंधन से ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन 20-60% तक कम हो सकता है, जो जलवायु परिवर्तन से निपटने का प्रभावी कदम है। भारत, जहां 70% से अधिक आबादी ग्रामीण क्षेत्रों में रहती है, में जैव ईंधन का महत्व अत्यधिक है। संशोधित राष्ट्रीय जैव ईंधन नीति 2022 के तहत, सरकार ने 2025-26 तक पेट्रोल में 20% इथेनॉल मिश्रण का लक्ष्य रखा है। इससे भारत की 80% कच्चे तेल आयात पर निर्भरता कम होगी और किसानों को फसलों व अपशिष्टों से अतिरिक्त आय मिलेगी। उदाहरण के लिए, उत्तर प्रदेश और महाराष्ट्र में गन्ने से बायोएथेनॉल उत्पादन ने लाखों किसानों को आर्थिक रूप से सशक्त किया। 2023 में 4.3 बिलियन लीटर बायोएथेनॉल उत्पादन से 50,000 करोड़ रुपये की तेल आयात बचत हुई, जो ऊर्जा आत्मनिर्भरता और ग्रामीण आर्थिक क्रांति का प्रतीक है।

जैव ईंधन का एक और महत्वपूर्ण पहलू है इसका पर्यावरणीय प्रभाव। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के अनुसार, वायु प्रदूषण हर साल वैश्विक स्तर पर 70 लाख से अधिक असमय मृत्यु का कारण बनता है।

जीवाश्म ईंधनों से चलने वाले वाहनों का धुआं सल्फर डाइऑक्साइड और नाइट्रोजन ऑक्साइड जैसे हानिकारक प्रदूषकों को वायुमंडल में छोड़ता है। इसके विपरीत, बायोडीज़ल और बायोएथेनॉल से चलने वाले वाहन 30-50% कम प्रदूषक उत्सर्जन करते हैं, जिससे शहरी क्षेत्रों में वायु गुणवत्ता में सुधार होता है। दिल्ली जैसे शहर, जहां वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) अक्सर खतरनाक स्तर को छूता है, जैव ईंधन का उपयोग एक गेम-चेंजर साबित हो सकता है। हालांकि, जैव ईंधन की राह में कई चुनौतियां भी हैं। पहली पीढ़ी के जैव ईंधन, जो खाद्य फसलों जैसे मक्का और गन्ने से बनते हैं, खाद्य सुरक्षा पर दबाव डाल सकते हैं। विश्व खाद्य संगठन (एफएओ) की एक रिपोर्ट के अनुसार, वैश्विक स्तर पर 10% जैव ईंधन उत्पादन खाद्य फसलों पर निर्भर है, जिससे खाद्य कीमतों में 5-10% की वृद्धि हो सकती है। इस समस्या से निपटने के लिए दूसरी पीढ़ी (2जी) और तीसरी पीढ़ी (3जी) के जैव ईंधन पर ध्यान देना जरूरी है। 2जी जैव ईंधन कृषि अपशिष्ट, जैसे भूसा और गन्ने की खोई, से बनते हैं, जबकि 3जी जैव ईंधन शैवाल और सूक्ष्मजीवों जैसे गैर-खाद्य स्रोतों से। भारत में, पुणे में इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन की 2जी बायोएथेनॉल रिफाइनरी एक उत्कृष्ट उदाहरण है, जो प्रतिदिन 100 किलोलीटर बायोएथेनॉल का उत्पादन कर रही है।

गाजीपुर का महाहर धाम, यहां दशरथ के श्राप से प्रकट हुआ था 13 मुखी शिवलिंग

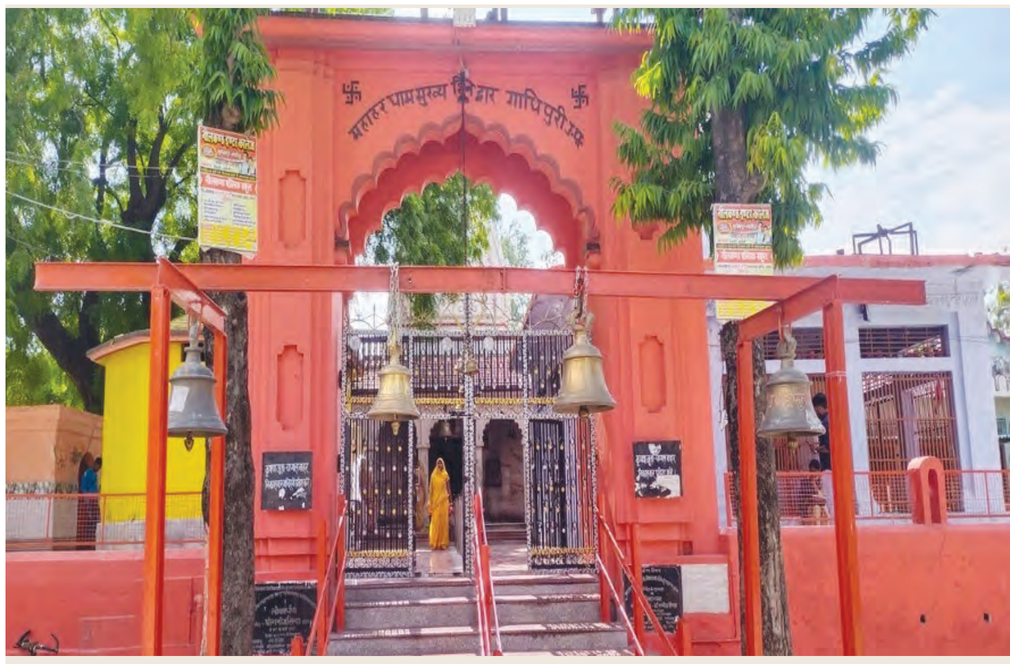

गाजीपुर जिले के मरदह ब्लॉक में स्थित महाहर धाम पूर्वांचल के सबसे प्राचीन और आस्था से जुड़े शिव मंदिरों में से एक है। यह स्थल त्रेतायुग से जुड़ा हुआ है और श्रवण कुमार की करुण कथा घटित हुई थी। किंवदंती के अनुसार, अयोध्या के राजा दशरथ शिकार के लिए इस क्षेत्र में आए थे, तभी पास ही दृष्टिहीन माता-पिता को तीर्थ यात्रा पर ले जा रहे है।

श्रवण कुमार अपने माता-पिता के लिए पास के सरोवर (पोखरे) से जल भरने गए। राजा दशरथ ने झाड़ियों में हलचल सुनकर भ्रमवश शब्दभेदी बाण चला दिया। जिससे श्रवण कुमार की मृत्यु हो गई। उनके माता-पिता ने दुखी होकर दशरथ को पुत्र वियोग का श्राप दिया। स्थानीय लोगों और पुजारी के अनुसार, आज भी मंदिर परिसर का प्राचीन सरोवर वही माना जाता है। श्रवणडीह गांव श्रवण कुमार के नाम पर ही बसा है। बारिश और सावन के मौसम में यह सरोवर कमल के फूलों से ढक जाता है।

तेरह मुखी शिवलिंग और मंदिर परिसर की विशेषता

महाहर धाम का सबसे बड़ा आकर्षण है। इसका 13 मुखी शिवलिंग जो पूरे उत्तर भारत में अद्वितीय माना जाता है। श्राप मुक्ति और संतान प्राप्ति की कामना से राजा दशरथ ने ही शिवलिंग की स्थापना कराई थी। पुजारी के अनुसार, यह शिवलिंग मंदिर निर्माण के दौरान खुदाई में 8-10 फीट नीचे स्वतः प्रकट हुआ था। इस शिवलिंग की पूजा मनोकामना पूर्ण करने वाली मानी जाती है।

श्राप ने जन्म दिया 13 मुखी शिवलिंग

स्थानीय बुजुर्ग उपाध्याय जी बताते हैं कि बाल्मीकि रामायण से लेकर तुलसीदास रामायण और कई लोककथाओं में इसका जिक्र मिलता है। पहले दशरथ की कोई संतान नहीं थी। शिवलिंग की स्थापना व पूजा-अर्चना के बाद ही उन्हें चारों पुत्र—राम, लक्ष्मण, भरत और शत्रुघ्न प्राप्त हुए। मंदिर परिसर में शिवलिंग के अलावा भैरव बाबा (काल भैरव), राधा-कृष्ण, राम-लक्ष्मण-जानकी, माता दुर्गा, भगवान हनुमान, संत रविदास और भगवान ब्रह्मा की चार मुखी प्रतिमा भी स्थापित है। सावन और महाशिवरात्रि पर यहां कांवड़ियों और भक्तों की भारी भीड़ उमड़ती है। जो गंगा से जल लाकर शिवलिंग का जलाभिषेक करते हैं।

लोकमान्यता और आज की आस्था

महाहर धाम केवल पौराणिक दृष्टि से ही नहीं, बल्कि लोक आस्था और ग्रामीण संस्कृति का प्रमुख केंद्र भी है। यहां हर सोमवार को और विशेषकर सावन माह में पूरा परिसर बोल बम और हर-हर महादेव के जयकारों से गूंज उठता है। सावन के प्रत्येक सोमवार को स्वयं भगवान शिव रात्रि विश्राम के लिए आते हैं। इसे मनोकामना सिद्ध पीठ मानते हैं। आज भी दूर-दराज से श्रद्धालु यहां पुत्र कामना, पारिवारिक सुख और हर तरह की मनोकामना पूरी करने के लिए आते हैं। इतिहास और धर्मग्रंथों के अलावा, महाहर धाम का विवरण लोक साहित्य, स्थानीय कथाओं और अखबारों में भी मिलता है। कई किताबों में इसे त्रेता युगस्थ तीर्थ के रूप में उल्लेखित किया गया है, जहाँ दशरथ द्वारा स्थापित तेरह मुखी शिवलिंग आज भी भक्तों की आस्था का केंद्र है।

निष्कर्ष

महाहर धाम अपने पौराणिक महत्व, तेरह मुखी शिवलिंग की अनोखी संरचना, श्रवण कुमार की कथा और लोक आस्था के कारण गाजीपुर ही नहीं। पूरे पूर्वांचल का प्रमुख धार्मिक स्थल है। यहां की यात्रा भक्तों को शांति, आस्था और आश्वस्ति प्रदान करती है।

चार युग के लिए चार स्तम्भ अब बस एक ही बचा है ! शिव मंदिर

भारत देश में मंदिरों का एक विशेष महत्व है।

पूरे भारत में, विभिन्न देवताओं के लिए मंदिर बनाए गए हैं। यहां के कई मंदिरों में ऐसे चमत्कार शामिल हैं जो मानव मस्तिष्क की पहुंच से परे हैं।

भारत में प्रसिद्ध गुफा मंदिर भी हैं। यहां जिस गुफा मंदिर की बात की जानी है, वह केवल एक स्तंभ की ताकत पर खड़ा है।

वह कैसे संभव है?

सामान्य रूप से एक इमारत का समर्थन करने के लिए 4 स्तंभों की ताकत की आवश्यकता होती है। अगर इनमें से कोई एक भी क्षतिग्रस्त हो जाता है तो भी इमारत के गिरने की आशंका रहती है। उस स्थिति में, भारत में केदारेश्वर मंदिर केवल एक स्तंभ की ताकत द्वारा समर्थित है।

गुफा मंदिर महाराष्ट्र के अहमदनगर में स्थित है। हरीश चंद्रगढ़ पहाड़ियों में स्थित इस गुफा मंदिर तक ट्रेकिंग करके पहुंचा जा सकता है। भगवान शिव इस मंदिर के मुख्य देवता हैं। गर्भगृह पानी के बीच में चार स्तंभों के बीच स्थित है।

शिव मंदिर मूल रूप से चार स्तंभों के साथ बनाया गया था। कहानियों के अनुसार, इन चार स्तंभों का निर्माण सत्य युग, त्रेता युग, द्वापर युग और कलियुग का प्रतिनिधित्व करने के लिए किया गया था। ऐसा कहा जाता है कि एक युग के अंत में भी उनकी वजह से एक स्तंभ ढह गया। उनके आस-पास के लोग यही मानते हैं।

इस समय कलियुग चल रहा है। नतीजतन, केवल स्तंभ जो इस युग का प्रतिनिधित्व करता है वह अखंड रहता है। ऐसा माना जाता है कि यदि यह कलियुग समाप्त हो जाता है, तो स्तंभ भी ढह जाएगा।

यदि ऐसा होता है, तो इस मंदिर की स्थिति ज्ञात नहीं है। इस गुफा मंदिर के बारे में एक और रोचक जानकारी है। इस मंदिर के बीच में स्थित तालाब कभी सूखता नहीं, कहा जाता है कि यहां साल भर पानी रहेगा। गर्मियों में इसका पानी ठंडा और सर्दियों में गर्म होता है। जैसा कि पहले उल्लेख किया गया है, यह इस एकल स्तंभ के बीच में है और इसके बीच में शिवलिंग है।

इस शिव लिंग तक पहुंचने के लिए कमर तक पानी में चलना पड़ता है। पहाड़ी पर चढ़ाई करना इस मंदिर तक पहुंचने का एकमात्र तरीका है। इस प्रकार, यह स्थान यात्रियों के लिए एक पसंदीदा स्थान भी है।

क्या शिव तांडव केवल क्रोध है या सृष्टि का रहस्य?

जब भी 'शिव तांडव' की बात होती है, तो ज़्यादातर लोगों के मन में इसका मतलब होता है भगवान शिव का प्रलयंकारी क्रोध, वह नृत्य जो संहार का प्रतीक है। लेकिन क्या यह पूरी सच्चाई है? दरअसल, शिव का तांडव केवल विनाश नहीं बल्कि सृजन, ऊर्जा, लय और ब्रह्मांड के संतुलन का भी प्रतीक है। तांडव शब्द स्वयं संस्कृत के 'तण्डु' धातु से आया है, जिसका अर्थ है 'कंपन' या 'ऊर्जा'। नटराज रूप में शिव का नृत्य ब्रह्मांड के निर्माण, पालन और संहार के चक्र को दर्शाता है।

पुराणों, नाट्यशास्त्र और अनेक शैव ग्रंथों में शिव के कुल सात तांडव का उल्लेख मिलता है और हर तांडव की अपनी अलग भूमिका और भाव-भंगिमा है। यह तांडव केवल शारीरिक नृत्य नहीं, बल्कि आध्यात्मिक प्रक्रिया का प्रतीक भी हैं। नटराज की जटा से बहती गंगा हो, पैरों के नीचे कुचला अज्ञान हो या डमरू से निकलती नादध्वनि ये सब मिलकर तांडव को दिव्य बनाते हैं। आइए जानते हैं, शिव के सात प्रमुख तांडव कौन-कौन से हैं और उनमें क्या रहस्य छिपा है।

शिव के प्रमुख सात तांडव

आनंद तांडव

यह तांडव सृष्टि के उत्सव का प्रतीक है। जब शिव सृजन और सृष्टि के संतुलन में मग्न होते हैं, तब वह आनंद तांडव करते हैं। यह नृत्य सौंदर्य, संगीत और चेतना की ऊँचाई को दर्शाता है।

संहार तांडव

यह वही तांडव है जिसे प्रलय या संहार से जोड़ा जाता है। जब शिव क्रोधित होकर सृष्टि का अंत करना चाहते हैं, तब यह तांडव करते हैं। यह विनाश के साथ-साथ नए सृजन की भी भूमिका तय करता है।

शिव तांडव

इसे ही 'शुद्ध तांडव' भी कहते हैं। यह शिव का सामान्य नृत्य होता है, जिसमें ब्रह्मांडीय ऊर्जा की लयबद्ध गति दिखाई देती है। यह न त्वरित है न ही धीमा बल्कि संतुलित गति से होता है।

कल्याण तांडव

जब शिव देवताओं और ऋषियों को शिक्षा देने या कृपा करने हेतु नृत्य करते हैं, तो यह कल्याण तांडव होता है। यह शांति और ज्ञान का प्रतीक है।

संध्या तांडव

यह तांडव दिन और रात के संधिकाल पर किया जाता है। मान्यता है कि ब्रह्मांड की ऊर्जा में जो बदलाव उस समय होता है, उसे शिव अपने नृत्य से संतुलित करते हैं।

त्रिपुर तांडव

त्रिपुरासुर के विनाश के समय शिव ने यह तांडव किया था। यह तांडव राक्षसी शक्तियों के अंत और धर्म की पुनः स्थापना का प्रतीक है।

गोरतांडव

यह तांडव शिव ने मां पार्वती को दिखाने के लिए किया था, जिसमें उन्होंने अपनी शक्तियों और विभिन्न भावों का प्रदर्शन किया। यह प्रेम, करुणा और शक्ति का मिश्रण है।

भादो माह में कितनी बार मनाया जाता है तीज का पर्व

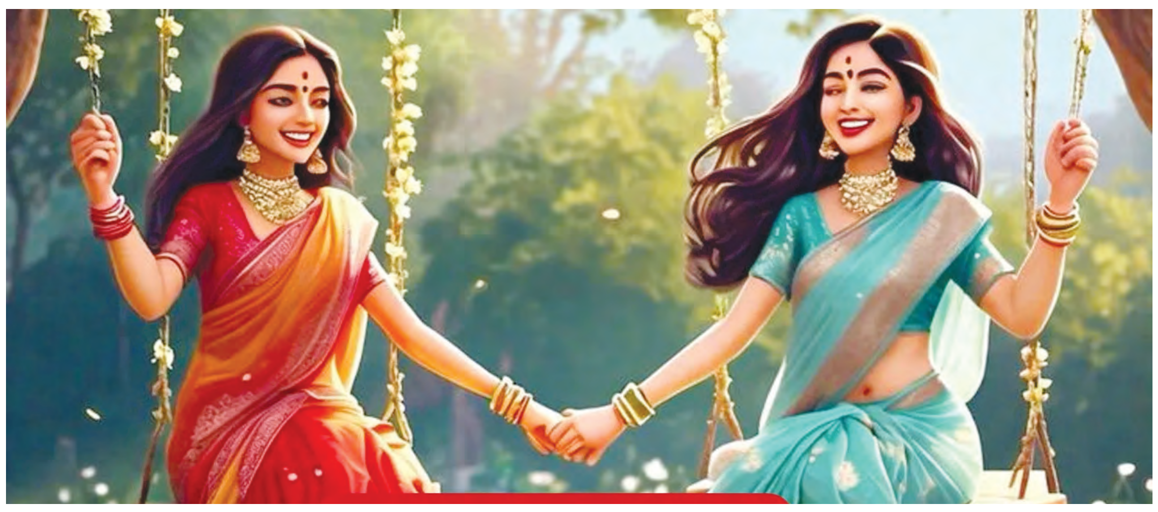

हिंदू धर्म में तीज का पर्व सुहागिन महिलाओं के लिए विशेष महत्व रखता है। साल में तीज का पर्व तीन बार पड़ता है। साल की पहली तीज सावन के महीने में मनाई जाती है, जिसे हरियाली तीज के नाम से जाना जाता है। हरियाली तीज के 15 दिन के बाद अगली तीज आती है।

सावन के महीने के बाद भाद्रपद माह पड़ता है। भाद्रपद माह में कजरी तीज और हरतालिका तीज का पड़ती है। कजरी तीज का पर्व रक्षाबंधन के तीन दिन के बाद मनाया जाता है। भाद्रपद माह के कृष्ण पक्ष की तृतीया तिथि को मनाया जाता है। कजरी तीज को बड़ी तीज भी कहते हैंऔर इसे कजली तीज भी कहा जाता है। कुछ जगह इसे सातुड़ी तीज भी कहते हैं।

कजरी तीज

भाद्रपद माह के कृष्ण पक्ष की तृतीया तिथि को कजरी तीज का पर्व मनाते हैं। साल 2025 में भाद्रपद माह के कृष्ण पक्ष की तृतीया तिथि 11 अगस्त 2025, को सुबह 10.33 मिनट पर प्रारंभ होगी, जो 12 अगस्त 2025 को सुबह 8.40 मिनट पर समाप्त होगी। कजरी तीज का व्रत 12 अगस्त, मंगलवार के दिन रखा जाएगा।

इस दिन सुहागिन महिलाएं अपने पति की लंबी आयु और अच्छे स्वास्थ्य और जीवन में तरक्की के लिए व्रत करती हैं।

पौराणिक ग्रंथों के अनुसार माता पार्वती ने कजरी तीज का व्रत भगवान शिव के लिए किया था। उन्होंने भगवान शिव को पति के रूप में पाने के लिए यह व्रत किया था, और उनकी तपस्या से प्रसन्न होकर भगवान शिव ने उन्हें अपनी पत्नी के रूप में स्वीकार किया था।

हरतालिका तीज

हरतालिका तीज का व्रत भाद्रपद मास की शुक्ल पक्ष की तृतीया तिथि को मनाया जाता है। साल 2025 में तृतीया तिथि 25 अगस्त को सुबह 3.04 मिनट पर प्रारंभ होगी, जो 26 अगस्त, सुबह 04.24 मिनट पर समाप्त होगी। हरतालिका तीज का व्रत सोमवार, अगस्त 25, 2025 को रखा जाएगा।

इस दिन सुबह पूजा का मुहूर्त 06.17 मिनट से लेकर 08.57 मिनट तक रहेगा।

इस दिन प्रदोष काल में पूजा का शुभ मुहूर्त शाम 7.39 मिनट से लेकर 9.47 मिनट तक रहेगा।

इस दिन महिलाएं भगवान शिव व माता पार्वती की रेत के द्वारा बनाई गई मूर्तियों की पूजा करती हैं और सुखी वैवाहिक जीवन तथा संतान की प्राप्ति के लिए प्रार्थना करती हैं।

हरतालिका तीज का व्रत सुहागिन महिलाएं करती हैं। हरतालिका तीज की कथा के अनुसार, माता पार्वती की सहेलियां उनका अपहरण कर उन्हें घने जंगल में ले गई थीं, ताकि पार्वती जी की इच्छा के विरुद्ध उनके पिता उनका विवाह भगवान विष्णु से न कर दें।

घर की दरिद्रता दूर करने के लिए वास्तु के क्या उपाय करने चाहिए?

क्या आपको लगता है कि आपके घर में बरकत नहीं हो रही है? क्या लाख कोशिशों के बाद भी पैसों की तंगी बनी रहती है? वास्तु शास्त्र के अनुसार, घर में मौजूद कुछ कमियां दरिद्रता का कारण बन सकती हैं। वहीं सही वास्तु उपायों को अपनाकर आप इन परेशानियों को दूर कर सकते हैं और घर में सुख-समृद्धि ला सकते हैं। आइए जानते हैं।

घर में सुख-शांति और समृद्धि बनी रहे, इसके लिए न केवल मेहनत और सकारात्मक सोच जरूरी है, बल्कि घर का वास्तु भी बेहद अहम भूमिका निभाता है। कई बार देखा जाता है कि अच्छी आय होने के बावजूद भी घर में धन टिकता नहीं, अनावश्यक खर्च बढ़ते हैं और मानसिक तनाव बना रहता है। इसके पीछे एक कारण घर में मौजूद वास्तु दोष भी हो सकता है। ऐसे में अगर कुछ आसान वास्तु उपाय किए जाएं, तो दरिद्रता को दूर किया जा सकता है और मां लक्ष्मी की कृपा हमेशा बनी रह सकती है।

घर की दरिद्रता दूर करने के लिए वास्तु के करें ये उपाय!

घर की साफ-सफाई पर ध्यान दें

वास्तु शास्त्र के अनुसार, मां लक्ष्मी वहीं वास करती हैं, जहां साफ-सफाई होती है। अपने घर को हमेशा स्वच्छ रखें। खासतौर पर घर के मुख्य द्वार और पूजा घर को नियमित रूप से साफ करें। सुबह-शाम घर के कोनों में और मुख्य द्वार पर झाड़ू-पोछा करें।

अपने को हनुमान चालीसा से जोड़ें फिर प्रकृति से जोड़ें

मनुष्य की फितरत है बर्बाद हो जाना- दौलत, प्रतिष्ठा या प्रेम के लिए। तो जब बर्बाद ही होना है तो क्यों ना परमात्मा के लिए बर्बाद हो जाएं? मीरा, कबीर, सूर, तुलसी, हनुमान- ये सब परमात्मा के कारण बर्बादी का स्वाद चखे हुए लोग हैं। यहां बर्बादी का अर्थ पतन नहीं, परम आनंद को प्राप्त हो जाना है। तुलसी ने रामचरितमानस के किष्किंधाकांड में श्रीरामजी की लक्ष्मणजी से बातचीत का अद्भुत चित्रण किया है। दोनों भाइयों की बातचीत के केंद्र में प्रकृति है। देश के सबसे स्वच्छ नगर इंदौर में एक कार्यक्रम होता है- 'एक शाम, रिश्तों के नाम', जिसमें हनुमान चालीसा का महापाठ किया जाता है। उससे संदेश यह मिलता है कि हम अपने को प्रकृति से कैसे जोड़ें। 14 वर्षों से यह कार्यक्रम हो रहा है। 100वां आयोजन है। इंदौर को अधिकार है कि प्रकृति का जैसे उसने मान किया, यह संदेश सारे देश में पहुंचे। रक्षाबंधन की पूर्व-संध्या पर आज संस्कार टीवी पर इसका सीधा प्रसारण होगा, शाम 7 बजे से। हनुमान चालीसा से जुड़ें, फिर प्रकृति से जुड़ें।

'दयालुता' का पाठ पढ़ाएंगी अनन्या पांडे

अनन्या पांडे ने बच्चों के लिए अपनी नई पहल 'काइंडनैस करिकुलम' की शुरुआत की है। यह पहल उसके सामाजिक प्रोजैक्ट ' सो पॉजिटिव' का हिस्सा है, जिसका उद्देश्य बच्चों में दयालुता, समझदारी और सकारात्मकता की भावना विकसित करना। 'काइंडनैस करिकुलम' को विशेष रूप से स्कूलों में पढ़ाया जाएगा और सबसे दिलचस्प बात है कि इसके सभी 6 मॉड्यूल अनन्या खुद पढ़ाएगी। अनन्या न केवल प्रत्येक चैप्टर को समझाएगी, बल्कि बच्चों को एक्टिविटीज के जरिए गाइड भी करेगी और अपनी व्यक्तिगत जिंदगी के अनुभवों को उनके साथ साझा करेगी, ताकि बच्चे इन बातों से गहरे तरीके से जुड़ सकें।

अपनी इस पहल के बारे में अनन्या ने कहा, "यह सिर्फ वैल्यू सिखाने का विषय नहीं है, बल्कि हम बच्चों को एक ऐसी दुनिया में तैयार करना चाहते हैं, जो सुरक्षित और दयालु हम उन्हें कला, कविता और रचनात्मकता के जरिए यह समझाना चाहते हैं कि खुद और दूसरों से दयालु होना उनकी सबसे बड़ी ताकत है।

अनन्या की यह पहल न केवल शिक्षा में दयालुता को बढ़ावा देगी, बल्कि बच्चों के मानसिक और भावनात्मक विकास में भी एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। इस प्रोग्राम का उद्देश्य बच्चों को सिर्फ अकादमिक ज्ञान ही नहीं, बल्कि जीवन के सकारात्मक पहलुओं की सीख भी देना है।

सकारात्मक डिजिटल व्यवहार को बढ़ावा देने के लिए अपने प्लेटफॉर्म का लगातार उपयोग करने वाली अनन्या ने कहा, ' ₹सो पॉजिटिव में हम जो कुछ भी करते हैं, उसके केंद्र में हमेशा दयालुता रही है। मेरा मानना है कि अगर हम बच्चों में छोटी उम्र से ही दयालुता का संचार कर सकें, तो बड़े होने पर यह उनके लिए स्वाभाविक हो जाएगा। दुनिया में चल रही हर चीज को देखते हुए, मुझे एक ऐसी पीढ़ी के निर्माण में मदद करने की और भी ज्यादा जरूरत महसूस होती है, जो अधिक सहानुभूतिपूर्ण, भावनात्मक रूप से जागरूक और बस... दयालु हो।

यह पाठ्यक्रम समाज सेवी संस्था 'स्लैम आऊट लाऊड' की 'जिजीविषा फैलोशिप' और ' आर्ट्स फॉर ऑल कार्यक्रम' के माध्यम से देश भर के स्कूलों में लागू किया जाएगा। कला- आधारित शिक्षा के माध्यम से करुणा और दया की खोज में मदद करके, इससे 2.5 लाख से अधिक बच्चों पर प्रभाव पड़ने की उम्मीद है। पहुंच को व्यापक बनाने के लिए, यह पाठ्यक्रम' सो पॉजिटिव' के यू-ट्यूब चैनल पर भी उपलब्ध है, ताकि दुनिया भर के माता-पिता और शिक्षक इसे अपने शिक्षण वातावरण में शामिल कर सकें ।

खूबसूरती के सीक्रेट बताए

दूसरी ओर अनन्या ने हाल ही में अपनी फिटनेस और खूबसूरती पर बात करते हुआ कहा कि यह एक दिन की प्रक्रिया नहीं है। यदि आप खूबसूरत रहना चाहते हैं तो आपको हर दिन कड़ी मेहनत करनी होगी। उसने बताया कि किस तरह से वह अपनी डाइट और व्यायाम का ध्यान रखती है। वह योग से मानसिक शांति प्राप्त करती है और जुंबा, पिलाटे, रनिंग आदि से शरीर को फिट रखती है।

उसने कहा कि आप किसी भी तरह की नौकरी करें लेकिन दिनभर में दस हजार कदम चलना न भूलें । हम चलना भूल गए हैं। इसलिए बीमार होते जा रहे हैं। अनन्या ने कहा कि फैशन के बहुत से टाइप हैं लेकिन जो आपके ऊपर अच्छा लगे, आपको उसे चुनना चाहिए। उसने कहा कि शरीर के साथ आपका मन भी खूबसूरत होना चाहिए।

वड़ा पाव की शौकीन

वहीं खाने-पीने की बात करते हुए अनन्या ने बताया कि उसे बड़ा पाव सबसे अधिक पसंद है क्योंकि वह एक पक्की मुंबई गर्ल है।

बॉलीवुड में बहुत भेदभाव है : नुसरत

प्यार का पंचनामा', 'एल.एस.डी.', 'प्यार 'ड्रीम गर्ल', 'सोनू के टीटू की स्वीटी' जैसी फिल्मों में नजर आ चुकी नुसरत भरूचा ने फिल्म इंडस्ट्री में एक लंबा सफर तय किया है । दमदार अभिनय के बूते फिल्म इंडस्ट्री में अपने लिए एक अलग जगह बनाने वाली नुसरत भरूचा को निजी जीवन में उसकी सादगी से लेकर बेबाकी से अपनी बात रखने के लिए भी जाना जाता है ।

कई अभिनेत्रियों ने मायानगरी में सैलरी और सुविधाओं को लेकर भेदभाव पर बात की है। अब नुसरत ने भी इस पर अपनी बेबाक राय रखी है । उसने कहा है कि बॉलीवुड में महिलाओं के साथ अलग ही व्यवहार होता है । उसका कहना है कि पुरुषों के लिए सैट पर अच्छे वॉशरूम से लेकर अच्छी वैनिटी वैन होती है। हालांकि, महिलाओं के लिए सुविधाओं में कमी रहती है।

नुसरत ने कहा, " जैसे ही बंदा हिट देता, वह इनसाइडर हो या आऊटसाइडर, इससे फर्क नहीं पड़ता, उसे तुरंत 5 फिल्में मिल जाएंगी। हालांकि, महिलाओं को संघर्ष करते रहना पड़ता है। मैं 'प्यार का पंचनामा' (2011) से यह बात बोलती आ रही हूं। बस आपको मौके की जरूरत होती है। जितने ऑप्शंस हीरो को मिल जाते हैं, उतने हमें नहीं मिलते।₹

नुसरत ने आगे कहा, "एक वक्त था जब मैं पूछती थी कि क्या 5 मिनट के लिए हीरो की वैनिटी इस्तेमाल कर सकती हूं? वह यहां नहीं है क्या मैं वाशरूम इस्तेमाल कर लूं ? हालांकि, मैं उस वक्त शिकायत नहीं करती थी । खुद से कहती थी कि मैं खुद को ऐसी जगह लाऊंगी जहां चीजें अपने आप मिलें। ₹

नुसरत ने बताया कि एक बार उसे एक फिल्म में छोटा रोल मिला था । उसके साथी अभिनेता को बिजनैस क्लास की टिकट मिली लेकिन उसे इकोनॉमी क्लास की। उसके साथियों ने उसे बिजनैस क्लास में बैठने के लिए कहा लेकिन वह नहीं आई। आज वह अपने दम पर बिजनैस क्लास में ही सफर करती है । रातों-रात निकाल दिया था फिल्म से नुसरत आज भी 'ए लिस्ट' एक्ट्रैसेज के बीच अपनी पहचान बनाने के लिए संघर्ष कर रही है । नुसरत को उसकी ही फिल्मों की फ्रैंचाइजी से रिप्लेस किया गया है और ऐसा उसके साथ एक बार नहीं बल्कि हुआ है।

नुसरत को 100 करोड़ी फिल्म 'सोनू के टीटू की स्वीटी' में देखा गया था । इस फिल्म के 100 करोड़ कमाते ही कार्तिक आर्यन के करियर ने तो रफ्तार पकड़ ली, लेकिन उसको वह पहचान नहीं मिल पाई। नुसरत कई मौ कों प र फिल्म इंडस्ट्री में आऊटसाइडर्स के साथ होने वाले भेदभाव के बारे में खुलकर बात कर चुकी है। हाल ही में उसने एक ऐसा ही वाकया सांझा किया जहां उसे 3 साल तक अटकाए रखने के बाद मेकर्स ने आखिरी वक्त पर रिप्लेस कर दिया था।

वह कहती है कि उसे किसी स्टारकिड से नहीं बल्कि एक किसी और से रिप्लेस किया गया था। उसने उस वक्त खुद को ठगा हुआ पाया क्योंकि उसने उस वक्त फिल्म साइन की थी जब न फिल्म में कोई हीरो था, न डायरैक्टर और न ही प्रोड्यूसर ।

वह बताती है, "मेरा थोड़ा अलग था । मैं लॉक थी। मैं उस फिल्म के लिए 3 साल से साइन की गई थी। फिल्म 3 साल तक शुरू नहीं हुई। फिर आखिरकार, सब कुछ ठीक हो गया। । मेरे घर में उस फिल्म का साइन किया हुआ कॉन्ट्रैक्ट आज भी पड़ा है। मैं फिल्म का नाम नहीं बताऊंगी, क्योंकि मुझे किसी को बदनाम करने या लड़ाई करने में कोई दिलचस्पी नहीं है। कोई जरूरत नहीं । कोई हीरो, कोई निर्देशक और कोई निर्माता नहीं था । मैं अकेली थी जो साइन की गई थी।"

नुसरत आगे बताती है, फिर अचानक ही फिल्म फास्ट ट्रैक पर चली गई।

उन्होंने एक अच्छा हीरो, एक अच्छा निर्देशक लिया, सब कुछ सैट हो गया और उन्होंने मुझे बुलाया और कहा, हम अब इसे आपके साथ नहीं करना चाहते। मैंने कहा- आपका क्या मतलब है? मैं 3 साल से साइन की गई थी ! और मैंने इस फिल्म का सपोर्ट किया और इसके साथ खड़ी रही, जब इसमें कोई और नहीं था ।

कभी सलमान-हार्दिक पांड्या- के साथ जुड़ा था इस स्वीडिश हसीना का नाम, आज बॉलीवुड में करती हैं राज

एली अवराम उन खूबसूरत अभिनेत्रियों में शुमार हैं, जिन्होंने बाहर से आकर बॉलीवुड में काफी नाम कमाया। फिल्मों और शोज के अलावा एक्ट्रेस अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर भी सुर्खियों में रहती हैं। बीते दिनों अभिनेत्री और यूट्यूबर आशीष चंचलानी के अफेयर्स की अफवाहें फैली थी। हालांकि, वो एक पब्लिक स्टंट साबित हुआ। इतना ही नहीं एली अवराम का नाम कई दिग्गज सेलेब्स के साथ भी जुड़ चुका है। आज 29 जुलाई को अभिनेत्री अपना 35वां जन्मदिन मना रही हैं। इस खास मौके पर जानेंगे एक्ट्रेस के सिनेमाई करियर और लव लाइफ के बारे में।

आर्टिस्ट परिवार से आती हैं एली अवराम

एली अवराम का जन्म 29 जुलाई 1990 को स्टॉकहोम, स्वीडन में हुआ था। उनका असली नाम एलीजा अवरामिडौ ग्रानलुंड है। अभिनेत्री के ग्रीक पिता एक मशहूर संगीतकार हैं, जो अब स्वीडन में हैं और उनकी मां एक स्वीडिश एक्ट्रेस हैं। एली को बचपन से ही एक्टिंग, सिंगिग और डांस का शौक था। इसके अलावा उन्हें कम उम्र से ही बॉलीवुड इंडस्ट्री के प्रति एक अलग रुचि थी।

2013 में की बॉलीवुड में एंट्री

एली अवराम ने एक इंटरव्यू में बताया था कि जब वह 14 साल की थी, तो उन्होंने बॉलीवुड फिल्म 'देवदास' देखी थी और उन्हें ऐश्वर्या राय की एक्टिंग काफी पसंद आई थी। इसी के बाद से उन्होंने हिंदी सिनेमा में काम करने का मन बना लिया था। फिर 2013 में अभिनेत्री ने 'बिग बॉस 7' में हिस्सा लिया और इसके बाद एक्ट्रेस ने बॉलीवुड इंडस्ट्री में कदम रखा। उनकी पहली फिल्म थी 'मिकी वायरस', जो एक कॉमेडी-थ्रिलर फिल्म थी। इसमें मुख्य भूमिका में एक्टर-होस्ट मनीष पॉल नजर आए थे।

फिल्मी करियर

एली अवराम के सिनेमाई करियर की बात करें, तो साल 2013 में एक्टिंग में कदम रखने के बाद एक्ट्रेस को 'उंगली' फिल्म में काम करने का मौका मिला। इसके बाद 2015 मे 'किस किसको प्यार करूं' फिल्म मिली। इसमें कॉमेडियन-एक्टर कपिल शर्मा मुख्य भूमिका में थे, फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर अच्छा प्रदर्शन किया था। इसके बाद अभिनेत्री ने 'वन नाइट स्टैंड', 'नाम शबाना', 'पोस्टर बॉय', 'मलंग' जैसी फिल्मों में काम किया। हिंदी फिल्मों के अलावा एक्ट्रेस ने तमिल मूवीज में भी काम किया किया है, जिनमें 'नाने वरुवेन' और 'कंज्यूरिंग कन्नप्पन; फिल्में शामिल है।

क्रिकेटर हार्दिक पांड्या से एक्ट्रेस का था अफेयर?

भारतीय क्रिकेटर हार्दिक पांड्या और एली अवराम की डेटिंग की अफवाहें खूब फैली थी, क्योंकि दोनों को कई बार साथ में स्पॉट किया गया था। इतना ही नहीं एक्ट्रेस को पांड्या के घर के कार्यक्रमों में भी शामिल होते देखा गया था और वह कुणाल पांड्या की शादी में भी पहुंची थी। इस कारण से दोनों के बीच अफेयर्स की चर्चाएं काफी तेज हो गई थीं। हालांकि, दोनों ने अपने रिश्तों को लेकर कभी कुछ नहीं कहा।

सलमान खान-मनीष पॉल के साथ भी जुड़ा नाम

साल 2013 में एली अवराम ने 'बिग बॉस 7' में भाग लिया था। इसी दौरान सलमान खान के साथ एक्ट्रेस की बढ़ती नजदीकियों ने नेटिजंस का ध्यान आकर्षित किया था, जो सोशल मीडिया पर खूब वायरल हुआ था। इसके अलावा शो होस्ट और एक्टर मनीष पॉल के साथ एक्ट्रेस की डेटिंग की खबरें वायरल हुई थीं। हालांकि, दोनों रिश्ते को लेकर किसी के तरफ से कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई थी, अर्थात ये सब अफवाहें थीं। कुछ दिनों पहले यूट्यूबर आशीष चंचलानी ने एली अवराम को गोद में उठाए हुए रोमांटिक पोज दिया था और यूट्यूबर ने एक प्यारा सा कैप्शन लिखा था, जो सोशल मीडिया पर काफी वायरल हुआ था। लेकिन बाद पता चला कि यह उनके एक म्यूजिक वीडियो के दौरान का मूमेंट था।

इन टीवी शोज और गानों में भी नजर आ चुकी हैं एली अवराम

एली अवराम सिर्फ फिल्मों में ही नहीं बल्कि कई रियलिटी शोज में भी नजर आ चुकी हैं। अभिनेत्री 'झलक दिखला जा 7' और 'द ग्रेट इंडियन लाफ्टर चैलेंज' जैसे शोज का हिस्सा रह चुकी हैं। इसके अलावा वह 'टाइपराइटर' और 'इनसाइड एज 2' जैसी वेब सीरीज में भी अपने अभिनय का जलवा बिखरे चुकी हैं। इतना ही नहीं, एक्ट्रेस को 'छम्मा-छम्मा', 'जिला हिलेला' और 'हरफन मौला' गानों से भी जाना जात है।

हमने हमेशा एक-दूसरे का 'साथ' दिया : कृति खरबंदा

हमारे माता-पिता ने हमें हमेशा सिखाया है कि राखी भाई-बहनों का उत्सव है। चाहे कुछ भी हो जाए, हम एक-दूसरे के साथ खड़े रहेंगे। खरबंदा भाई-बहनों कृति, इशिता और जयवर्धन के लिए रक्षाबंधन ने हाल के वर्षों में डिजिटल रूप ले लिया है। कृति बताती है, "पिछले कुछ सालों से हमारी राखी वर्चुअल रही है। हम तीनों वीडियो कॉल पर एक साथ मिलकर राखी मनाते हैं।' उसने बताया कि उसका भाई 4 साल से लंदन में पढ़ाई और मीडिया मैनेजर के तौर पर काम कर रहा है। अपने शुरुआती रक्षाबंधन समारोहों को याद करते हुए, कृति अपने भाई जय की पहली राखी को प्यार से याद करते हुए कहती है, मुझे आज भी हमारी पहली राखी याद है; मैंने अपनी गुलाबी कमीज और सफेद स्कर्ट पहनी हुई नहीं करना पड़ा!"

खरबंदा भाई- बहन राखी बहुत प्यार से मनाते हैं, इसे लिंग - विशिष्ट परम्परा की बजाय अपने घनिष्ठ बंधन का उत्सव मानते हैं। कृति कहती है, "हमारे माता-पिता ने हमें हमेशा सिखाया है कि राखी भाई-बहनों का उत्सव है। चाहे कुछ भी हो जाए, हम एक-दूसरे के साथ खड़े रहेंगे और जरूरत पड़ने पर एक-दूसरे के चीयरलीडर और पंचिंग बैग भी बनेंगे। जय राखी के पारंपरिक अर्थ पर विचार करते हुए बताता है कि उसका अनुभव कैसे अलग है। उसने कहा, 'हालांकि राखी पारंपरिक रूप से भाइयों द्वारा अपनी बहनों की रक्षा करने के बारे में है, मेरा अनुभव बिल्कुल विपरीत थी। जय ने सफेद और सुनहरे रंग का धोती-कुर्ता पहना हुआ था ।

जय से 8 साल बड़ी कृति उसे अपना बेबी ब्रदर मानती है। वह कहती है, "मेरे लिए, वह सिर्फ मेरा भाई नहीं, मेरा लाडला है, मेरी बहन के बाद मेरा दूसरा बच्चा । जय भी इसी भावना को दोहराते हुए बताता है कि कैसे उसकी बहनों ने हमेशा उसकी देखभाल की है। उसने कहा, "हमेशा से ऐसा ही रहा है । जब से मुझे याद आता है, मेरी दोनों बहनें मेरी केयर करती थीं।

कृति ने गत वर्ष अपने ब्वॉयफ्रैंड अभिनेता पुलकित सम्राट के साथ शादी की थी। एक यादगार पल को याद करते हुए, कृति बताती है, पहली रात एक निजी समारोह में बहुत कम लोग इकट्ठा हुए थे। मेरे भाई ने मंच संभाला और कहा कि मैं कुछ कहना चाहता हूं। उसने उस दौरान एक मजेदार घटना याद की और वह आज भी मेरी यादों में ताजा है । मैं उसे पूरी तरह भूल ही गई थी। बचपन में हमारे स्कूलों के बीच बस एक दीवार की दूरी थी । मैं उसे रोजाना लेने जाती थी। एक दिन अचानक, जय को 2 घंटे इंतजार करना पड़ा क्योंकि मैं उसे लेना भूल गई थी। स्कूल के बाद मैं अपने कमरे में आराम कर रही थी कि मेरी मां आईं और पूछा, 'जय कहां है ?' मैं घबरा गई कि अपने भाई को लाना भूल गई ! मेरी मां तुरंत पिकअप पॉइंट पर पहुंचीं। खुशकिस्मती से, जय अभी भी वहीं बैठा था और एक दुकानदार के साथ टी.वी. पर डब्ल्यू.डब्ल्यू. ई. (रैस्लिंग) दे ख रहा था, वह सिर्फ 11 साल का था ।

क्या शादी के बाद विदाई पर दोनों रोए थे, पूछने पर जय ने बताया कि कृति असल में सालों पहले घर छोड़कर चली गई थी। उसने कहा, "वैसे तो को ई वि दा ई नहीं हुई, ले कि न यह पूरी तरह से पं जा बी शादी जरूर थी। मुझे लगता है कि यह अब तक की सबसे अच्छी शादी थी। अब बात यह है कि मैं पिछले कुछ सालों से लंदन में रह रहा हूं और दीदी बॉम्बे में रहती हैं, वह कई साल पहले चली गई थीं इसलिए, मुझे लगता है कि उनकी विदाई कई साल पहले हो गई थी, इसलिए हमें इसे दो बा रा समझ भी नहीं थी।

'भारत किसी के आगे नहीं झुकेगा'

टैरिफ पर अमेरिका के साथ बढ़ रहे तनाव पर बोले केंद्रीय मंत्री

नई दिल्ली, 9 अगस्त (एजेंसियां)। अमेरिका की ओर से 50 प्रतिशत टैरिफ लगाने के एलान के बाद बढ़ते तनाव के बीच केंद्रीय वाणिज्य मंत्री ने पीयूष गोयल ने भारत का स्टैंड साफ किया है। केंद्रीय मंत्री ने एक कार्यक्रम के दौरान बोलते हुए कहा कि भारत किसी के आगे नहीं झुकेगा। वैश्विक व्यापार समूहों के साथ भारत के भविष्य के जुड़ाव के बारे में पूछे जाने पर गोयल ने कहा कि आज देश बहुत अधिक मजबूत और आत्मविश्वास से भरा हुआ है। यह सालाना साढ़े छह प्रतिशत की दर से बढ़ रहा है और इसमें तेजी आने की संभावना है। केंद्रीय मंत्री इस विचार को नकारते हुए कि दुनिया विभूमंडलीकरण का सामना कर रही है, तर्क दिया कि देश अब अपने लिए व्यापार मार्गों और साझेदारों को नए सिरे से परिभाषित कर रहे हैं। उन्होंने कहा, मुझे पूरा विश्वास है कि भारत इस साल पिछले साल की तुलना में ज्यादा निर्यात करेगा। उन्होंने आगे कहा कि व्यापार बाधाओं से निपटने के लिए पहले से ही उपाय किए जा रहे हैं। भविष्य के मुक्त व्यापार समझौतों पर, गोयल ने कहा कि भारत का दृष्टिकोण केवल शुल्क रियायतों की मांग से आगे बढ़ चुका है। चार देशों के ईएफटीए समूह के साथ हुई बातचीत को याद करते हुए, उन्होंने उनसे कहा, हम 4 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर की और दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती बड़ी अर्थव्यवस्था हैं। हमारे पास युवाओं की शक्ति है, जबकि आपकी आबादी बूढ़ी होती जा रही है। उन्होंने कहा कि ईएफटीए के सदस्य देश भारत में 100 अरब अमेरिकी डॉलर का निवेश करने पर सहमत हुए हैं, जिससे 10 लाख प्रत्यक्ष रोज़गार और कुल मिलाकर लगभग 50 लाख नौकरियाँ पैदा होंगी। उन्होंने आगे कहा, 1 अक्तूबर से ईएफटीए समझौता लागू हो जाएगा और इसके लाभ दिखाई देने लगेंगे। गोयल ने भारतीय अर्थव्यवस्था को मृत कहने के लिए कांग्रेस सांसद की भी आलोचना की और कहा कि देश कांग्रेस के उत्तराधिकारी को कभी नहीं भूलेगा। उन्होंने कहा, विपक्ष के नेता की ओर से नकारात्मक कहानी को दोहराना शर्म की बात है। मैं इसके लिए उनकी निंदा करता हूं और स्पष्ट रूप से कहूं तो, देश राहुल गांधी को भारत की ओर से दुनिया के सामने रखी जा रही इन अपमानजनक टिप्पणियों के लिए कभी माफ नहीं करेगा। भारत की आर्थिक मजबूती के बारे में बताते हुए गोयल ने कहा कि देश की मुद्रा, विदेशी मुद्रा भंडार, शेयर बाजार और बुनियादी बातें मजबूत बनी हुई हैं और महंगाई अन्य उभरती अर्थव्यवस्थाओं की तुलना में दुनिया में सबसे कम है। गोयल ने कहा, पूरी दुनिया हमें सबसे तेजी से बढ़ती बड़ी अर्थव्यवस्था के रूप में मानती है, जो वैश्विक विकास में 16 प्रतिशत का योगदान दे रही है। उन्होंने कहा कि भारत के 1.4 अरब युवा, कुशल और महत्वाकांक्षी नागरिक वैश्विक साझेदारों के लिए एक शक्तिशाली आकर्षण हैं। उन्होंने वर्ष 2000 के बाद से भारत में हुए बदलावों का भी जिक्र किया और हजारों नौकरियां पैदा करने का श्रेय आईटी उद्योग को दिया।

महंगा सामान खरीदना और बाहर खाना-पीना बंद अमेरिका में दिखने लगा ट्रंप के टैरिफ का असर

नई दिल्ली, 9 अगस्त (एजेंसियां)। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप अपने देश को फिर से महान बनाने के लिए आमादा हैं। ट्रंप अपने दूसरे कार्यकाल में ताबड़तोड़ फैसले ले रहे हैं। हाल ही में उन्होंने दुनिया के कई देशों पर टैरिफ लगाया है। भारत और ब्राजील पर सबसे ज्यादा 50% टैरिफ लगाया गया है। ट्रंप ने अपने चुनाव प्रचार में वादा किया था कि वे किराने का सामान सस्ता करेंगे। उन्होंने कहा था कि अमेरिकी लोग जल्द ही आसानी से किराने का सामान खरीद पाएंगे। लेकिन देश में किराने के सामान की कीमतें बढ़ती जा रही हैं। इससे परेशान होकर अमेरिकी लोग अपनी खरीदारी के तरीके बदल रहे हैं। उन्हें अब अर्थव्यवस्था की चिंता सताने लगी है। ट्रंप के टैरिफ का असर पूरी दुनिया में दिखने लगा है। साथ ही उनका अपना घर भी इसकी तपिश महसूस कर रहा है। सीएनएन की एक रिपोर्ट के मुताबिक हाल में किए गए एक सर्वे में पता चला है कि आधे से ज्यादा अमेरिकी खाने-पीने की चीजों की कीमतों को लेकर परेशान हैं। 53% लोगों ने कहा कि किराने के सामान की कीमतें उनकी बड़ी चिंता हैं। सर्वे से पता चलता है कि खाने-पीने की चीजों की ऊंची कीमतों और अर्थव्यवस्था की हालत को लेकर अमेरिकी लोग चिंतित हैं। खासकर अंडे, बीफ, संतरे के जूस और दूसरी चीजों की कीमतों में काफी तेजी आई है। ट्रंप के टैरिफ के कारण विदेशों से आने वाले फल, डिब्बाबंद सामान, कॉफी और दूसरी चीजों की कीमतें बढ़ रही हैं।अमेरिका दुनिया की सबसे बड़ी इकॉनमी है और लगभग सभी देशों के साथ उसके व्यापारिक रिश्ते हैं। अमेरिका का बाजार बहुत बड़ा है लेकिन वहां ज्यादातर चीजें इम्पोर्टेड हैं। अमेरिका की थाली विदेशी माल से पटी है। यहां तक कि पीने का पानी भी आयात होता है। पहले अमेरिका में आने वाले सामान पर कम से कम 10% टैरिफ लगता था। लेकिन अब स्थिति पूरी तरह बदल गई है। ट्रंप ने हर देश पर अलग-अलग टैरिफ लगाया है। मेक्सिको, कनाडा और चीन अमेरिका के सबसे बड़े ट्रेडिंग पार्टनर हैं। अमेरिका ने मेक्सिको पर 25%, कनाडा पर 35% और चीन पर 30% टैरिफ लगाया है। ट्रंप ने ब्राजील (50%), लाओस (40%), म्यांमार (40%), स्विट्जरलैंड (39%), इराक (35%) और सर्बिया (35%) के सामान पर सबसे ज्यादा टैरिफ लगाया गया है। भारत पर 25%, वियतनाम और ताइवान पर 20% और थाईलैंड पर 19% टैरिफ लगाया गया है। भारत से आने वाले सामान पर 25% का अतिरिक्त टैरिफ भी लगाया गया है। रूस से तेल खरीदने के कारण यह टैरिफ लगाया गया है। यह टैरिफ 27 अगस्त से लागू होगा। चीन के बाद भारत रूसी तेल का दूसरा बड़ा खरीदार है। मेक्सिको और कनाडा अमेरिका के पड़ोसी हैं और खाने-पीने का बहुत सामान इन देशों से आता है। लेकिन टैरिफ बढ़ने से अब अमेरिकी लोगों का ज्यादा खर्च करना पड़ेगा। मेक्सिको अमेरिका का सबसे बड़ा ट्रेडिंग पार्टनर है। अमेरिका के कुल आयात में मेक्सिको की सबसे ज्यादा 15.5% हिस्सेदारी है। अमेरिका वहां से टमाटर, एवोकाडो, शिमला मिर्च, क्रेनबेरीज, स्ट्रॉबेरीज, रैस्पबेरीज, ककड़ी, ब्रोकोली, तरबूज, आम, एस्पेरेगस, नींबू, प्याज, पालक, लेट्यूस, अखरोट और चीनी का सबसे ज्यादा आयात करता है। मेक्सिको के बाद कनाडा अमेरिका का दूसरा बड़ा ट्रेडिंग पार्टनर है। अमेरिका के कुल आयात में कनाडा की 12.6% हिस्सेदारी है।

हरदीप पुरी बोले- भारत ऊर्जा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ रहा

लेकिन आयात अब भी महत्वपूर्ण

नई दिल्ली, 9 अगस्त (एजेंसियां)। केंद्रीय पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने शुक्रवार को स्वच्छ ऊर्जा और घरेलू ईंधन उत्पादन में भारत की प्रगति के बारे में बात की। उन्होंने स्वीकार किया कि देश अब भी अपनी बढ़ती ऊर्जा जरूरतों को पूरा करने के लिए आयात पर बहुत अधिक निर्भर है। पेट्रोलियम मंत्री ने जैव ऊर्जा और प्राकृतिक गैस क्षेत्र की प्रगति पर कहा, हमारे पास पहले से ही 113 संपीड़ित बायोगैस (सीबीजी) संयंत्र कार्यरत हैं और 73 निर्माणाधीन हैं। मंत्री ने यहां राष्ट्रीय राजधानी में पायनियर बायोफ्यूल्स 360 शिखर सम्मेलन के अवसर पर संवाददाताओं से कहा, यदि आप बाजार में आने वाले कार मॉडलों को देखें, तो पाएंगे कि उनमें से कई नए मॉडल सीएनजी-संगत हैं। इसलिए यह एक सफलता की कहानी है। पुरी ने ऊर्जा पहुंच में प्रगति के एक अन्य उदाहरण के रूप में भारत के लिक्विफाइड पेट्रोलियम गैस (एलपीजी) वितरण की ओर इशारा किया। उन्होंने कहा, आज हम सभी आंकड़ों से उलट चल रहे हैं। देश में 33.5 करोड़ एलपीजी कनेक्शन हैं, जिनमें उज्ज्वला योजना के तहत 10.5 करोड़ कनेक्शन शामिल हैं, फिर भी हम अपनी जरूरत का लगभग 60 प्रतिशत एलपीजी आयात करते हैं। आयात पर निर्भरता को स्वीकार करते हुए, पुरी ने दोहराया कि देश घरेलू उत्पादन बढ़ाने के लिए निर्णायक कदम उठा रहा है। उन्होंने कहा, हमारी रिफाइनरियां अधिक उत्पादन करने जा रही हैं। हम अन्वेषण और उत्पादन (ईएंडपी) में और अधिक काम करने जा रहे हैं। प्राकृतिक गैस के बारे मंत्री पुरी ने कहा कि घरेलू उत्पादन में अच्छी वृद्धि देखी जा रही है। उन्होंने कहा, हां, हमारा उत्पादन प्रति वर्ष 18 प्रतिशत की दर से बढ़ रहा है, लेकिन फिर भी हम अब भी लगभग 50 प्रतिशत आयात कर रहे हैं। मंत्री पुरी ने आत्मनिर्भर भारत के प्रति देश की प्रतिबद्धता पर जोर दिया। उन्होंने कहा, भारत जैसा देश, जिसके सामने ये चुनौतियां हैं, आत्मनिर्भरता की दिशा में आगे बढ़ रहा है, लेकिन इसमें समय लगेगा। इस बीच, हम आयात करेंगे, अपना उत्पादन बढ़ाएँगे, और हमने अपने आयात स्रोतों में पहले ही विविधता ला दी है।

दैनिक पंचांग

ग्रह गोचर

श्री सिद्धार्थी नामक संवत्सर-विक्रम संवत्- 2082
शक संवत् -1947, सूर्य उत्तरायणे,ऋतु- वर्षा
महावीर निर्वाण संवत् -2551
कलियुग अवधि-432000
भोग्य कलि वर्ष-426874
कलियुग संवत् -5126 वर्ष,
कल्पारंभ संवत् -1972949126
सृष्टि ग्रहारंभ संवत्-1955885126

सूर्योदय- 06-01
सूर्यास्त- 18-41

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	कर्क	कर्क	04-17 बजे
चन्द्र	कुंभ	सिंह	06-29 बजे
मंगल	कन्या	कन्या	08-35 बजे
बुध	कर्क	तुला	10-41 बजे
गुरु	मिथुन	वृश्चिक	12-51 बजे
शुक्र	मिथुन	धनु	15-05 बजे
शनि	मीन	मकर	17-11 बजे
राहु	कुंभ	कुंभ	19-01 बजे
केतु	सिंह	मीन	20-39 बजे
		मेष	22-15 बजे
		वृष	00-00 बजे
		मिथुन	02-00 बजे

दिशाशूल- पश्चिम - पान खाकर घर से निकले
तिथि- प्रतिपदा 12-10 तक उपरान्त द्वितीया
मास- भाद्रपद कृष्ण , रविवार 10 August
नक्षत्र- धनिष्ठा 13-52 तक उपरान्त शतभिषा
योग - शोभन 00-02 तक अतिगण्ड
करण- कौलव 12-10 तक उप तैतिल
विशेष:-
व्रत -त्योहार

विशेष:- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश के लिए जन्म पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति व दशान्तर्दशा को विशेष प्रभावित समझना चाहिए ।

राहुकाल 17-08 से 18-44 तक

पं महेशचन्द्र शर्मा 9247132654 9167555710

दिन का चौघड़िया	रात का चौघड़िया
उत्पात 06-01 - 07-35 अशुभ	शुभ 18-41 - 20-08 शुभ
चंचल 07-35 - 09-10 शुभ	अमृत 20-08 - 21-33 शुभ
लाभ 09-10 - 10-46 शुभ	चंचल 21-33 - 22-57 शुभ
अमृत 10-46 - 12-21 शुभ	रोग 22-57 - 00-21 अशुभ
काल 12-21 - 13-57 अशुभ	काल 00-21 - 01-46 अशुभ
शुभ 13-57 - 15-32 शुभ	लाभ 01-46 - 03-10 शुभ
रोग 15-32 - 17-08 अशुभ	उत्पात 03-10 - 04-35 अशुभ
उत्पात 17-08 - 18-41 अशुभ	शुभ 04-35 - 06-01 शुभ

आपका राशिफल

मेष चू,चे, चो, ला, ली, लू , ले, लो, अ,
आपका करियर चमकने वाला है, काम पर आपकी अंतर्ज्ञान और भावनात्मक बुद्धिमत्ता को बढ़ावा मिलेगा। आप आत्मविश्वास में वृद्धि का अनुभव करेंगे, जिससे आप साहसिक कदम उठा सकेंगे। मान्यता और उपलब्धि की अपेक्षा करें। लक्ष्यों पर ध्यान केंद्रित करें, सफल परिणाम सुनिश्चित करें।

वृष ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,
आपको भावनात्मक गहराई का अपने करियर पर प्रभाव देखने को मिल सकता है। आपकी विश्लेषणात्मक क्षमता में वृद्धि होगी, इसलिए अपने लक्ष्यों पर सटीकता से ध्यान केंद्रित करें। आपके लिए भाग्यशाली निर्णय आने की उम्मीद करें। हालाँकि, सावधान रहें, क्योंकि अप्रत्याशित दुर्घटनाएँ या असहिष्णुता हो सकती है।

मिथुन का, की, कू, घ, ड, छ, के, को, ह,
आज आप महत्वाकांक्षा और भावनाओं के बीच खींचतान महसूस कर सकते हैं। संघर्ष या टकराव आपके सामान्य दृष्टिकोण को चुनौती दे सकते हैं, लेकिन नए विचार सफलता दिला सकते हैं। आत्म-जागरूकता पर ध्यान केंद्रित करें और पेशेवर तनावों को विकास के अवसरों में बदलें। इन पलों को अपने दृष्टिकोण को निखारने दें और काम और पढ़ाई में सफलता की ओर ले जाएँ।

कर्क ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,
आज नेतृत्व स्वाभाविक लगता है, लेकिन सटीकता सफलता की कुंजी है। कार्यस्थल पर सामंजस्य चुनौतियों का सामना कर सकता है, खासकर शैली या राय में मतभेदों के कारण। अनकही अंतर्दृष्टि आपके पेशेवर मार्ग का मार्गदर्शन कर सकती है, जो अप्रत्याशित दिशा प्रदान करती है।

सिंह मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,
आपका आत्मविश्वास और रचनात्मकता काम में आपकी प्रगति में सहायक है। कार्यों को सुचारू रूप से पूरा करने के लिए अपने समय पर भरोसा रखें, लेकिन कम ऊर्जा या आत्म-संदेह पर नज़र रखें। अपने स्वास्थ्य को प्राथमिकता दें और चुनौतियों का सामना करने के तरीके के बारे में सावधान रहें। ध्यान और आंतरिक शक्ति के साथ, आप समस्याओं को प्रभावी ढंग से हल कर सकते हैं और दिन को उत्पादक बनाए रख सकते हैं।

कन्या टो पा पी पू ष ण ठ पे पो
आपकी रचनात्मकता और नए विचार आपको काम पर अलग पहचान दिलाने में मदद करते हैं। अपने पेशेवर रिश्तों में सामंजस्य पर ध्यान दें, क्योंकि यह विकास और सफलता का समर्थन करता है। किसी भी तनाव को शांत और विचारशील संचार का उपयोग करके सावधानी से संभालें। एक संतुलित, निष्पक्ष दृष्टिकोण आपको आज पढ़ाई और काम दोनों को सुचारू रूप से प्रबंधित करने में मदद करेगा।

तुला रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,
आपकी रचनात्मकता काम पर चमकती है, जिससे आपको दूसरों से अलग दिखने में मदद मिलती है। नए विचार आपके दृष्टिकोण का मार्गदर्शन करते हैं, और स्पष्ट संचार आपकी प्रगति को बढ़ावा देता है। सहकर्मियों के साथ सहायक संबंध टीमवर्क को आसान बनाते हैं। अपने विचारों को खुलकर साझा करने से संबंध मजबूत होते हैं।

वृश्चिक तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,
आज आप अपने काम से भावनात्मक रूप से ज़्यादा जुड़े हुए महसूस कर सकते हैं। आत्मविश्वास आपको चमकने में मदद करता है, लेकिन विचारों या कार्यों के साथ अति करने से सावधान रहें। रिश्तों को अच्छी तरह से संभालने के लिए विचारशील संचार महत्वपूर्ण है।

धनु ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे
आज आप एक ऐसे सफल पेशेवर से मिल सकते है जो आपका कार्य करने के लिए उपलब्ध सबसे अच्छा विकल्प हो सकता है , लेकिन उसके साथ साझेदारी के गठन से पहले थोड़ा सावधान रहे , संभावना है कि वह कार्य के मध्य में अपनी दरों में वृद्धि कर सकता है । सर्वश्रेष्ठ विकल्प ये होगा की आप ऐसे समझौते पर हस्ताक्षर करे जिसमे दरें गतियमान की बजाय स्थायी हो ।

मकर भो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी
आत्मविश्वास और भावनात्मक संतुलन के मेल से आपका कार्य जीवन सुचारू रूप से चलता रहेगा। आप केंद्रित और स्पष्ट सोच महसूस करेंगे, जिससे कार्यों को निपटाना और समस्याओं का समाधान करना आसान हो जाएगा। यह आंतरिक सामंजस्य उत्पादक सहयोग और निर्णय लेने में सहायक होता है।

कुंभ गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा,
आपका करियर दिग्गजों से प्रभावित होगा। आपमें कर्तव्य की भावना बढ़ सकती है। धैर्य रखना ज़रूरी होगा, संभवतः इससे आंतरिक तनाव पैदा हो सकता है। किसी भी बाधा से निपटने के लिए कूटनीति महत्वपूर्ण है। संकोच और बीमारी के प्रति सतर्क रहें, और अपने काम की ज़िम्मेदारियों पर ध्यान केंद्रित रखें।

मीन दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची
आपका करियर गतिशील रहेगा। आपके सामने कई अवसर आ सकते हैं, जिससे आप विभिन्न परिस्थितियों में काम कर सकेंगे। हालाँकि, संभावित असहिष्णुता और बेहद ईमानदार संचार की आवश्यकता के प्रति सचेत रहें। अपने काम और पढ़ाई के दौरान अपने कार्यों की कीमत के प्रति भी सावधान रहें।

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र

त्योहारी सीजन में सब्जियां हुई महंगी

टमाटर हुआ लाल, तेल के भाव भी बढ़े

नई दिल्ली, 9 अगस्त (एजेंसियां)। सब्जियों की बढ़ी में दाम (प्रति किलो) कीमतों ने लोगों की मुसीबतें बढ़ा दी है। आलम यह है कि टमाटर के साथ गोभी, शिमला मिर्च के दाम में पिछले महीने के मुकाबले काफी इजाफा हुआ है। रिटेल बाजार में सब्जियों के दाम लगभग दोगुने हो गए हैं। इसी बीच सरसों के तेल में भी काफी बढ़ोतरी हुई है। कारोबारियों के मुताबिक, बीते 15 दिनों के अंदर सरसों के तेल के दाम में 25 रुपये की बढ़ोतरी हुई है। जिसकी वजह से लोगों के किचन का बजट बिगड़ गया है। आने वाले दिनों में इसके दाम में और बढ़ोतरी होने के आसार है। आजादपुर सब्जी मंडी के एक कारोबारी ने बताया कि इन दिनों शिमला मिर्च, गोभी, भिंडी, टमाटर, बीस समेत कई सब्जियों के दाम में तेजी आई है। आजादपुर सब्जी मंडी के वेजिटेबल ट्रेडर्स असोसिएशन के जनरल सेक्रेटरी अनिल मल्होत्रा ने बताया कि बारिश के चलते सब्जियां तेजी से खराब हो रही है, जिसकी वजह मंडी में सब्जियों की आवक घट गई है। जिससे सब्जियां अब महंगी होने लगी है। उन्होंने बताया कि पिछले एक हफ्ते में शिमला मिर्च से लेकर गोभी, धनिया के रेट आसमान छू रहे थे, लेकिन इस हफ्ते उनके रेट में थोड़ी गिरावट आई है। हालांकि, आशंका है कि लगातार बारिश होने के बाद फिर से सब्जियों के दाम में बढ़ोतरी हो सकती है। केंद्र सरकार ने कहा कि दिल्ली में टमाटर का मौजूदा औसत भाव 73 रुपये प्रति किलों चल रहा है और इस ऊंचे भाव की एक बड़ी वजह देश के उत्तरी और उत्तर- पश्चिमी इलाकों में हुई। भारी बारिश है। उपभोक्ता मामलों के मंत्रालय ने कहा कि चेन्न और मुंबई जैसे शहरों में हाल के हफ्तों में मौसम असामान्य नहीं होने से टमाटर के भाव इस तरह नहीं बढ़े। उसने कहा कि राष्ट्रीय राजधानी में 47 से 60 रुपये प्रति किलो तक के भाव पर सरकारी एजेंसियां टमाटर बेच रही है। मंत्रालय ने कहा कि अभी अधिकतर जरूरी खाद्य पदार्थों के भाव पिछले साल के मुकाबले या तो कम चल रहे हैं या स्टेबल हैं और जुलाई में होममेड थाली की लागत 14% कम होने से पता फूड इंफ्लेशन घटने का पता चल रहा है। मंत्रालय ने कहा कि 2024-25 में ज्यादा उत्पादन के चलते आलू-प्याज के खुदरा भाव पिछले साल 'के से काफी कम बने हुए हैं। इस साल सरकार ने प्राइस स्टैबलाइजेशन बफर के लिए 3 लाख टन प्याज खरीदा है। तेल के दाम में भी तेजी आई है। रोहिणी के रिटेल कारोबारी प्रवीण गोयल ने बताया कि 15 दिन पहले एक लीटर सरसों तेल 170 रुपये का था, अब 195 का मिल रहा है। हर दिन सरसों के तेल के दाम में वृद्धि देखने को मिल रही है। एक अन्य थोक कारोबारी ने बताया कि इस साल लगभग 111 लाख टन सरसों की फसल होने का अनुमान था, लेकिन अब तक करीब 95 लाख टन ही मार्केट में सरसों आई है।

आईसीआईसीआई बैंक में गरीबों का खाता खोलना हुआ मुश्किल, मिनिमम बैलेंस 5 गुना बढ़ाया

नई दिल्ली, 9 अगस्त (एजेंसियां)। देश के सबसे बड़े प्राइवेट बैंकों में से एक आईसीआईसीआई बैंक के ग्राहकों के लिए काम की खबर है। इस बैंक में अब गरीबों को लिए खाता खोलना मुश्किल होगा। इसकी वजह यह है कि इस बैंक ने अपने ग्राहकों के लिए मिनिमम बैलेंस की लिमिट को बहुत ज्यादा बढ़ा दिया है। अब शहरों में रहने वाले लोगों को अपने सेविंग अकाउंट में कम से कम 50,000 रखने होंगे। पहले यह रकम 10,000 थी। यह नियम 1 अगस्त, 2025 से लागू हो गया है। नए अकाउंट खुलवाने वाले सभी ग्राहकों को यह नया नियम मानना होगा। आईसीआईसीआई बैंक ने छोटे शहरों और गांवों में भी मिनिमम बैलेंस बढ़ा दिया है। अब छोटे शहरों में ग्राहकों को अपने खाते में कम से कम 25,000 रखने होंगे। यह लिमिट पहले 5000 थी। इसी तरह गांवों में भी मिनिमम बैलेंस 10,000 कर दिया गया है जो पहले 2500 था। इस बैंक का मिनिमम बैलेंस देश में सबसे ज्यादा है। देश के सबसे बड़े बैंक स्टेट बैंक ऑफ इंडिया ने साल 2020 में मिनिमम बैलेंस का रूल खत्म कर दिया था। ज्यादातर बैंक मिनिमम बैलेंस इसलिए रखते हैं ताकि वे अपना कामकाज और इन्वेस्टमेंट ठीक से कर सकें। अगर किसी ग्राहक का बैलेंस मिनिमम बैलेंस से कम हो जाता है, तो बैंक उस पर पेनल्टी लगाता है। लेकिन दूसरे बैंकों में मिनिमम बैलेंस आमतौर पर 2000 से 10,000 के बीच ही होता है। मसलन देश के सबसे बड़े प्राइवेट बैंक एचडीएफसी बैंक में मिनिमम बैलेंस शहरों में 10,000, छोटे शहरों में 5,000 और गांवों में 2500 है। एक बड़े बैंकर ने कहा, लगता है कि आईसीआईसीआई बैंक अब अमीर लोगों पर ज्यादा ध्यान दे रहा है। वह चाहता है कि अमीर लोग उसके ग्राहक बनें और वह उन्हें दूसरी चीजें भी बेच सके। अगर मिनिमम बैलेंस बहुत कम होगा, तो बैंक को लगेगा कि उसके ज्यादातर ग्राहक ज्यादा फायदे वाले नहीं हैं। लेकिन, अगर बैंक कुछ खास लोगों को ही ग्राहक बनाएगा, तो उसे इंश्योरेंस और ब्रोकरेज जैसी चीजें बेचने में ज्यादा फायदा होगा, क्योंकि अमीर लोग ऐसी चीजें खरीदने में ज्यादा दिलचस्पी दिखाएंगे। आईसीआईसीआई बैंक के प्रवक्ता ने यह नहीं बताया कि बैंक ने मिनिमम बैलेंस इतना क्यों बढ़ाया है। ज्यादातर एक्सपर्ट्स का मानना है कि जैसे-जैसे देश की जीडीपी बढ़ेगी, अमीरों और गरीबों के बीच का फर्क भी बढ़ेगा। इसलिए ज्यादा से ज्यादा बैंक और फाइनेंस कंपनियां अमीर लोगों को अपनी तरफ खींचने की कोशिश करेंगी। आजकल बैंकों को म्यूचुअल फंड, पोर्टफोलियो मैनेजमेंट सर्विस प्रोवाइडर और प्राइवेट इक्विटी और वेंचर कैपिटल फंड से भी मुकाबला करना पड़ रहा है, क्योंकि ये सभी अमीर लोगों को अपनी तरफ खींचने की कोशिश कर रहे हैं।

डिफेंस प्रोडक्शन और एक्सपोर्ट में नया रेकॉर्ड

नई दिल्ली, 9 अगस्त (एजेंसियां)। भारत का रक्षा उत्पादन (डिफेंस प्रोडक्शन) लगातार नए रेकॉर्ड बना रहा है। यह अब तक के सबसे ऊंचे स्तर पर पहुंच गया है। वित्तीय वर्ष 2024-25 में यह 1,50,590 करोड़ रुपये रहा। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने शनिवार को इसकी जानकारी दी। उन्होंने कहा कि यह पिछले वित्तीय वर्ष के 1.27 लाख करोड़ रुपये के उत्पादन से 18% ज्यादा है। 2019-20 में यह आंकड़ा 79,071 करोड़ रुपये था, जिससे यह 90% की भारी वृद्धि है। वहीं रक्षा निर्यात (डिफेंस एक्सपोर्ट) भी वित्तीय वर्ष 2024-25 में 23,622 करोड़ रुपये के रेकॉर्ड उच्च स्तर पर पहुंच गया है। यह पिछले वर्ष के 21,083 करोड़ रुपये की तुलना में 2,539 करोड़ रुपये ज्यादा है। यानी इसमें 12.04% की वृद्धि हुई है। निर्यात में वृद्धि को वैश्विक बाजारों के लिए रक्षा उपकरणों के उत्पादक के रूप में भारत की बढ़ती स्थिति के और सबूत के रूप में देखा जा रहा है। भारत के डिफेंस प्रोडक्शन और डिफेंस एक्सपोर्ट में आई तेजी को देख अमेरिका और पाकिस्तान को मिर्ची लगेगी। इसका कारण है कि अमेरिका दुनियाभर में अपने हथियार बेचना चाहता है। वहीं अब कई देश भारत से हथियार खरीद रहे हैं। ऐसे में यह अमेरिका के लिए कुछ नुकसान वाली बात होगी। वहीं ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भारतीय हथियारों ने पाकिस्तान के दांत खट्टे कर दिए थे। ऐसे में भारतीय हथियारों की बढ़ती मांग को देख पाकिस्तान को भी मिर्ची लग रही होगी। डिफेंस प्रोडक्शन के बारे में राजनाथ सिंह ने एक्स पर पोस्ट लिखी। उन्होंने लिखा है, 'प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत का रक्षा उत्पादन रेकॉर्ड ऊंचाई पर पहुंच गया है! वित्तीय वर्ष 2024-25 में वार्षिक रक्षा उत्पादन 1,50,590 करोड़ रुपये के सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंच गया है। उन्होंने इस उपलब्धि का श्रेय रक्षा उत्पादन विभाग, रक्षा सार्वजनिक क्षेत्र की इकाइयों , सार्वजनिक क्षेत्र के निर्माताओं और निजी उद्योग के 'सामूहिक प्रयासों' को दिया। उन्होंने इसे भारत के मजबूत होते रक्षा औद्योगिक आधार का स्पष्ट संकेत बताया।

3 महीने में पैसा दोगुना करने वाला अंबानी का शेयर अब कर रहा बर्बाद

30 दिन में 25% से ज्यादा गिर गई कीमत

नई दिल्ली, 9 अगस्त (एजेंसियां)। अनिल अंबानी के दिन फिर से मुश्किलों से घिरे दिखाई दे रहे हैं। उनकी दोनों प्रमुख कंपनियों रिलायंस इंफ्रास्ट्रक्चर और रिलायंस पावर के शेयरों में पिछले काफी समय से लगातार गिरावट आ रही है। इस गिरावट का कारण ईडी की कार्रवाई है। यह कार्रवाई लोन घोटाले से जुड़ी है। इसमें रिलायंस इंफ्रा के शेयर ने निवेशकों का बड़ा नुकसान किया है। यह तब है जब यह शेयर तीन महीने में निवेशकों का पैसा दोगुना कर चुका है। इसके बाद इसमें गिरावट का दौर शुरू हो गया। शुक्रवार को रिलायंस इंफ्रा के शेयर में 3.01% की गिरावट आई। इस गिरावट के साथ यह शेयर 273.45 रुपये पर आ गया है। इसमें पिछले दिनों से भारी गिरावट आ रही है। कई बार तो यह 5 फीसदी के लोअर सर्किट पर भी पहुंच गया है। एक महीने में यह शेयर 25 फीसदी से ज्यादा गिर गया है। यह तब है जब यह इस साल मात्र तीन महीने में ही 100 फीसदी से ज्यादा रिटर्न दे चुका है। इस साल मार्च की शुरुआत में इस शेयर की कीमत करीब 206 रुपये थी। इसके बाद इसमें काफी तेजी आई और देखते ही देखते कीमत आसमान पर पहुंच गई। तीन महीने से कुछ ज्यादा समय बाद यानी 27 जून को यह शेयर 425 रुपये पर पहुंच गया था। यह इसका 52 हफ्ते का उच्चतम स्तर था। यानी इस शेयर ने करीब साढ़े तीन महीने में निवेश की रकम को दोगुने से ज्यादा कर दिया था। 52 हफ्ते के हाई पर पहुंचने के बाद इसमें गिरावट आनी शुरू हो गई। स्थिति यह हो गई कि अब यह शेयर 425 रुपये से लुढ़ककर 273.45 रुपये पर आ गया है। ऐसे देखें तो इन डेढ़ महीनों में इसमें 35 फीसदी की गिरावट आ गई है। वहीं पिछले एक महीने में यह 25 फीसदी से ज्यादा गिर गया है। यह पूरा मामला 17,000 करोड़ रुपये के लोन से जुड़ा है।

रिलायंस होम फाइनेंस लिमिटेड, रिलायंस कमर्शियल फाइनेंस लिमिटेड और रिलायंस कम्युनिकेशंस को दिए गए करीब 17,000 करोड़ के लोन एनपीए (गैर-निष्पादित परिसंपत्तियां) बन गए हैं। यानी ये लोन अब डूब चुके हैं और लगभग 20 बैंकों का पैसा इसमें फंसा हुआ है। इस मामले में ईडी का शिकंजा कस गया है। इन बैंकों ने रिलायंस ग्रुप की अलग-अलग कंपनियों को लोन दिया था। ईडी पहले ही अनिल अंबानी को बुला चुकी है। अब वह यह जानना चाहती है कि जब ग्रुप की कंपनियों ने लोन चुकाना बंद कर दिया, तो बैंकों ने क्या कार्रवाई की। ईडी ने रिलायंस ग्रुप के कई बड़े अधिकारियों को समन भेजा है। यह समन मनी लॉन्ड्रिंग मामले की जांच के सिलसिले में भेजा गया है। इस कार्रवाई के बाद अनिल अंबानी की कंपनियों के शेयर में गिरावट बनी हुई है। डिस्क्लेमरः इस विश्लेषण में दिए गए सुझाव व्यक्तिगत विश्लेषकों या ब्रोकिंग कंपनियों के हैं, एनबीटी के नहीं। हम निवेशकों को सलाह देते हैं कि किसी भी निवेश का निर्णय लेने से पहले प्रमाणित विशेषज्ञों से परामर्श कर लें। क्योंकि शेयर बाजार की परिस्थितियां तेजी से बदल सकती हैं।

'40 फीट ऊंचे मलबे में जिंदगी की उम्मीद मुश्किल'

रास्ता अब भी बंद, पत्नी-बेटे को तलाश रहे विमल बोले-बस धराली पहुंचा दो

उत्तरकाशी, 9 अगस्त (एजेंसियां)। 'पत्नी ने फोन पर घबराते हुए कहा-पहाड़ टूट गया है, धरती हिल रही है। हम जान बचाने के लिए जंगल की ओर भाग रहे हैं। 5 अगस्त को हुई इस बातचीत के बाद से अब तक पत्नी और बच्चे से कोई बात नहीं हुई। न ये पता चल रहा कि वो कहां है और उनके साथ क्या हुआ।' उत्तरकाशी के धराली में रहने वाले 50 साल के विमल कुमार सिंह आपदा के वक्त उत्तरकाशी गए थे। वो घर लौट पाते, उससे पहले धराली में आपदा आ गई। अब वे घर पर मौजूद पत्नी और 22 साल के बेटे की तलाश कर रहे हैं। न फोन लग रहा और न धराली तक पहुंचने का कोई रास्ता है। वो मातली के आईटीबीपी कैंप में रोज रेस्क्यू किए जा रहे लोगों की लिस्ट में अपनों के नाम तलाश रहे हैं।

धराली में आपदा को 5 दिन बीत चुके हैं, लेकिन अब तक रोड कनेक्टिविटी नहीं हो सकी है। लिहाजा हैवी मशीनें रेस्क्यू के लिए पहुंच नहीं पा रही हैं। यहां जमा मलबा करीब 40 फीट ऊंचा है। बिना हैवी मशीनों के इसे हटा पाना मुमकिन नहीं। इसीलिए रेस्क्यू रफ्तार नहीं पकड़ पा रहा है। एनडीआरएफ के अफसर का मानना है कि अब यहां किसी के जिंदा होने की उम्मीद न के बराबर है। रेस्क्यू ऑपरेशन में बीच-बीच में बिगड़ता मौसम रोड़ा बन रहा है। धराली में आपदा के 4 दिन बाद रेस्क्यू का हाल जानने के लिए दैनिक भास्कर की टीम मातली के आईटीबीपी कैंप पहुंची। ये पूरे रेस्क्यू ऑपरेशन का सेंटर पॉइंट बना हुआ है। यहां हम रेस्क्यू में लगे अफसरों और अपनों को तलाश रहे लोगों से मिले।

पत्नी और बेटे की तलाश, आईटीबीपी कैंप में लिस्ट खंगाल रहे

उत्तरकाशी जिला मुख्यालय से धराली की कुल दूरी 84 किमी है, लेकिन अब तक सिर्फ गंगनानी तक 50 किमी का रूट ही क्लियर हो सका है। गंगनानी का पुल पूरी तरह बह चुका है। इसे बनाने का काम चल रहा है, लेकिन वो अभी पूरा नहीं हो सका है। लिहाजा मातली के आईटीबीपी कैंप से हेलिकॉप्टर के जरिए पूरा रेस्क्यू रेस्क्यू ऑपरेशन चल रहा है।

अपने लापता परिजन की तलाश करते हुए कई परिवार आईटीबीपी कैंप पहुंच रहे हैं। बीतते वक्त के साथ अपनों को खोने का डर बढ़ता जा रहा है। लोग रोज रेस्क्यू किए जाने वाले लोगों की लिस्ट खंगाल रहे हैं। धराली के रहने वाले विमल कुमार सिंह उन्हीं में से एक हैं। विमल को पत्नी पूनम (45 साल) और बेटे अनीस से ही आपदा की खबर मिली। बस उस वक्त की बातचीत के बाद पत्नी और बच्चे से अब तक उनकी बात ही नहीं हो सकी है। न ही ये पता चल पा रहा है कि वो कहां-किस हाल में हैं।

अब विमल हर रोज आईटीबीपी कैंप आते हैं और रेस्क्यू किए गए लोगों की लिस्ट में उनका नाम तलाशते हैं। पुलिस के लोग उन्हें ढांढस बंधाते हैं कि चिंता मत करो, वो जल्दी मिल जाएंगे। धराली और हर्शिल में बिजली आ गई, मोबाइल नेटवर्क भी ठीक हो गया, लेकिन अब तक पत्नी से बात न हो पाना विमल की चिंता बढ़ा रहा है।

मुझे धराली पहुंचा दो, पत्नी-बेटे को मैं खुद ढूंढ लूंगा

विमल किसी भी तरह धराली पहुंचना चाहते हैं, ताकि पत्नी और बच्चे की तलाश कर सकें। वे कैंप में ही झल्लाते हुए कहते हैं, 'बस मुझे धराली पहुंचा दीजिए, मैं अपने परिवार वालों को तलाश लूंगा। अपने हाथ से खुदाई करके उनको निकाल लाऊंगा। बस मुझे धराली ले चलो।' वे आगे कहते हैं, 'हमें कम से कम कोई ये तो बताए कि वो सेफ हैं या नहीं। क्या पता वो कहीं जंगल में फंसे हों और उनके पास खाने-रहने की जगह भी न हो।' विमल की बेचैनी साफ दिखती है। वो कुछ देर तक हेलिकॉप्टर की तरफ देखते हैं। फिर अपने फोन की स्क्रीन पर पत्नी या बच्चे के फोन कॉल का इंतजार करने लगते हैं। फिर उठकर सरकारी लिस्ट खंगालने लगते हैं। विमल की अब तक अपने आस-पड़ोस वालों में से भी किसी से बात नहीं हो सकी है। जिसके जरिए परिवार की कोई खबर मिल सके। गुजरता वक्त विमल के लिए मुश्किल से बीत रहा है। अब उन्हें किसी चमत्कार की उम्मीद है।

चारधाम यात्रा पर आए 4 दोस्त, धराली की आफत में फंसे

महाराष्ट्र के सोलापुर से 4 दोस्त चारधाम यात्रा पर आए थे। गंगोत्री से लौटते वक्त धराली में आई आपदा के बीच फंस गए। न मोबाइल नेटवर्क, न इंटरनेट सब कुछ बंद हो गया। सोलापुर में घर वाले परेशान हो रहे थे। इनकी कोई खोज-खबर ही नहीं मिल पा रही थी। दो दिन बाद जब हालात ठीक हुए और मोबाइल नेटवर्क आया, तब उन्होंने घर पर अपनी सलामती की खबर दी।

चारों दोस्तों को भैरो घाटी से धराली तक के लिए तो साधन मिल गया। फिर आगे के सफर के लिए धराली में पटे मलबे को पैदल पार करना पड़ा। चार दोस्तों में से एक समर्थ दसरे व्लॉगर हैं। धराली से गुजरते हुए उन्होंने वहां के हालात कैमरे में रिकॉर्ड किए। धराली से गुजरते वक्त कैसा मंजर था? जवाब में समर्थ कहते हैं, 'धराली तक हम गाड़ी से आए, लेकिन इसके बाद ट्रैकिंग के सिवा आगे बढ़ने का कोई जरिया नहीं था। हम वहां मलबे के ऊपर से होकर गुजरे। हमें करीब 3-4 किमी की ट्रैकिंग करनी थी।' 'धराली में करीब 40 फीट ऊपर तक मलबा पटा हुआ है। वो मलबा भी इतना ठोस है कि लगता है जैसे पुराने पहाड़ पर चल रहे हों। पूरे धराली में मलबे के रास्ते में सरकार ने छोटे-छोटे पुल बना दिए हैं। राहतकर्मी जगह-जगह मदद के लिए खड़े हैं।' समर्थ ने हमें जो तस्वीरें दिखाईं, उसमें गांव के कुछ ही मकान खड़े दिखे। ज्यादातर मकानों और दुकानों का नामोनिशान नहीं है। बाकी कुछ मकान आधे मलबे में धंसे दिख रहे हैं। कुछ बिल्डिंग बहाव के चलते झुक गई हैं। मलबा इतना मोटा है कि गांव का कोई सिरा नजर ही नहीं आ रहा। नेशनल डिजास्टर रिलीफ फोर्स की टीमें धराली पहुंच चुकी हैं। ये राहत और बचाव कार्य में जुटी हुई हैं। एनडीआरएफ के नॉर्थ इंडिया डीआईजी गंभीर कुमार लगातार राहत और बचाव कार्य का जायजा ले रहे हैं। गंभीर कुमार बताते हैं, 'आज और कल मौसम सही रहा, तो रेस्क्यू का काम भी आराम से हो रहा है। अब फिर मौसम बिगड़ता दिख रहा है।'

"मलबा हटाने के लिए खुदाई का काम चल रहा है। हम रसद, पानी और डीजल वगैरह सभी कुछ हेलिकॉप्टर के जरिए ही पहुंचा रहे हैं।

राजीव दुआ
रिटायर्ड कर्नल

अब तक रोड कनेक्टिविटी भी नहीं हो सकी है, लिहाजा वहां तक पहुंचने के लिए हवाई रूट ही एक विकल्प है। बीआरओ रोड बनाने की कोशिश कर रहा है, उम्मीद है कि जल्द रोड बनकर तैयार होगी। धराली के मलबे में कितने लोग दबे हो सकते हैं और उन्हें निकालने का काम कब से शुरू हो सकेगा? इसके जवाब में वे कहते हैं, 'इस मलबे में दबे लोगों के बचने की संभावना न के बराबर है। अभी जिस तरह के हालात हैं, उसमें अगर बड़ी मशीनें पहुंचेंगी, तभी खुदाई शुरू हो सकेगी। अब किसी के जिंदा रहने की उम्मीद न के बराबर है। कितने लोग जमीन में दबे हैं, इसका अनुमान नहीं लगाया जा सकता।'

धराली गांव का नामोनिशान तक नहीं बचा

मातली के आईटीबीपी कैंप से हेलिकॉप्टर के जरिए लगातार फंसे लोकल लोगों और सैलानियों को रेस्क्यू किया जा रहा था, लेकिन 8 अगस्त को दोपहर होते-होते मौसम बिगड़ गया और तेज बारिश होने लगी। राहत सामग्री लेकर जा रहे हेलिकॉप्टर को उड़ान भरने के बाद आधे रास्ते से लौटना पड़ा। यहां हम आर्मी एविएशन में पायलट रहे रिटायर्ड कर्नल राजीव दुआ से मिले। अभी वो उत्तरकाशी में रेस्क्यू टीम का हिस्सा हैं और हेलिकॉप्टर उड़ा रहे हैं। वो मौसम साफ होने का इंतजार कर रहे ताकि हेलिकॉप्टर उड़ान शुरू हो और धराली तक मदद पहुंचाई जा सके। वे कहते हैं, 'उत्तरकाशी की भौगोलिक स्थिति काफी चुनौतीपूर्ण है। इसलिए यहां उड़ान भरना मुश्किल होता है।'

राजीव इस बीच दिन में करीब 10 बार धराली के लिए उड़ान भर रहे हैं। हमने उनसे पूछा कि हेलिकॉप्टर से धराली में कितनी तबाही दिख रही है? वे जवाब में कहते हैं, 'धराली है' ये कहना ठीक नहीं होगा, क्योंकि पूरा गांव ही समतल हो गया है। मैं पिछले 17 साल से इस इलाके में उड़ान भरता रहा हूं। पूरे गांव में कुछ नहीं बचा है। मकान और दुकानें सब मलबे में दब गए हैं।' धराली में चल रहे रेस्क्यू के बारे में पूछने पर राजीव बताते हैं, 'हम सामान के साथ काफी राहत कर्मियों को धराली पहुंचा चुके हैं और वो लगातार काम कर रहे हैं।'

रोड कनेक्टिविटी में अभी कम से कम 3-4 दिन का वक्त लग सकता है। उत्तरकाशी जिला मुख्यालय से भटवाड़ी का रूट दूसरे दिन क्लियर हो गया था। इसके बाद पीडब्ल्यूडी ने तेजी से काम करते हुए भटवाड़ी से गंगनानी तक भी रास्ता क्लियर कर दिया। गंगनानी में पुल बहने की वजह से रास्ता ब्लॉक है। पुल बनाने का काम तेजी से किया जा रहा है, लेकिन अभी ये पूरी तरह तैयार नहीं है। बीआरओ के अधिकारी केवीएन राजा कुमार बताते हैं, 'हम ब्रिज के छोटे-छोटे हिस्सों को जोड़कर 90 फीट का बैली ब्रिज बना रहे हैं। हम एक बार दूसरे छोर तक पहुंच जाएं, उसके बाद पैनल जोड़कर ब्रिज पूरा करेंगे। अगले 24 घंटे के अंदर ब्रिज का काम पूरा होने की उम्मीद है।'

भूपेश बोले-छत्तीसगढ़ में वोट चोरी, कुरुद में 250 वोटर्स फर्जी

कहा-इनके 2-2 जगह नाम, हमारे पास आधिकारिक कॉपी, चंद्राकर बोले-बिहार की तर्ज पर हो पुनर्निरीक्षण

रायपुर, 9 अगस्त (एजेंसियां)। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने 1 लाख से ज्यादा वोट चोरी और धांधली करने का आरोप लगाया है। इसे लेकर छत्तीसगढ़ में भी सियासी पारा हाई है। रायपुर में पूर्व सीएम भूपेश बघेल ने कहा कि यहां भी एक व्यक्ति के नाम पर 2-2 जगह वोटर लिस्ट में नाम है। उनके पास आधिकारिक कॉपी है। भूपेश बघेल ने कहा कि धमतरी के कुरुद के एक युवक ने उनसे मुलाकात की। उन्हें मतदाता सूची की आधिकारिक कॉपी दिखाई। उस लिस्ट के मुताबिक, कुरुद विधानसभा क्षेत्र के करीब 250 वोटर ऐसे हैं, जिनके नाम अभनपुर (रायपुर) में भी दर्ज हैं। यानी एक ही व्यक्ति दो जगह वोटर लिस्ट में शामिल हैं। वहीं भूपेश बघेल के दावे पर कुरुद से भाजपा विधायक अजय चंद्राकर ने कहा कि कुरुद की वोटर लिस्ट में गड़बड़ी नजर आ रही है, तो वे बतौर कुरुद विधायक यह साफ तौर पर मांग करते हैं कि सिर्फ कुरुद ही नहीं, बल्कि पूरे छत्तीसगढ़ की मतदाता सूची का भी बिहार की तरह पुनर्निरीक्षण कराया जाना चाहिए।

पूर्व सीएम ने पुराने मामलों का भी हवाला दिया

वहीं भूपेश बघेल ने कहा कि यह कोई नई बात नहीं है। उन्होंने बताया कि तीन-चार चुनाव पहले बिलासपुर में एक ही घर में 150 से ज्यादा वोटर पाए गए थे। वहीं भिलाई के एक क्वार्टर में 86 मतदाता मिले थे। इस तरह कई शहरों से डबल वोटर्स के नाम सामने आ चुके हैं।

केंद्रीय मंत्री तोखन के पेट में क्यों दर्द हो रहा

राहुल गांधी के आरोप पर केंद्रीय राज्य मंत्री तोखन साहू के बयान को लेकर भूपेश बघेल ने प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा, हम सभी नागरिक हैं, और राहुल गांधी ने जो सवाल उठाए हैं, वो सरकार से नहीं, चुनाव आयोग से पूछे गए हैं। ऐसे में तोखन साहू के पेट में दर्द क्यों हो रहा है? भूपेश बघेल ने आगे कहा कि राहुल गांधी के उठाए गए पांचों बिंदू पूरी तरह वाजिब हैं। उन्होंने बेंगलुरु सेंट्रल लोकसभा सीट की बात की, जहां 1 लाख से अधिक फर्जी मतदाता हैं। यही तरीका भाजपा देशभर में अपनाती है।

छत्तीसगढ़ में जिस तरह से नतीजे आए, किसी ने सोचा भी नहीं था वहीं पीसीसी चीफ दीपक बैज ने कहा कि हमारे नेता राहुल गांधी ने जिस तरह से तथ्य पेश किए हैं, वो बेहद चिंताजनक है। बुद्धिजीवी जिस तरह से चुनाव आयोग की निष्पक्षता पर सवाल उठा रहे हैं, वो गंभीर मसला है। चुनाव आयोग को निष्पक्ष जांच करनी चाहिए। छत्तीसगढ़ में जिस तरह से नतीजे आए, किसी ने सोचा भी नहीं था कि बीजेपी की सरकार बन रही है। बैज ने कहा कि जो नतीजे आए वो चौंकाने वाले हैं। कहीं न कहीं बीजेपी किसी न किसी तरीके से वोट चुरा रही है। कहीं न कहीं ये सवाल है कि वो कौन लोग हैं जिन्होंने नाम जुड़वाए हैं, इसकी निष्पक्ष जांच होनी चाहिए, हम इस मामले को आम जनता तक ले जाने का काम करेंगे।

मालगाड़ी पटरी से उतरी; रेल सेवाएं बुरी तरह प्रभावित

जमशेदपुर, 9 अगस्त (एजेंसियां)। झारखंड के सरायकेला-खरसावां जिले में चांडिल के पास शनिवार तड़के एक मालगाड़ी बेपटरी हो गई। बताया गया कि मालगाड़ी के 20 से ज्यादा डिब्बे पटरी से उतर गए। इससे दक्षिण पूर्व रेलवे के चांडिल-टाटानगर खंड के बीच रेल सेवाएं प्रभावित हुईं। एक अधिकारी ने बताया कि इस दुर्घटना में किसी के हताहत होने की कोई खबर नहीं है।

जानकारी के मुताबिक, आयरन ओर लदी एक मालगाड़ी टाटानगर से पुरुलिया की ओर जा रही थी। चांडिल स्टेशन पार करने के बाद मालगाड़ी पटरी से उतर गई। मालगाड़ी के कई डब्बे बगल वाले ट्रैक पर आ गए। इस वजह से विपरीत दिशा से आ रही दूसरी मालगाड़ी उन डिब्बों से टकरा गई।

सांसद निशिकांत दुबे को पुलिस ने नहीं किया अरेस्ट

एमपी एमएलए कोर्ट से अनुमति के बाद कार्रवाई
जबरन मंदिर प्रवेश पर हुआ है एफआईआर

देवघर, 9 अगस्त (एजेंसियां)। श्रावणी मेले में बाबा बैद्यनाथ मंदिर में जबरन निकास द्वार से घुसकर जलार्पण करने को लेकर गोड्डा सांसद निशिकांत दुबे और दिल्ली सांसद मनोज तिवारी समेत पांच लोगों पर एफआईआर दर्ज की गई है। इस मामले में गोड्डा सांसद निशिकांत दुबे बाबा मंदिर थाना गिरफ्तारी देने पहुंचे। यहां पुलिस और सांसद के बीच बातचीत हुई। पुलिस ने सांसद निशिकांत दुबे को गिरफ्तार नहीं किया।

थाने से बाहर निकलने के बाद सांसद निशिकांत दुबे ने कहा कि पुलिस ने मुझसे कहा कि मामले को एमपी-एमएलए कोर्ट को भेजा गया है। वहां स्वीकार नहीं हुआ है। वहां स्वीकार होने के बाद जिन धाराओं में केस हुआ है, उसके आधार सेक्शन 41 के तहत शिकायतकर्ता को तीन बार नोटिस भेजा जाएगा। इसके बाद अगर कोई संभावना बनेगी तब गिरफ्तारी की जाएगी। आदित्य वाहिनी के प्रदेश महामंत्री सह पंडा धर्म-रक्षिणी सभा के पूर्व महामंत्री कार्तिकनाथ ठाकुर की शिकायत पर बाबा मंदिर थाने में दर्ज केस पर गिरफ्तारी को लेकर निशिकांत दुबे ने शुक्रवार को सोशल मीडिया पर लिखा-शनिवार सुबह मैं दिल्ली से देवघर आऊंगा। सीधे थाने जाऊंगा और गिरफ्तारी दूंगा। झारखंड सरकार ने मुझ पर अब तक 51 केस दर्ज किया है। अब पूजा को लेकर केस किया गया है। इधर, दिल्ली से गिरफ्तारी देने पहुंचे निशिकांत दुबे ने देवघर एयरपोर्ट पर कहा कि यदि मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन और राहुल गांधी जी के मनसा उन्हें जेल भेजने की है तो वह जेल जाने को तैयार हैं। लेकिन सरकार के खिलाफ लड़ाई जारी रहेगी। भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ता हैं कोई भगोड़ा नहीं की भाग जाऊंगा। जो मुकदमा बाबा मंदिर थाने में की गई है वह एक गैरकानूनी व्यक्ति के द्वारा की गई है।

नशे में बोल-बम वाला चड्डा पहनकर स्कूल पहुंचा हेडमास्टर

टेबल पर पैर रखकर पढ़ाया; कहा-फ्रैक्चर है, डॉक्टर ने रोज 100 ग्राम पीने को बोला है

बलरामपुर, 9 अगस्त (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के बलरामपुर जिले में हेडमास्टर शराब के नशे में चड्डा पहनकर स्कूल पहुंच गया। जब उनसे पूछा गया शराब पीकर क्यों आए हो तो हेडमास्टर ने कहा कि 'मेरा इलाज चल रहा है। फ्रैक्चर है, इसलिए डॉक्टर ने दवा के रूप में 100-200 ग्राम रोज लेने को कहा है, तभी चल पाउंगा।' घटना का वीडियो वायरल हो रहा है। मामला वाड्रफनगर ब्लॉक के रूपपुर प्राइमरी स्कूल का है। शुक्रवार को हेडमास्टर मनमोहन सिंह नशे की हालत में टेबल पर दोनों पैर रखकर आराम फरमाते दिखा। इसके बाद वह बच्चों को पढ़ाने भी लगा। टीचर बोल बम लिखा हुआ भगवा रंग का कपड़ा पहनकर पहुंचा था। ग्रामीणों के अनुसार हेडमास्टर मनमोहन सिंह पहले भी कई बार नशे में स्कूल पहुंचा है। शिकायत के बाद बीईओ ने हेडमास्टर को अंतिम नोटिस जारी किया है।

40 से ज्यादा बच्चे, 2 शिक्षक पदस्थ

रूपपुर प्राइमरी स्कूल में बच्चों की संख्या 40 से ज्यादा है। यहां हेडमास्टर के अलावे एक अन्य शिक्षक पदस्थ हैं। ग्रामीणों ने बताया कि हेडमास्टर अकसर शराब पीकर आते हैं। इससे बच्चों की पढ़ाई प्रभावित होती है। वे मनमाने तरीके से स्कूल आते-जाते हैं। इससे परेशान ग्रामीणों ने पहले कई बार शिकायत की, लेकिन हेडमास्टर पर कार्रवाई नहीं हो सकी है। स्कूल में शराब पीकर आने के कारण हेडमास्टर को पहले भी 2 बार नोटिस जारी किया गया था। अब एक बार फिर मनमोहन सिंह के खिलाफ कार्रवाई की मांग कर रहे हैं। बीईओ ने जांच कर रिपोर्ट डीईओ और कलेक्टर बलरामपुर को भेजा है। हेडमास्टर को सस्पेंड करने की सिफारिश की गई है। वाड्रफनगर बीईओ श्याम किशोर जायसवाल ने बताया कि हेडमास्टर को ताजा शिकायत के बाद अंतिम चेतावनी नोटिस दिया गया है। मामले का वीडियो संज्ञान में आया है।

रायपुर एम्स में डॉक्टर से मिलने 48 घंटे का इंतजार

बिलासपुर में समय पर नहीं पहुंचते डॉक्टर; हाईकोर्ट ने हेल्थ सेक्रेटरी से मांगा जवाब

बिलासपुर, 9 अगस्त (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ में बदहाल स्वास्थ्य व्यवस्था को लेकर हाईकोर्ट ने कड़ी नाराजगी जाहिर की। कोर्ट ने कहा कि ऐसी अव्यवस्था चिंताजनक जिसमें रायपुर एम्स में मरीजों को डॉक्टर से मिलने के लिए 48 घंटे तक इंतजार करना पड़ रहा है। बिलासपुर के अस्पतालों में डॉक्टर समय पर नहीं पहुंचते।

अस्पताल में लंबी कतारें लगी रहती हैं। जांच के बाद सर्जरी के लिए 4 महीने रुकना पड़ता है। एक्स-रे जैसी साधारण जांच के लिए भी 3 घंटे का इंतजार करना पड़ता है। कोर्ट ने इन अव्यवस्थाओं के लिए राज्य सरकार से जवाब मांगा है।

सीएम हेमंत नेमरा से संभाल रहे शासन-प्रशासन

अधिकारियों के साथ कार्यों की कर रहे समीक्षा, किसानों के बीच पहुंच ले रहे खेती का हाल

रांची, 9 अगस्त (एजेंसियां)। पूर्व मुख्यमंत्री और राज्यसभा सांसद दिशोम गुरु शिबू सोरेन के निधन के बाद मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन अपने जीवन के सबसे कठिन समय से गुजर रहे हैं। पिता के जाने की शोक, पीड़ा और आंसुओं के बीच वे रामगढ़ जिले के नेमरा स्थित पैतृक आवास से शासन-प्रशासन का संचालन कर रहे हैं।

एक ओर परंपरागत विधि-विधान से अंतिम संस्कार से जुड़े रस्म निभा रहे हैं, तो दूसरी ओर राज्य के विकास की गति को बनाए रखने के लिए जरूरी फाइलों का निपटारा भी कर रहे हैं।

राज्यहित में लगातार सक्रिय कर रहे कार्यों की समीक्षा

गहरे शोक के बावजूद सीएम राज्यहित से जुड़े मामलों पर पूरी तरह सजग हैं। वे नियमित रूप से वरीय अधिकारियों से संवाद कर सरकारी कार्यों की प्रगति की समीक्षा कर रहे हैं। उन्होंने निर्देश दिया है कि आम जनता की समस्याओं का तत्काल समाधान हो और किसी भी कार्य में कोताही न बरती जाए। अपर प्रधान मुख्य सचिव अविनाश कुमार जरूरी फाइलों के साथ नेमरा पहुंचे, जिनका मुख्यमंत्री ने त्वरित निष्पादन किया।

जनता से मिली कर्तव्यों के निर्वहन की ताकत

मुख्यमंत्री ने कहा कि इस कठिन समय में राज्य की जनता ने जिस तरह उनके परिवार का साथ दिया, उससे उन्हें अपने कर्तव्यों के निर्वहन की ताकत मिली। उन्होंने याद किया कि बाबा हमेशा कहते थे कि सार्वजनिक जीवन में जनता के लिए खड़ा रहना चाहिए। दिशोम गुरु ने व्यक्तिगत हितों से ऊपर उठकर झारखंड की पहचान और हक के लिए संसद से लेकर सड़क तक संघर्ष किया।

वादों को निभाने का संकल्प

सीएम ने दोहराया कि बाबा ने राज्य के भविष्य को लेकर उनसे कई वचन लिए थे और वे इन्हें हर हाल में पूरा करेंगे। इधर, शुक्रवार को विधानसभा अध्यक्ष रबींद्र नाथ महतो भी नेमरा पहुंचे और शिबू सोरेन को नमन किया। उन्होंने कहा कि बाबा की कमी कभी पूरी नहीं हो सकती, लेकिन उनके मार्ग पर चलना ही अब सबका कर्तव्य है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार सीएम ने बाबा को भोजन परोसने की रस्म भी निभाई।

किसानों के बीच पहुंचे मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री ने नेमरा में धनरोपनी कर रहे किसानों और महिलाओं से मुलाकात की। उन्होंने किसानों की समस्याएं सुनीं और कहा कि उनका कल्याण सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने लोगों को सरकारी योजनाओं से जुड़ने और खुद को सशक्त बनाने का आग्रह किया। सीएम ने भरोसा दिलाया कि उनकी समस्याओं का समाधान प्राथमिकता से होगा और वे हमेशा किसानों के साथ खड़े रहेंगे।

रक्षाबंधन पर तेजस्वी यादव का बड़ा एलान

महिलाओं को देंगे 70 हजार करोड़ का शगुन

पटना, 9 अगस्त (एजेंसियां)। बिहार के पूर्व डिप्टी सीएम और राष्ट्रीय जनता दल (आरजेडी) के नेता तेजस्वी यादव ने दो पेज का खुला पत्र जारी किया है। अपने पत्र में तेजस्वी यादव ने नीतीश सरकार पर 70 हजार करोड़ रुपये का घोटाला करने का आरोप लगाया। साथ ही कहा है कि सत्ता में आने के बाद उनकी सरकार यह पैसा वापस लाने का काम करेगी। उन्होंने कहा कि वसूली के बाद वो पैसा बिहार की बहनों को रक्षाबंधन के मौके पर शगुन की राशि के रूप में दिया जाएगा।

उन्होंने कहा, "सब सोचा जा चुका है, सारा ब्लूप्रिंट तैयार है। तेजस्वी का बिहार की हर बहन से प्रण है कि मैं बेरोजगारी, महंगाई, अपराध, गरीबी, भ्रष्टाचार सेरक्षा करता रहूंगा।"

महिलाओं से भावनात्मक अपील

तेजस्वी यादव ने रक्षाबंधन के अवसर पर बिहार की महिलाओं से भावनात्मक अपील की है। उन्होंने बिहार की सभी महिलाओं और छात्राओं को अपनी बहन बताते हुए उनसे तेजस्वी के नाम की भी एक राखी बांधनेको कहा है। अपने चुनावी वादे गिनाकर उन्होंने दावा किया है कि उनके 'तेजस्वी भैया' हर घर की हर बहन की समृद्धि के बारे में सोच रहा है और नीतियां बना रहा है। इन्हें लागू करने के लिए उन्हें सभी बहनों के सहयोग की जरूरत है। उन्होंने मौजूदा नीतीश सरकार पर नकारात्मक राजनीति करने का आरोप भी लगाया और कहा कि 17 महीने की महागठबंधन सरकार ने यह समझा दिया था कि असंभव कुछ नहीं होता है।

अपने किये वादे का किया जिक्र

तेजस्वी यादव ने अपने पत्र में महिलाओं को हर महीने 2500 रुपये देनेवाली माई-बहन योजना, बेटी प्रोग्राम, सामाजिक सुरक्षा पेंशन 1500 रुपये प्रति महीना करने, 500 रुपये में गैस सिलेंडर, 200 यूनिट मुफ्त बिजली, बच्चियों के लिए आवासीय कोचिंग संस्थान, वर्ल्ड क्लास स्पोर्ट्स ट्रेनिंग, नौकरी, रोजगार, मुफ्त परीक्षा फॉर्म, पेपर लीक पर लगाम जैसे अन्य चुनावी घोषणाओं का जिक्र किया है। बिहार विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव कहा कि बिहार विधानसभा चुनाव में थोड़ा समय बचा है। उन्होंने दावा किया कि चुनाव के बाद जनता की सरकार आएगी और इन सभी योजनाओं को हर घर, हर बहन तक पहुंचाना शुरू कर दिया जाएगा।

जेल से अचानक गायब हो गया कैदी, पुलिस वालों के छूटे पसीने

कानपुर, 9 अगस्त (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश की कानपुर जेल में उस वक्त हड़कंप मच गया जब पुलिस को गच्चा देकर एक कैदी जेल से भाग गया। अभी तक यह नहीं पता चल पाया है कि कैदी फरार हो गया है या फिर जेल में ही कहीं छुपा हुआ है। फिलहाल कैदी की तलाश जारी है। दरअसल, इस मामले का तब खुलासा हुआ जब रोज की तरह कैदियों की गिनती की जा रही थी। एक कैदी उनमें कम था। तब पुलिस का माथा ठनक गया। कानपुर की हाई सिक्योरिटी जेल सिविल लाइंस में स्थित है। रात को जब रोज की तरह जेल प्रशासन कैदियों की गिनती कर रहा था तो उनमें एक कैदी कम निकला। इसके बाद जेल प्रशासन में हड़कंप मच गया और कैदियों की दोबारा गिनती करवाई। जेल में बंद अन्य कैदियों ने बताया कि आशीरुद्दीन जेल से गायब है। इसके बाद आनन फानन में जिला प्रशासन को सूचना दी गई और सर्च ऑपरेशन शुरू हुआ।

ट्रेन से कटकर 600 भेड़ों की मौत

आरा, 9 अगस्त (एजेंसियां)। दानापुर रेलखंड अंतर्गत पटना-डीडीयू रेलखंड पर बनाही और सिकरिया हॉल्ट के बीच बनकट गांव के पास शनिवार की सुबह एक बड़ा हादसा हो गया। सुबह करीब तीन बजे ट्रेन की चपेट में आने से करीब 600 भेड़ों की मौत हो गई। भेड़पालकों के अनुसार, रात वे भेड़ों को उत्तर दिशा की ओर बैठाने के बाद रेलवे लाइन के पास आराम कर रहे थे। करीब तीन बजे बारिश होने लगी। जब उनकी नींद खुली तो आसपास कोई भेड़ नजर नहीं आई। खोजबीन करते हुए वे रेलवे ट्रैक पर पहुंचे, जहां भेड़ों के शव क्षत-विक्षत अवस्था में बिखरे पड़े थे।

होटल में चल रहे फर्जी कॉल सेंटर का पर्दाफाश

सहारनपुर, 9 अगस्त (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के सहारनपुर की नगर कोतवाली पुलिस ने होटल रिडेक्शन के अंदर चल रहे एक फर्जी कॉल सेंटर का भंडा फोड़ किया है। सूचना के बाद पुलिस ने होटल में रेड की और वहां मौजूद 11 लोगों को हिरासत में लेकर उनसे जब पूछताछ की तो पता लगा कि आरोपी अमेरिका के नागरिकों के साथ ठगी करने का काम कर रहे थे। पुलिस के हत्थे चढ़े इन ठगों में चार युवतियां भी शामिल हैं। ये सभी लोग दिल्ली, दार्जीलिंग और नागालैंड के रहने वाले बताए जा रहे है।

आरोपियों ने पुलिस पूछताछ में बताया कि वो लोग काफी समय से सहारनपुर के होटल रेडिक्शन में कॉल सेंटर चला रहे थे और इस कॉल सेंटर से वह अमेरिका के नागरिकों को कंप्यूटर सिस्टम पर एक वायरस क्रश पॉपअप मैसेज भेज कर आई बीम कॉलिंग और माइक्रोसिप इनकमिंग एप्लीकेशन के जरिए उन्हें कॉल करके सपोर्ट देने की बात करते थे और इन्हीं क्षुधा के जरिए वह उनके पूरे सिस्टम का एक्सेस अपने हाथ में ले लेते थे और उनके बैंक अकाउंट की जानकारी भी उनके पास पहुंच जाती थी। उसी के जरिए यह लोग हजारों डॉलर के ट्रांजेक्शन करके विदेशी नागरिकों के साथ धोखाधड़ी कर रहे थे।

रोहतास के इंद्रपुरी थानाध्यक्ष को फोन पर मिली धमकी

रोहतास, 9 अगस्त (एजेंसियां)। रोहतास के इंद्रपुरी थाना क्षेत्र से एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है। शाम इंद्रपुरी थाना अध्यक्ष माधुरी कुमारी के सरकारी नंबर पर एक फोन आया। फोन करने वाले ने पहले खुद को वरिष्ठ आईपीएस अधिकारी बताया। उसके बाद धमकी भरे लहजे में एक मामले की जांच को अपने हिसाब से करने के लिए थानाध्यक्ष को धमकाने लगा। डेहरी के एएसपी अतुलेश झा ने बताया कि मामले की गंभीरता को देखते हुए थानाध्यक्ष ने तुरंत वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों को सूचित किया। एसपी के निर्देश पर स्टेशन डायरी दर्ज करके कार्रवाई शुरू की गई। तकनीकी जांच के बाद पुलिस ने दो संदिग्धों को हिरासत में लिया। इनकी पहचान प्रदीप पांडेय (भोजपुर) और मनीष कुमार पांडेय (बक्सर) के रूप में हुई। पूछताछ के दौरान दोनों आरोपियों ने चौंकाने वाले खुलासे किए।

पुलिस की गुंडागर्दी

अवैध वसूली से इनकार पर पिता-पुत्र की बेरहमी से पिटाई, दो सिपाही निलंबित

अमरोहा, 9 अगस्त (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के अमरोहा में रजबपुर थाना क्षेत्र में पुलिस की गुंडागर्दी का मामला सामने आया है। दिल्ली-लखनऊ नेशनल हाइवे 9 के किनारे कैंटीन संचालित करने वाले एक पिता-पुत्र की पांच पुलिसकर्मियों द्वारा बेरहमी से पिटाई का आरोप है। पीड़ित का दावा है कि पुलिस वाले उनसे अवैध वसूली के लिए 'महीना' मांग रहे थे, और मना करने पर उन्हें दौड़ा-दौड़ाकर पीटा गया, कार से कुचलने की कोशिश की गई, और थाने ले जाकर युवक को थर्ड डिग्री यातनाएं दी गईं। एसपी अमरोहा ने इस मामले में दो सिपाहियों को निलम्बित करने के साथ ही एक दरोगा व दो सिपाहियों को लाइन हाजिर कर दिया है। वहीं इस घटना का वीडियो पीड़ित ने बनाकर सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया, जिसके बाद मामला सुर्खियों में आ गया है।

बाहुबली अनंत सिंह पर गोलीबारी करने का आरोपी गिरफ्तार

बेगूसराय, 9 अगस्त (एजेंसियां)। बिहार पुलिस को बेगूसराय में एक बड़ी कामयाबी हाथ लगी है। एसटीएफ की टीम ने कई महीनों से फरार बिहार के बाहुबली पूर्व विधायक अनंत सिंह पर फायरिंग करने के मामले का मुख्य आरोपी मोनू सिंह को गिरफ्तार कर लिया गया। यह कार्रवाई एसटीएफ और पटना पुलिस ने बेगूसराय जिले के बरौनी जंक्शन पर की है। मोनू सिंह पर जनवरी 2025 में पटना जिले के पचमहला थाना क्षेत्र में फायरिंग करने का आरोप लगा था। इसके बाद से वह लगातार फरार चल रहा था। उसकी गिरफ्तारी के लिए एसटीएफ पटना और पटना पुलिस लगातार छापेमारी में जुटी थी। रात पटना पुलिस को और एसटीएफ को सूचना मिली कि कामाख्या बरौनी एक्सप्रेस ट्रेन से मोनू सिंह बरौनी जंक्शन पर आने वाला है। इस सूचना पर एसटीएफ और पटना पुलिस ने बरौनी जंक्शन पर घेराबंदी कर दी। जैसे ही बरौनी कामाख्या एक्सप्रेस ट्रेन बरौनी स्टेशन पहुंची तो मोनू सिंह को गिरफ्तार कर लिया गया। मोनू सिंह पर हत्या रंगदारी के करीब एक दर्जन मामले दर्ज हैं।

छेड़खानी के आरोपी सिपाही को आईजी पिता ने किया था बर्खास्त

वकील बेटी ने वापस दिलाई वर्दी

बरेली, 9 अगस्त (एजेंसियां)। चलती ट्रेन में छात्रा के साथ छेड़खानी के आरोप में जीआरपी के कांस्टेबल तौफीक अहमद को तत्कालीन आईजी डॉ. राकेश सिंह ने बर्खास्त कर दिया था। उसका मुकदमा लड़कर डॉ. राकेश सिंह की बेटी अधिवक्ता अनुरा सिंह ने नौकरी वापस दिला दी है। हालांकि, कांस्टेबल के खिलाफ कोर्ट में छेड़खानी के मामले में ट्रायल चलता रहेगा। हेड कांस्टेबल तौफीक अहमद के खिलाफ 13 जनवरी, 2023 को जीआरपी जंक्शन थाने में पीलीभीत निवासी एक छात्रा ने छेड़खानी की रिपोर्ट दर्ज कराई थी। आरोपी के खिलाफ पॉक्सो एक्ट भी लगाया गया। जीआरपी ने तौफीक को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया था। विभागीय जांच में वह दोषी पाया गया।

तत्कालीन आईजी ने उसको सेवा से बर्खास्त कर दिया। तौफीक ने बर्खास्तगी को इलाहाबाद हाईकोर्ट में चुनौती दी। डॉ. राकेश सिंह की अधिवक्ता बेटी अनुरा सिंह ने कोर्ट में तौफीक की ओर से पैरवी करते हुए उसका बर्खास्तगी आदेश रद्द करने की मांग की। दोनों पक्षों को सुनने के बाद हाईकोर्ट ने तौफीक के खिलाफ बर्खास्तगी की कार्रवाई को गलत करार दिया। कोर्ट ने विभागीय जांच रिपोर्ट के साथ-साथ उसके बर्खास्तगी आदेश को रद्द करते हुए पुलिस सेवा में बहाल करने का आदेश दिया है।

सीएम के खिलाफ बोलने से चिराग को बीजेपी ने रोका

पटना, 9 अगस्त (एजेंसियां)। केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पर लगातार सवाल उठा रहे थे। इसे लेकर बीजेपी ने उन्हें नसीहत है। सूत्रों की माने तो पार्टी ने कहा है कि एनडीए के घटक दलों के बीच आपसी हमलों से गठबंधन की एकजुटता को नुकसान पहुंचता है। इसलिए मुख्यमंत्री पर किसी भी तरह की बयानबाजी से बचना चाहिए। बीते कुछ दिनों में चिराग पासवान ने सार्वजनिक मंचों और मीडिया इंटरव्यू में बिहार सरकार की नीतियों, कानून-व्यवस्था पर सवाल खड़े किए थे। इन बयानों में नीतीश कुमार को सीधे तौर पर कटघरे में खड़ा किया गया था। बीजेपी के वरिष्ठ नेताओं का मानना है कि चुनावी माहौल में इस तरह के बयान विपक्ष को राजनीतिक हथियार दे सकते हैं और एनडीए के भीतर अविश्वास का माहौल बना सकते हैं। बीजेपी नेतृत्व ने चिराग को यह भी याद दिलाया है कि 2025 विधानसभा चुनाव में एनडीए की सबसे बड़ी ताकत उसकी एकजुटता है।

अखिलेश दुबे की जांच में चौंकाने वाले खुलासे

वसूली के खेल में आइपीएस, पीपीएस से लेकर सफेदपोश तक शामिल

कानपुर, 9 अगस्त (एजेंसियां)। रंगदारी मांगने और धमकाने में जेल गए चर्चित अधिवक्ता अखिलेश दुबे के नाम पर भले ही कोई पंजीकृत गिरोह नहीं है, मगर पुलिस की अब तक की जांच में जो सामने आया है, वह चौंकाने वाला है। गिरोह में आइपीएस, पीपीएस अधिकारियों के अलावा कई सफेदपोश भी शामिल हैं जो कमाई में हिस्सेदार थे। यह गठजोड़ वकील, पत्रकार और पुलिस वालों की मिलीभगत से शुरू हुआ था।

फर्जी मुकदमा दर्ज कराकर वसूली और जमीन हथियाने में माहिर यह गिरोह सालों से काम कर रहा था। एक वरिष्ठ अधिकारी ने नाम प्रकाशित न करने की शर्त पर स्वीकार किया कि गिरोह में कई आइपीएस, पीपीएस और गैर राजपत्रित पुलिसकर्मी शामिल हैं। कई ऐसे पुलिस अधिकारियों के बारे में पता चला है, जो सार्वजनिक रूप से अखिलेश के पैर छूते थे (कुछ समय पहले तक एक आइपीएस अधिकारी साले-बहनोई का रिश्ता बताकर अखिलेश का झंडा बुलंद किए थे पूर्व में एक दागदार अफसर से भी अखिलेश से काफी करीबी रिश्ते सामने आए हैं।

वहीं गैर राजपत्रित पुलिसकर्मियों में आशीष द्विवेदी जैसे पुलिसकर्मियों की लंबी लाइन है, जो अखिलेश को हर मर्ज की दवा बताकर शहर में वसूली और जमीन पर कब्जे की बीमारी बढ़ा रहे थे। पिछले पांच-सात वर्षों में इस गिरोह में कुछ ऐसे सफेदपोश भी शामिल हो गए थे, जो इसे और अधिक ताकतवर बना रहे। ऐसे पिता-पुत्र की जोड़ी को पुलिस ने पकड़ा भी है।

अमर ज्योति निधि घोटाले में निदेशक और उसके एजेंट के खिलाफ एक और केस दर्ज, 18 बैंक खाते फ्रीज

बरेली, 9 अगस्त (एजेंसियां)। यूपी के बरेली जिले में निवेशकों से करोड़ों रुपये की ठगी करने वाले अमर ज्योति रुहेलखंड निधि लिमिटेड के निदेशक और एजेंट पर एक और धोखाधड़ी का मामला दर्ज हुआ है। कंपनी के निदेशक और पूर्व भाजपा नेता सूर्यकांत मौर्य और उसके एजेंट देवेंद्र के खिलाफ बारादरी थाने में ताजा रिपोर्ट लिखाई गई है। इससे पहले भी, इसी कंपनी के खिलाफ नगर निगम की कर्मचारी विनीता मौर्य ने रिपोर्ट दर्ज कराई थी। इसमें सूर्यकांत और उसके भाई शशिकांत मौर्य का नाम था। दोनों भाइयों पर पहले से ही बदायूं में कई मुकदमे दर्ज हैं और पुलिस ने दोनों पर 50-50 हजार रुपये का इनाम घोषित कर रखा है। 18 बैंक खाते फ्रीज कर दिए हैं। सुभाषनगर के

नेकपुर ललिता देवी मंदिर निवासी राजेश्वरी गंगवार ने पुलिस को बताया कि सितंबर 2024 में एजेंट देवेंद्र उनसे मिला और कंपनी की स्कीमों के बारे में बताया। देवेंद्र ने उनको निवेश पर ज्यादा मुनाफे का लालच दिया। राजेश्वरी ने उसकी बातों में आकर निवेश शुरू किया, लेकिन 1 जुलाई को जब वह कटरा चांद खां स्थित कंपनी के ऑफिस पहुंचीं तो वहां ताला बंद मिला। पता चला कि कंपनी के निदेशक पैसे लेकर फरार हो गए हैं। एजेंट देवेंद्र से संपर्क किया तो वह भी गायब था। मजबूर होकर राजेश्वरी ने सूर्यकांत और देवेंद्र दोनों के खिलाफ धोखाधड़ी समेत अन्य धाराओं में मुकदमा दर्ज कराया। पुलिस जांच में सामने आया कि पुराने मामलों में अब तक करीब 300 करोड़ रुपये का फर्जीवाड़ा हो चुका है। दोनों भाइयों ने दो हजार से ज्यादा लोगों से एफडी और आरडी योजनाओं में निवेश कराया और कुछ समय बाद ऑफिस बंद कर फरार हो गए। ठगी का शिकार सिर्फ व्यापारी और सरकारी कर्मचारी ही नहीं, बल्कि ठेला-खोमचा लगाने वाले और दिहाड़ी मजदूर भी हुए। किसी ने बेटी की शादी के लिए पैसा जमा किया था, तो किसी ने अपनी जिंदगी की पूंजी लगा दी। उदाहरण के तौर पर, कटरा चांद खां के सब्जी विक्रेता भगवानदास ने अपनी बेटी की शादी के लिए दो लाख रुपये की एफडी कराई थी, जो अब फंस गई। कंपनी के 18 बैंक खातों को फ्रीज कर दिया गया है, जिनमें 1.15 करोड़ रुपये से ज्यादा जमा मिले हैं। सूर्यकांत मौर्य भाजपा का महानगर अध्यक्ष रह चुका है। तीन महीने पहले जब बदायूं में मामला दर्ज हुआ, तो राजनीतिक पहचान के चलते पुलिस ने तुरंत कार्रवाई नहीं की। इसी दौरान दोनों भाई सफेदपोश लोगों के संरक्षण में भूमिगत हो गए। बाद में भाजपा ने सूर्यकांत को पद से हटाया और एसएसपी बदायूं ने एसआईटी बना दी। पहले 25-25 हजार का इनाम रखा गया, जिसे बाद में बढ़ाकर 50-50 हजार कर दिया गया। गिरफ्तारी से बचने के लिए दोनों भाई हाईकोर्ट चले गए और तीन सप्ताह की अंतरिम जमानत ले ली।

पत्नी से अफेयर के शक में छोटे भाई का मर्डर

औरंगाबाद, 9 अगस्त (एजेंसियां)। औरंगाबाद में बड़े ने छोटे भाई की हत्या कर दी। कनपटी पर बुलेट लगी थी। इलाज के दौरान युवक ने दम तोड़ दिया था। जहां वारदात को अंजाम दिया था, वहीं पर आरोपी भाई ने कट्टा भी छिपा दिया था। किसी को शक नहीं हो इसलिए वो अस्पताल भी पहुंचा। हत्या के अगले दिन आरोपी ने थाने में एफआईआर भी दर्ज कराई। पुलिस ने घटना के संबंध में पूछताछ के लिए कई बार आरोपी भाई को थाने बुलाया, पर वो थाने नहीं गया। जिसके बाद पुलिस को शक हुआ। पुलिस ने गुरुवार को आरोपी को हिरासत में लिया। सख्ती से पूछताछ में कबूल किया कि उसने भाई की हत्या की है।

गायत्री मंत्र की थीम पर बनेगा महर्षि विश्वामित्र पार्क

खर्च होंगे 24 करोड़, सम्राट चौधरी ने बताया पूरा प्लान

बक्सर, 9 अगस्त (एजेंसियां)। मां जानकी के बाद अब मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्री राम के गुरु विश्वामित्र की तपोभूमि के उद्धार में एनडीए सरकार जुट गई है। बक्सर में महर्षि विश्वामित्र पार्क बनाया जाएगा। इसके लिए नीतीश सरकार ने खजाना खोल दिया है।

बिहार के उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने जानकारी देते हुए बताया कि बक्सर में भव्य, सांस्कृतिक रूप से समृद्ध महर्षि विश्वामित्र पार्क निर्माण को स्वीकृति प्रदान की गई है। इस पार्क के निर्माण पर 24 करोड़ 42 लाख रुपये खर्च किए जाएंगे। पहले चरण में 8 करोड़ 11 लाख रुपये की राशि व्यय की जाएगी। चौधरी ने कहा कि पार्क निर्माण का उद्देश्य ईको-पर्यटन को बढ़ावा देना, पर्यावरणीय संरक्षण सुनिश्चित करना और स्थानीय स्तर पर लोगों को रोजगार के अवसर उपलब्ध कराना है। सम्राट चौधरी ने बताया कि महर्षि विश्वामित्र पार्क को गायत्री मंत्र की अवधारणा (थीम) पर विकसित किया जाएगा। इसके तहत ध्यान केंद्र, वैदिक शैली के पथ, शांति के प्रतीक हरित संरचनाएं और धार्मिक श्लोकों से सजे प्राकृतिक स्थल निर्मित किए जाएंगे। इससे पार्क पहुंचने वाले लोग प्रकृति से जुड़ाव और आध्यात्मिक अनुभव कर सकेंगे। उन्होंने ने कहा कि पार्क में हरियाली और जैव विविधता को विशेष रूप से बढ़ावा दिया जाएगा। वृक्षारोपण, औषधीय पौधों की नर्सरी और स्थानीय और प्रवासी पक्षियों के लिए संरक्षित क्षेत्रों की व्यवस्था की जाएगी। परियोजना स्थल के रूप में मृत सोन नहर की भूमि का उपयोग किया जाएगा।

एयरपोर्ट पर इंडिगो की फ्लाइट में खराबी, देहरादून के लिए भरने वाली थी उड़ान

लखनऊ, 9 अगस्त (एजेंसियां)। देशभर से आए दिन फ्लाइटों में तकनीकी खराबी की खबरें सामने आती रहती हैं। इसका खामियाजा आम जनता को भुगतना पड़ता है। लखनऊ एयरपोर्ट पर एक बार फिर इंडिगो की फ्लाइट में तकनीकी खराबी आई है। इसके कारण लोगों को खासी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। फिलहाल फ्लाइट की खामियों को दूर करने की कोशिश की जा रही है। लखनऊ से देहरादून जा रही फ्लाइट में तकनीकी खराबी आई है। फ्लाइट संख्या 6ई 515 लखनऊ से देहरादून के लिए उड़ान भरने वाली थी। इस दौरान फ्लाइट में तकनीकी खराबी आने के चलते फ्लाइट को टैक्स वे पर ले जा कर खड़ा किया गया है। एयरपोर्ट पर इंजीनियरों की टीम विमान में आई तकनीकी खराबी को दूर करने का प्रयास कर रहे हैं। रक्षाबंधन के त्यौहार में शामिल होने जा रहे यात्रियों को इस तकनीकी खराबी के कारण परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

'प्रदेश में बाढ़ से हाहाकार

लगता है पूरी सरकार मठ में विश्राम करने चली गई', यूपी सरकार पर अखिलेश का हमला

लखनऊ, 9 अगस्त (एजेंसियां)। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा है कि प्रदेश में बाढ़ से हाहाकार मचा है और 22 जिलों में हालत बहुत खराब हैं। गंगा, यमुना, राप्ती, सरयू, घाघरा नदियां उफनाई हुई हैं। बाढ़ की चपेट में तमाम लोग अपनी जान भी गंवा बैठे हैं। मुख्य मार्गों से कटे इलाकों में लोग परेशानियों से जूझ रहे हैं। पशुओं की हालत तो और भी ज्यादा खराब है। आरोप लगाया कि सरकार का कहीं कोई प्रबंध नहीं नजर आता है। अखिलेश ने जारी एक बयान में कहा कि उरई में सड़कें पानी से लबालब भरी हुई हैं। पहली मंजिल तक पानी भरने से तमाम लोग बेघर हो गए हैं। प्रयागराज में 80 हजार प्रतियोगी छात्र लाज-कमरे छोड़कर चले गए हैं। 400 से अधिक लाइब्रेरियां बंद हो गई हैं। बाढ़ का पानी घरों के अन्दर बह रहा है। राजधानी लखनऊ में भी भारी बारिश से जनजीवन अस्त व्यस्त है। खेतों में बाजरा, दलहन की फसलों को नुकसान होने से किसान चिंता में हैं। जगह-जगह गड्ढों से वाहन दुर्घटनाग्रस्त हो रहे हैं और भीषण जाम लग रहा है। एयरपोर्ट से बनी तक सड़क सबसे ज्यादा खराब है। सरकार सड़कों के गड्ढे भरने के लिए बड़ी राशि खर्च करने का दावा कर चुकी है, लेकिन काम होने के बजाय बजट भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ गया है। अखिलेश ने तंज कसते हुए कहा कि बाढ़ पीड़ितों को भोजन, पानी, दवा की व्यवस्था करना प्रशासन की जिम्मेदारी है, लेकिन लगता है कि पूरी सरकार मठ में विश्राम करने चली गई है।

कालाबाजारी का भंडाफोड़ सात हजार बोरी उर्वरक बरामद

डुमरियागंज, 9 अगस्त (एजेंसियां)। जब एक ओर किसान खेतों में उर्वरक की कमी से जूझ रहे हैं, तब व्यापारी भारी मात्रा में उर्वरक छिपाकर कालाबाजारी कर रहे हैं। ऐसा ही मामला भनवापुर ब्लाक के गड़ावर चौराहे पर सामने आया, जहां प्रशासन ने शुक्रवार को बड़ी छापेमारी कर लगभग सात हजार बोरी उर्वरक बरामद किया। उर्वरक दो गोदामों में अवैध रूप से जमा किया गया था, जिन्हें मौके पर ही सील कर दिया गया। यह कार्रवाई उपजिलाधिकारी राजेश कुमार, तहसीलदार रवि कुमार यादव और जिला कृषि अधिकारी की संयुक्त टीम द्वारा की गई। उन्हें सूचना मिली थी कि जय ट्रेडर्स नामक उर्वरक विक्रेता रामानंद तिवारी किसानों को उर्वरक नहीं दे रहा है, जबकि उसके पास पर्याप्त भंडारण है। इसके अलावा, उर्वरक को अधिक मूल्य पर बेचने की भी शिकायत मिली थी। प्रशासनिक टीम ने दुकान पर पहुंचकर स्टाक रजिस्टर की जांच की।

इसके बाद दुकान से कुछ दूरी पर स्थित गोदाम को खुलवाया गया, जहां भारी मात्रा में अवैध रूप से रखा गया उर्वरक मिला। गोदाम से जेपी ग्रुप यूरिया की 2743 बोरी, एशियन फर्टिलाइजर की 1400 बोरी, ग्रो पल्स की 250 बोरी, एनपीके की 1295 बोरी, सल्फर की 61 बोरी, बायो पोट्स की 60 बोरी, जैव उर्वरक की 340 बोरी और जेएम नामक उत्पाद की 250 डब्बियां बरामद की गईं।

'जरूरत पड़ी तो दे दूंगा इस्तीफा', बिहार चुनाव को लेकर ये क्या बोल गए ओम प्रकाश राजभर

बलिया, 9 अगस्त (एजेंसियां)। सुभासपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष और यूपी सरकार में मंत्री ओमप्रकाश राजभर ने अचानक से बड़ा बयान दिया है। राजभर ने कहा यूपी में हमारी पार्टी का भाजपा से गठबंधन है और मेरे मंत्री पद को कोई खतरा नहीं है। लेकिन अगर जरूरत पड़ी तो बिहार में तीसरा मोर्चा बनाकर हम चुनाव लड़ेंगे, हमें मंत्री पद का कोई लालच नहीं है। अगर कभी जरूरत पड़ी तो पिछले बार की तरह हम मंत्री पद से इस्तीफा भी दे देंगे।

ओमप्रकाश राजभर ने बलिया में एक कार्यकर्ता मीटिंग के बाद मीडिया के पूछे गए सवालों के जवाब में कहा, बीजेपी ने 2007 में भी चुनाव लड़ने से हमें रोका, उपचुनाव में भी कहा गया कि अगर आप लड़ेंगे तो चुनाव में हम सीट हार जाएंगे। लेकिन इस बार 2025 के बिहार विधानसभा चुनाव में अगर उनके साथ बात नहीं बनी तो हम अलग मोर्चा बनाकर चुनाव लड़ेंगे, और जरूर लड़ेंगे। ओम प्रकाश राजभर ने समाजवादी पार्टी पर बड़ा जुबानी हमला बोला। राजभर ने कहा कि, अगर सपा के लोगों को इतनी ही एबीसीडी आती होती तो वह सत्ता से बाहर नहीं होते। इसके साथ ही उन्होंने ये भी बताया कि सपा के राज में कौन सी एबीसीडी पढ़ाई जाती थी। सुभासपा अध्यक्ष ने सपा के मुखिया अखिलेश यादव पर तीखा तंज कसा और कहा, एक लोडर होता है जो अपने मालिक की मर्जी से काम करता है, और एक लीडर होता है जो अपनी मर्जी से काम करता है। सपा में सभी लोडर हैं और मालिक की मर्जी से काम करते हैं। राजभर ने अखिलेश पर करारा हमला बोलते हुए कहा, 'जब आप सत्ता में थे, तब सरकारी स्कूल बच्चों की पढ़ाई नहीं, नकल माफिया और भर्ती घोटाले के अड्डे बन गए थे। आपके दौर में टूटी दिवारें, गिरी छतें और गंदे टॉयलेट, यही था असली चेहरा था।'

आइआइटी जोधपुर को सौंपा जाएगा जयपुर का कोचिंग हब

जयपुर, 9 अगस्त (एजेंसियां)। जयपुर के प्रताप नगर स्थित कोचिंग हब को अब भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आइआइटी), जोधपुर के विस्तार परिसर के रूप में विकसित किया जाएगा। राज्य सरकार कोचिंग हब को चरणबद्ध तरीके से आइआइटी को सौंपेगा। आइआइटी को राज्य सरकार निःशुल्क कैम्पस उपलब्ध करवाएगी। इसके अलावा हॉस्टल व अन्य सुविधाओं को विकसित करने के लिए राज्य सरकार 20 हजार वर्ग मीटर भूमि भी देगी। इसके लिए राज्य सरकार ने आइआइटी, जोधपुर के निदेशक को पत्र लिखा है। नगरीय विकास विभाग के इस पत्र से कोचिंग संस्थानों को एक जगह लाने का सपना पूरा होता नजर नहीं आ रहा है।

मंडल के कर्मचारियों ने शुरू किया विरोध

मंडल के कर्मचारियों ने इस प्रक्रिया का विरोध शुरू कर दिया है। संगठन के अध्यक्ष दशरथ सिंह ने बताया कि जमीन और निर्माण की लागत करीब 691 करोड़ रुपए है। इसकी फाइल उच्च अधिकारियों से होती हुई वित्त विभाग तक गई। हालांकि, अब तक कोई फैसला नहीं हुआ है।

पिछली सरकार का था ड्रीम प्रोजेक्ट

पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार ने प्रताप नगर में कोचिंग हब विकसित किया था। यह सरकार का ड्रीम प्रोजेक्ट था। इसके पीछे मंशा थी कि जयपुर शहर के सभी कोचिंग संस्थानों को एक जगह लाया जा सके।

राज्य में सरकार बदलने के बाद मौजूदा वित्तीय वर्ष के बजट में आइआइटी के विस्तार की घोषणा की गई थी। आवासन मंडल अधिकारियों की मानें तो अब तक यहां पर 12 कोचिंग संस्थानों को आवंटन भी दिया जा चुका है। 2 कोचिंग संस्थान यहां संचालित भी हो रहे हैं। कोचिंग हब दो चरणों में दिया जाएगा। पहले चार टावर दिए जाएंगे। जब इनका उपयोग पूरी तरह से शुरू कर दिया जाएगा। उसके बाद तीन टावर दिए जाएंगे।

कोचिंग हब नहीं हो पाया विकसित

पिछले दो वर्ष से कोचिंग हब बनकर तैयार है, लेकिन यहां पर कोचिंग संस्थान नहीं पहुंच पाए। गोपालापुरा बाइपास पर बड़ी संख्या में कोचिंग संस्थान संचालित हो रहे हैं। यहां प्रतिदिन एक लाख से अधिक स्टूडेंट्स आते हैं। इसके अलावा शहर में बरकत नगर, महेश नगर सहित मानसरोवर में भी कोचिंग संस्थान संचालित हो रहे है।

उत्तराखंड में फंसे सवाई माधोपुर के 210 यात्री

किरोड़ीलाल मीणा ने लिया संज्ञान; मदद का दिया भरोसा

सवाई माधोपुर, 9 अगस्त (एजेंसियां)। उत्तराखंड के चमोली जिले के गरुड़ गांव के पास अतिवृष्टि और भूस्खलन के कारण सवाई माधोपुर, राजस्थान के 210 श्रद्धालु पिछले तीन दिनों से फंसे हुए हैं। ये श्रद्धालु केदारनाथ और बद्रीनाथ के दर्शन के लिए सात बसों में सवार होकर उत्तराखंड गए थे, लेकिन प्राकृतिक आपदा के कारण उनका मार्ग अवरुद्ध हो गया।

इस स्थिति की जानकारी मिलते ही राजस्थान के कृषि मंत्री डॉ. किरोड़ीलाल मीणा ने त्वरित कार्रवाई करते हुए फंसे हुए यात्रियों से संपर्क किया और उन्हें हर संभव सहायता का आश्वासन दिया।

तीर्थयात्री कुल 7 बसों में सवार

जानकारी के अनुसार, सवाई माधोपुर से यह तीर्थयात्री 7 बसों में सवार होकर उत्तराखंड के लिए रवाना हुए थे। चमोली जिले के गरुड़ गांव के पास भारी बारिश और भूस्खलन के कारण रास्ता पूरी तरह बंद हो गया। पहाड़ों से गिरे मलबे ने सड़क को अवरुद्ध कर दिया, जिसके चलते ये यात्री पिछले तीन दिनों से फंसे हुए हैं। राहत की बात यह है कि सभी यात्री सुरक्षित हैं, लेकिन अवरुद्ध मार्ग के कारण उनकी आगे की यात्रा रुकी हुई है।

डॉ. किरोड़ीलाल मीणा को जैसे ही इस स्थिति की सूचना मिली, उन्होंने तुरंत कार्रवाई शुरू की। उन्होंने फंसे हुए यात्रियों से फोन पर बात की और उनकी स्थिति का जायजा लिया। यात्रियों को ढांढस बंधाते हुए उन्होंने जल्द से जल्द सहायता पहुंचाने का वादा किया।

लगातार स्थिति पर नजर बनाए हैं मंत्री

इसके साथ ही, उन्होंने मौके पर तैनात भारत-तिब्बत सीमा पुलिस (ITBP) के कमांडेंट धर्मेंद्र से भी संपर्क किया और सभी यात्रियों को सुरक्षित निकालने के लिए आवश्यक निर्देश दिए। डॉ. मीणा लगातार स्थिति पर नजर बनाए हुए हैं और स्थानीय प्रशासन के साथ समन्वय कर रहे हैं ताकि यात्रियों को सुरक्षित उनके गंतव्य तक पहुंचाया जा सके।

बताते चलें कि हाल ही में उत्तराखंड में त्रासदी के कई वीडियो सामने आए हैं। वीडियो में बद्रीनाथ और राष्ट्रीय राजमार्ग पर भूस्खलन की गंभीर स्थिति नजर आ रही है, जिसमें पहाड़ से पत्थरों की बारिश हो रही थी। एक यात्री द्वारा बनाए गए इस वीडियो में दिखा कि जैसे ही पहाड़ का एक बड़ा हिस्सा टूटकर गिरा, लोग अपनी जान बचाने के लिए इधर-उधर भागने लगे। इस भूस्खलन के कारण सड़क पर हजारों टन मलबा जमा हो गया, जिससे मार्ग पूरी तरह अवरुद्ध हो गया।

धर्मांतरण करने वाले आदिवासी क्या एसटी सूची से होंगे बाहर ?

बीजेपी सांसद ने एसटी डीलिस्टिंग का उठाया है मुद्दा

जयपुर, 9 अगस्त (एजेंसियां)। केंद्र सरकार की उन खबरों से आदिवासी समाज में चिंता बढ़ गई है, जिनमें कहा गया है कि अन्य धर्म, खासकर ईसाई धर्म अपनाने वाले आदिवासियों को अनुसूचित जनजाति की सूची से हटाने की तैयारी हो रही है। विश्व आदिवासी दिवस (शनिवार) पर बांसवाड़ा में होने वाली बड़ी बैठक में विभिन्न आदिवासी संगठन और उनसे जुड़े राजनीतिक दल इस प्रस्ताव का औपचारिक रूप से विरोध करने की योजना बना रहे हैं। उनका कहना है कि यह कदम आदिवासी समुदाय की पहचान और उनके अधिकारों के लिए खतरा है।

मॉनसून सत्र के दौरान केंद्र ने संकेत दिया कि हाल के दशकों में धर्म परिवर्तन करने वालों की जनजातीय स्थिति की समीक्षा की जाएगी। अगर यह लागू हुआ तो जनजातीय उप-योजना क्षेत्रों पर गहरा असर पड़ेगा, क्योंकि यहां विशेष कल्याण योजनाओं का लाभ तभी मिलता है, जब कम से कम 50% आबादी जनजातीय हो।

भारतीय ट्राइबल पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष वेला राम घोगरा ने इस कदम को आरएसएस और बीजेपी का 'पुनः उपनिवेशीकरण एजेंडा' बताया है। उन्होंने कहा, कुछ आदिवासी ईसाई बने हैं और बहुत कम संख्या में इस्लाम या बौद्ध धर्म अपनाया है, लेकिन उनका सांस्कृतिक और पारंपरिक जीवन अब भी वही है।

कई जगहों पर घटे आदिवासी

वेला राम ने कहा कि इन लोगों को अनुसूचित जनजाति की सूची से हटाना उनके अपने समुदाय से संस्थागत अलगाव के बराबर होगा। घोगरा का कहना है कि 1971 की जनगणना के बाद से राजस्थान, छत्तीसगढ़, झारखंड, गुजरात, महाराष्ट्र और मध्य प्रदेश समेत 12 राज्यों के टीएसपी क्षेत्रों में गैर-आदिवासी आबादी काफी बढ़ी है, जिससे आदिवासी प्रतिनिधित्व और संसाधन कम होते गए हैं।

वहीं, उदयपुर से बीजेपी सांसद मन्ना लाल रावत इस 'डीलिस्टिंग' अभियान के प्रमुख समर्थक के रूप में उभरे हैं। उन्होंने हाल ही में संसद में मुद्दा उठाते हुए कहा कि धर्म परिवर्तन करने के बाद भी कई आदिवासी सरकारी नौकरियों और शैक्षणिक संस्थानों में आरक्षण का लाभ ले रहे हैं।

बीजेपी सांसद मन्ना लाल का आरोप

रावत ने कहा, एसटी के लिए निर्धारित बजट का एक बड़ा हिस्सा धर्मांतरित लोगों पर खर्च हो रहा है, जो संविधान के उद्देश्य और आरक्षण की भावना के खिलाफ है।

बेकाबू ट्रेलर ने डिवाइडर क्रॉस कर कार को मारी टक्कर

दो सगी बहनों सहित पांच की मौत

दौसा, 9 अगस्त (एजेंसियां)। राजधानी जयपुर के नजदीक दौसा में कल देर शाम भीषण सड़क हादसे में 5 लोगों की जान चली गई। जयपुर से दौसा जा रही कार को सामने से आ रहे ट्रौले ने जबरदस्त टक्कर मार दी। जिससे 2 लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं 3 गंभीर घायलों की इलाज के दौरान मृत्यु हो गई। मरने वालों में 2 सगी बहनें भी शामिल है। टक्कर इतनी भीषण थी कि कार पूरी तरह पिचक गई। हादसा दौसा के सिकंदरा थाना इलाके में जयपुर-आगरा नेशनल हाईवे-21 पर हुआ। अस्पताल में घायलों का इलाज करने के बाद उन्हें जयपुर रेफर कर दिया गया। एसएचओ अशोक चौधरी ने बताया- महवा में लाइब्रेरी और कोचिंग चलाने वाले यादराम पुत्र रामकल्याण मीणा (36) निवासी भजेड़ा, टोडाभीम (करौली), अर्चना मीणा (20) निवासी भजेड़ा, मोनिका पुत्री मंटराम मीणा (18) और वेदिका मीणा पुत्री मंटराम मीणा निवासी खोहरी, महवा (दौसा) को जयपुर के बस्सी स्थित निर्वाण कॉलेज में एग्जाम दिलवाने लाया था। इन लोगों के साथ मुकेश महावर (27) निवासी महावर मोहल्ला, भजेड़ा भी था। एग्जाम खत्म होने के बाद सभी लोग गांव लौट रहे थे।

इस दौरान सिकंदरा थाना इलाके में जयपुर-आगरा नेशनल हाईवे-21 पर कैलाई-दुब्बी के पास लोहे के गार्डर से भरे बेकाबू ट्रेलर ने डिवाइडर क्रॉस कर कार को सामने से टक्कर मार दी। हादसे में कार चला रहे यादराम और आगे की सीट पर बैठी मोनिका की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि पीछे की सीट पर बैठे मुकेश, अर्चना और वेदिका गंभीर रूप से घायल हो गए। गंभीर घायलों को दौसा के अस्पताल ले जाया गया, जहां से गंभीर हालत में जयपुर रेफर कर दिया। बेकाबू ट्रेलर डिवाइडर कूदकर सामने से आ रही कार से भिड़ गया। हादसा इतना भीषण था कि कार पूरी तरह पिचक गई। जाम में फंस गई घायलों को ले जा रही एंबुलेंस जानकारी के अनुसार, तीनों गंभीर घायलों को जयपुर लेकर जा रही एंबुलेंस घाट की गुणी में जाम में फंस गई थी। ऐसे में तीनों घायलों को समय पर इलाज नहीं मिल पाया। अस्पताल पहुंचते ही ड्यूटी डॉक्टर ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। देर रात 10 बजे दौसा एसपी सागर राणा और कलेक्टर देवेन्द्र कुमार देर शाम मौके पर पहुंचे और उन्होंने घटनास्थल का निरीक्षण किया।

पूर्व केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह ने लगाया खनिज घोटाले का आरोप, सीबीआई जांच की मांग

अलवर, 9 अगस्त (एजेंसियां)। पूर्व केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह ने सरिस्का टाइगर रिजर्व के सीटीएच (क्रिटिकल टाइगर हैबिटेट) सीमांकन विवाद को लेकर राज्य और केंद्र सरकार पर गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने सुप्रीम कोर्ट के हालिया अंतरिम फैसले को ऐतिहासिक करार देते हुए कहा कि इससे यह साबित हो गया है कि सरिस्का क्षेत्र में एक संगठित माफिया नेटवर्क काम कर रहा है, जो अब उजागर हो रहा है। उन्होंने मौजूदा केंद्रीय मंत्री भूपेन्द्र यादव और राज्य के वन मंत्री संजय शर्मा को केवल एक मोहरा बताया। उन्होंने कहा कि यह काम बहुत बड़े लेवल पर हो रहा था, ताकि टहला क्षेत्र को सरिस्का के टाइगर रिजर्व से बाहर निकाला जा सके ओर वह इलाका अडानी ग्रुप को खनन के लिए दिया जा सके। उन्होंने कहा कि टहला क्षेत्र में खनिज के अपार भंडार हैं और यह खनिज भी अच्छा वाला है। इसी लिए यह सारा खेल खेला जा रहा था, लेकिन सुप्रीम कोर्ट ने अंतरिम फैसला देकर इनके मंसूबों पर पानी फेर दिया है।

सरकार ने बदले नियम, नहीं ली विशेषज्ञों या जनता की राय जो की बेहद जरूरी थी

जितेंद्र सिंह ने कहा कि सबसे पहले सुप्रीम कोर्ट ने सरिस्का क्षेत्र में माइनिंग पर रोक लगाई थी, लेकिन उसके बाद सरकार ने अचानक सीमाएं बदलने की प्रक्रिया शुरू कर दी, वो भी बिना किसी वैज्ञानिक सर्वे या सार्वजनिक आपत्ति के और सरकार ने किसी स्वतंत्र विशेषज्ञ या इंडिपेंडेंट बॉडी से भी राय भी नहीं ली।

सरकारी अधिकारियों को धमकाकर लिए गए दस्तखत

राजस्थान वाइल्डलाइफ बोर्ड के अधिकारियों को एक पेनड्राइव दी गई, जिसमें पहले से तय नक्शा मौजूद था। कौन सा गांव सरिस्का में रहेगा और कौन सा नहीं। उस पेनड्राइव को सरकारी कंप्यूटर में चलाकर अधिकारियों पर दबाव बनाया गया, डराया गया और हस्ताक्षर करवाए गए। ये दर्शाता है कि सरकार के नाम पर एक बड़ा माफिया खेल चला रहा है।

खनिजों पर नजर, अडानी जैसी कंपनियों को लाभ देने की आशंका

उन्होंने यह भी आशंका जताई कि यह सब सरिस्का क्षेत्र के बहुमूल्य खनिजों को निजी हाथों में सौंपने की तैयारी का हिस्सा हो सकता है। सरकार की जल्दबाजी से साफ है कि ये कोई साधारण मामला नहीं, बल्कि एक गहरी साजिश और संभावित घोटाले की ओर इशारा करता है। जितेंद्र सिंह ने अंत में पूरे मामले की निष्पक्ष जांच के लिए CBI जांच की मांग की। कहा कि जब तक सरकार यह फैसला वापस नहीं लेती और देश से माफी नहीं मांगती, यह लड़ाई जारी रहेगी।

पूर्व मंत्री महेश जोशी की बेल पर सुनवाई पूरी

हाईकोर्ट बाद में सुनाएगा फैसला

जयपुर, 9 अगस्त (एजेंसियां)। हाईकोर्ट ने जल जीवन मिशन मामले में पूर्व मंत्री महेश जोशी की जमानत पर 3 दिन तक सुनवाई कर फैसला सुरक्षित रख लिया। कोर्ट में याचिका पर सुनवाई पूरी हो गई, लेकिन अभी राहत नहीं मिली।

अन्य आरोपी जमानत पर रिहा हुए

न्यायाधीश प्रवीर भटनागर ने महेश जोशी की जमानत याचिका सुनवाई की। महेश जोशी की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता वी आर बाजवा व अधिवक्ता स्नेहदीप ने कोर्ट में कहा कि अन्य आरोपी पीयूष जैन, संजय बडाया, पदम चन्द जैन व महेश मित्तल सुप्रीम कोर्ट व हाईकोर्ट के आदेश से जमानत पर रिहा हो गए।

जमानत पर दोनों पक्षों में हुई बहस

याचिकाकर्ता को भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो व केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो में दर्ज एफआइआर में आरोपी नहीं बनाया गया और इसी एफआइआर के आधार पर ईडी ने मामला दर्ज कर गिरफ्तार किया। ईडी की ओर से अधिवक्ता अक्षय भारद्वाज ने कहा कि केवल सह आरोपियों को जमानत मिल जाना, याचिकाकर्ता की जमानत का आधार नहीं हो सकता।

मदन राठौड़ का गहलोत पर हमला, बोले- गांधी के नाम पर राजनीतिक रोटी सेंक रहे हैं

जयपुर, 9 अगस्त (एजेंसियां)। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने रक्षाबंधन के पावन पर्व पर प्रदेशवासियों को शुभकामनाएं देते हुए इसे भाई-बहन के प्रेम, स्नेह और कर्तव्यबोध का प्रतीक बताया। साथ ही उन्होंने कहा कि 'हर घर तिरंगा अभियान' से राष्ट्रभक्ति का संचार हो रहा है और यह भावनाएं केवल सत्ता पक्ष तक सीमित नहीं रहनी चाहिए, बल्कि विपक्ष को भी इस दिशा में संवेदनशील होना चाहिए। उन्होंने कहा कि 15 अगस्त को स्वतंत्रता दिवस मनाने से पहले 14 अगस्त को विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस मनाकर देश को यह याद दिलाना जरूरी है कि ऐसी त्रासदियां दोबारा न हों। उन्होंने जनता से आह्वान किया कि वे राष्ट्र की अखंडता, एकता और विकास के लिए संगठित होकर आगे बढ़ें।

राठौड़ ने आरोप लगाया कि संसद सत्र के दौरान विपक्ष, विशेष रूप से कांग्रेस ने बार-बार हंगामा कर सदन का कीमती समय बर्बाद किया। एसआईआर से जुड़े मामलों पर भी विपक्ष ने कोई रचनात्मक भूमिका नहीं निभाई। उन्होंने कहा कि मतदाता सूची का पुनरीक्षण एक सामान्य प्रक्रिया है, जिसमें पात्र नागरिकों के नाम जोड़े या हटाए जाते हैं। इस पर आपत्ति जताना सिर्फ जनभावनाओं को भटकाने का प्रयास है।

राठौड़ ने राष्ट्रीय सुरक्षा के मुद्दे पर बात करते हुए कहा कि रोहिंग्याओं और अन्य बाहरी घुसपैठियों को भारत की लोकतांत्रिक प्रक्रिया में कोई अधिकार नहीं है। उन्होंने कहा कि यह भारत के नागरिक तय करेंगे कि देश में कौन शासन करेगा न कि कोई बाहरी तत्व। असम और पूर्वोत्तर राज्यों में रोहिंग्याओं के नाम मतदाता सूची में शामिल होना चिंताजनक है।

फिल्म 'उदयपुर फाइल्स' को लेकर उन्होंने कहा कि भाजपा न्याय प्रक्रिया में कभी हस्तक्षेप नहीं करती। उन्होंने कांग्रेस से सवाल पूछा कि जब आतंकी अजमल कसाब को सजा देने की बात आई थी, तब उसमें देरी क्यों हुई और किसने उसे बचाने का प्रयास किया?

सचिन पायलट को 'नकारा-निकम्मा' कहे जाने पर उन्होंने कहा कि ऐसे शब्द लंबे समय तक मन पर प्रभाव डालते हैं। विरोध का अधिकार सभी को है, लेकिन भाषा की मर्यादा और शब्दों का चयन संतुलित होना चाहिए।

डॉ. किरोड़ी लाल मीणा के दिल्ली से फोन वाले बयान पर उन्होंने कहा कि यह उनसे ही पूछा जाना चाहिए कि फोन किसका आया था। भाजपा ने ऐसा कोई फोन नहीं किया और पार्टी के पास चुनाव लड़ने वालों की कोई कमी नहीं है। अशोक गहलोत के बयानों पर पलटवार करते हुए मदन राठौड़ ने कहा कि कांग्रेस वह पार्टी नहीं रही, जिसने आजादी की लड़ाई लड़ी थी। महात्मा गांधी जिस कांग्रेस को समाप्त करना चाहते थे, आज उसी के नाम पर राजनीतिक रोटियां सेंकी जा रही हैं। उन्होंने गांधी परिवार पर भी तंज कसते हुए कहा कि महात्मा गांधी से फिरोज गांधी बने, फिर इंदिरा गांधी, फिर राजीव गांधी और अब अशोक गहलोत खुद को राजस्थान का गांधी कहने लगे हैं। उन्होंने गहलोत को सुझाव दिया कि अपने बयानों से पहले जानकारी पक्की कर लें। घरों पर तिरंगा फहराने की अनुमति कोर्ट से मिली है, यह बात उन्हें पता होनी चाहिए।

गोगामेडी हत्याकांड : शूटर को पनाह देने वाली महिला की जमानत याचिका खारिज

जयपुर, 9 अगस्त (एजेंसियां)। हाईकोर्ट ने करणी सेना के तत्कालीन अध्यक्ष सुखदेव सिंह गोगामेडी की हत्या के आरोपी शूटर को पनाह देने के मामले में गिरफ्तार पूजा सैनी को राहत नहीं दी। कोर्ट ने कहा कि याचिकाकर्ता के खिलाफ विधि विरुद्ध क्रियाकलाप निवारण अधिनियम के तहत प्रसंज्ञान लिया जा चुका है। न्यायाधीश इन्द्रजीत सिंह व न्यायाधीश भुवन गोयल की खंडपीठ ने पूजा सैनी की जमानत याचिका खारिज कर दी। याचिका में कहा कि पति महेन्द्र कुमार पर शूटर नितिन फौजी को वारदात से पहले अपने घर में पनाह देने और याचिकाकर्ता को इसकी जानकारी होने का आरोप है। याचिकाकर्ता करीब डेढ़ साल से जेल में है और विशेष न्यायालय में सुनवाई पूरी होने में समय लगने की संभावना है। इसलिए जमानत पर रिहा किया जाए। एनआइए की ओर से अधिवक्ता स्नेहदीप ने जमानत का विरोध करते हुए कहा कि घटना से पहले कई दिनों तक शूटर याचिकाकर्ता के घर रुका और उसने ही उन्हें हथियार उपलब्ध कराए। ऐसे में सक्रिय भागीदारी रही थी। एनआइए सम्बन्धी मामलों की विशेष अदालत भी याचिकाकर्ता के खिलाफ विधि विरुद्ध क्रियाकलाप निवारण अधिनियम के अंतर्गत प्रसंज्ञान ले चुकी है, ऐसे में उसे जमानत नहीं दी जाए। 5 दिसंबर, 2023 को करणी सेना के तत्कालीन अध्यक्ष सुखदेव सिंह गोगामेडी की हत्या की गई। इस मामले में रोहित राठौड और नितिन फौजी को पकड़ा गया।

नदी में डूबने से युवक की मौत

छबड़ा, 9 अगस्त (एजेंसियां)। रक्षाबंधन पर्व पर एक भाई अपनी बहनो से हमेशा के लिए दूर हो गया। रेणुका नदी के पुल के पास युवक की नदी में डूबने से मौत हो गई। पुलिस कर्मियों व गोताखोरों ने ग्रामीणों के सहयोग से रेस्क्यू कर डूबे युवक को बाहर निकाला। पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम करवाकर शव परिजनों के सुपुर्द कर दिया। जानकारी के अनुसार $कस्बे की रेणुका नदी के पुल के पास कस्बा निवासी बंटी सुमन (30) पुत्र हीरालाल डूब गया।

घटना की सूचना पर पहुंचे पुलिस कांस्टेबल रणवीर डूंगसह व हीर डूंगसह व गोताखोर मंजूर मेव, नीरज कुशवाहा, भवानी कुशवाहा व छोटू कुशवाहा ने कड़ी मशक्कत व रेस्क्यू कर युवक को नदी से बाहर निकाला और त्वरित उसे छबड़ा चिकित्सालय में पहुंचाया जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। जिसके बाद पुलिस ने शव को लेकर पोस्टमार्टम करवाकर शव परिजनों के सुपुर्द कर दिया। उल्लेखनीय है कि गोताखोर अगर तत्परता नही दिखाते तो मृतक की तलाश असंभव हो जाती है, क्योंकि सुबह बारीश आने से नदी का जल स्तर भी बढ़ गया था। पूर्व में कई शव कई दिनों बाद की कड़ी मशक्कत के बाद मिले है। मृतक बंटी अविवाहित था, इसके बड़े भाई महेंद्र व बहन ऊषा, सीमा की शादी हो चुकी थीं।

डीजल छिड़ककर बहू ने लगाई आग, बचाने गई सास भी जिंदा जली, पैरों के कड़े से हुई शवों की पहचान

उदयपुर, 9 अगस्त (एजेंसियां)। जिले के जिंडोली गांव में एक दिल दहला देने वाली घटना में महिला और उसकी सास आग में जिंदा जल गईं। मामला बड़गांव थाना क्षेत्र का है, जहां पति से झगड़ा करने के बाद महिला ने डीजल उड़ेलकर खुद को आग के हवाले कर दिया, बचाने गई सास भी आग की चपेट में आ गई और दोनों की जलकर मौत हो गई। थाना प्रभारी पूरन सिंह राजपुरोहित के अनुसार, गुरुवार रात करीब 10:30 बजे 35 वर्षीय मंगी गमेती का पति गोपीलाल गमेती से घरेलू मुद्दे पर विवाद हो गया। दोनों के बीच करीब आधे घंटे तक झगड़ा होता रहा। इस दौरान 65 वर्षीय सास पप्पा बाई ने कई बार बीच-बचाव की कोशिश की, लेकिन दोनों में तनाव कम नहीं हुआ। गुस्से में मंगी आंगन से सटे एक कमरे में गई और अपने ऊपर डीजल डालकर आग लगा ली। सास पप्पा बाई उसे बचाने के लिए कमरे में घुसीं, लेकिन तेज लपटों में वे भी फंस गईं। कमरे में चारा और अन्य ज्वलनशील सामान रखा होने के कारण आग तेजी से फैल गई।

1800 किलो नकली पनीर किया गया जब्त, तीन गिरफ्तार

जयपुर, 9 अगस्त (एजेंसियां)। स्वास्थ्य विभाग के खाद्य सुरक्षा अधिकारी विनोद कुमार शर्मा और नरेश कुमार की टीम ने मौके पर पनीर की जांच की, जिसमें घटिया सामग्री व दुर्गंध पाई गई। आरोपियों की सहमति से 1800 किलो नकली पनीर मौके पर ही नष्ट कर दिया गया। रक्षाबंधन के अवसर पर पुलिस थाना लालकोठी, जयपुर (पूर्व) ने मिलावटखोरी के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए 1800 किलोग्राम नकली पनीर को सप्लाई से पहले ही पकड़ लिया। पुलिस उपायुक्त जयपुर (पूर्व) संजीव नैन के अनुसार, 8 अगस्त 2025 को गश्त के दौरान सांगानेर गेट पर मुखबिर से सूचना मिली कि ट्रांसपोर्ट नगर की ओर से एक पिकअप (आरजे 32 जीडी 4891) आ रही है, जिसमें मिलावटी पनीर भरा हुआ है। नाकाबंदी के दौरान पिकअप को रोका गया और उसमें बैठे तीन व्यक्ति मनीष पुत्र शाहबुद्दीन, मुफीद पुत्र हारून, और शालीम पुत्र जमील को डिटेन किया गया। गाड़ी की तलाशी में लोहे के 28 बॉक्स मिले, जिनमें पनीर व बर्फ भरा था। आरोपियों ने बताया कि यह पनीर वे हरियाणा के मेवात से अरशद नामक व्यक्ति से लेकर आए हैं और जयपुर के विभिन्न क्षेत्रों में सप्लाई करने वाले थे।

प्रोबेशनर सब इंस्पेक्टर गिरफ्तार, लीक पेपर से तैयारी करके मैरिट में आया था 12वां स्थान

जयपुर, 9 अगस्त (एजेंसियां)। एसआइ भर्ती परीक्षा-2021 के पेपर लीक मामले में स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप (एसओजी) ने एक और प्रोबेशनर सब इंस्पेक्टर को गिरफ्तार किया है। एटीएस-एसओजी के एडीजी वी.के. सिंह ने बताया कि मूलतः बहरोड़ के खापरिया निवासी सत्येन्द्र सिंह को पकड़ा गया है। वर्तमान में वह सिरसी रोड स्थित गणपत विहार में रह रहा था। सत्येन्द्र ने परीक्षा से पहले लीक हुए सॉल्वड पेपर खरीदकर तैयारी की थी। 15 सितम्बर 2021 को हुई परीक्षा में उसने हिंदी में 178.83 और सामान्य ज्ञान में 160.33 अंक प्राप्त किए थे। कुल 339.16 अंकों के साथ वह मैरिट में 12वें स्थान पर आया था।

लकड़ीकापुल में तूफानी जल निकासी कार्य में देरी के कारण बिगड़ी यातायात की स्थिति

हैदराबाद, 9 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। पिछले कुछ महीनों से तूफानी जल निकासी से संबंधित कार्य की धीमी गति के कारण व्यस्त रहने वाले लकडीकापुल पर यातायात बाधित हो रहा है, जिससे वाहन चालकों की परेशानी बढ़ रही है। नागरिक कार्यों के कारण होने वाली अत्यधिक देरी पर यात्री अपनी निराशा व्यक्त करते हैं, जिसके परिणामस्वरूप घंटों तक ट्रैफ़िक जाम रहता है। खैरताबाद से विधानसभा, नामपल्ली और अबिड्स की ओर जाने वाला ट्रैफ़िक जंक्शन पर धीमा हो जाता है क्योंकि चल रहे निर्माण कार्य के कारण यह मार्ग संकरा हो गया है। इसके अलावा, सचिवालय से आने वाले और मेहदीपटनम व खैरताबाद की ओर जाने वाले यातायात की गति भी जंक्शन पर धीमी हो जाती है क्योंकि मुख्य मार्ग का 60 प्रतिशत हिस्सा सिविल कार्यों के लिए अवरुद्ध है। लकडीकापुल जंक्शन की सड़कों पर फैली बजरी यात्रियों के लिए और भी असुविधा का कारण बनती है।

जीएचएमसी ने बार-बार होने वाले जलभराव की घटनाओं को रोकने के लिए मेट्रो स्टेशन के पास मुख्य जंक्शन के दोनों ओर 1.3 करोड़ रुपये की लागत से जल निकासी का काम शुरू किया था। हालांकि, काम धीमी गति से चल रहा है, जिससे वाहन चालकों की परेशानी बढ़ रही है। लगभग हर दिन, लकड़ी का पुल मेट्रो स्टेशन के पास मुख्य जंक्शन से 3.5 लाख यात्री गुज़रते हैं और इस मुख्य जंक्शन पर कई होटल, बार, रेस्टोरेंट, ट्रैवल बुकिंग कार्यालय, खादी शोरूम, बैंक और अस्पताल हैं। सैकड़ों दैनिक यात्री लकड़ी का पुल मेट्रो स्टेशन पहुंचने के लिए इस मार्ग का उपयोग करते हैं। यात्रियों ने कार्य की धीमी गति पर नाराजगी व्यक्त की तथा कहा कि नगर निगम को यातायात व्यवधान से बचने के लिए मानसून से पहले यह कार्य पूरा कर लेना चाहिए था। खैरताबाद जीएचएमसी सर्कल के कार्यकारी अभियंता के वेंकट नारायण ने कहा कि वर्षा जल निकासी का सिविल कार्य लगभग अंतिम चरण में पहुंच गया है और कुछ सप्ताह के भीतर पूरा हो जाएगा।

हिमायतसागर में जलस्तर बढ़ने के कारण चालू हैं चार द्वार

हैदराबाद, 9 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। लगातार तीसरे दिन, एचएमडब्ल्यूएसएसबी अधिकारियों ने हिमायतसागर जलाशय में पानी आने के बाद चार द्वारों को चालू रखा। एचएमडब्ल्यूएसएसबी की विज्ञप्ति के अनुसार, शनिवार सुबह 6 बजे जलाशय में 500 क्यूसेक पानी आया। अधिकारियों ने 2070 क्यूसेक अतिरिक्त पानी मुसानदी में छोड़ दिया। उस्मानसागर के संबंध में, जलाशय में 300 क्यूसेक पानी आया तथा जल स्तर लगातार बढ़ रहा है। इस बीच, जीएचएमसी ने शनिवार सुबह 10 बजे हुसैन सागर झील के जलस्तर की स्थिति जारी की। झील प्रभाग के अधिकारियों ने हुसैन सागर झील के जलस्तर पर कड़ी निगरानी रखी और निचले इलाकों को अलर्ट कर दिया।

आदिलाबाद में विश्व आदिवासी दिवस मनाया गया

आदिलाबाद, 9 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। विश्व आदिवासी दिवस शनिवार को पूर्ववर्ती आदिलाबाद ज़िले में भव्य तरीके से मनाया गया। इस अवसर पर रैलियां और सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए गए। ज़िला कलेक्टरों और पुलिस अधीक्षकों ने इन कार्यक्रमों में भाग लिया। कलेक्टर राजर्षि शाह ने पुलिस अधीक्षक अखिल महाजन के साथ आदिलाबाद कस्बे के बस स्टैंड चौराहे पर आदिवासी महापुरुषों कुमराम भीम और रामजी गोंड की प्रतिमाओं पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने आदिवासियों से अपनी विशिष्ट परंपराओं और संस्कृति को संरक्षित रखने और भावी पीढ़ियों तक पहुंचाने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि जिला प्रशासन आदिवासियों की समस्याओं के समाधान के लिए प्रयासरत है। बाद में, शाह, आईटीडीए उत्नूर परियोजना अधिकारी खुशबू गुप्ता और अखिल महाजन के साथ, उत्नूर मंडल मुख्यालय में आदिवासी कल्याण विभाग द्वारा आयोजित एक ऐसे ही कार्यक्रम में शामिल हुए। गुप्ता ने अधिकारियों से आदिवासियों के समग्र विकास के लिए मिलकर काम करने का आह्वान किया और आदिवासी समुदायों को राज्य और केंद्र सरकार द्वारा प्रदान की जा रही योजनाओं का पूरा लाभ उठाने की सलाह दी। उत्नूर की एएसपी काजल सिंह भी इसमें शामिल हुईं।

आसिफाबाद विधायक कोवा लक्ष्मी ने आदिवासियों के जीवन को बेहतर बनाने की दिशा में काम करने का संकल्प लिया और आसिफाबाद क्षेत्र में आदिवासी बस्तियों तक सड़क और पुल संपर्क बढ़ाने का वादा किया। आदिवासी कलाकारों की सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। पुलिस अधीक्षक कांतिलाल पाटिल भी मौजूद थे। मंचेरियल जिले में, समारोह के तहत आईबी चौक से हरिता समारोह हॉल तक एक विशाल रैली निकाली गई। कलेक्टर कुमार दीपक ने कुमराम भीम और रामजी गोंड को श्रद्धांजलि अर्पित की। निर्मल जिले में, कलेक्टर अभिलाषा अभिनव और पुलिस अधीक्षक डॉ. जानकी शर्मिला ने जिला मुख्यालय पर आयोजित समारोह में भाग लिया।

कांग्रेस ग्रामीण निकाय चुनावों में देरी के लिए अपना रही है सुप्रीम कोर्ट का विकल्प

सभी विकल्पों पर किया गया विचार विमर्श

हैदराबाद, 9 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। स्थानीय निकाय चुनाव संपन्न कराने के लिए उच्च न्यायालय द्वारा सितंबर के अंत में दी गई समय-सीमा जैसे-जैसे नज़दीक आ रही है, तेलंगाना की कांग्रेस सरकार कथित तौर पर चुनाव टालने के विकल्पों पर विचार कर रही है। प्रतिकूल ज़मीनी हालात को भांपते हुए, सत्तारूढ़ दल कानूनी रास्ते तलाश रहा है, जिसमें स्थगन आदेश के लिए सर्वोच्च न्यायालय का दरवाज़ा खटखटाने की संभावना भी शामिल है।

इस हफ़्ते की शुरूआत में मुख्य सचिव के. रामकृष्ण राव की अध्यक्षता में वरिष्ठ क़ानूनी विशेषज्ञों के साथ हुई एक बंद कमरे में बैठक में प्रक्रियागत छूट से लेकर संवैधानिक सुरक्षा उपायों तक, सभी विकल्पों पर विचार-विमर्श किया गया। इस महीने के अंत तक निर्णायक कार्रवाई होने की संभावना है।

आधिकारिक तौर पर पिछड़े वर्गों के आरक्षण को अंतिम रूप देने में देरी को लेकर विचार किया जा रहा है, जो एक राजनीतिक रूप से संवेदनशील प्रक्रिया है और जिसकी पहले ही आलोचना हो चुकी है। हालांकि, कांग्रेस नेताओं ने निजी तौर पर स्वीकार किया है कि वर्तमान परिस्थितियों में राजनीतिक माहौल पूरी तरह से अनुकूल नहीं है। उन्होंने जमीनी स्तर पर अधूरे वादों और स्थानीय शिकायतों को लेकर असंतोष की ओर इशारा किया है। सरपंचों का कार्यकाल पिछले साल जनवरी में और एमपीटीसी व जेडपीटीसी सदस्यों का कार्यकाल नवंबर में समाप्त हो गया, जिससे स्थानीय निकाय कई महीनों तक विशेष अधिकारियों के नियंत्रण में रहे। तब से चुनाव कराने में हो रही देरी के कारण न्यायपालिका की नाराजगी और राजनीतिक लाभ के लिए लोकतांत्रिक समयसीमा को कमज़ोर करने के लिए विपक्ष की आलोचना पहले ही सामने आ चुकी है। लोग भी मौजूदा हालात से, खासकर ग्रामीण इलाकों में बुनियादी सुविधाओं के रखरखाव की कमी से असंतुष्ट हैं।

कांग्रेस के अंदरूनी सूत्रों ने संकेत दिया है कि पार्टी कुछ कल्याणकारी और विकास योजनाओं को लागू करने और उन्हें मजबूत करने के लिए समय चाहती है, जिनके बारे में उसका मानना है कि वे जनता की राय को अपने पक्ष में मोड़ सकती हैं। वर्तमान में पाइपलाइन में मौजूद ये योजनाएं विपक्ष द्वारा फैलाए जा रहे इस दावे का मुकाबला करने के लिए महत्वपूर्ण मानी जा रही हैं कि सत्ता में आने के बाद से सत्तारूढ़ पार्टी का प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा है।

हालांकि स्थानीय निकाय चुनावों में देरी से सभी ओर से कड़ी आलोचना होगी, लेकिन कहा जा रहा है कि कांग्रेस इसके लिए तैयार है, लेकिन वह चुनाव हारने का जोखिम उठाने को तैयार नहीं है।

विज्ञान और स्वास्थ्य पर ओपन डे में 900 से अधिक छात्रों ने लिया भाग

हैदराबाद, 9 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद के 22 स्कूलों के 900 से अधिक छात्र राष्ट्रीय पोषण संस्थान (एनआईएन) द्वारा आयोजित ओपन डे कार्यक्रम में भाग लेने के लिए पहुंचे। ओपन डे कार्यक्रम, जो भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) की नेक्स्टजेन एक्सप्लोरर्स (शाइन) पहल के लिए विज्ञान और स्वास्थ्य नवाचार का एक हिस्सा है, का उद्देश्य स्कूली बच्चों में स्वास्थ्य और नवाचार के बारे में वैज्ञानिक जांच और जागरूकता की भावना को बढ़ावा देना था।

छात्रों को एनआईएन परिसर का दौरा करने, वैज्ञानिकों और तकनीकी कर्मचारियों के साथ सीधे बातचीत करने, तथा पोषण और सार्वजनिक स्वास्थ्य में अनुसंधान को प्रदर्शित करने वाले विभिन्न प्रदर्शनों और प्रदर्शनों का अवलोकन करने का अनूठा अवसर मिला। आईसीएमआर-एनआईएन की निदेशक डॉ. भारती कुलकर्णी ने कहा, यह पहल अगली पीढ़ी को नवोन्मेषी सोच रखने और देश की वैज्ञानिक प्रगति में योगदान देने के लिए प्रोत्साहित करती है। हम युवा प्रतिभाओं को निखारने के लिए हर साल ऐसे आयोजन जारी रखने की योजना बना रहे हैं।

आज वॉर 2 के प्री-रिलीज कार्यक्रम के लिए हैदराबाद में यातायात परिवर्तन

हैदराबाद, 9 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद ट्रैफिक पुलिस ने हैदराबाद के यूसुफगुडा बटालियन पुलिस लाइंस में रविवार को शाम 5 बजे से रात 10 बजे तक होने वाली फिल्म वॉर 2 के प्री-रिलीज़ इवेंट के मद्देनजर एक एडवाइजरी जारी की।

पुलिस विज्ञप्ति में कहा गया है, रिलीज़-पूर्व समारोह में बड़ी संख्या में लोग शामिल होंगे। कोटला विजय भास्कर रेड्डी (केवीबीआर) स्टेडियम के आसपास आगंतुकों और उनके वाहनों की वजह से सड़कों पर मध्यम यातायात जाम की आशंका है। असुविधा से बचने के लिए, यात्रियों को कोटला विजय भास्कर रेड्डी स्टेडियम की ओर जाने से बचने की सलाह दी जाती है।

रक्षाबंधन रिश्तों में मिठास घोलने और टूटे रिश्तों को साधने का पर्व है

हैदराबाद, 9 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। नुमाइश मैदान के विशाल पांडाल में हजारों भाई-बहिनों ने शनिवार को राखी पर्व के पावन अवसर पर राष्ट्र-संत चन्द्रप्रभ महाराज, महोपाध्याय ललितप्रभ सागर महाराज और मुनि शांतिप्रियसागर महाराज के सान्निध्य में रक्षाबंधन महोत्सव मनाने का आनन्द उठाया। मैदान में सैकड़ों श्रद्धालु बहिनें भाव-विह्वल होकर 35 फीट की राखी लेकर जब मंच पर आई तो हजारों सत्संगप्रेमियों ने ताली बजाकर इस विशाल राखी का स्वागत किया जिसे गुरुजनों और चातुर्मास समिति को समर्पित किया गया।

जब गुरुजनों के द्वारा अभिमंत्रित रक्षासूत्र सभी सत्संगप्रेमियों में बांटा गया और सबने एक-दूजे को मंत्रोंचार के रक्षासूत्र एक साथ बांधा तो पूरे पांडाल में श्रद्धा, भक्ति और प्रेम का अद्भुत माहौल बन गया। लगभग 1001 बहनों द्वारा एक साथ भाइयों को राखी बांधकर गिनीज बुक ऑफ़ वर्ल्ड रिकॉर्ड की दावेदारी प्रस्तुत की गई। गुरुजनों के द्वारा जीवन की उन्नति के लिए महा मांगलिक का विशेष आयोजन हुआ। इस तरह नुमाइश मैदान में देश का सबसे बड़ा राखी महोत्सव संपन्न हुआ।

इस अवसर पर राष्ट्र-संत महोपाध्याय ललितप्रभ सागर एग्जिबिशन ग्राउंड में प्रेम का पर्व रक्षाबंधन विषय पर प्रवचन दे रहे थे। उन्होंने कहा कि रक्षाबंधन रिश्तों में मिठास घोलने और टूटे रिश्तों को साधने का पर्व है। रिश्तों को बनाना आसान है, पर उन्हें मीठा-मधुर बनाकर रखना मुश्किल है। रिश्तों को बनाना तो ठीक वैसे ही है जैसे मिट्टी पर मिट्टी से मिट्टी लिखना, पर उन्हें निभाना पानी पर पानी से पानी लिखने जैसा है। उन्होंने कहा कि हमारे रिश्ते रोटी जैसे न हो कि थोड़ी-सी आंच क्या लगी कि वह काली पड़ गई, रिश्ते तो मछली और सरोवर जैसे होने चाहिए कि जब तक जिएंगे तब तक साथ-साथ रहेंगे। जो घर को सदा जोड़कर रखे समझना वह बुद्धिमान और बुद्धिनिधान है।

उन्होंने बहुओं को समझाया कि जो बहुएं घर को तोड़ती हैं वह घर के लिए अभिशाप बन जाती है, पर जो बहू घर को किसी भी हालत में टूटने नहीं देती वही घर की महालक्ष्मी कहलाया करती है। लक्ष्मी की पूजा करने से पता नहीं लक्ष्मी जी कितने प्रतिशत आएंगे, पर घर की बहुएं महालक्ष्मी बन जाएं तो घर में सदा लक्ष्मीजी का बसेरा हो जाएगा।

संतप्रवर ने कहा कि राखी एक-दूसरे की रक्षा करने का महान संकल्प है। जैसे कभी अतीत में भगवान श्री कृष्ण ने द्रोपदी की चीर बढ़ाकर रक्षा की थी, बादशाह हुमायूं ने चल रहे अपने युद्ध को छोड़कर रानी कर्णावती के राज्य को शत्रुओं से बचाया था ठीक वैसे ही हम भी नारी-जाति की आन, बान और शान की रक्षा करने का संकल्प लें। मर जाएंगे, पर नारी की लाज को मिटने नहीं देंगे। संतप्रवर ने कहा कि बहिन बिना भाई अधूरा है तो परिवार सूना।

हम अपने घर में पुत्र के रूप में न केवल लक्ष्मण को चाहें बल्कि लक्ष्मी के रूप में कन्या को भी जन्म दें। जिस घर में कन्या का जन्म नहीं होता उस घर में कभी कल्पवृक्ष नहीं लहराता। उन्होंने कहा कि आज के दिन तो संत-हृदय भी द्रवित हो उठता है। उन्होंने कहा कि महिला को अपनी जिंदगी में दो लोगों का ही आसरा होता है एक पति का और दूसरा भाई का। कंधे से कंधा मिलाकर जो साथ रहे और संकट की घड़ी में हनुमान की भूमिका निभाए वह भाई भाई नहीं बहिन के लिए भगवान है।

रक्षाबंधन त्योहार पर जामबाग भाजपा कार्यालय में पार्षद राकेश जायसवाल को राखी बांधती काजल, सपना गुप्ता आदि। अवसर पर श्रीनिवास यादव, अमरसिंह, रघु, रचना, संदीप, राजू, हरिनाथ, कार्यक्रम में उपस्थित थे।

दक्षिण मध्य रेलवे

निविदा सूचना सं.एनइडी/इ-12/2025-26दि.4-8-2025

निम्न ई-निविदाओं के लिए @www.ireps.gov.in पर आफर्स आमंत्रित हैं।

क्रम सं.1, एनइडी/इ-12/2025-26 कार्य विवरणः नांदेड डिवीजन के 499 स्टाफ क्वार्टर्स (टाइप-I/II, टाइप-III एवं टाइप-IV) की रि-वायरिंग करना। अनुमानित लागत रु. 2,41,67,648.00, बोली सुरक्षा राशि रु. 2,70,800.00, आफर वैधः 60 दिन, कार्य पूरा करने की अवधिः 12 महिने, विवरणः नांदेड डिवीजन एडमिनिस्ट्रेशन के तहत www.ireps.gov.in पर उपलब्ध। बंद करने की तिथि व समयः 26-08-2025 के 15.00 बजे तक

निविदा दस्तावेज, तत्संबंधित विवरण जैसे योग्यता मापदण्ड, खास शर्तें आदि के लिए उपरोक्त वेबसाइट पर जाएं। यह सलाह दी जाती है कि, यह चेक करें कि, इस आफर की प्रस्तुति के पहले, यदि कोई शुद्धिपत्र प्रकाशित हुवा है।

वरिष्ठ विभागीय बिजली अभियंता, नांदेड

निविदा सं.जीटीएल-इएम-23-2025-26 दि.6-8-2025

कृते भारत के राष्ट्रपति की ओर से व के लिए, वरिष्ठ विभागीय बिजली अभियंता/रखरखाव/गुंटकल द्वारा निम्न कार्यों हेतु ई-निविदाएं आमंत्रित हैं।

निविदा सं. जीटीएल-इएम-23-2025-26, कार्य विवरणः फ्राइट एग्जामिनेशन यार्ड जीवाय डिपो के लिए प्रस्तावित वेल्डिंग ग्रिड कार्य। अनुमानित मूल्यःरु.1,48,12,783.08

बंद करने की तिथि व समयः 29-08-2025 के 15.00 बजे

टेंडर बिड्डींग तथा अन्य विवरण हेतु https://www.ireps.gov.in पर लागिन करें। निविदा का शुद्धिपत्र यदि कोई हो तो, उसे केवल आनलाइन पर ही जारी किया जायेगा।

टिप्पणीः इस ई-निविदा में सहभागिता/बोली में भाग लेने के लिए, निविदादाता के पास वैध डिएससी (डिजीटल सिग्नीचर सर्टिफिकेट) प्रमाणपत्र होना चाहिए।

वरिष्ठ विभागीय बिजली अभियंता/रख़रखाव/गुंटकल

ई-निविदा सूचना सं.एन-एसजी-36-2025-26-एलार्म-32 दि.4-8-2025

कृते भारत के राष्ट्रपति की ओर से व के लिए, निम्न कार्यों हेतु ई-निविदाएं आमंत्रित हैं।

निविदा संख्या व तिथिः.एन-एसजी-36-2025-26-एलार्म-32 दि.4-8-2025 कार्य विवरणः नांदेड डिवीजन के स्टेशनों एवं ग्रूमिटीज पर रिले रूम, एक्वीपमेन्ट रूम व बैटरी रूम में आरडीएसओ मेक सहित नान-आरडीएसओ वर्शन फायर डिटेक्शन तथा अलार्म सिस्टम का प्रतिस्थापन या रिप्लेसमेन्ट कार्य। अनुमानित परियोजना मूल्य रु. 5,13,80,876.00, बोली सुरक्षा राशि रु.4,06,900.00, पूरा करने की अवधिः 12 महिने, बोली बंद करने की तिथि (बोली नियत तिथि)-26-08-2025 के 15.00 बजे, बोली खोलने की तिथि -26-08-2025 के 15.00 बजे, आफर वैधः बोली बंद करने की तिथि से लेकर 60 दिन, निविदा पुस्तिका का मूल्यः रु. शून्य

इंडियन रेलवे ई-टेंडरिंग पोर्टल www.ireps.gov.in पर सभी बिड्डिंग उपलब्ध हैं। इस निविदा के प्रति मैन्युएल आफर्स अमान्य हैं। अधिक जानकारी www.ireps.gov.in पर उपलब्ध है।

वरिष्ठ विभागीय सिग्नल एवं दूरसंचार अभियंता, नान्देड

निविदा सूचना सं. 10-सीडब्ल्यूएम एलजीडीएस-इटी-2025-26 दि.6-8-2025

कृते भारत के राष्ट्रपति की ओर से व के लिए, सीडब्ल्यूएम/एलजीडीएस द्वारा तत्संबंधित निविदा सं. 10-सीडब्ल्यूएमएलजीडीएस-इटी-2025-26 बंद करने की तिथि दि.28-8-2025 के 11.00 बजे तक ई-निविदाएं आमंत्रित हैं। बोलीदातागण अपने मूल/संशोधित बोलियों को तत्संबंधित बंद करने की तिथि व समय तक ही प्रस्तुत कर सकते हैं। इस निविदा के प्रति मैन्युएल आफर्स अमान्य हैं तथा इस मामले में कोई भी मैन्युएल आफर्स की प्राप्ति पर उस पर विचार नही किया जायेगा।

ठेकेदारों या कान्ट्रैक्टर्स को इस बात की अनुमति है कि, वे इस निविदा से जुडी निविदा दस्तावेज मूल्य तथा पूर्व धरोहर राशि को, आयआरईपीएस पोर्टल पर उपलब्ध केवल आनलाइन पेमेन्ट पद्धतियों जैसे नेट बैंकिंग, डेबिट कार्ड, क्रेडिट कार्ड, आदि के माध्यम से भुगतान कर सकते हैं। डिमाण्ड ड्राफ्ट, बैंकर्स चेक, डिपाजिट रीसीप्ट्स,एफडीआऱ आदि द्वारा मैन्युएल पेमेन्ट्स अमान्य हैं।

क्रम सं.1, निविदा सं. 10-सीडब्ल्यूएमएलजीडीएस-इटी-2025-26 दि.6-8-2025, कार्य विवरणः कैरेज वर्कशाप, लालागुडा, सिकंदराबाद पर, एनएमजी कोचेस के पीओएच के दौरान एनएमजी कोचेस का एनएमजीएचएस कोचेस में कन्वर्शन या रूपांतरण करना। अनुमानित लागत रु. 6,20,87,850.00 (रु. छह करोड, बीस लाख, सत्तासी हजार, आठसौ पचास मात्र), पूर्व धरोहर राशिःरु, 4,60,400.00 (रु.चार लाख साठ हजार चार सौ मात्र), पूरा करने की अवधिः 12 महिने, बंद करने की तिथिः 28-08-2025 के 11.00 बजे

वेबसाइट विवरण:www.ireps.gov.in

निविदा का संपूर्ण विवरण देखने का नोटिस बोर्ड स्थानः चीफ वर्कशाप मैनेजर का कार्यालय, कैरेज वर्कशाप, लालागुडा, सिकंदराबाद-500017

निविदा शर्तें अधिक जानकारी/विवरण (निविदा दस्तावेज में उपलब्ध) तथा निविदा दस्तावेजों की डाउनलोडिंग शुद्धिपत्र के लिए, कृपया हमारा वेबसाइटःhttps://www.ireps.gov.in देखें।

चीफ वर्कशाप मैनेजर, कैरेज वर्कशाप, लालागुडा, सिकंदराबाद

A1182

निविदा शर्तों/तत्संबंधित अधिक जानकारी व निविदा दस्तावेजों की डाउनलोडिंग हेतु कृपया वेबसाइट्सः https://www.ireps.gov.in या www.scr.indianrailways.gov.in देखें।

दक्षिण मध्य रेलवे

खुली ई-निविदा सूचना सं. डीआरएम/वर्क्स/बीजेडए/ 16/2025 दि.5-8-2025

कृते भारत के राष्ट्रपति की ओर से व के लिए, अधोहस्ताक्षरी द्वारा निम्न कार्यों हेतु तत्संबंधित हरेक के प्रति विवरित तिथिनुसार, 15.00 बजे तक ई-निविदाएं आमंत्रित हैं।

क्रम सं.1, टेन्डर नं. इ-32-पूर्व-बीजेडए-2025, कार्य विवरणः डीइएन/इ/बीजेडए क्षेत्राधिकार के तहत एसएसइ/वर्क्स/बीवीआरएम, जीडीवी व बीजेडए सेक्शन्स में तत्संबंधित स्टेशनों पर न्यूनतम आवश्यक सुविधाओं या एमेनिटीज/दिव्यांगजन सुविधाओं का प्रावधान। कार्य पूरा करने की अवधिः 12 (बारह महिने), निविदा मूल्यःरु.2,10,76,818.00, पूर्व धरोहर राशि -पूधरा रु.2,55,400.00, बंद करने की तिथिः19-08-2025

क्रम सं.2, टेन्डर नं. इ-33-पूर्व-बीजेडए-2025, कार्य विवरणः विजयवाडा डिवीजन-केआय-बीजेडए सेक्शनः तत्संबंधित कुल लम्बाई 3.65 किमी से जुडे ट्रैक सेन्टर्स 5.30 मीटर से कम सहित सीआर लाइन की (0.450 किमी से 3.000 किमी तक) एवं बल्ब लाइन II (0.300 किमी से 1.400 किमी तक) से टो बैंक का उचित प्रावधान करते हुए, पानी के ठहराव से बचने के लिए टो आफ बैंक के पास, कम उंचाई वाले या नीचले क्षेत्रों को भरना, चौडा करना/सेस्स की मरम्मत संबंधित टीएफटीआर कार्य। कार्य पूरा करने की अवधिः 12 (बारह महिने), निविदा मूल्यःरु.72,28,665.00, पूर्व धरोहर राशि -पूधरा रु.1,44,600.00, बंद करने की तिथिः19-08-2025

क्रम सं.3, टेन्डर नं. इ-13-दक्षिण-बीजेडए-2025, कार्य विवरणः जीडीआर--बीजेडए सेक्शनःएसआर. डीइएन/एस/बीजेडए क्षेत्राधिकार के तहत तत्संबंधित कुल लम्बाई 2%.862 किमी के लिए, सेंट्रल एण्ड क्रास ड्रेन्स का उचित प्रावधान करते हुए, पानी के ठहराव से बचने के लिए, टो आफ बैंक के पास, कम उंचाई वाले या नीचले क्षेत्रों को भरना, चौडा करना/सेस्स की मरम्मत संबंधित टीएफटीआऱ कार्य। कार्य पूरा करने की अवधिः 15 (पंद्रह महिने), निविदा मूल्यःरु.13,93,80,490.00 पूर्व धरोहर राशि -पूधरा रु.8,46,900.00, बंद करने की तिथिः19-08-2025

क्रम सं.4, टेन्डर नं. इ-24-उत्तर-बीजेडए-2025, कार्य विवरणः विजयवाडा डिवीजन-बीजेडए-वीएसकेपी सेक्शन्स(अप एण्ड डाउन)-कुल लम्बाई 17.781 किमी के लिए, विभिन्न स्थानों पर 3 मी. से अधिक उंचाई के फार्मेशन में टो बैंक का उचित प्रावधान करते हुए, जहां बडे पर्याप्त नजदीकी ट्रैक्स (अप एण्ड डाउन) के बीच दूरी के सीमित लम्बाई के प्रति प्रिकास्ट/कास्ट इनसिटु आरसीसी सेंट्रल एण्ड क्रास ड्रेन्स का उचित प्रावधान करते हुए, पानी के ठहराव से बचने के लिए, टो आफ बैंक के पास, कम उंचाई वाले या नीचले क्षेत्रों को भरना, चौडा करना/सेस्स की मरम्मत संबंधित टीएफटीआर कार्य (अनुलग्नक नुसार मंजूर लोकेशन्स संलग्र)। कार्य पूरा करने की अवधिः 18 (अठारह महिने),निविदा मूल्यःरु.1%,41,90,959.00 पूर्व धरोहर राशि -पूधरा रु.10,21,000, बंद करने की तिथिः20-08-2025

क्रम सं.5, टेन्डर नं. इ-25-उत्तर-बीजेडए-2025, कार्य विवरणः एसडब्ल्यू -I- एडीइएन/टुनी सब-डिवीजन के तहत एसएसइ/वर्क्स/टुनी सेक्शन में टुन, एनआरपी एवं एकेपी स्टेशनों पर एफओबी की मरम्मत। एसडब्ल्यू -II- एडीइएन/एसएलओ सब-डिवीजन के तहत एसएसइ/वर्क्स/एसएलओ सेक्शन में डीडब्ल्यूपी,एपीटी, एसएलओ,एसपीवीएम, सीसीटी, सीओए, पीएपी,जीएलपी तथा एनवली स्टेशनों पर एफओबी की मरम्मत। एसडब्ल्यू -III- एडीइएन/आरजेवाय सब-डिवीजन के तहत एसएसइ/वर्क्स/आरजेवाय सेक्शन में पीएसडीए, केवीआर, जीवीएन तथा आरजेवाय स्टेशनों पर एफओबी की मरम्मत। एसडब्ल्यू -IV - एडीइएन/आरजेवाय सब-डिवीजन के तहत एसएसइ/वर्क्स/एनडीडी सेक्शन में सीइएल, टीडीडी तथा एनडीडी स्टेशनों पर एफओबी की मरम्मत।

कार्य पूरा करने की अवधिः 12 (बारह महिने),निविदा मूल्यःरु.2,53,64,818.00 पूर्व धरोहर राशि -पूधरा रु.2,76,800.00 बंद करने की तिथिः21-08-2025

क्रम सं.6, टेन्डर नं. इ-10-उत्तर-पुल या ब्रिजेस-बीजेडए-2025, कार्य विवरणः बीजेडए डिवीजनः बीजेडए-वीएसकेपी सेक्शनःएडीइएन/बीआर/एन/बीजेडए क्षेत्राधिकार के तहत एसएसइ/बीआर/II/आरजेवाय सेक्शन में बीआर.नं.248ए(रेल -सह -सडक पुल) पर एसएस चेकर्ड प्लेट सहित पृथक क्षतिग्रस्त स्थानों पर एमएस साइड पाथवे का प्रतिस्थापन करते हुए तथा जस्ती या गाल्वनाइज्ड एमएस शीट सहित बाटम X-ब्रेसिंग पर पीवीसी पाइप कवरिंग तथा सीजी टाप फ्रैन्स की कवरिंग का प्रावधान।कार्य पूरा करने की अवधिः 12 (बारह महिने), निविदा मूल्यःरु.2,38,91,454.00 पूर्व धरोहर राशि -पूधरा रु.2,69,500.00 बंद करने की तिथिः21-08-2025

क्रम सं.7, टेन्डर नं. इ-18-मध्य-बीजेडए-2025, कार्य विवरणः जीडीआर-बीजेडए-वीएसकेपी सेक्शनः वर्षा ऋतु वर्ष 2025-26 के मध्य क्षेत्राधिकार के तहत एडीइएन/इ सब-डिवीजन तथा एडीइएन/बीपीपी सब-डिवीजन में डिवाटरिंग-डिसिल्टिंग एवं मौजूदा आरयुबी/एलएचएस का रखरखाव कार्य। कार्य पूरा करने की अवधिः 12 (बारह महिने),निविदा मूल्यःरु.20,25,562.00 पूर्व धरोहर राशि -पूधरा रु.40,500.00 बंद करने की तिथिः26-08-2025

क्रम सं.8, टेन्डर नं. इ-35-पूर्व-बीजेडए-2025, कार्य विवरणः विजयवाडा डिवीजनःकेआय-बीजेडए-जीडीआर तथा बीजेडए-बीवीआरएम-एनडीडी सेक्शन्सः पैसेंजर रनिंग लूप लाइन पर कुल लम्बाई 17.663 किमी के लिए रिकुपमेन्ट एवं बल्लास्ट कुशन की 35 सीएम. तक वृध्दि तथा बल्लास्ट की डीप स्क्रीनींग सहित नई वाइडर स्लीपर्स 1660 नग/किमी पर नई 60 किग्रा/आर260 रेल्स सहित पीएससी 5/पीएससी 6 (एसएच) स्लीपर्स 1540/1660/किमी घनत्व पर इएक्सजी. 52 किग्रा./90यूटीएस तथा 60 किग्रा./ 90यूटीएस (एसएच) रेल्स का सीटीआऱ(पी) कार्य। कार्य पूरा करने की अवधिः 12 (बारह महिने),निविदा मूल्यःरु.5,23,72,431.00 पूर्व धरोहर राशि -पूधरा रु.4,11,900.00 बंद करने की तिथिः26-08-2025

क्रम सं.9, टेन्डर नं. इ-34-पूर्व-बीजेडए-2025, कार्य विवरणः विजयवाडा डिवीजनः दो वर्ष के लिए, विजयवाडा डिवीजन में अल्ट्रा फ्रा डिटेक्शन उपकरण द्वारा रेल/वेल्ड/एसइजे/स्वीच परीक्षण से संबंधित सहायक कार्य करना। कार्य पूरा करने की अवधिः 24 (चौबीस महिने),निविदा मूल्यःरु.4,43,80,939.00 पूर्व धरोहर राशि -पूधरा रु.3,71,900.00 बंद करने की तिथिः26-08-2025

क्रम सं.10, टेन्डर नं. इ-26-बीजेडए-उत्तर-2025, कार्य विवरणः एसडब्ल्यू-1- विजयवाडा डिवीजनः बीजेडए-वीएसकेपी सेक्शनः हम्सावरम स्टेशन से दुव्वाडा स्टेशन के बीच एयर पुशिंग पध्दति द्वारा आरसीसी बाक्स साइज 4.0एमX2.5एम सहित जर्जर या डिलापिडेटेड आरसीसी स्लैब पुल संख्याएं जैसे 596डाउन,597डाउन,601डाउन,694डाउन,722डाउन,666अप, 668अप, 696अप= कुल 8 तत्संबंधित आरसीसी स्लैब पुलों का प्रतिस्थापन या रिप्लेसमेन्ट कार्य।

एसडब्ल्यू-2- विजयवाडा डिवीजनः बीजेडए-वीएसकेपी सेक्शनः हम्सावरम स्टेशन से दुव्वाडा स्टेशनों के बीच एयर पुशिंग पध्दति द्वारा आरसीसी बाक्स साइज 2.0एमX2.5एम, 5.0एमX2.5एम एवं 2X4.0एमX2.5एम सहित जर्जर या डिलापिडेटेड आरसीसी स्लैब पुल संख्याएं जैसे 576डाउन(1X1.83),673डाउन(1X1.83), 675डाउन(1X4.57), 734डाउन(2X3.66) एवं 717अप= कुल 5 तत्संबंधित आरसीसी स्लैब पुलों का प्रतिस्थापन या रिप्लेसमेन्ट कार्य। कार्य पूरा करने की अवधिः 09 (नौ महिने),निविदा मूल्यःरु.6,95,52,114.00 पूर्व धरोहर राशि -पूधरा रु.4,97,800.00 बंद करने की तिथिः27-08-2025

क्रम सं.11, टेन्डर नं. इ-27-उत्तर-बीजेडए-2025, कार्य विवरणः बीजेडए डिवीजनः बीजेडए-विएसकेपी सेक्शनः दो साल की अवधि के लिए, डीइएन/नार्थ/बीजेडए क्षेत्राधिकार के तहत रोबोटिक वेल्डिंग मशीन का इस्तेमाल करते हुए घिसे-पिटे या वर्न आउट सीएमएस क्रासिंग्स का इन-सिटु रिकण्डीशनींग कार्य। कार्य पूरा करने की अवधिः 24 (चौबीस महिने),निविदा मूल्यःरु.1,18,88,004.00 पूर्व धरोहर राशि -पूधरा रु.2,09,500.00 बंद करने की तिथिः28-08-2025

निविदा शर्ते/अन्य विवरण जैसे संपूर्ण कार्य विवरण, उपरोक्त तत्समान स्वभाव का कार्य, योग्यता मापदण्ड आदि प्रकाशित निविदा के वेबसाइटः www.ireps.gov.in पर उपलब्ध है।

भावी निविदाकारों को सलाह दी जाती है कि, तत्संबंधित निविदा के कोई भी परिवर्तनों/शुध्दिपत्रों को नोट करने के लिए निविदा बंद करने की तिथि से पहले वेबसाइट www.ireps.gov.in देखें।

निविदा सूचना को, विभागीय रेल प्रबंधक(कार्य) का कार्यालय, द.म. रेलवे विजयवाडा एवं विजयवाडा डिवीजन के एडीइएन सब-डिवीजनल कार्यालयों में पर भी प्रदर्शित किया गया है, जिसे देख सकते हैं।

कोई भी कारण न देते हुए, रेल प्रशासन के पास निविदा को निरस्त या कैंसल करने का पूरा अधिकार रहेगा।

हमारा वेबसाइटः www.ireps.gov.in देखें।

विभागीय रेल प्रबंधक(कार्य), विजयवाडा

ई-निविदा सूचना सं.सी-एसजी-पीटी-एमएसडीएसी-01, दि.21-07-2025 (शुध्दिपत्र सं.-02, दि.6-8-2025)

कृते भारत के राष्ट्रपति की ओर से व के लिए, डीवाय.सीएसटीइ/परियोजनाएं/ टेलि./एससी द्वारा निम्न कार्य हेतु ई-निविदाएं आमंत्रित हैं।

निविदा संख्या तथा तिथिः सी-एसजी-पीटी-एमएसडीएसी-01, दि.21-07-2025 (शुध्दिपत्र सं.-02, दि.6-8-2025), कार्य विवरणः (I) नांदेड, परभणी, पूर्णा, मुदखेड स्टेशन पर मौजूदा ट्रैक सर्कूट्स के प्रति ड्यूएल डिटेक्शन में मल्टि सेक्शन डिजीटल एक्सल काउन्टर (एमएसडीएसी) कम्प्लीट सिस्टम का प्रावधान। (II) नांदेड डिवीजन के शिवनीशिवपुर, वाशीम एवं मट्टेकडी स्टेशन पर, मौजूदा ट्रैक सर्कूट्स गूड्स साइडिंग/ लूप लाइन के प्रति ड्यूएल डिटेक्शन में मल्टि सेक्शन डिजीटल एक्सल काउन्टर (एमएसडीएसी) कम्प्लीट सिस्टम का प्रावधान।

अनुमानित परियोजना मूल्यःरु. 26,62,69,653.70, बोली सुरक्षा राशि रु.14,81,400.00, कार्य पूरा करने की अवधिः 12 महिने, बोली बंद करने की तिथि(बोली नियत तिथि)-22-08-2025 के 15.00 बजे, बोली खोलने की तिथि-22-08-2025 के 15.00 बजे, आफर वैधः बोली बंद करने की तिथि से लेकर 120 दिन, निविदा पुस्तक का मूल्य रु. शून्य, शुध्दिपत्र सं. 02 जारी करने का कारणः प्रशासकीय कारणों से निविदा का निरस्तीकरण।

सभी बिड्डींग, इण्डियन रेलवे ई-टेन्डरिंग पोर्टलःwww.ireps.gov.in पर होगा। इस निविदा के प्रति मैन्युएल आफर्स अमान्य हैं। अधिक जानकारी www.ireps.gov.in पर उपलब्ध।

उप मुख्य सिग्नल तथा दूरसंचार अभियंता/परियोजनाएं/टेलि./एससी

ई-निविदा सूचना सं.सी-एसजी-पीटी-एमएसडीएसी-02, दि.-07-08-2025

कृते भारत के राष्ट्रपति की ओर से व के लिए, डीवाय.सीएसटीइ/परियोजनाएं/टेलि./एससी द्वारा निम्न कार्य हेतु ई-निविदाएं आमंत्रित हैं।

निविदा संख्या तथा तिथिः सी-एसजी-पीटी-एमएसडीएसी-02, दि.07-08-2025 कार्य विवरणः गुण्टकल डिवीजन के 9 विभिन्न स्टेशनों अर्थात(टीपीटीवाय, आरसी, वायजी, वायडीएलपी, सीजीटीए, केएनएलपी, केएचटी, डीएचएनइ, तथा बीजीएनपी) के मौजूदा एससीआऱ सर्कूट्स के वल्नरेबुल स्टेशनों पर जहां ड्रैनेज समस्याएं हैं/ जंक्शन स्टेशनों पर तत्संबंधित एससीआर सर्कूट्स पर, पाइण्ट फेल्युअर्स से बचने एमरजेंसी पाइण्ट संचालन उपलब्ध नही है, वहां ड्यूएल डिटेक्शन में एमएसडीएसी का प्रावधान। अनुमानित परियोजना मूल्यःरु. 6,46,08,136.15 बोली सुरक्षा राशि रु.4,73,100.00, कार्य पूरा करने की अवधिः 12 महिने, बोली बंद करने की तिथि(बोली नियत तिथि)-08-09-2025 के 15.00 बजे, बोली खोलने की तिथि-08-09-2025 के 15.00 बजे के पश्चात्, आफर वैधः बोली बंद करने की तिथि से लेकर 60 दिन, निविदा पुस्तक का मूल्य रु. शून्य

सभी बिड्डींग, इण्डियन रेलवे ई-टेन्डरिंग पोर्टलःwww.ireps.gov.in पर होगा। इस निविदा के प्रति मैन्युएल आफर्स अमान्य हैं। अधिक जानकारी www.ireps.gov.in पर उपलब्ध।

उप मुख्य सिग्नल तथा दूरसंचार अभियंता/परियोजनाएं/टेलि./एससी

A1191

निविदा शर्तों/तत्संबंधित अधिक जानकारी व निविदा दस्तावेजों की डाउनलोडिंग हेतु कृपया वेबसाइट्सः https://www.ireps.gov.in या www.scr.indianrailways.gov.in देखें।

पूर्व तट रेलवे

(1) सूचना सं.: eT-Central-WAT-26-2025, दिनांक 01.08.2025

कार्य का नामः वाल्टियर मंडल की KK लाइन पर दिनांक 30.09.2026 को समाप्त होने वाली अवधि के लिए सहायक मंडल अभियंता (ADEN)/ अरकू (ARK) के अधिकार क्षेत्र के अधीन वरिष्ठ अनुभाग अभियंता (SSE)/P/श्रृंगवरपुकोटा (SUP) के किमी 3/0 से 60/14 तक अनुभाग के बीच वर्ष 2025-26 के लिए P-WAY कार्यों के निष्पादन हेतु जोनल संविदा।

कार्य की अनुमानित लागतः रु.1,50,82,602.54, EMD: रु. 2,25,400.00

(2) सूचना सं.: eT-Central-WAT-27-2025, दिनांक 01.08.2025

कार्य का नामः वाल्टियर मंडल की KK-I लाइन पर दिनांक 30.09.2026 को समाप्त होने वाली अवधि के लिए सहायक मंडल अभियंता (ADEN)/ अरकू (ARK) के अधिकार क्षेत्र के अधीन वरिष्ठ अनुभाग अभियंता (SSE)/P/अरकू (ARK) के किमी 60/14 से 107/0 तक अनुभाग के बीच वर्ष 2025-26 के लिए P-WAY कार्यों के निष्पादन हेतु जोनल संविदा।

कार्य की अनुमानित लागतः रु. 1,50,91,999.47, EMD: रु. 2,25,500.00.

(3) सूचना सं.: eT-Central-WAT-28-2025, दिनांक 01.08.2025

कार्य का नामः वाल्टियर मंडल की KK-I लाइन पर दिनांक 30.09.2026 को समाप्त होने वाली अवधि के लिए सहायक मंडल अभियंता (ADEN)/ कोरापुट (KRPU) के अधिकार क्षेत्र के अधीन वरिष्ठ अनुभाग अभियंता (SSE)/P/पडूआ (PFU) के किमी 107/0 से किमी 165/0 तक अनुभाग के बीच वर्ष 2025-26 के लिए P-WAY कार्यों के निष्पादन हेतु जोनल संविदा।

कार्य की अनुमानित लागतः रु. 1,41,05,759.81, EMD: रु. 2,20,500.00.

(4) सूचना सं.: eT-Central-WAT-29-2025, दिनांक 01.08.2025

कार्य का नामः वाल्टियर मंडल की KK-I लाइन पर दिनांक 30.09.2026 को समाप्त होने वाली अवधि के लिए सहायक मंडल अभियंता (ADEN)/ कोरापुट (KRPU) के अधिकार क्षेत्र के अधीन वरिष्ठ अनुभाग अभियंता (SSE)/P/कोरापुट (KRPU) के किमी 165/0 से किमी 218/04 तक अनुभाग के बीच वर्ष 2025-26 के लिए P-WAY कार्यों के निष्पादन हेतु जोनल संविदा।

कार्य की अनुमानित लागतः रु. 1,53,41,963.43, EMD: रु. 2,26,700.00.

कार्य समापन की अवधिः 12 (बारह) महीने (सभी निविदाओं के लिए)।

निविदा बंद होने की तारीख एवं समयः 25.08.2025 को 1500 बजे (सभी निविदाओं के लिए)।

ऐसी ई-निविदा के तहत डाक/कूरियर/फैक्स या व्यक्तिगत रूप से भेजा गया कोई भी मैनुअल प्रस्ताव स्वीकार नहीं किया जायेगा, भले ही ये सभी फर्म (Firm) के लेटर हेड एवं नियत समय पर प्राप्त किया गया हो। ऐसे सभी मैनुअल प्रस्ताव के संबंध में किसी विचार के बिना तत्काल निरस्त कर दिया जायेगा।

उपरोक्त ई-निविदा के ई-निविदा दस्तावेज सहित सम्पूर्ण जानकारी वेबसाइट www.ireps.gov.in पर उपलब्ध है।

द्रष्टव्यः प्रत्याशित निविदाकारों को यह सलाह दी जाती है कि ई-निविदा के लिए जारी कोई भी परिवर्तन/शुद्धिपत्र की ओर ध्यान देने के लिए वे निविदा बंद होने के कम से कम 10 (दस) दिन पहले वेबसाइट का पुनः अवलोकन करें।

मंडल रेल प्रबंधक (Engg.), वाल्टियर

PR-446/Q/25-26

एंडरसन-तेंदुलकर ट्रॉफी: हेडिंग्ले की पिच को आईसीसी की 'वेरी गुड' रेटिंग

बाकी सैटिस्फैक्ट्री; सीरीज 2-2 से ड्रॉ रही थी

दुबई, 9 अगस्त (एजेंसियां)। भारत और इंग्लैंड के बीच खेली गई एंडरसन-तेंदुलकर ट्रॉफी के पांच टेस्ट मैचों में से चार की पिचों की रेटिंग इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल ने जारी की है। हेडिंग्ले (लीड्स) में खेले गए पहले टेस्ट की पिच को 'वेरी गुड' रेटिंग मिली, जबकि बाकी पिचों को 'सैटिस्फैक्ट्री' रेटिंग दी गई।

यह सीरीज 2-2 से ड्रॉ रही, जिसमें सभी मैच पांचवें दिन तक चले और बल्ले-गेंद के बीच रोमांचक मुकाबला देखने को मिला। शुरुआती दिनों में बल्लेबाज हावी रहे, लेकिन बाद में गेंदबाजों ने शानदार वापसी की। भारत ने अंतिम टेस्ट छह रनों से जीतकर इंग्लैंड की सीरीज जीत की उम्मीदों पर पानी फेर दिया।

पिचों की रेटिंग का आधार

2023 तक आईसीसी पिचों को छह श्रेणियों में रेट करता था, वेरी गुड, गुड, एवरेज, बिलो एवरेज, पूअर और अनफिट। हालांकि, अब इसे चार श्रेणियों में सरल कर दिया गया है, वेरी गुड, सैटिस्फैक्ट्री, अनसैटिस्फैक्ट्री और अनफिट।

इस सीरीज की पिचों ने 2023 की एशेज सीरीज की तुलना में बेहतर प्रदर्शन किया, जहां कोई भी पिच 'वेरी गुड' नहीं थी और एजबेस्टन व लॉर्ड्स की पिचों को केवल 'एवरेज' रेटिंग मिली थी। वहीं, बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी की पांच में से चार पिचों को 'वेरी गुड' रेटिंग मिली थी।

शुभमन गिल की जर्सी के लिए हो गई 'लड़ाई'

5.41 लाख रुपये में हुआ फैसला

लंदन, 9 अगस्त (एजेंसियां)। इंग्लैंड में एक ऑनलाइन चैरिटी इवेंट में भारतीय टेस्ट टीम के कप्तान शुभमन गिल की जर्सी पर सबसे बड़ी बोली लगाई गई. उनकी जर्सी की कीमत लाखों में थी. इस दौरान गिल ने जसप्रीत बुमराह, रवींद्र जडेजा, केएल राहुल और जो रूट को पीछे छोड़ दिया.

भारतीय टेस्ट टीम के कप्तान शुभमन गिल ने इंग्लैंड के खिलाफ खेली गई पांच टेस्ट मैचों की सीरीज में शानदार प्रदर्शन किया.वो इस टेस्ट सीरीज में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी थे. नंबर चार पर बल्लेबाजी करते हुए भारतीय कप्तान ने पांच मैच में 75.40 के औसत से 754 रन बनाए थे. अब सीरीज के खत्म होने के बाद शुभमन गिल की जर्सी को लेकर लोगों के बीच में लड़ाई देखने को मिली. यही नहीं उनकी टेस्ट जर्सी लाखों रुपये में बिकी. दरअसल एक चैरिटी ऑक्शन में भारत और इंग्लैंड के खिलाड़ियों

की जर्सी पर बोली लगाई गई थी, इसमें सबसे महंगी भारतीय टेस्ट कप्तान की जर्सी बिकी.

शुभमन गिल की जर्सी 5.41 लाख रुपये की भारी कीमत पर बिकी है. एक ऑनलाइन चैरिटी इवेंट में गिल की जर्सी पर सबसे बड़ी बोली लगी. ये नीलामी 10 जुलाई से 27 जुलाई तक चली थी और इससे मिली पूरी धनराशि रूथ स्ट्रॉस फाउंडेशन को दी जाएगी. ये फाउंडेशन उन परिवार वालों को सपोर्ट करता है, जिनके बच्चे या परिवार वाले लंबे समय से लाइलाज बीमारी से जूझ रहे हैं और उनके पास इस बीमारी से लड़ने के लिए पैसे नहीं है.

इस फेडरेशन की शुरुआत इंग्लैंड के पूर्व क्रिकेट कप्तान एंड्रयू स्ट्रॉस ने की थी. दरअसल उनकी पत्नी रूथ स्ट्रॉस का कैंसर की वजह के साल 2018 में निधन हो गया था. रूथ के निधन के बाद उन्होंने अपनी पत्नी की याद में रूथ स्ट्रॉस फाउंडेशन की स्थापना की. इस फाउंडेशन का लक्ष्य यही है कि जो भी बच्चे लंबी बीमारी से जूझ रहे हैं और उनके परिवार वालों के पास ज्यादा पैसे नहीं है उनकी आर्थिक रूप से मदद की जाए.

बुमराह और जडेजा की जर्सी पर भी लगी बड़ी बोली

शुभमन गिल के बाद भारतीय टीम के दिग्गज तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह की जर्सी दूसरे नंबर पर सबसे महंगी बिकी. जसप्रीत बुमराह की जर्सी 4.94 लाख रुपये में बिकी जबकि रवींद्र जडेजा की जर्सी भी इतनी ही कीमत पर बिकी. केएल राहुल की जर्सी पर 4.71 लाख रुपये की बोली लगी, जबकि इस भारत के खिलाफ इस टेस्ट सीरीज में सबसे ज्यादा रन बनाने के मामले में दूसरे नंबर पर रहे जो रूट की जर्सी 4.47 लाख रुपये में खरीदी गई.

अर्जुन एरिगेसी की बाजी ड्रॉ रही

रॉबसन से हारकर विदित गुजराती हुए उलटफेर का शिकार

चेन्नई, 9 अगस्त (एजेंसियां)। भारत के शीर्ष खिलाड़ी अर्जुन एरिगेसी ने चेन्नई ग्रैंड मास्टर्स शतरंज टूर्नामेंट के दूसरे दौर में नीदरलैंड के जोर्डन वैन फॉरेस्ट के साथ बाजी ड्रॉ खेली। भारत के एक अन्य खिलाड़ी विदित गुजराती उलटफेर का शिकार हुए और उन्हें अमेरिका के रे रॉबसन के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा।

भारतीय खिलाड़ी वी प्रणव के खिलाफ शानदार जीत से जर्मनी के विन्सेंट केमर मास्टर्स वर्ग की तालिका में शीर्ष पर पहुंच गए हैं। दिन का

सबसे बड़ा उलटफेर हालांकि रॉबसन ने गुजराती को हरा कर किया। अनीश गिरी और निहाल सरीन का मुकाबला बराबरी पर छूटा। कार्तिकेय मुरली और अवोंडर लियांग की बाजी भी ड्रॉ रही। भारतीय जीएम इनियान पा ने चैलेंजर्स वर्ग में जीएम हरिका द्रोणावल्ली पर अपनी शानदार जीत से सबको प्रभावित किया, वहीं जीएम अभिमन्यु पुराणिक ने लियोन ल्यूक मेंडोंका पर अपनी जीत के साथ वापसी की। दीप्तायन और प्रणेश, अधिबान और वैशाली के अलावा हर्षवर्धन और आर्यन का मुकाबला भी ड्रॉ रहा।

आकाश दीप की बढ़ सकती है मुसीबत!

इंग्लैंड के कोच ने आईसीसी से की ये मांग

लंदन, 9 अगस्त (एजेंसियां)। इंग्लैंड के खिलाफ एजबेस्टन टेस्ट मैच में शानदार प्रदर्शन करने वाले टीम इंडिया के तेज गेंदबाज आकाश दीप की मुसीबत बढ़ सकती है. इंग्लैंड के कोच ने इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल से उन पर कार्रवाई करने की मांग की है. इंग्लैंड और भारत के खिलाफ खेले गए पांच टेस्ट मैचों की सीरीज के दौरान दोनों टीम के खिलाड़ियों के बीच नोकझोंक होती रही, जिससे इस सीरीज का रोमांच काफी बढ़ गया था. पांचवें टेस्ट मैच के आखिरी दिन आकाश दीप और इंग्लैंड के ओपनर के बीच हल्की नोकझोंक हुई थी. इसके बाद सलामी बल्लेबाज बेन डकेट के कोच ने आईसीसी से कार्रवाई की मांग की है.

बेन डकेट के कोच ने क्या कहा?

ओवल टेस्ट मैच के दूसरे दिन इंग्लैंड के सलामी बल्लेबाज बेन डकेट को टीम इंडिया के तेज गेंदबाज आकाश दीप ने विकेटकीपर ध्रुव जुरेल के हाथों कैच कराया. डकेट 43 रन बनाकर आउट हुए. इस दौरान डकेट जब पवेलियन लौट रहे थे तो आकाश दीप उनके कंधे पर हाथ रखकर कुछ कहा.

आकाश दीप की इस हरकत पर बेन डकेट के कोच जेम्स नॉट काफी नाराज हैं. रिपोर्ट्स के मुताबिक जेम्स नॉट ने कहा कि इस तरह की हरकत दोबारा न हो, इसके लिए आईसीसी को आकाश दीप पर प्रतिबंध लगाना चाहिए. उन्होंने कहा कि बेन डकेट जब मैदान पर होते हैं तो तेजी से रन बनाते हैं. टीम इंडिया के खिलाफ सीरीज में ऐसा देखने को मिला. जेम्स नॉट ने कहा कि आखिरी टेस्ट मैच के दौरान बेन डकेट के साथ आकाश दीप ने जो हरकत की, उस पर आईसीसी को कड़ा एक्शन लेना चाहिए था.

आकाश दीप ने बेन डकेट को तीन बार किया है आउट

बेन डकेट को आकाश दीप ने टेस्ट क्रिकेट में तीन बार आउट किया है. आखिरी टेस्ट मैच की पहली पारी में भी उन्होंने डकेट को आउट करके उनका अर्धशतक पूरा नहीं होने दिया. डकेट ने 5 टेस्ट मैचों की सीरीज की 9 पारियों में 51.33 की औसत से 462 रन बनाए. इसमें एक शतक और तीन अर्धशतक शामिल है, जबकि टीम इंडिया के तेज गेंदबाज आकाश दीप ने 3 टेस्ट मैचों की 6 पारियों में 13 विकेट हासिल किए थे. आकाश दीप ने एजबेस्टन टेस्ट मैच में पांच विकेट हॉल लेकर टीम इंडिया की जीत में अहम भूमिका निभाई थी.

पाकिस्तान ने पहले वनडे में वेस्टइंडीज को हराया

सीरीज में 1-0 की बढ़त बनाई

लॉडरहिल, 9 अगस्त (एजेंसियां)। पाकिस्तान ने वेस्टइंडीज को पहले वनडे में 5 विकेट से हराकर तीन मैचों की सीरीज में 1-0 की बढ़त हासिल कर ली है। त्रिनिदाद के ब्रायन लारा स्टेडियम में खेले गए मैच में 281 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए पाकिस्तान ने 49वें ओवर में जीत दर्ज की।

वनडे डेब्यू कर रहे हसन नवाज जीत के हीरो रहे। उन्होंने नाबाद अर्धशतक (63*) लगाया। वहीं, अपने करियर का दूसरा मैच खेल रहे हुसैन तलत नाबाद 41 रन बनाए। दोनों के बीच छठे विकेट के लिए 104 रनों की नाबाद साझेदारी हुए और पाकिस्तान ने 7 गेंदें शेष रहते टारगेट हासिल कर लिया।

वेस्टइंडीज की ओर से तीन अर्धशतक लगे

पाकिस्तान ने टॉस जीतकर पहले फील्डिंग करने का फैसला किया। पहले बैटिंग कर रही वेस्टइंडीज की शुरुआत अच्छी नहीं रही। 4 रन के स्कोर पर 4कैरिबियाई टीम का पहला विकेट गिरा। ब्रैंडन किंग 5 गेंदों का सामना कर 4 रन बना कर आउट हो गए। उसके बाद वेस्टइंडीज की ओर से तीन बल्लेबाजों ने अर्धशतक जड़े और पारी को संभालते हुए स्कोर 280 तक पहुंचाया। जिसमें एविन लुईस (60), शाई होप (55) और रोस्टन चेज (53) शामिल हैं। इनके अलावा केसी कार्टी ने 30 और गुकेश मोती ने 31 रन बनाए।

दूसरे विकेट के एविन लुईस और केसी कार्टी ने 82 गेंदों पर 77 रन की साझेदारी की। उसके बाद चौथे विकेट के लिए शाई होप और रदरफोर्ड ने 39 गेंदों पर 31 रन की पार्टनरशिप की। वहीं, पांचवें विकेट के लिए रोस्टन चेज ने 89 गेंदों पर 64 रन की पार्टनरशिप की।

वेस्टइंडीज की पूरी टीम 49वें ओवर में सभी विकेट खोकर 280 रन पर सिमट गई। पाकिस्तान की ओर से शाहीन शाह अफरीदी ने 51 रन देकर 4 विकेट और नसीम शाह ने 55 रन देकर 3 विकेट लिए। 281 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी पाकिस्तान की शुरुआत अच्छी नहीं रही। सलामी बल्लेबाज सईम अयूब 16 रन के स्कोर पर आउट हो गए। उसके बाद अब्दुल्ला शफीक (29) और बाबर आजम के बीच दूसरे विकेट के लिए 54 गेंदों पर 47 रन की साझेदारी हुई।

कोहली ने इंटरनेशनल क्रिकेट में वापसी की तैयारी शुरू की

गुजरात टाइटंस के कोच से ले रहे ट्रेनिंग अक्टूबर में ऑस्ट्रेलिया से वनडे सीरीज खेलेंगे

लंदन, 9 अगस्त (एजेंसियां)। दिग्गज भारतीय बल्लेबाज विराट कोहली ने 5 महीने के बाद इंटरनेशनल क्रिकेट में वापसी की तैयारी शुरू कर दी है। वे लंदन में गुजरात टाइटंस के असिस्टेंट कोच नईम अमीन से ट्रेनिंग ले रहे हैं। कोहली अक्टूबर में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 3 वनडे सीरीज के मैच खेलेंगे।

36 साल के भारतीय बल्लेबाज ने इंस्टाग्राम स्टोरी पर अपनी प्रैक्टिस का फोटो पोस्ट किया, जिसमें वे नईम अमीन के साथ दिख रहे हैं। नईम के हाथ में कोहली का बल्ला भी है। विराट ने लिखा- 'तैयारी में मदद करने के लिए शुक्रिया भाई। आपको देखकर हमेशा अच्छा लगता है।'

विराट कोहली ने 9 मार्च 2025 के बाद से इंटरनेशनल क्रिकेट नहीं खेला

है। आखिरी बार वे न्यूजीलैंड के खिलाफ चैंपियंस ट्रॉफी के फाइनल में उतरे थे। उस मुकाबले को भारतीय टीम ने 4 विकेट से जीता था।

अक्टूबर में इंटरनेशनल क्रिकेट खेलते दिखेंगे कोहली

विराट कोहली अक्टूबर महीने में इंटरनेशनल क्रिकेट खेलते दिखेंगे। वे ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 3 वनडे मैचों की सीरीज में हिस्सा लेंगे। टीम इंडिया यह सीरीज 19 से 25 अक्टूबर के बीच खेलेगी। इस दौरे पर 5 टी-20 मैच भी खेले जाएंगे, लेकिन विराट कोहली टी-20 मैचों का हिस्सा नहीं होंगे।

टी-20 और टेस्ट क्रिकेट से रिटायरमेंट ले चुके हैं विराट

विराट कोहली इंटरनेशनल टी-20 और टेस्ट क्रिकेट से रिटायरमेंट ले चुके हैं। उन्होंने 12 मई को टेस्ट क्रिकेट से संन्यास ले लिया था। इससे पहले उन्होंने 29 जून 2024 को टी-20 वर्ल्ड कप जीतने के बाद टी-20 इंटरनेशनल को अलविदा कह दिया था।

भारत अब वेस्टइंडीज, साउथ अफ्रीका से टेस्ट खेलेगा

भारत ने इंग्लैंड में 5 टेस्ट की सीरीज 2-2 से ड्रॉ खेलकर वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप पॉइंट्स टेबल में तीसरे नंबर पर जगह बना ली। टीम के 28 पॉइंट्स हैं। भारत को अब इसी साल होमग्राउंड पर वेस्टइंडीज और साउथ अफ्रीका से टेस्ट सीरीज खेलनी हैं। दोनों को जीतकर टीम टॉप-2 टीमों में जगह बना सकती है।

इंटरनेशनल क्रिकेट में 7 साल बाद वापसी करने को तैयार ग्रीम क्रीमर

चटका चुके हैं 211 विकेट

हरारे, 9 अगस्त (एजेंसियां)। उम्र कितनी भी हो, लेकिन क्रिकेट में इसे 'एज इज जस्ट ए नंबर' ही कहा जाता है। क्रिकेट खेलने के लिए उम्र की सीमा नहीं होती है। ऐसे कई उदाहरण आपको मिल जाएंगे। अब जिम्बाब्वे के ग्रीम क्रीमर को ही देख लीजिए, जिन्होंने साल 2018 में इंटरनेशनल क्रिकेट से संन्यास ले लिया, लेकिन अब ये खिलाड़ी इंटरनेशनल क्रिकेट में वापसी करने के लिए तैयार है। स्टार खिलाड़ी अब एक बार फिर से देश का प्रतिनिधित्व करना चाहता है।

जिम्बाब्वे के स्टार गेंदबाज ग्रीम क्रीमर ने हाल ही में घरेलू नेशनल प्रीमियर लीग में हिस्सा लिया और शानदार प्रदर्शन कर एक बार फिर से देश के लिए खेलने की इच्छा

जाहिर की। वह अब नेशनल टीम के चयन के लिए उपलब्ध हैं। कीमर ने अपना आखिरी इंटरनेशल मैच यूएई के खिलाफ साल 2018 में खेला था। क्रीमर ने क्वेक्वे में क्वींस स्पोर्ट्स क्लब के खिलाफ मैच के बाद अपनी वापसी के बारे में बताया उन्होंने कहा कि क्वेक्वे कई सालों तक मेरा घरेलू मैदान रहा है, इसलिए ताकाशिंगा, जो एक बहुत ही पॉपुलर क्लब है। उसका हिस्सा बनकर बहुत अच्छा लगा। उन्होंने टीम में मेरा स्वागत किया और टीम का माहौल शानदार था। मैं अपनी शुरुआत से वाकई खुश हूं। क्रेमर ने अपनी गेंदबाजी में शानदार प्रदर्शन करते हुए 4 विकेट लिए और अपनी टीम को 134 रनों से जीत दिलाने में मदद की।

क्रीमर ने साल 2018 में गोल्फ की खातिर क्रिकेट छोड़ने का फैसला किया और यूएई में शिफ्ट हो गए थे। जिम्बाब्वे की मेजबानी में टी-20 विश्व कप अफ्रीका क्वलीफायर मुकाबले खेले जाएंगे, जिसमें 8 टीमें हिस्सा लेंगी। टूर्नामेंट की दो टॉप टीमें विश्व कप के लिए क्वालीफाई करेंगी।

अंगद चीमा ने लगातार दूसरी बार जीता इंडिया ओपन खिताब

ईनाम में मिला एक करोड़ रूपये

नई दिल्ली, 9 अगस्त (एजेंसियां)। चंडीगढ के अंगद चीमा ने लगातार दूसरी बार इंडिया ओपन गोल्फ टूर्नामेंट का खिताब जीत लिया। इस खिताब के साथ उन्हें ईनाम में एक करोड़ रूपये भी मिले। अंगद ने चौथे दौर में दो अंडर 70 का स्कोर किया और उनका कुल स्कोर 13 अंडर 275 रहा। चीमा की पीजीटीआई पर यह चौथी और इस सत्र की दूसरी जीत है। उन्होंने पीजीटीआई आर्डर आफ मेरिट में दसवें से दूसरा स्थान हासिल किया। नोएडा के अमरदीप मलिक दूसरे स्थान पर रहे जबकि दिल्ली के शौर्य भट्टाचार्य और पुणे के उदयन माने संयुक्त तीसरे स्थान पर रहे।

भारतीय मुक्केबाजों का शानदार प्रदर्शन

सात महिलाएं समेत 10 खिलाड़ी फाइनल में पहुंचे

बैंकॉक, 9 अगस्त (एजेंसियां)। भारतीय युवा मुक्केबाजों का अंडर-19 एशियाई मुक्केबाजी चैंपियनशिप में शानदार प्रदर्शन जारी है। सात महिलाएं समेत 10 भारतीय मुक्केबाज अपने-अपने वर्ग के सेमीफाइनल जीतकर इस टूर्नामेंट के फाइनल में पहुंच गए हैं और अब ये स्वर्ण पदक के लिए प्रतिस्पर्धा करेंगे।

महिला मुक्केबाजों में निशा (54 किग्रा), मुस्कान (57 किग्रा), विनी (60 किग्रा), निशा (65 किग्रा), आरती कुमारी (75 किग्रा), पारची टोकस (80+ किग्रा) के साथ-साथ पुरुषों की स्पर्धा में मौसम सुहाग (65 किग्रा), राहुल कुंडू (75 किग्रा) और हेमंत सांगवान (90 किग्रा) ने फाइनल का टिकट पक्का किया। कृतिका (80 किग्रा) को बिना किसी मुकाबले के फाइनल में जगह मिली है।

भारत ने इस प्रतियोगिता में 40 मुक्केबाजों (प्रत्येक आयु वर्ग में 20) का एक मजबूत दल उतारा है। इसमें अनुभवी चैंपियनों और घरेलू सर्किट में प्रभावित करने वाले प्रतिभाशाली खिलाड़ियों का बेहतरीन मिश्रण है। भारत ने अंडर-22 श्रेणी में भी 13 पदक पक्के कर लिए हैं, जिसमें पांच मुक्केबाज स्वर्ण के लिए चुनौती पेश करेंगे।

ग्राम पंचायत भवनों से सचिवालय तक सौर ऊर्जा संयंत्र : भट्टी

उपमुख्यमंत्री ने जिला कलेक्टरों के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंस की

हैदराबाद, 9 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। उपमुख्यमंत्री भट्टी विक्रमार्क ने घोषणा की कि मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी के मार्गदर्शन में, राज्य सरकार ने सौर ऊर्जा उत्पादन में उल्लेखनीय वृद्धि के लिए एक रणनीतिक निर्णय लिया है।

उन्होंने कहा कि बड़े पैमाने पर बिजली उत्पादन के लिए ग्राम पंचायत भवनों से लेकर सचिवालय तक, राज्य भर के सभी सरकारी भवनों में सौर ऊर्जा संयंत्र स्थापित किए जाएंगे। उपमुख्यमंत्री ने शनिवार को सचिवालय से जिला कलेक्टरों के साथ एक वीडियो कॉन्फ्रेंस की और सरकारी भवनों पर सौर ऊर्जा संयंत्रों की स्थापना और आरओएफआर भूमि पर इंदिरा सौर ऊर्जा विकास योजना के कार्यान्वयन की समीक्षा की। इस अवसर पर, भट्टी विक्रमार्क ने निर्देश दिया कि सभी जिला कलेक्टर कार्यालयों, पार्किंग क्षेत्रों और कैंटीनों की योजनाएं हैदराबाद भेजी जाएं।

उन्होंने बताया कि चूंकि राज्य के सभी कलेक्टरेट एक ही डिज़ाइन में बनाए गए हैं, इसलिए सौर ऊर्जा संयंत्रों की स्थापना के लिए आवश्यक डिज़ाइन हैदराबाद से भेजे जाएंगे। भट्टी ने कहा कि अगर किसी कलेक्टर कार्यालय के पास बेहतर डिज़ाइन हैं, तो संबंधित कलेक्टर उन्हें हैदराबाद भेज सकते हैं।

उन्होंने कहा कि सौर ऊर्जा संयंत्र स्थापित करने के लिए आवश्यक विवरण से संबंधित एक प्रश्नावली कलेक्टरों को भेजी जाएगी, और उन्हें इसे पूरी तरह से भरकर एक सप्ताह के भीतर प्रमुख ऊर्जा सचिव के कार्यालय में भेजना होगा। उपमुख्यमंत्री ने निर्देश दिया कि सरकारी भवनों के अलावा, सरकारी स्कूलों, जूनियर कॉलेजों, डिग्री कॉलेजों और उच्च शिक्षण संस्थानों के भवनों पर भी सौर ऊर्जा संयंत्र लगाए जाएं और इन भवनों का विवरण भेजा जाए। कलेक्टरों को सिंचाई विभाग और सड़क एवं भवन विभाग के अधिकार क्षेत्र में उपलब्ध बड़ी खाली ज़मीनों का विवरण भी भेजने का निर्देश दिया गया। उपमुख्यमंत्री ने कलेक्टरों को बताया कि आरओएफआर अधिनियम के तहत, तत्कालीन कांग्रेस सरकार ने एजेंसी क्षेत्रों में 6.70 लाख एकड़ ज़मीन वितरित की थी, और नल्लामाला घोषणा के तहत, सरकार इंदिरा सौर ऊर्जा विकास योजना के माध्यम से इन ज़मीनों पर मुफ़्त सौर पंप सेट उपलब्ध कराने की योजना बना रही है।

भट्टी ने बताया कि नल्लामाला घोषणापत्र के तहत, यह कार्यक्रम अचंपेट निर्वाचन क्षेत्र में पहले ही शुरू हो चुका है और राज्य सरकार इसी महीने आदिलाबाद जिले के कुछ इलाकों में इसे शुरू करने की योजना बना रही है। उन्होंने आगे बताया कि राज्य सरकार इंदिरा सौर ऊर्जा विकास योजना को एक प्रतिष्ठित परियोजना मान रही है। उपमुख्यमंत्री ने कलेक्टरों से बिना किसी लापरवाही के एक सप्ताह के भीतर आवश्यक विवरण भेजने का आग्रह किया। किसी भी संदेह की स्थिति में, उन्हें ऊर्जा विभाग के प्रमुख सचिव, एसपीडीसीएल और एनपीडीसीएल के सीएमडी, या रेडको के वीसी और एमडी से संपर्क करने की सलाह दी गई।

रघुनंदन को मिली जान से मारने की धमकी

संगारेड्डी, 9 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। मेदक के सांसद एम रघुनंदन राव को एक अज्ञात बदमाश ने धमकी भरा फोन किया और शुक्रवार शाम 6 बजे तक भाजपा सांसद की हत्या करने की धमकी दी। बदमाश ने खुद को माओवादी बताया। रघुनंदन को पिछले जून से अब तक छह बार धमकियां मिल चुकी हैं। इस बार, कॉल 94043 48431 नंबर से आया था। कथित तौर पर, बदमाश ने कहा कि उन्हें कोई नहीं बचा सकता और सांसद पद से उनके इस्तीफे की मांग की।

पिछली धमकी भरी कॉल के बाद पुलिस ने उनकी सुरक्षा बढ़ा दी है। सांसद ने बताया कि कॉल करने वाले ने हिंदी में बात की थी। रघुनंदन ने बताया कि पिछली छह घटनाओं में उन्हें छह अलग-अलग नंबरों और छह अलग-अलग व्यक्तियों से कॉल आए थे। सांसद ने संगारेड्डी, सिद्दीपेट और मेदक पुलिस अधिकारियों को भी ताज़ा धमकी के बारे में सूचित कर दिया है।

एनटीपीसी ने तेलंगाना ऊर्जा क्षेत्र में 80,000 करोड़ रुपये के निवेश की प्रतिबद्धता जताई

हैदराबाद, 9 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। राष्ट्रीय ताप विद्युत निगम (एनटीपीसी) ने तेलंगाना में निवेश बढ़ाने की अपनी मंशा की घोषणा की है। एनटीपीसी के अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक गुरदीप सिंह ने शनिवार को अपनी टीम के साथ जुबली हिल्स स्थित मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी से उनके आवास पर मुलाकात की और राज्य के लिए अपनी महत्वपूर्ण निवेश योजनाओं पर चर्चा की। गुरदीप सिंह ने बताया कि एनटीपीसी लगभग 10,000 करोड़ रुपये का निवेश करने के लिए तैयार है। तेलंगाना में सौर और पवन ऊर्जा परियोजनाओं में 80,000 करोड़ रुपये निवेश की योजना है। एनटीपीसी के प्रतिनिधियों ने राज्य के नवीकरणीय ऊर्जा क्षेत्र में निवेश के प्रति अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की और एक अस्थायी सौर ऊर्जा संयंत्र से 6,700 मेगावाट बिजली उत्पादन की क्षमता पर प्रकाश डाला। बैठक के दौरान, मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने तेलंगाना में एनटीपीसी के निवेश के सभी पहलुओं में राज्य सरकार की ओर से सहयोग की इच्छा व्यक्त की।

भारत छोड़ो आंदोलन की वर्षगांठ पर स्वतंत्रता सेनानियों को श्रद्धांजलि

हैदराबाद, 9 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। भारत छोड़ो आंदोलन की 83वीं वर्षगांठ पर, तेलंगाना कांग्रेस ने शनिवार को आंदोलन में भाग लेने वालों और देश की आजादी के लिए स्वतंत्रता सेनानियों द्वारा दिए गए बलिदान को याद करने के लिए एक श्रद्धांजलि सभा आयोजित की। पार्टी मुख्यालय, गांधी भवन में, टीपीसीसी प्रमुख महेश कुमार गौड़ ने राष्ट्रीय ध्वज फहराया और देश की आजादी के लिए अपने प्राणों की आहुति देने वाले सभी स्वतंत्रता सेनानियों को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। इसके बाद, चुनाव आयोग पर एक पावरपॉइंट प्रेजेंटेशन दिखाया गया, जिसे हाल ही में कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने साझा किया था। इस कार्यक्रम में उपमुख्यमंत्री भट्टी विक्रमार्क, मंत्री पोन्नम प्रभाकर और जुपल्ली कृष्ण राव, पूर्व सांसद वी. हनुमंत राव और अन्य उपस्थित थे। इस सभा के दौरान, उन्होंने दावा किया कि राष्ट्रीय स्तर पर भाजपा सरकार संविधान में बदलाव करने की कोशिश कर रही है। महेश कुमार गौड़ ने चुनाव आयोग की आलोचना करते हुए कहा कि वह भाजपा का एक मुखौटा संगठन बन गया है। उन्होंने कहा कि अगर लोगों से सवाल पूछे जाते हैं, तो उन्हें देशद्रोही करार दिया जा रहा है।

सीसीआई नेताओं ने रेरा अधिनियम पर राज्यव्यापी जागरूकता अभियान चलाने की चर्चा की

हैदराबाद, 9 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। भारतीय उपभोक्ता परिसंघ (सीसीआई) के एक उच्च-स्तरीय प्रतिनिधिमंडल ने तेलंगाना रियल एस्टेट नियामक प्राधिकरण (रेरा) के अध्यक्ष एन. सत्यनारायण से शिष्टाचार भेंट की और राज्य भर में रेरा अधिनियम के बारे में जन जागरूकता बढ़ाने की आवश्यकता पर चर्चा की। प्रतिनिधिमंडल में सीसीआई के राष्ट्रीय महासचिव संबरराजू चक्रपाणि, सीसीसी (उपभोक्ता समन्वय समिति) के दक्षिण क्षेत्र महासचिव मोगिलिचेरला सुदर्शन और सीसीआई के नवनियुक्त तेलंगाना अध्यक्ष जी. रजनी रेड्डी शामिल थे। बैठक के दौरान, प्रतिनिधिमंडल ने जिला स्तर पर रेरा जागरूकता कार्यक्रम आयोजित करने के महत्व पर ज़ोर दिया ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि नागरिकों को अधिनियम के तहत उनके अधिकारों और जिम्मेदारियों के बारे में अच्छी जानकारी हो। उन्होंने ज़ोर देकर कहा कि इस तरह की पहल न केवल घर खरीदारों और रियल एस्टेट क्षेत्र के हितधारकों को सशक्त बनाएगी, बल्कि पूरे तेलंगाना में अधिनियम के अधिक प्रभावी कार्यान्वयन में भी योगदान देगी। प्रतिक्रियास्वरूप, रेरा के अध्यक्ष एन. सत्यनारायण ने नियामक ढांचे में जन जागरूकता के महत्व को स्वीकार किया और जी. रजनी रेड्डी को सीसीआई के तेलंगाना राज्य अध्यक्ष के रूप में उनकी हालिया नियुक्ति पर हार्दिक बधाई दी। उन्होंने रियल एस्टेट क्षेत्र में पारदर्शिता और जवाबदेही को बढ़ावा देने में सीसीआई के सक्रिय दृष्टिकोण की सराहना की। बैठक में शहरी विकास और आवास विनियमन में नागरिक-केंद्रित शासन सुनिश्चित करने के लिए नागरिक समाज संगठनों और नियामक निकायों के बीच बढ़ते सहयोग पर प्रकाश डाला गया।

भारी बारिश से हैदराबाद में यातायात और जनजीवन अस्त-व्यस्त

हैदराबाद, 9 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। हाल के दिनों में भारी बारिश ने हैदराबाद में नागरिक जीवन और व्यावसायिक गतिविधियों को बुरी तरह से बाधित कर दिया है। यद्यपि पिछले दस दिनों की बारिश के दौरान भवन गिरने या जानमाल के नुकसान जैसी कोई बड़ी घटना नहीं हुई, लेकिन फ़्लाईओवर, अंडरपास और प्रमुख सड़कों पर पानी भर गया, जिससे यातायात में भारी व्यवधान उत्पन्न हुआ। कई इलाकों में बाढ़ और जलभराव के कारण निवासियों को अपनी दैनिक दिनचर्या में रुकावटों का सामना करना पड़ा। दुकानें और कार्यालय लंबे समय तक बंद रहने से स्थानीय व्यवसायों को भारी नुकसान हुआ।

दिन में हल्की बूंदाबांदी हुई, लेकिन रात में शहर में ठंड का असर रहा। इसके अलावा, घर लौट रहे कर्मचारियों को ट्रैफिक जाम में फंसने के कारण भारी निराशा का सामना करना पड़ा, क्योंकि 60 प्रतिशत से ज़्यादा लोग सार्वजनिक परिवहन पर निर्भर थे। उदाहरण के लिए, 7 अगस्त, 2023 को शहर में भारी बारिश हुई। आंध्र प्रदेश और तेलंगाना के विभिन्न गंतव्यों की यात्रा करने के इच्छुक लोग गच्चीबावली, मणिकोंडा, माधापुर, आरामघर, बीएचईएल, पाटनचेरु, मियापुर, निजामपेट, कुकटपल्ली, एसआर नगर, अमीरपेट, पंजागुट्टा, खैरताबाद, टेलीफोन भवन सर्कल और लकड़ीकापुल सहित क्षेत्रों में निजी बसों या ट्रेनों को पकड़ने के लिए चार घंटे से अधिक समय तक बस स्टॉप पर इंतजार करते रहे।

कई लोग जिन्होंने दो महीने पहले टिकट बुक करा लिए थे, वे ट्रैफिक जाम में फंस गए और समय पर रेलवे स्टेशन नहीं पहुंच सके। नतीजतन, शाम 6 बजे से रात 11 बजे तक चलने वाली उनकी ट्रेनें छूट गईं। सभी प्रमुख सड़कों पर घुटनों तक दो से तीन फीट पानी भर गया, जिससे वाहनों को एक-दूसरे से टकराना पड़ा। लोग सरकार से आग्रह कर रहे हैं कि यात्रियों की असुविधा को कम करने के लिए मानसून समाप्त होने तक मेट्रो रेल परिचालन को चौबीसों घंटे चलाने पर विचार किया जाए।

महिला स्वयं सहायता समूहों की निरक्षर और स्कूल छोड़ चुकी सदस्यों को मिलेगी शिक्षा

करीमनगर, 9 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। महिला स्वयं सहायता समूहों की निरक्षर सदस्यों को समाज में सभी के लिए आजीवन शिक्षा की समझ (उल्लास) के तहत शिक्षा मिलने जा रही है। निरक्षर महिलाओं के अलावा, स्कूल छोड़ चुकी महिलाओं को भी दूरस्थ शिक्षा के माध्यम से दसवीं और स्नातक की पढ़ाई करने में मदद की जाएगी। इस उद्देश्य के लिए ग्रामीण गरीबी उन्मूलन सोसायटी और शिक्षा विभाग दोनों समन्वय से योजना तैयार कर काम कर रहे हैं। स्वयं सहायता समूह की केवल 50 प्रतिशत महिलाएं ही दस्तावेज़ों पर हस्ताक्षर कर रही हैं, जबकि शेष अंगूठे का निशान दे रही हैं। इसलिए, सरकार ने यह सुनिश्चित करने के लिए कि स्वयं सहायता समूह की महिलाएं पढ़-लिख सकें, उल्लास के अंतर्गत साक्षरता कार्यक्रम चलाने का निर्णय लिया है।

शुरूआत में, निरक्षर महिलाओं को शिक्षा प्रदान की जाएगी। दूसरे चरण में, स्कूल छोड़ने वाली महिलाओं की पहचान की जाएगी और उन्हें ओपन स्कूल के माध्यम से दसवीं कक्षा की पढ़ाई के लिए प्रोत्साहित किया जाएगा। इच्छुक महिलाओं को दूरस्थ शिक्षा माध्यम से स्नातक की पढ़ाई करने के लिए प्रोत्साहित किया जाएगा। अधिकारी विभिन्न तकनीकी पाठ्यक्रमों में प्रशिक्षण देकर रोज़गार के अवसर प्रदान करने की भी योजना बना रहे हैं। बैंकिंग क्षेत्र (वित्तीय अनुशासन), पौष्टिक भोजन और व्यक्तिगत स्वच्छता पर प्रशिक्षण दिया जाएगा।

महिलाओं को परेशान करने के आरोप में 33 लोगों को पकड़ा गया

हैदराबाद, 9 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। साइबराबाद महिला एवं बाल सुरक्षा विंग ने 3 से 8 अगस्त के बीच चलाए गए फर्जी अभियान के दौरान सार्वजनिक स्थानों पर महिलाओं को परेशान करने के आरोप में 33 व्यक्तियों को गिरफ्तार किया। अधिकारियों ने बताया कि मामले दर्ज कर लिए गए हैं और गिरफ्तार किए गए लोगों को उनके व्यवहार में सुधार लाने के लिए अनिवार्य परामर्श सत्र से गुजरना पड़ा। शी टीम्स को विभिन्न प्लेटफार्मों के माध्यम से महिलाओं से 25 शिकायतें भी प्राप्त हुईं, जिनका प्राथमिकता के आधार पर समाधान किया गया। परिवार परामर्श केंद्र में वैवाहिक विवादों में फंसे 21 दम्पतियों को उनके मुद्दों को सुलझाने में मदद के लिए परामर्श दिया गया।

मेडिकल कॉलेज में सीनियर ने जूनियर डॉक्टरों को दी ड्रग्स, 8 पॉजिटिव

मादक पदार्थ मामले की जांच

हैदराबाद, 9 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। निजी मेडिकल कॉलेज के मादक पदार्थ मामले की जांच में पता चला है कि वरिष्ठ चिकित्सकों ने ही मादक पदार्थ बेचे थे और उन्हें अपने कनिष्ठों से मिलवाया था। हैदराबाद एंटी-नारकोटिक्स ब्यूरो (एएनबी) ने चल रही जांच में एक परेशान करने वाला नया पहलू उजागर किया है, जिसमें खुलासा हुआ है कि कुछ छात्र (जो पिछले तीन वर्षों से कॉलेज में नामांकित हैं) न केवल ड्रग्स का सेवन करते हैं, बल्कि आपूर्तिकर्ता के रूप में भी काम करते हैं तथा अपने कनिष्ठों को भी ड्रग्स की आदत में शामिल करते हैं।

टीजीएएनबी के अधिकारियों ने ईगल टीम के साथ मिलकर हाल ही में मेडचल के एक निजी मेडिकल कॉलेज पर छापेमारी की, जिसमें कई छात्रों ने गांजा का सेवन किया था। 26 डॉक्टरों की जांच की गई, जिनमें से दो महिलाओं सहित 8 की जांच पॉजिटिव आई। जिन लोगों का परीक्षण सकारात्मक आया, उन्हें पुनर्वास के लिए नशा मुक्ति केंद्र में भेजा गया। पुलिस इस मामले में शहर के एक मुख्य आपूर्तिकर्ता अरफत अहमद खान और बीदर की एक ड्रग स्रोत ज़रीना बानू को पहले ही गिरफ्तार कर चुकी है। बताया जा रहा है कि जैसे-जैसे पुलिस आपूर्ति श्रृंखला और परिसर में ड्रग के इस्तेमाल की गहराई से जांच करेगी, और भी गिरफ्तारियां होने की संभावना है।

बीआरएस ने भाजपा सांसद के खिलाफ दर्ज कराई शिकायत

झूठ फैलाने का आरोप, बीआरएस का भाजपा में विलय होने की कही थी बात

हैदराबाद, 9 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) ने भाजपा सांसद सीएम रमेश के खिलाफ पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है। उन्होंने झूठ फैलाया है कि बीआरएस का भाजपा में विलय हो जाएगा। पार्टी नेता मन्ने गोवर्धन रेड्डी ने बंजारा हिल्स पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई। उन्होंने पुलिस से रमेश के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने की मांग की और चेतावनी दी कि अगर रमेश ने ऐसी टिप्पणी दोबारा की, तो गंभीर परिणाम होंगे।

शिकायत दर्ज कराने के बाद मीडिया को संबोधित करते हुए गोवर्धन रेड्डी ने सांसद रमेश पर शराब के कारोबार और बैंक धोखाधड़ी के ज़रिए सैकड़ों करोड़ रुपये इकट्ठा करने का आरोप लगाया, जिसमें बैंकों से 450 करोड़ रुपये का कथित गबन भी शामिल है। उन्होंने कहा कि रमेश प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की कार्रवाई से बचने के लिए ही टीडीपी छोड़कर भाजपा में शामिल हुए थे। उन्होंने कहा कि कांचा गच्चीबावली वन भूमि को गिरवी रखने में रेवंत रेड्डी सरकार के लिए मध्यस्थ की भूमिका निभाने वाले रमेश को, अस्तित्वहीन चौथे शहर में 1,600 करोड़ रुपये की सड़क विकास परियोजना से पुरस्कृत किया गया है। उन्होंने बताया कि वरिष्ठ कांग्रेस विधायक कोमटिरेड्डी राजगोपाल रेड्डी ने स्वयं खुलासा किया था कि कैसे रेवंत रेड्डी के नेतृत्व वाली कांग्रेस सरकार के तहत आंध्र के ठेकेदार तेलंगाना को लूट रहे थे।

बैद्यनाथ नागपुर असली आयुर्वेद

आयुर्वेद अपनाए..स्वस्थ रहें!

स्वस्थ हृदय ही अच्छे स्वास्थ्य की पहचान है।

बैद्यनाथ असली आयुर्वेद

अर्जुनामृत

A.U.4127/09/25/283

- अर्जुनामृत में अर्जुन के अलावा विडंग, गोखरू एवं नागकेशर जैसे बहुमूल्य जड़ी-बूटीयों से युक्त होने से अधिक गुणकारी है।
- बढ़ती उम्र के लिए लाभकारी।
- अर्जुनामृत के साथ शुध्द शिलाजीत युक्त प्रभाकर बटी का सेवन विशेष लाभदायक है।

श्री रवि गणेश, खम्मम्

प्र. मेरी आयु 50 वर्ष है। मुझे 6 वर्ष से मधुमेह हुवा है। शरीर में कमजोरी लगती है। कृपया आयुर्वेदिक उपाय बतायें।

उ. महोदय, आप अपने खान पान का ध्यान रखें। व शुगर बढ़ाने वाले खाद्य पदार्थों का परेहज करें। **बैद्यनाथ मधुमेहारी ग्रेन्युल्स्** 1-1 चम्मच सुबह-शाम पानी के साथ सेवन करें। इसका सेवन लगातार करें यह दवा किसी प्रकार का साइड इफेक्ट नही करती व रक्तशर्करा सामान्य बनाने में सहायक है।

श्रीमती माधुरी चंद्रा, विशाखापट्टनम्

प्र. बरसात के दिनों में सर्दी, खाँसी की तकलीफ बनी रहती है। कृपया आयुर्वेदिक उपचार बतायें।

उ. **बैद्यनाथ लक्ष्मीविलास रस (नारदीय)** 1-1 टॅब पीसकर शहद + अदरक रस के साथ लेवें। **बैद्यनाथ कासविन** 2-2 चम्मच सुबह शाम लेवें। रात को सोने के पूर्व **बैद्यनाथ सितोपलादी चूर्ण** आधा चम्मच शहद के साथ लेवें।

श्री कुमार शास्त्री, निजामाबाद

प्र. मेरी उम्र 55 वर्ष है। मै पेशाब की समस्या से परेशान हुँ। मुझे प्रोस्टेट की समस्या का पता चला है। कृपया आयुर्वेदिक दवां बताये।

उ. **बैद्यनाथ प्रोस्ट-एड टॅबलेट** 1-1 टॅबलेट सुबह शाम पानी के साथ लेवें।

श्री सी. व्यंकटरमन, हैद्राबाद

प्र. मुझे पांच साल से बवासीर की तकलीफ है। शौच के जगह खुजली चलती है व दर्द बहुत होता है। कब्ज़ की तकलिफ है। शौचाद्वारा रक्त गिरता है।

उ. **बैद्यनाथ सिड्पाईल्स** 2-2 टॅबलेट दिन में दो बार पानी के साथ लेवें। **बैद्यनाथ अभयामृत** 2-2 चम्मच समभाग पानी के साथ दिन में दो बार भोजनबाद लेवें।

वैद्य रमेश शर्मा, एम. डी. (आयु.)
प्रधान वैद्य

बैद्यनाथ के दवाइयों के साथ जानकारी हेतु सेवनविधी दी है। इस का प्रयोग वैद्यकिय परामर्श से करें।
अधिक जानकारी के लिए संपर्क करें : 844 844 4935 I www.baidyanath.co

छेड़छाड़ के आरोप में तीन युवकों पर मामला दर्ज

हैदराबाद, 9 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। जुबली हिल्स पुलिस ने जुबली हिल्स रोड नंबर 36 पर स्थित एक पब में एक महिला के साथ कथित तौर पर दुर्व्यवहार करने के आरोप में तीन युवकों के खिलाफ आपराधिक मामला दर्ज किया है। मिली जानकारी के अनुसार, मणिकोंडा की 30 वर्षीय महिला मंगलवार रात अपने दोस्त के साथ पब गई थी। आधी रात के आसपास, कुछ युवकों ने पब के अंदर उसके साथ अनुचित व्यवहार करना शुरू कर दिया।

बाद में, भरत, मारुति और डोनाल्ड नामक तीन युवक पब के बाहर आये और फिर से उसे परेशान किया। जब महिला का भाई वहां पहुंचा और उनसे पूछताछ की, तो तीनों ने कथित तौर पर उसके साथ दुर्व्यवहार और मारपीट की। पब के प्रवेश द्वार पर मौजूद बाउंसरों ने, जिन्होंने हस्तक्षेप करके युवकों को शांत करने का प्रयास किया, उन पर भी युवकों ने हमला कर दिया। इस झड़प में महिला और उसके भाई को गंभीर चोटें आईं और उनका इलाज जुबली हिल्स के एक निजी अस्पताल में कराया गया। पीड़िता की शिकायत के आधार पर जुबली हिल्स पुलिस ने तीनों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है और जांच कर रही है।

जीएचएमसी ने पारदर्शिता और दक्षता बढ़ाने के लिए शुरू कीं नई डिजिटल सेवाएं

हैदराबाद, 9 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। नागरिक सेवाओं को सुव्यवस्थित करने और डिजिटल प्लेटफॉर्म के माध्यम से प्रक्रियाओं को अधिक पारदर्शी और कुशल बनाने के लिए, ग्रेटर हैदराबाद नगर निगम (जीएचएमसी) ने शनिवार को कुछ पहल जारी कीं। संपत्ति मालिक अब संपत्ति कर भुगतान, भवन निर्माण अनुमति और शिकायत निवारण सहित विभिन्न ऑनलाइन सेवाओं का लाभ उठा सकते हैं।

अधिकारियों ने बताया कि प्रौद्योगिकी का एकीकरण शहरी प्रबंधन को बेहतर बनाने और जवाबदेही सुनिश्चित करने के प्रयासों का हिस्सा है।

राजस्व एवं आईटी के अतिरिक्त आयुक्त अनुराग जयंती ने कहा कि इसका उद्देश्य जीएचएमसी को अपने आईटी विंग के अंतर्गत नवीन, नागरिक-केंद्रित पहलों के माध्यम से शहरी शासन को पुनर्परिभाषित करने में अन्य शहरों के लिए एक आदर्श बनाना है।

एसएलबीसी सुरंग पर जल्द शुरू होगा हेलीकॉप्टर से वीटीईएम सर्वेक्षण

हैदराबाद, 9 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना सरकार ने श्रीशैलम लेफ्ट बैंक कैनाल सुरंग के लिए 2.36 करोड़ रुपये के हेलीकॉप्टर-जनित बहुमुखी टाइम डोमेन इलेक्ट्रोमैग्नेटिक (वीटीईएम) सर्वेक्षण के लिए प्रशासनिक स्वीकृति प्रदान की है, जो अलीमिनेटी माधव रेड्डी परियोजना का एक महत्वपूर्ण घटक है। सरकार द्वारा जारी अनुमोदन आदेश में यह कार्य राष्ट्रीय भूभौतिकीय अनुसंधान संस्थान (एनजीआरआई), हैदराबाद को नामांकन के आधार पर सौंपने की अनुमति दी गई है, जिसके लिए धनराशि तदनुसार जारी की जाएगी।

एसएलबीसी सुरंग योजना का उद्देश्य कृष्णा नदी के बाढ़ के पानी को श्रीशैलम जलाशय में स्थानांतरित करके 4 लाख एकड़ भूमि की सिंचाई करना और नागरकर्नूल तथा नलगोंडा जिलों के फ़्लोराइड प्रभावित क्षेत्रों के 516 गांवों को पेयजल उपलब्ध कराना है। 1983 में शुरू की गई इस परियोजना को इस तरह डिजाइन किया गया है कि सुरंग तक कोई मध्यवर्ती पहुंच न हो। सुरंग 44 किलोमीटर लंबी होगी, जिसमें से 35 किलोमीटर की खुदाई पहले ही हो चुकी है। अमराबाद टाइगर रिजर्व से 400 मीटर नीचे स्थित इस सुरंग का निर्माण पर्यावरण संरक्षण और संरचनात्मक अखंडता सुनिश्चित करने के लिए टनल बोरिंग मशीन (टीबीएम) तकनीक का उपयोग करके किया जा रहा है। राज्य सरकार सुरंग खोदने की विधियों पर पुनर्विचार कर रही है, खासकर 22 फरवरी, 2025 को छत ढहने के बाद, जिसमें आठ में से छह श्रमिकों का दुर्घटनास्थल पर पता नहीं चल पाया है, जबकि दो शव बरामद किए गए हैं।

भूगर्भीय रूप से अस्थिर अपरूपण क्षेत्र से बचते हुए सुरंग का काम फिर से शुरू करना होगा। 13.88 और 13.9 किलोमीटर के बीच हुई छत के ढहने की घटना ने सुरंग की संरचनात्मक अखंडता को लेकर गंभीर चिंताओं को उजागर किया है। लंबे समय से रिसाव और कठोर चट्टानी संरचनाएं काम फिर से शुरू करने में मुख्य चुनौतियां रही हैं। सरकार ने तब से फॉल्ट ज़ोन को बायपास करने का फैसला किया है और सुरक्षा और पहुंच बढ़ाने के लिए एक वैकल्पिक सुरंग विस्तार की संभावना तलाश रही है, क्योंकि सुरंग अमराबाद टाइगर रिजर्व के भीतर स्थित है और पर्यावरणीय मंज़ूरी मिलने तक प्रतीक्षा कर रही है।

यूरिया के लिए किसान रात तक इंतजार करने को मजबूर

रात 10 बजे तक नहीं मिल सका आवंटन

राजन्ना-सिरसिला, 9 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। सरकारी सचेतक और स्थानीय विधायक आदि श्रीनिवास के पैतृक गांव रुद्रंगी मंडल के किसानों को यूरिया की आपूर्ति के लिए शुक्रवार देर रात तक इंतजार करना पड़ा। आसपास के गांवों से किसान दोपहर से ही रैतु सेवा केंद्र पहुंचने लगे थे, लेकिन रात 10 बजे तक भी उन्हें उनका आवंटन नहीं मिला था। इंतज़ार कर रहे किसानों में कई महिला किसान भी थीं, जिन्होंने कहा कि उनके पास देर रात तक रुकने के अलावा कोई विकल्प नहीं था।

उन्होंने आरोप लगाया कि पिछले एक महीने में बार-बार रैतु सेवा केंद्र जाने के बावजूद, यूरिया के बैग उपलब्ध नहीं कराए गए। कुछ लोगों ने कहा कि पिछली बीआरएस सरकार के दौरान, के चंद्रशेखर राव के नेतृत्व में उर्वरक और अन्य सामग्री की तुरंत आपूर्ति की जाती थी, लेकिन कांग्रेस के शासन में स्थिति और खराब हो गई है। महिला किसानों ने निराशा व्यक्त करते हुए बताया कि वे अपने बच्चों को घर पर छोड़कर यूरिया लेने के लिए रुद्रंगी आई थीं और उन्होंने सवाल उठाया कि इतनी देर रात को उनसे अपने गांव लौटने की उम्मीद कैसे की जा सकती है।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.